



# भारत का राजपत्र

## The Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 18]

नई दिल्ली, शनिवार, मई 6, 1978 (वैशाख 16, 1900)

No. 18]

NEW DELHI, SATURDAY, MAY 6, 1978 (VAISAKHA 16, 1900)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके।

Separate paglag is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation.

### विषय-सूची

पृष्ठ	पृष्ठ
भाग I—खंड 1—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं . . . . .	जारी किए गए साधारण नियम (जिनमें साधारण प्रकार के आदेश, उप-नियम आदि सम्मिलित हैं) 1001
417	भाग II—खंड 3—उपखंड (ii)—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ-राज्य क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा विधि के अन्तर्गत बनाए और जारी किए गए आदेश और अधिसूचनाएं 1259
भाग I—खंड 2—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई सरकारी अफसरों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि से सम्बन्धित अधिसूचनाएं . . . . .	585
भाग I—खंड 3—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों, आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं . . . . .	—
भाग I—खंड 4—रक्षा मंत्रालय द्वारा जारी की गई अफसरों की नियुक्तियों, पदोन्नतियों, छुट्टियों आदि से सम्बन्धित अधिसूचनाएं . . . . .	415
भाग II—खंड 1—अधिनियम, अध्यादेश और विनियम . . . . .	—
भाग II—खंड 2—विधेयक और विधेयको संबंधी प्रवर समितियों की रिपोर्टें . . . . .	—
भाग II—खंड 3—उपखंड (i)—(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और (संघ-राज्य क्षेत्रों के प्रशासनों को छोड़कर) केन्द्रीय प्राधिकारियों द्वारा जारी किए गए विधि के अन्तर्गत बनाए और जारी किए गए साधारण नियम (जिनमें साधारण प्रकार के आदेश, उप-नियम आदि सम्मिलित हैं)	107
भाग III—खंड 1—महालेखापरीक्षक, सब लोक-सेवा आयोग, रेल प्रशासन, उच्च न्यायालयों और भारत सरकार के अधीन तथा सलग्न कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं . . . . .	2469
भाग III—खंड 2—एकस्व कार्यालय, कलकत्ता द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं और नोटिस . . . . .	333
भाग III—खंड 3—मुख्य आयक्तों द्वारा या उनके प्राधिकार से जारी की गई अधिसूचनाएं . . . . .	—
भाग III—खंड 4—विधिक निकायों द्वारा जारी की गई विधिक अधिसूचनाएं जिनमें अधिसूचनाएं, प्रादेश, विज्ञापन और नोटिस शामिल हैं . . . . .	1011
भाग IV—गैर-सरकारी व्यक्तियों और गैर-सरकारी संस्थाओं के विज्ञापन तथा नोटिस . . . . .	77

## CONTENTS

	PAGE	(other than the Ministry of Defence) and by Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories) ..	PAGE
PART I—SECTION 1.—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court .. .. .	417	PART II—SECTION 3.—SUB. SEC. (ii).—Statutory Orders and Notifications issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Central Authorities (other than the Administrations of Union Territories) ..	1001
PART I—SECTION 2.—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Government Officers issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court .. .. .	585	PART II—SECTION 4.—Statutory Rules and Orders notified by the Ministry of Defence ..	107
PART I—SECTION 3.—Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders, and Resolutions issued by the Ministry of Defence .. .. .	—	PART III—SECTION 1.—Notifications issued by the Auditor General, Union Public Service Commission, Railway Administration, High Courts and the Attached and Subordinate Offices of the Government of India ..	2469
PART I—SECTION 4.—Notifications regarding Appointments, Promotions, Leave etc. of Officers issued by the Ministry of Defence .. .. .	415	PART III—SECTION 2.—Notifications and Notices issued by the Patent Office, Calcutta ..	333
PART II—SECTION 1.—Acts, Ordinances and Regulations .. .. .	—	PART III—SECTION 3.—Notifications issued by or under the authority of Chief Commissioners .. .. .	—
PART II—SECTION 2.—Bills and Reports of Select Committees on Bills .. .. .	—	PART III—SECTION 4.—Miscellaneous Notifications including Notifications, Orders, Advertisements and Notices issued by Statutory Bodies .. .. .	1011
PART II—SECTION 3.—SUB. SEC. (i).—General Statutory Rules (including orders, bye-laws etc. of general character) issued by the Ministries of the Government of India .. .. .	—	PART IV.—Advertisements and Notices by Private Individuals and Private Bodies .. .. .	77

## भाग I—खण्ड 1

## PART I—SECTION 1

(रक्षा मंत्रालय को छोड़कर) भारत सरकार के मंत्रालयों और उच्चतम न्यायालय द्वारा जारी की गई विधितर नियमों, विनियमों तथा आदेशों और संकल्पों से सम्बन्धित अधिसूचनाएं

[Notifications relating to Non-Statutory Rules, Regulations, Orders and Resolutions issued by the Ministries of the Government of India (other than the Ministry of Defence) and by the Supreme Court]

गृह मंत्रालय  
(कार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग)

नियम 6

नई दिल्ली, दिनांक 6 मई 1978

सं० 13018/1/78-अ० भा० से०(I)—निम्नलिखित सेवाओं/पदों में रिक्तियों को भरने के लिये 1978 में संयुक्त सेवा आयोग द्वारा ली जाने वाली सम्मिलित प्रतियोगिता परीक्षा के नियम, संबंधित मंत्रालयों और भारतीय लेखा-परीक्षा और लेखा सेवा के सम्बन्ध में भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक की सहमति से, आम जानकारी के लिये प्रकाशित किये जाते हैं :—

## वर्ग I

- (i) भारतीय प्रशासन सेवा, और
- (ii) भारतीय विदेश सेवा

## वर्ग II

- (i) भारतीय पुलिस सेवा
- (ii) दिल्ली और अण्डमान, निकोबार द्वीप समूह पुलिस सेवा ग्रुप ख
- (iii) रेल सेवा सुरक्षा बल में ग्रुप ख के सहायक सुरक्षा अधिकारी/सहायक कमांडेंट/ऐडजुटेंट के पद।
- (iv) गोवा, दमन तथा दियु पुलिस सेवा ग्रुप 'ख' तथा
- (v) पाण्डिचेरी पुलिस सेवा, ग्रुप 'ख'

## वर्ग III

(क) ग्रुप 'क' की सेवायें:—

- (i) भारतीय डाक तार लेखा तथा वित्त सेवा,
- (ii) भारतीय लेखा परीक्षा तथा लेखा सेवा,
- (iii) भारतीय सीमा शुल्क और केन्द्रीय उत्पादन शुल्क सेवा,
- (iv) भारतीय रक्षा लेखा सेवा,
- (v) भारतीय आय कर सेवा (वर्ग क)
- (vi) भारतीय आयुक्त कारखाना सेवा (ग्रुप क) (सहायक प्रबन्धक गैर-तकनीकी)
- (vii) भारतीय डाक सेवा,
- (viii) भारतीय नागर लेखा सेवा,
- (ix) भारतीय रेलवे लेखा सेवा,
- (x) भारतीय रेलवे यातायात सेवा, तथा
- (xi) रक्षा भूमि तथा छावनी सेवा (ग्रुप क)

(ख) ग्रुप 'ख' की सेवायें:—

- (i) केन्द्रीय मन्त्रालय सेवा अनुभाग अधिकारी ग्रेड, ग्रुप ख
- (ii) भारतीय विदेश सेवा, बांख ख सामान्य संवर्ग के सम्बन्धित ग्रेड II तथा III (अनुभाग अधिकारी ग्रेड),
- (iii) सशस्त्र सेना मुख्यालय सिविल सेवा, सहायक सिविलियन स्टाफ अधिकारी ग्रेड ग्रुप
- (iv) सीमा शुल्क मूल्य निष्पन्न (एप्रैजर) सेवा ग्रुप ख,
- (v) दिल्ली तथा अण्डमान और निकोबार द्वीप समूह, सिविल सेवा ग्रुप ख।

MINISTRY OF HOME AFFAIRS  
(DEPARTMENT OF PERSONNEL AND  
ADMINISTRATIVE REFORMS)

RULES

New Delhi, the 6th May 1978

No. 13018/1/78-AIS(I).—The rules for a combined competitive examination to be held by the Union Public Service Commission in 1978 for the purpose of filling vacancies in the following Services/posts are, with the concurrence of the Ministries concerned and the Comptroller and Auditor General of India in respect of the Indian Audit and Accounts Service, published for general information :—

## Category I

- (i) The Indian Administrative Service, and
- (ii) The Indian Foreign Service.

## Category II

- (i) The Indian Police,
- (ii) The Delhi and Andaman & Nicobar Islands Police Service, Group B
- (iii) Posts of Assistant Security Officer/Assistant Commandant/Adjutant, Group B in the Railway Protection Force.
- (iv) The Goa, Daman and Diu Police Service, Group 'B', and
- (v) The Pondicherry Police Service, Group 'B',

## Category III

(a) Group A Services :

- (i) The Indian P & T Accounts & Finance Service.
- (ii) The Indian Audit & Accounts Service.
- (iii) The Indian Customs & Central Excise Service.
- (iv) The Indian Defence Accounts Service.
- (v) The Indian Income-tax Service (Group A).
- (vi) The Indian Ordnance Factories Service, Group A (Assistant Managers—Non-Technical).
- (vii) The Indian Postal Service.
- (viii) The Indian Civil Accounts Service.
- (ix) The Indian Railway Accounts Service.
- (x) The Indian Railway Traffic Service, and
- (xi) The Defence Lands and Cantonments Services, Group A.

(b) Group B Services :

- (i) The Central Secretariat Service, Section Officers' Grade, Group B.
- (ii) The Indian Foreign Service Branch 'B' Integrated Grade II and III of the General Cadre (Section Officers' Grade).
- (iii) The Armed Forces Headquarters Civil Service, Assistant Civilian Staff Officers' Grade, Group B.
- (iv) The Customs Appraisers' Service, Group B., and
- (v) The Delhi and Andaman & Nicobar Islands Civil Service Group B,

(vi) रेल बोर्ड सचिवालय सेवा (अनुभाग अधिकारी ग्रेड) ग्रुप 'ख'

(vii) गोवा, दमन, तथा दियु सिविल सेवा, ग्रुप 'ख' तथा

(viii) पांडिचेरी सिविल सेवा, ग्रुप 'ख'

1. उम्मीदवार उपर्युक्त वर्गों की किसी एक अथवा एक से अधिक सेवाओं/पदों के लिये प्रतियोगिता में बैठ सकता है (कृपया देखें नियम 4)। उसे अपने आवेदन-पत्र में सम्बन्धित वर्ग/वर्गों के अन्तर्गत आने वाली इन सेवाओं का स्पष्ट उल्लेख कर देना चाहिये जिनके लिये वह बरीयता के क्रम में विचार किये जाने का इच्छुक है।

भारतीय प्रशासन सेवा/भारतीय पुलिस सेवा के लिये प्रतियोगिता कर रहे अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित जनजाति के उम्मीदवार अथवा महिला उम्मीदवार को भारतीय प्रशासन सेवा/भारतीय पुलिस सेवा में चुन लिये जाने की स्थिति में आवेदन पत्र में राज्य संघर्ष के लिये अपने बरीयता क्रम को स्पष्ट रूप से निदिष्ट कर देना चाहिये।

भारतीय प्रशासन सेवा/भारतीय पुलिस सेवा के लिये प्रतियोगिता में भाग ले रहे अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित जनजाति से इतर जाति के पुरुष उम्मीदवार को अपने आवेदन पत्र में स्पष्ट रूप से यह उल्लेख कर देना चाहिये कि क्या वह भारतीय प्रशासन सेवा/भारतीय पुलिस सेवा के लिये भयन किये जाने की स्थिति में उस राज्य में आबंटन के लिये विचार कराया जाना पसन्द करेगा जिस राज्य का वह है।

सेवाओं के जिन वर्ग/वर्गों के लिये उम्मीदवार प्रतियोगिता कर रहा है, उनके सम्बन्ध में उसके द्वारा दी गई बरीयताओं में, अथवा जिन राज्य संघर्षों के लिये वह आबंटन कराया जाना पसन्द करेगा उनके सम्बन्ध में परिवर्तन के लिये किसी भी अनुरोध पर, जब तक कि ऐसा अनुरोध सिद्धित परीक्षा के परिणामों की घोषणा की तारीख के 15 दिनों के भीतर संघ लोक सेवा आयोग के कार्यालय में प्राप्त नहीं हो जाता, विचार नहीं किया जायेगा। उम्मीदवारों द्वारा अपने आवेदन पत्र भेजने के पश्चात् उनको कोई भी ऐसा पत्र आयोग या भारत सरकार की ओर से नहीं भेजा जायेगा जिसमें कि उनसे विभिन्न संवर्गों/सेवाओं के लिये अपनी संशोधित बरीयताओं, यदि कोई हो, बताने के लिये कहा जाये। संशोधन बरीयताओं, यदि कोई हो, भेजने के लिये, उम्मीदवारों को आवेदन पत्र के कालम 21 तथा 22 में जो फार्म दिया गया है वही प्रयोग में लाना होगा।

किन्तु शर्त यह है कि जब कोई अनुरोध पूर्वोक्त अवधि के समाप्त होने के बाद किन्तु सेवाओं के आबंटन की अन्तिम रूप दिये जाने से पहले प्राप्त हो, तो गृह मंत्रालय (फार्मिक और प्रशासनिक सुधार विभाग), यदि इस बात से सन्तुष्ट हो कि उम्मीदवार को उस सेवा में आबंटित किए जाने से अनुचित कठिनाई होगी जिसके लिये उसने अपनी बरीयता निदिष्ट की है तो वह संघ लोक सेवा आयोग के परामर्श से ऐसे अनुरोध पर विचार कर सकता है।

2. परीक्षा के परिणामों के आधार पर भरी जाने वाली रिक्तियों की संख्या आयोग द्वारा जारी किये गये नोटिस में बताई जायेगी।

अनुसूचित जातियों तथा अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों के लिए पद सरकार द्वारा निश्चित रिक्तियों को देखते हुए प्रारक्षित रखे जायेंगे।

अनुसूचित जातियों/जन जातियों के अधिप्राय निम्नलिखित आदेशों में उल्लिखित जातियों/जन जातियों में से किसी एक से है—

अनुसूचित जातियों/जन जातियों से अधिप्राय निम्नलिखित आदेशों में उल्लिखित जातियों/जन जातियों में से किसी एक से है :—

संविधान (अनुसूचित जाति) आदेश, 1950, संविधान (अनुसूचित जन जाति) आदेश, 1950, संविधान (अनुसूचित जाति) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश, 1951, संविधान (अनुसूचित जनजाति) (संघ राज्य क्षेत्र) आदेश, 1951, [अनुसूचित जातियां तथा अनुसूचित जन जातियां सूचियां (अशोधन) आदेश, 1956, बम्बई पुनर्गठन अधिनियम, 1960, पंजाब पुनर्गठन अधिनियम 1966 हिमाचल प्रदेश राज्य अधिनियम, 1970 तथा उत्तर पूर्वी क्षेत्र (पुनर्गठन) अधिनियम, 1971 और अनुसूचित जातियां तथा अनुसूचित जन जातियां आदेश (संशोधन)

अधिनियम 1976 द्वारा यथा संशोधित] संविधान (अम्मू और कश्मीर) अनुसूचित जातियां आदेश, 1956, संविधान (अण्डमान और निकोबार द्वीप समूह) अनुसूचित जन जातियां आदेश, 1959, [अनुसूचित जातियां तथा अनुसूचित जन जातियां आदेश (संशोधन) अधिनियम, 1976 द्वारा यथा संशोधित] (संविधान वादरा और नागर हवेली) अनुसूचित जातियां आदेश, 1962, संविधान वादरा और नागर हवेली, अनुसूचित जनजातियां आदेश 1962, संविधान (पांडिचेरी) अनुसूचित जातियां आदेश, 1964, संविधान (अनुसूचित जन जातियां) (उत्तर-प्रदेश) आदेश, 1967 संविधान (गोवा, दमन और दियु) अनुसूचित जातियां आदेश, 1968, संविधान (गोवा दमन और दियु) अनुसूचित जन जातियां आदेश, 1968 और संविधान (नागालैंड) अनुसूचित जन जातियां आदेश, 1970।

3. संघ लोक सेवा आयोग द्वारा यह परीक्षा इन नियमों के परिशिष्ट I में निर्धारित ढंग से ली जायेगी।

परीक्षा की तारीख और स्थान आयोग द्वारा निर्धारित किये जायेंगे।

4. भारतीय प्रशासनिक सेवा आदि में भरती के लिये ली जाने वाली सम्मिलित प्रतियोगिता परीक्षा की इन तीन वर्गों की सेवाओं/पदों को, यानी, (1) भारतीय प्रशासनिक सेवा और भारतीय विदेश सेवा, (2) भारतीय पुलिस सेवा, दिल्ली तथा अण्डमान और निकोबार द्वीप समूह पुलिस सेवा गोवा, दमन और दियु पुलिस सेवा, पांडिचेरी पुलिस सेवा और रेलवे सुरक्षा बल में ग्रुप ख के सहायक के सुरक्षा अधिकारी/सहायक समावेष्ट/एक्ज्यूटेंट के पद, (3) केन्द्रीय सेवाओं, दिल्ली तथा अण्डमान और निकोबार द्वीप समूह सिविल सेवा, गोवा, दमन तथा दियु सिविल सेवा तथा पांडिचेरी सिविल सेवा के लिये अलग अलग तीन परीक्षाएँ समझा जायेगा।

5. जो उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जन जाति का न हो या कोनिया, उगांडा, संयुक्त गणराज्य तंजानिया या जाम्बिया, मलावी, जेरे और इथियोपिया से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति न हो तो उसे ऊपर नियम 4 में उल्लिखित तीन वर्गों में से प्रत्येक की सेवाओं/पदों के लिये प्रतियोगिता परीक्षा में अधिक से अधिक तीन बार सम्मिलित होने दिया जायेगा, परन्तु यह प्रतिबन्ध 1961 की परीक्षा से लागू है।

नोट 1—यदि कोई उम्मीदवार किसी एक अथवा अधिक विषयों में वस्तुतः परीक्षा देता है तो उसे सेवा/पदों की प्रत्येक श्रेणी की परीक्षा में बैठना समझा जायेगा जिसमें आयोग द्वारा उसे प्रविष्ट किया जाता है।

नोट 2—उक्त परीक्षा की वर्तमान योजना विभिन्न विषयों की पाठ्यक्रमों तथा उक्त परीक्षा में कोई उम्मीदवार कितनी बार प्रतियोगिता में बैठ सकता है, इन्हें वर्ष 1978 के बाद ली जाने वाली परीक्षाओं के लिये संशोधित किया जा सकता है।

6. (1) भारतीय प्रशासन सेवा और भारतीय पुलिस सेवा का उम्मीदवार भारत का नागरिक अवश्य हो।

(2) अन्य सेवा के उम्मीदवार को या तो—

(क) भारत का नागरिक होना चाहिये, या

(ख) नेपाल की प्रजा, या

(ग) भूटान की प्रजा, या

(घ) ऐसा तिब्बती शरणार्थी, जो भारत में स्थाई रूप से रहने की इच्छा से पहली जनवरी, 1962 से पहले भारत आ गया हो, या

(ङ) कोई भारत मूलक व्यक्ति जो भारत में स्थाई रूप से रहने की इच्छा से पाकिस्तान, बर्मा, श्रीलंका, कोनिया, उगांडा, संयुक्त गणराज्य तंजानिया के पूर्वी अफ्रीकी देशों, जाम्बिया, मलावी, जेरे और इथियोपिया और वियतनाम से प्रजनन कर आया हो।

परन्तु (ख), (ग), (घ) और (ङ) वर्गों के अन्तर्गत आने वाले उम्मीदवार के पास भारत सरकार द्वारा जारी किया गया पात्रता (एलिजिबिलिटी) प्रमाण पत्र होना चाहिये।

(vi) The Railway Board Secretariat Service, (Section Officers' Grade) Group 'B'.

(vii) The Goa, Daman and Diu Civil Service, Group 'B' and

(viii) The Pondicherry Civil Service, Group 'B'.

1. A candidate may compete in respect of any one or more of the categories of Services/posts mentioned above (Please see Rule 4). He should clearly indicate in his application the Services covered by the category/categories concerned for which he wishes to be considered in the order of preference.

A candidate belonging to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe or a woman candidate competing for the I.A.S./I.P.S. should clearly indicate in his/her application the order of preference for the State Cadre in case he/she is selected for the I.A.S./I.P.S.

A male candidate not belonging to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and competing for the IAS/IPS should indicate in his application if he would like to be considered for allotment to the State to which he belongs in case he is selected for the IAS/IPS.

*NO REQUEST FOR ALTERATION IN THE PREFERENCES INDICATED BY A CANDIDATE IN RESPECT OF SERVICES COVERED BY THE CATEGORY/CATEGORIES FOR WHICH HE/SHE IS COMPETING OR IN RESPECT OF THE STATE CADRES TO WHICH HE/SHE WOULD LIKE TO BE CONSIDERED FOR ALLOTMENT WOULD BE CONSIDERED UNLESS THE REQUEST FOR SUCH ALTERATION IS RECEIVED IN THE OFFICE OF THE UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION WITHIN 15 DAYS OF THE DATE OF DECLARATION OF THE RESULTS OF THE WRITTEN EXAMINATION. NO COMMUNICATION EITHER FROM THE COMMISSION OR FROM THE GOVERNMENT OF INDIA WOULD BE SENT TO THE CANDIDATES ASKING THEM TO INDICATE THEIR REVISED PREFERENCES, IF ANY FOR THE VARIOUS CADRES/SERVICES AFTER THEY HAVE SUBMITTED THEIR APPLICATIONS. FOR SENDING THE REVISED PREFERENCES, IF ANY, THE CANDIDATES SHALL USE THE SAME FORMS AS GIVEN IN COLUMNS 21 AND 22 OF THE APPLICATION FORM.*

*PROVIDED THAT WHERE A REQUEST IS MADE AFTER THE EXPIRY OF THE PERIOD AFORESAID, BUT BEFORE THE FINALISATION OF ALLOCATION TO SERVICES THE MINISTRY OF HOME AFFAIRS (DEPARTMENT OF PERSONNEL & ADMINISTRATIVE REFORMS) MAY, IF IT IS SATISFIED THAT THE CANDIDATE WILL BE PUT TO UNDUE HARDSHIP IF ALLOCATED TO THE SERVICE FOR WHICH HE HAS INDICATED HIS PREFERENCE AND IN CONSULTATION WITH THE UNION PUBLIC SERVICE COMMISSION, CONSIDER SUCH REQUEST.*

2. The number of vacancies to be filled on the results of the examination will be specified in the Notice issued by the Commission.

Reservations will be made for candidates belonging to the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes in respect of vacancies as may be fixed by the Government.

Scheduled Castes/Tribes mean any of the Castes/Tribes mentioned in the Constitution (Scheduled Castes) Order, 1950; the Constitution (Scheduled Tribes) Order, 1950; the Constitution (Scheduled Castes) (Union Territories) Order, 1951; the Constitution (Scheduled Tribes) (Union Territories) Order, 1951; [as amended by the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Lists (Modification) Order, 1956, the Bombay Reorganisation Act, 1960, the Punjab Reorganisation Act, 1966, the State of Himachal Pradesh Act, 1970 and the North Eastern Areas (Reorganisation) Act, 1971, and the Scheduled Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976] the Constitution (Jammu and Kashmir) Scheduled Castes Order, 1956, the Constitution (Andaman and Nicobar Islands) Scheduled Tribes Order, 1959, as amended by the Scheduled

Castes and Scheduled Tribes Orders (Amendment) Act, 1976\* the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Castes Order, 1962, the Constitution (Dadra and Nagar Haveli) Scheduled Tribes Order, 1962, the Constitution (Pondicherry) Scheduled Castes Order, 1964, the Constitution (Scheduled Tribes) (Uttar Pradesh) Order 1967, the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Castes Order, 1968, the Constitution (Goa, Daman and Diu) Scheduled Tribes Order, 1968, and the Constitution (Nagaland), Scheduled Tribes Order, 1970.

3. The examination will be conducted by the Union Public Service Commission in the manner prescribed in Appendix 1 to these Rules.

The dates on which and the places at which the examination will be held shall be fixed by the Commission.

4. The combined competitive examination for recruitment to I.A.S. etc. is to be treated as comprising three separate and distinct examination for three categories of Services/posts viz., (i) IAS and IFS, (ii) IPS, Delhi and Andaman & Nicobar Islands Police Service Goa, Daman and Diu Police Service, Pondicherry Police Service and posts of Assistant Security Officer/Assistant Commandant/Adjutant, Group B in Railway Protection Force and (iii) Central Services, Delhi and Andaman & Nicobar Islands Civil Service, Goa, Daman and Diu Civil Service and Pondicherry Civil Service.

5. No candidate who does not belong to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe or is not a migrant from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania or is not a repatriate of Indian origin from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia shall be permitted to compete more than three times at the examination for each of the three categories of Services posts mentioned in Rule 4 above, but this restriction is effective from the examination held in 1961.

NOTE 1.—If a candidate actually appears in any one or more subjects he shall be deemed to have competed at the examination for each of the categories of Services/posts to which he is admitted by the Commission.

NOTE 2.—The existing scheme of examination the syllabi for the various subjects and the number of times for which a candidate can compete at the examination are liable to be revised for the examinations to be held after 1978.

6. (1) For the Indian Administrative Service and the Indian Police Service a candidate must be a citizen of India.

(2) For other Services, a candidate must be either—

(a) a citizen of India, or

(b) a subject of Nepal, or

(c) a subject of Bhutan, or

(d) a Tibetan refugee who came over to India, before the 1st January, 1962 with the intention of permanently settling in India, or

(e) a person of Indian origin who was migrated from Pakistan, Burma, Sri Lanka, East African Countries of Kenya, Uganda, the United Republic of Tanzania, Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia and Vietnam with the intention of permanently settling in India.

एक और शर्त यह भी है कि उपर्युक्त (ख), (ग) और (घ) वर्गों के उम्मीदवार भारतीय विदेश सेवा में नियुक्ति के पात्र नहीं माने जायेंगे।

ऐसे उम्मीदवार को भी उचित परीक्षा में प्रवेश दिया जा सकता है जिसके बारे में पात्रता प्रमाण पत्र प्राप्त करना आवश्यक हो किन्तु उसकी नियुक्ति प्रस्ताव भारत सरकार द्वारा उसके सम्बन्ध में पात्रता प्रमाण पत्र जारी कर दिये जाने के बाद ही भेजा जा सकता है।

7. (i) (क) भारतीय प्रशासन सेवा, भारत विदेश सेवा और सिवाय ऊपर के पत्र (1) में उल्लिखित भारतीय पुलिस सेवा, दिल्ली और अण्डमान और निकोबार द्वीपसमूह पुलिस सेवा गोवा, दमन तथा दियु पुलिस सेवा, पांडिचेरी पुलिस सेवा, तथा रेलवे सुरक्षा दल में ग्रुप ख के सहायक सुरक्षा अधिकारी/सहायक कमांडेंट/एडजुटेंट के पदों को छोड़कर बाकी सभी सेवाओं में उम्मीदवार के लिये यह आवश्यक है कि उसकी आयु 1 अगस्त, 1978 को 21 वर्ष पूरी हो गई हो किन्तु 26 वर्ष की न हुई हो, अर्थात् उसका जन्म 2 अगस्त, 1952 से पहले और 1 अगस्त, 1957 के बाद नहीं हुआ हो।

(ii) भारतीय पुलिस सेवा और दिल्ली तथा अण्डमान और निकोबार द्वीप समूह पुलिस सेवा गोवा, दमन तथा दियु पुलिस सेवा, पांडिचेरी पुलिस सेवा, तथा रेलवे सुरक्षा दल में ग्रुप ख से सहायक सुरक्षा अधिकारी/सहायक कमांडेंट/एडजुटेंट के पदों के उम्मीदवार के लिये यह आवश्यक है कि उसकी आयु 1 अगस्त, 1978 को पूरे 20 साल पूरी हो गई हो किन्तु 26 साल की न हुई हो, अर्थात् उसका जन्म 2 अगस्त, 1952 से पहले और 1 अगस्त, 1958 के बाद न हुआ हो।

(ख) ऊपर बताई गई अधिकतम आयु सीमा में निम्नलिखित मामलों में और ढील दी जा सकेगी:—

- (i) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का हो तो अधिक से अधिक 5 वर्ष।
- (ii) यदि उम्मीदवार भूतपूर्व पाकिस्तान (अब बंगला देश) का वास्तविक विस्थापित व्यक्ति हो और 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अवधि में उसने भारत में प्रजनन किया हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष।
- (iii) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या किसी अनुसूचित जनजाति का हो तथा भूतपूर्व पूर्वी पाकिस्तान (अब बंगला देश) का सद्भाविक विस्थापित व्यक्ति भी हो और 1 जनवरी, 1964 और 25 मार्च, 1971 के बीच की अवधि में उसने भारत में प्रजनन किया हो तो अधिक से अधिक आठ वर्ष।
- (iv) यदि उम्मीदवार श्रीलंका से सद्भावपूर्वक प्रत्यावर्तित या प्रत्यावर्तित होने वाला भारत मूलक व्यक्ति हो और अक्टूबर, 1964 के भारत श्रीलंका समझौते के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद उसने भारत में प्रजनन किया हो या करने वाला हो तो अधिक से अधिक 3 वर्ष।
- (v) यदि उम्मीदवार अनुसूचित जाति/अनुसूचित जम जाति का हो और श्रीलंका से सद्भावपूर्वक प्रत्यावर्तित या प्रत्यावर्तित होने वाला भारत मूलक व्यक्ति हो तथा अक्टूबर, 1964 के भारत श्रीलंका समझौते के अधीन 1 नवम्बर, 1964 को या उसके बाद उसने भारत में प्रजनन किया हो या करने वाला हो तो अधिक से अधिक 8 वर्ष।
- (vi) यदि उम्मीदवार भारत मूलक व्यक्ति हो और उसने कीनिया, उगांडा या तंजानिया संयुक्त गणराज्य से प्रजनन किया हो या जॉर्जिया, मलावी, जेरे और इथियोपिया से प्रत्यावर्तित हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष।
- (vii) यदि उम्मीदवार बर्मा से सद्भावपूर्वक प्रत्यावर्तित भारत मूलक व्यक्ति हो और उसने 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत में प्रजनन किया हो तो अधिक से अधिक तीन वर्ष।
- (viii) यदि उम्मीदवार किसी अनुसूचित जाति या अनुसूचित जनजाति का हो और बर्मा से सद्भावपूर्वक प्रत्यावर्तित भारत मूलक व्यक्ति हो तथा उसने 1 जून, 1963 को या उसके बाद भारत में प्रजनन किया हो तो अधिक से अधिक आठ वर्ष।

(ix) किसी दूसरे देश के साथ संघर्ष में या किसी अशांतिग्रस्त क्षेत्र में फौजी कार्यवाही के दौरान विक्लांग होने के फलस्वरूप सेवा से मुक्त किए गए रक्षा कर्मियों को अधिक से अधिक तीन वर्ष।

(x) किसी दूसरे देश के साथ संघर्ष में या किसी अशांतिग्रस्त क्षेत्र में कार्यवाही के दौरान विक्लांग होने के फलस्वरूप सेवा से निरुद्ध किए गए ऐसे रक्षा कर्मियों के लिए, जो अनुसूचित जाति या अनुसूचित आदिम जाति के हों, तो अधिक से अधिक आठ वर्ष।

(xi) 1971 के भारत-पाकिस्तान के बीच हुए संघर्ष के दौरान कार्यवाही में विक्लांग होने के परिणामस्वरूप सेवा से निरुद्ध किए गए सीमा-सुरक्षा बल के रक्षा कर्मियों के लिए अधिक से अधिक तीन वर्ष।

(xii) वर्ष 1971 के भारत-पाकिस्तान के बीच संघर्ष के दौरान फौजी कार्यवाही में विक्लांग होने के परिणामस्वरूप सेवा से निरुद्ध सीमा सुरक्षा बल के उन रक्षा कर्मियों के लिए, जो अनुसूचित जाति अथवा अनुसूचित जनजाति के हों, अधिक से अधिक आठ वर्ष।

(xiii) यदि कोई उम्मीदवार वास्तविक रूप से प्रत्यावर्तित मूलतः भारतीय व्यक्ति (जिसके पास भारतीय पार पत्र हो) और ऐसा उम्मीदवार जिसके पास वियतनाम में भारतीय राजदूतावास द्वारा जारी किया गया आपातकाल का प्रमाणपत्र है, और जो वियतनाम से जुलाई, 1975 से पहले भारत नहीं आया है, तो उसके लिए अधिक से अधिक तीन वर्ष।

(ग) ऐसा उम्मीदवार जो निर्णायक तारीख अर्थात् पहली अगस्त, 1978 को निर्धारित ऊपरी आयु-सीमा से अधिक आयु का हो जाता है और जो आन्तरिक सुरक्षा अनुसूचन अधिनियम के अन्तर्गत निरुद्ध किया गया था या 25-6-75 तथा 21-3-77 के बीच की आन्तरिक आपात स्थिति की अवधि के दौरान अधिकृत राजनैतिक कार्य-कलापों या तत्कालीन प्रतिबंधित संगठनों से सम्बन्धित होने के कारण भारत रक्षा तथा आन्तरिक सुरक्षा अधिनियम, 1971 या उसके अन्तर्गत बने नियमों के अधीन गिरफ्तार या कैद हुआ था और इस प्रकार उचित परीक्षा में प्रवेश हेतु निर्धारित आयु-सीमा के अन्दर होते हुए भी परीक्षा में उपस्थित होने से रोक दिया गया था। निम्नलिखित शर्तों पर परीक्षा में बैठने का पात्र होगा:—

- (i) कि उसने नियम 5 के अन्तर्गत ग्राह्य अधिकतम अवसरों का पहले लाभ न उठा लिया हो और
- (ii) वह जून, 1975 और मार्च, 1977 के बीच की अवधि के दौरान परीक्षा में कम से कम एक बार भी नहीं बैठ पाया हो (अर्थात् उसने परीक्षा छोड़ दी हो)।

नोट:—इस विषयक के अन्तर्गत जो कि 31-12-1979 तक बाव होने वाली किसी भी परीक्षा में प्रवेश के लिए ग्राह्य नहीं होगी एक से अधिक अवसर नहीं दिया जाएगा।

ऊपर दी गई व्यवस्था को छोड़ कर निर्धारित आयु सीमा में किसी भी हालत में छूट नहीं दी जा सकती।

8. उम्मीदवार के पास भारत के केन्द्र या राज्य विधान मंडल द्वारा निर्गमित किसी विश्वविद्यालय की या संसद के अधिनियम द्वारा स्थापित या विश्वविद्यालय अनुदान आयोग अधिनियम, 1956 के खण्ड 3 के अधीन विश्वविद्यालय के रूप में मानी गई किसी अन्य शिक्षा-संस्था की डिग्री होनी चाहिए।

टिप्पणी I:—कोई भी उम्मीदवार जिसने ऐसी कोई परीक्षा दे दी है जिसके पास करने पर वह आयोग की परीक्षा के लिए शैक्षिक रूप से पात्र होगा परन्तु उसे परीक्षा फल की सूचना नहीं मिली है तथा ऐसा उम्मीदवार जो ऐसी अर्हक परीक्षा में बैठने का इच्छुक है, आयोग की परीक्षा में प्रवेश पाने का पात्र नहीं होगा।

टिप्पणी II:—विशेष परिस्थितियों में संघ लोक सेवा आयोग ऐसे किसी उम्मीदवार को भी परीक्षा में प्रवेश पाने का पात्र मान सकता है जिसके पास उपर्युक्त अर्हताओं में से कोई अर्हता हो, बशर्ते कि उम्मीदवार ने किसी संस्था द्वारा ली गई कोई ऐसी परीक्षा पास कर ली हो जिसका रतार आयोग के मतानुसार ऐसा हो कि उसके आधार पर उम्मीदवार को उचित परीक्षा में बैठने दिया जा सकता है।

Provided that a candidate belonging to categories (b), (c), (d) and (e) shall be a person in whose favour a certificate of eligibility has been issued by the Government of India.

Provided further that candidates belonging to categories (b), (c) and (d) above will not be eligible for appointment to the Indian Foreign Service.

A candidate in whose case a certificate of eligibility is necessary may be admitted to the examination but the offer of appointment may be given only after the necessary eligibility certificate has been issued to him by the Government of India.

7. (a)(i) A candidate for the Indian Administrative Service, the Indian Foreign Service and for all the remaining Services, excepting the Indian Police Service, Delhi, and Andaman & Nicobar Islands Police Service Goa, Daman and Diu Police Service, Pondicherry Police Service and posts of Assistant Security Officer/Assistant Commandant/Adjutant, Group B in the R.P.F. mentioned in paragraph I above must have attained the age of 21 years and must not have attained the age of 26 years on the 1st August, 1978 i.e., he must have been born not earlier than 2nd August, 1952 and not later than 1st August 1957.

(ii) A candidate for the Indian Police Service, Delhi and Andaman and Nicobar Islands Police Service Goa, Daman and Diu Police Service, Pondicherry Police Service and post of Assistant Security Officer/Assistant Commandant/Adjutant, Group B in the R.P.F. must have attained the age of 20 years and must not have attained the age of 26 years on the 1st August, 1978 i.e., he must have been born not earlier than 2nd August, 1952 and not later than 1st August, 1958.

(b) The upper age limit prescribed above will be further relaxable :—

- (i) up to a maximum of five years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe;
- (ii) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India during the period between 1st January 1964 and 25th March, 1971;
- (iii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Schedule Tribe and is also a *bona fide* displaced person from erstwhile East Pakistan (now Bangla Desh) and had migrated to India during the period between 1st January, 1964 and 25th March, 1971;
- (iv) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964;
- (v) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* repatriate or a prospective repatriate of Indian origin from Sri Lanka and has migrated to India on or after 1st November, 1964 or is to migrate to India under the Indo-Ceylon Agreement of October, 1964;
- (vi) up to a maximum of three years if a candidate is of Indian origin and has migrated from Kenya, Uganda and the United Republic of Tanzania or who is a repatriate of Indian origin from Zambia, Malawi, Zaire and Ethiopia;
- (vii) up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June, 1963.
- (viii) up to a maximum of eight years if a candidate belongs to a Scheduled Caste or a Scheduled Tribe and is also a *bona fide* repatriate of Indian origin from Burma and has migrated to India on or after 1st June 1963.

(ix) up to a maximum of three years in the case of Defence Services personnel, disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area and released as a consequence thereof;

(x) up to a maximum of eight years in the case of Defence Services personnel, disabled in operations during hostilities with any foreign country or in a disturbed area, and released as a consequence thereof who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes.

(xi) up to a maximum of three years in the case of Border Security Force Personnel disabled in operations during Indo-Pak hostilities of 1971, and released as a consequence thereof; and

(xii) up to a maximum of eight years in the case of Border Security Force personnel, disabled in operations during Indo-Pak hostilities of 1971, and released, as a consequence thereof who belong to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes.

(xiii) Up to a maximum of three years if a candidate is a *bona fide* repatriate of Indian origin (Indian passport holder from Vietnam as also a candidate holding emergency certificate issued to him by the Indian Embassy in Vietnam and who arrived in India from Vietnam not earlier than July, 1975.

(c) A candidate who exceeds the prescribed upper age limit on the crucial date viz. 1st August, 1978 and who was detained under the Maintenance of Internal Security Act or was arrested or imprisoned under the Defence and Internal Security of India Act, 1971 or Rules thereunder during the period of Internal Emergency between 25-6-75 and 21-3-77 on account of alleged political activities or association with erstwhile banned organisations and thus prevented from appearing at the examination while he was still within the age-limits prescribed for admission to this examination, will be eligible to appear at the examination subject to the following conditions :

- (i) He should not have already availed himself of the maximum number of chances admissible to him under rule 5; and
- (ii) He should not have sat for (i.e. he should have foregone) the examination at least once during the period between June, 1975 and March, 1977.

NOTE : Under this concession, which will not be admissible for admission to any examination held after 31-12-1979, not more than one chance will be allowed.

SAVE AS PROVIDED ABOVE THE AGE LIMITS PRESCRIBED CAN IN NO CASE BE RELAXED.

8. A candidate must hold a degree of any of the Universities incorporated by an Act of the Central or State Legislature in India or other educational Institution established by an Act of Parliament or declared to be deemed as a University under Section 3 of the University Grants Commission Act, 1956 or possess an equivalent qualification.

NOTE I.—Candidates who have appeared at an examination the passing of which would render them educationally qualified for the Commission's examination but have not been informed of the result as also the candidates who intend to appear at such a qualifying examination will NOT be eligible for admission to the Commission's examination.

NOTE II.—In exceptional cases the Union Public Service Commission may treat a candidate who has not any of the foregoing qualifications, as a qualified candidate provided that he has passed examinations conducted by other institutions, the standard of which in the opinion of the Commission, justifies his admission to the examination.

टिप्पणी III:—जिन उम्मीदवारों के पास ऐसी व्यावसायिक और तकनीकी योग्यताएं हैं, जो सरकार द्वारा व्यावसायिक और तकनीकी डिग्रीयों के समकक्ष मान्यताप्राप्त हैं, वे भी उक्त परीक्षा में प्रवेश हेतु पात्र होंगे।

9. यदि किसी पिछली परीक्षा के परिणाम के आधार पर किसी उम्मीदवार को नियुक्ति वर्ग I (भारतीय प्रशासनिक सेवा या भारतीय विदेश सेवा) की किसी सेवा में हो जाती है तो वह इस परीक्षा में बैठने का पात्र नहीं होगा।

यदि किसी पिछली परीक्षा के परिणाम के आधार पर किसी उम्मीदवार को नियुक्ति नीचे कालम (ii) में उल्लिखित किसी सेवा में हो जाती है तो वह केवल उन्हीं सेवाओं के लिए इस परीक्षा में बैठने का पात्र होगा जो उक्त सेवा के सामने नीचे कालम (iii) में उल्लिखित है:—

क्रम सं०	जिस सेवा में नियुक्ति हुई	जिन सेवाओं के लिए परीक्षा में बैठने का पात्र है
(1)	(2)	(3)
1.	भारतीय पुलिस सेवा	(i) वर्ग I (भारतीय प्रशासनिक सेवा और भारतीय विदेश सेवा) (ii) वर्ग III में केन्द्रीय सेवाएं गुप-क
2.	केन्द्रीय सेवाएं गुप-क	(i) वर्ग I (भारतीय प्रशासनिक सेवा और भारतीय विदेश सेवा) (ii) वर्ग II में भारतीय पुलिस सेवा
3.	केन्द्रीय सेवाएं गुप-ख (जिसमें संघ राज्य क्षेत्रों की सिविल तथा पुलिस सेवाएं शामिल हैं)	(i) वर्ग I (भारतीय प्रशासनिक सेवा और भारतीय विदेश सेवा) (ii) वर्ग II में भारतीय पुलिस सेवा (iii) वर्ग III में केन्द्रीय सेवाएं गुप-क

10. उम्मीदवारों को आयोग के नोटिस के पैरा 6 में निर्धारित फीस अवश्य देनी होगी।

11. जो उम्मीदवार सरकारी नौकरी में स्थायी या अस्थायी रूप से काम कर रहे हों चाहे वे किसी काम के लिए विशिष्ट रूप से नियुक्त भी क्यों न हों, पर आकस्मिक या दैनिक दर पर नियुक्त न हुए हों, उन सब को अपने कार्यालय/विभाग के अध्यक्ष की ओर से आयोग के नोटिस के उपबंध के पैरा-2 में दिए गए अनुदेशों के अनुसार "अनापत्ति प्रमाण पत्र" प्रस्तुत करना होगा।

12. परीक्षा में बैठने के लिए उम्मीदवार की पात्रता या अपात्रता के बारे में आयोग का निर्णय अन्तिम होगा।

13. किसी उम्मीदवार को परीक्षा में तब तक नहीं बैठने दिया जाएगा जब तक कि उसके पास आयोग का प्रवेश प्रमाण-पत्र (सर्टिफिकेट आफ एडमिशन) न हो।

14. जिस उम्मीदवार ने:—

- किसी भी प्रकार से अपनी उम्मीदवारी के लिए समर्थन प्राप्त किया है, अथवा
- नाम बदल कर परीक्षा दी है, अथवा
- किसी अन्य व्यक्ति से छद्म रूप से कार्य साधन कराया है, अथवा
- जाली प्रमाणपत्र या ऐसे प्रमाणपत्र प्रस्तुत किए हैं जिनमें तथ्यों को बिगाड़ा गया हो, अथवा
- गलत या झूठे वक्तव्य दिए हैं या किसी महत्वपूर्ण तथ्य को छिपाया है, अथवा

(vi) परीक्षा में प्रवेश पाने के लिए किसी अन्य अनियमित अथवा अनुसूचित उपायों का सहारा लिया है, अथवा

(vii) परीक्षा के समय अनुसूचित साधनों का प्रयोग किया हो, या

(viii) उत्तर पुस्तिकाओं पर असंगत बातें लिखी हों जो अश्लील भाषा में या अभद्र आशय की हों, या

(ix) परीक्षा भवन में और किसी प्रकार का दुर्य्यवहार किया हो, या

(x) परीक्षा चलाने के लिए आयोग द्वारा नियुक्त कर्मचारियों को परेशान किया हो या अन्य प्रकार की शारीरिक क्षति पहुंचाई हो;

(xi) उपर्युक्त खण्डों में उल्लिखित सभी अथवा किसी भी कार्य के द्वारा आयोग को अव्यवस्थित करने का प्रयत्न किया हो, तो उस पर आपराधिक अभियोग (क्रिमिनल प्रासिक्यूशन) चलाया जा सकता है और उसके साथ ही उसे—

(क) आयोग द्वारा उस परीक्षा से जिसका वह उम्मीदवार है बैठने के लिए अयोग्य ठहराया जा सकता है, अथवा

(ख) उसे अस्थायी रूप से अथवा एक विशेष अवधि के लिए—

(1) आयोग द्वारा ली जाने वाली किसी भी परीक्षा अथवा चयन के लिए,

(2) केन्द्रीय सरकार द्वारा अधीन किसी भी नौकरी से वारित किया जा सकता है, और

(ग) यदि वह सरकार के अधीन पहले से ही सेवा में है तो उसके विरुद्ध उपर्युक्त नियमों के अधीन अनुशासनिक कार्यवाही की जा सकती है।

15. जो उम्मीदवार लिखित परीक्षा में उतने न्यूनतम अंशक अंक प्राप्त करेगा जितने आयोग अपने निर्णय से निश्चित करेगा उसे आयोग व्यक्तित्व परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिए बुलाएगा।

किन्तु शर्त यह है कि यदि आयोग के मतानुसार अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवार इन जातियों के लिए आरक्षित रिक्तियों को भरने के लिए सामान्य स्तर के आधार पर पर्याप्त संख्या में व्यक्तित्व परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिए नहीं बुलाए जा सकेंगे तो आयोग द्वारा स्तर में ढील देकर अनुसूचित जातियों या अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवारों को व्यक्तित्व परीक्षण हेतु साक्षात्कार के लिए बुलाया जा सकता है।

16. परीक्षा के बाद, आयोग उम्मीदवारों के द्वारा प्राप्त कुल अंकों के आधार पर योग्यता क्रम से उनकी सूची बनायेगा और उसी क्रम से उन उम्मीदवारों में से जितने लोगों को आयोग परीक्षा के आधार पर योग्य समझेगा। उनको इन रिक्तियों पर नियुक्त करने के लिए अनुशंसा की जायेगी। ये नियुक्तियां जितनी आरक्षित रिक्तियों को भरने का निर्णय किया जाता है उसको देखकर होंगी।

परन्तु यदि सामान्य स्तर से अनुसूचित जातियों और अनुसूचित जनजातियों के लिए आरक्षित रिक्तियों की संख्या तक अनुसूचित जातियों अथवा अनुसूचित जनजातियों के उम्मीदवार नहीं भरे जा सकेंगे तो आरक्षित कोटा में कमी को पूरा करने के लिए आयोग द्वारा स्तर में छूट देकर, चाहे परीक्षा के योग्यता क्रम में उनका कोई भी स्थान क्यों न हो, नियुक्ति के लिए उनकी अनुशंसा की जा सकेगी। बशर्त ये उम्मीदवार इस सेवा पर नियुक्ति के उपयुक्त हों।

17. प्रत्येक उम्मीदवार को परीक्षाफल की सूचना किस रूप में और किस प्रकार दी जाए, इसका निर्णय आयोग स्वयं करेगा। आयोग परीक्षाफल के बारे में किसी भी उम्मीदवार से पताचार नहीं करेगा।

18. उम्मीदवार द्वारा अपने आवेदन-पत्र के समय, विभिन्न सेवाओं के लिए दो गई वरीयताओं पर परीक्षाफल के आधार पर नियुक्तियां करते समय उचित ध्यान दिया जाएगा।

लेकिन शर्त यह है कि यदि किसी उम्मीदवार को किसी पिछली परीक्षा के आधार पर वर्ग I (भा० प्र० से० अथवा भा० वि० से०) के अंतर्गत जाने वाली किसी सेवा में नियुक्त किया गया है, इस परीक्षा के परिणाम के आधार पर किसी अन्य सेवा में उसकी नियुक्ति पर विचार नहीं किया जाएगा।

NOTE III.—Candidates possessing professional and technical qualifications which are recognised by Government as equivalent to professional and technical degrees would also be eligible for admission to the examination.

9. A candidate who is appointed to a Service in Category I (I.A.S. or I.F.S.) on the results of an earlier examination will not be eligible to compete at this examination.

A candidate who is appointed to a Service mentioned in col. (ii) below on the results of an earlier examination will be eligible to compete at this examination only for Services mentioned against that Service in col. (iii) below :

Sl. No.	Service to which appointed	Services for which eligible to compete
(i)	(ii)	(iii)
1. Indian Police Service		(i) Category I (I.A.S. and I.F.S.) (ii) Central Services group A in Category III
2. Central Services Group A		(i) Category I (I.A.S. and I.F.S.) (ii) I.P.S. in Category II
3. Central Services Group B (Including Civil and Police Services in Union Territories)		(i) Category I (I.A.S. and I.F.S.) (ii) I.P.S. in Category II. (iii) Central Services Group A in Category III.

10. Candidates must pay the fee prescribed in para 6 of the Commission's Notice.

11. All candidates in Government service, whether in a permanent or in temporary capacity or as work-charged employees, other than casual or daily rated employees, will be required to submit a 'No Objection Certificate' from the Head of their Office/Department in accordance with the instructions contained in para 2 of Annexure to the Commission's Notice.

12. The decision of the Commission as to the eligibility or otherwise of a candidate for admission to the examination shall be final.

13. No candidate will be admitted to the examination unless he holds a certificate of admission from the Commission.

14. A candidate who is or has been declared by the Commission to the guilty of—

- (i) obtaining support for his candidature by any means, or
- (ii) impersonating, or
- (iii) procuring impersonation by any person, or
- (iv) submitting fabricated documents or documents which have been tampered with, or
- (v) making statements which are incorrect or false or suppressing material information, or

- (vi) resorting to any other irregular or improper means in connection with his candidature for the examination, or
- (vii) using unfair means during the examination; or
- (viii) writing irrelevant matter, including obscene language or pornographic matter, in the script (s); or
- (ix) misbehaving in any other manner in the examination hall; or
- (x) harassing or doing bodily harm to the staff employed by the Commission for the conduct of their examinations; or
- (xi) attempting to commit or as the case may be abetting the commission of all or any of the acts specified in the foregoing clauses.

may, in addition to rendering himself liable to criminal prosecution, be liable—

- (a) to be disqualified by the Commission from the examination for which he is a candidate; or
- (b) to be debarred either permanently or for a specified period—
  - (i) by the Commission, from any examination or selection held by them.
  - (ii) by the Central Government from any employment under them; and
- (c) if he is already in service under Government to disciplinary action under the appropriate rules.

15. Candidates who obtain such minimum qualifying marks in the written examination as may be fixed by the Commission in their discretion shall be summoned by them for an interview for a personality test.

Provided that candidates belonging to the Scheduled Castes or Scheduled Tribes may be summoned for an interview for a personality test by the Commission by applying relaxed standards if the Commission is of the opinion that sufficient number of candidates from these communities are not likely to be summoned for interview for a personality test on the basis of the general standard in order to fill up the vacancies reserved for them.

16. After the examination, the candidates will be arranged by the Commission in the order of merit as disclosed by the aggregate marks finally awarded to each candidate and in that order so many candidates as are found by the Commission to be qualified by the examination shall be recommended for appointment up to the number of unreserved vacancies decided to be filled on the results of the examination.

Provided that candidates belonging to the Scheduled Castes or the Scheduled Tribes may, to the extent the number of vacancies reserved for the Scheduled Castes and the Scheduled Tribes cannot be filled on the basis of the general standard, be recommended by the Commission by a relaxed standard to make up the deficiency in the reserved quota, subject to the fitness of these candidates for appointment to the services irrespective of their ranks in the order of merit at the examination.

17. The form and manner of communication of the result of the examination to individual candidates shall be decided by the Commission in their discretion and the Commission will not enter into correspondence with them regarding the result.

18. Due consideration will be given at the time of making appointments on the results of the examination to the preferences expressed by a candidate for various Services at the time of his application.

Provided that a candidate who is appointed to a Service in Category I (I.A.S. or I.F.S.), on the results of an earlier examination, will not be considered for appointment to any other Service on the results of this examination.

एक अन्य बात यह है कि यदि किसी उम्मीदवार को किसी पिछली परीक्षा के परिणाम के आधार पर नीचे के कालम (ii) में उल्लिखित किसी एक सेवा में नियुक्त किया गया है तो इस परीक्षा परिणाम के आधार पर उसकी नियुक्ति केवल उन्हीं सेवाओं में की जा सकेगी, जो उस सेवा के सामने कालम (iii) में दी गई है :—

क्रम सं० सेवा जिसमें नियुक्ति की गई सेवाएं जिनमें नियुक्ति के लिए विचार किया जा सकेगा

(1)	(2)	(3)
1. भारतीय पुलिस सेवा	(i) वर्ग-I (भारतीय प्रशासनिक सेवा तथा भारतीय विदेश सेवा	
	(ii) वर्ग-III में दी गई ग्रुप-क केन्द्रीय सेवाएं	
2. केन्द्रीय सेवाएं ग्रुप-क	(i) वर्ग-I (भारतीय प्रशासनिक सेवा तथा भारतीय पुलिस सेवा	
	(ii) वर्ग-II में दी गई भारतीय पुलिस सेवा	
3. केन्द्रीय सेवाएं, ग्रुप-ख (जिसमें संघ राज्य क्षेत्र की सिविल तथा पुलिस सेवाएं शामिल हैं)	(i) वर्ग-I (भारतीय प्रशासनिक सेवा तथा भारतीय पुलिस सेवा)	
	(ii) वर्ग-II में दी गई भारतीय पुलिस सेवा	
	(iii) वर्ग-III में दी गई ग्रुप-क केन्द्रीय सेवाएं	

19. परीक्षा में पास हो जाने से नियुक्ति क. अधिकार तब तक नहीं मिलता, जब तक कि सरकार आवश्यक जांच के बाद संतुष्ट न हो जाए कि उम्मीदवार चरित्र तथा पूर्ववृत्त की दृष्टि से इस सेवा में नियुक्ति के लिए हर प्रकार से योग्य है।

20. उम्मीदवार को मानसिक और शारीरिक दृष्टि से स्वस्थ होना चाहिए और उसमें कोई ऐसा शारीरिक दोष नहीं होना चाहिए जिसमें वह सम्बन्धित सेवा के अधिकारी के रूप में अपने कर्तव्यों को कुशलतापूर्वक न निभा सके। यदि सरकार या नियुक्ति प्राधिकारी, जैसी भी स्थिति हो, द्वारा निर्धारित डाक्टरों की परीक्षा के बीच किसी उम्मीदवार के बारे में यह पाया जाए कि वह इन अपेक्षाओं को पूरी नहीं कर सकता है तो उसकी नियुक्ति नहीं की जाएगी। व्यक्तिगत परीक्षण के लिए आयोग द्वारा बुलाए गए उम्मीदवारों को डाक्टरों की परीक्षा करायी जा सकती है। उम्मीदवार द्वारा स्वास्थ्य परीक्षा के लिए चिकित्सा बोर्ड को कोई शुल्क नहीं देना होगा।

नोट I:—कहीं निराश न होना पड़े इसलिए उम्मीदवारों को सलाह दी जाती है कि वे परीक्षा में प्रवेश के लिए आवेदन-पत्र भेजने से पहले सिविल सर्जन के स्तर के किसी सरकारी चिकित्सा अधिकारी से अपनी जांच करवा लें। नियुक्ति से पहले उम्मीदवारों को किस प्रकार की डाक्टरों की जांच होगी और उसके स्वास्थ्य का स्तर किस प्रकार का होना चाहिए, इसके ध्येरे इन नियमों के परिशिष्ट III में दिए गए हैं। रक्षा सेनाओं के भूतपूर्व अधिकारी सैनिकों को और 1971 के भारत-पाक संघर्ष के दौरान लड़ाई में बिकलांग हुए तथा उसके फलस्वरूप निर्मुक्त किए गए सीमा सुरक्षा बल के कामियों को सेवाओं की आवश्यकताओं के अनुरूप डाक्टरों की जांच के स्तर में छूट दी जाएगी।

21. ऐसा कोई पुरुष/स्त्री

(क) जिसने किसी ऐसी स्त्री/पुरुष से विवाह किया हो, जिसका पहले से जीवित पति/पत्नी हो, या

(ख) जिसकी पत्नी/पति जीवित होते हुए उसने किसी स्त्री/पुरुष से विवाह किया हो,

उक्त सेवा में नियुक्ति का पात्र नहीं होगा।

परन्तु केन्द्रीय सरकार, यदि इस बात से संतुष्ट हो कि ऐसे पुरुष/स्त्री तथा जिस स्त्री/पुरुष से उसने विवाह किया हो, उन पर लागू वैयक्तिक कानून के अधीन ऐसा किया जा सकता हो और ऐसा करने के अन्य आधार हों तो उस उम्मीदवार को इस नियम से छूट दे सकती है।

22. उम्मीदवारों को सूचित किया जाता है कि सेवा में भर्ती से पहले ही हिन्दी का कुछ ज्ञान होना उन विभागीय परीक्षाओं को पास करने की दृष्टि से लाभदायक होगा जो उम्मीदवारों को सेवा में भर्ती होने के बाद देनी पड़ती है।

23. इस परीक्षा के द्वारा जिस सेवा के लिए भर्ती की जा रही है उसका संक्षिप्त व्योरा परिशिष्ट II में दिया गया है।

आर० सी० समस्त, अवर सचिव

### परिशिष्ट I

#### खण्ड—I

#### परीक्षा की रूपरेखा

प्रतियोगिता परीक्षा में निम्न विषय होंगे :—

(क) लिखित परीक्षा

(i) तीन अनिवार्य विषय (सभी सेवाओं/पदों के लिए)—  
निबन्ध, सामान्य अंग्रेजी और सामान्य ज्ञान। प्रत्येक विषय के पूर्णांक 150 होंगे। नीचे खण्ड-II का उपखण्ड (क) देखें।

(ii) निम्नलिखित खण्ड II के उपखण्ड (ब) में दिए गए वैकल्पिक विषयों में से चुने गए विषय उस उप-खण्ड के उपबन्धों के अन्तर्गत उम्मीदवार वर्ग II (देखिए नियम 1 और 4) के अन्तर्गत सेवाओं/पदों के सिवाय, जिनके लिए 400 अंक तक के वैकल्पिक विषय लिए जा सकते हैं, सभी सेवाओं के लिए कुल 600 अंकों तक के वैकल्पिक विषय ले सकते हैं। इन प्रश्न-पत्रों का स्तर किसी भारतीय विश्वविद्यालय की “ग्रान्स” डिग्री की स्तर के लगभग होगा; और

(iii) निम्नलिखित खण्ड-II के उप-खण्ड (स) में दिए गए अतिरिक्त विषयों में से चुने गए विषय। उस उप-खण्ड के उपबन्ध के अधीन उम्मीदवार भारतीय प्रशासनिक सेवा और भारतीय विदेश सेवा (वर्ग-I) के लिए कुल 400 अंकों तक के अतिरिक्त विषय ले सकते हैं। इन प्रश्न-पत्रों का स्तर वैकल्पिक विषय के लिए उप-खण्ड (क-II) में विहित स्तर से ऊंचा होगा।

(ख) व्यक्तिगत परीक्षण के लिए साक्षात्कार (इस परिशिष्ट की सूची का भाग च) उन उम्मीदवारों के लिए जो आयोग द्वारा बुलाए जायें।

इसके लिए नीचे लिखे नम्बर होंगे :—

#### वर्ग I

	पूर्णांक
भारतीय विदेश सेवा	400
भारतीय प्रशासनिक सेवा—	300
वर्ग-II तथा III सभी सेवाओं/पदों	200

#### खण्ड—II

#### परीक्षा के विषय

(क) अनिवार्य विषय

(देखिए ऊपर खण्ड- (I) का उपखण्ड (क-I)।

(i) निबन्ध	150
(ii) सामान्य अंग्रेजी	150
(iii) सामान्य-ज्ञान	150

Provided further that candidate who is appointed to a Service mentioned in col. (ii) below on the results of an earlier examination will be considered only for appointment in Services mentioned against that Service in col. (iii) below on the results of this examination.

Sl. No.	Service to which appointed	Service for which appointment will be considered
(i)	(ii)	(iii)
1. Indian Police Service		(i) Category 1 (I.A.S. and I.F.S.) (ii) Central Services Group in A Category III.
2. Central Service Group A		(i) Category I (I.A.S. and I.F.S.) (ii) I. P. S. in category II.
3. Central Services Group B (including Civil and Police Services in Union Territories)		(i) Category I (I.A.S. and I.F.S.) (ii) I.P.S. in Category II. (iii) Central Services, Group A in Category III.

19. Success in the examination confers no right to appointment unless Government are satisfied after such enquiry as may be considered necessary, that the candidate, having regard to his character and antecedents is suitable in all respect, for appointment to the Service.

20. A candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the discharge of his duties as an officer of the Service. A candidate who after such medical examination as Government or the appointing authority, as the case may be, may prescribe is found not to satisfy these requirements, will not be appointed. Any candidate called for the Personality Test by the Commission may be required to undergo medical examination. No fee shall be payable to the Medical Board by the candidate for medical examination.

NOTE.—In order to prevent disappointment candidates are advised to have themselves examined by a Government Medical Officer of the standing of a Civil Surgeon, before applying for admission to the examination. Particulars of the nature of the medical test to which candidates will be subjected before appointment and of the standard required are given in Appendix III to these Rules. For the disabled ex-Defence Services personnel and the Border Security Force personnel disabled in operation during Indo-Pak hostilities of 1971 and released as a consequence thereof, the standards will be relaxed consistent with the requirements of the Service(s).

#### 21. No person :

- who has entered into or contracted a marriage with a person having a spouse living, or
- who, having a spouse living has entered into or contracted a marriage with any person shall be eligible for appointment to service.

Provided that the Central Government may, if satisfied that such marriage is permissible under the personal law applicable to such person and the other party to the marriage and there are other grounds for so doing exempt any person from the operation of this rule.

22. Candidates are informed that some knowledge of Hindi prior to entry into service would be of advantage in passing departmental examinations which candidates have to take after entry into service.

23. Brief particulars relating to the Services/posts to which recruitment is being made through this examination are given in Appendix II.

R. C. SAMAL, Under Secy.

## APPENDIX I

### SECTION I

#### Plan of the Examination

The competitive examination comprises :—

#### (A) Written examination in—

- three compulsory subjects (for all Services/posts), Essay, General English, and General Knowledge, each with a maximum of 150 marks [see Sub-Section (a) of Section II below];
- a selection from the optional subjects set out in Sub-Section (b) of Section II below. Subject to the provisions of that Sub-section, candidates may take optional subjects up to a total of 600 marks for all Services except the Services/posts under Category II (cf. Rules 1 and 4) which optional subjects up to a total of 400 marks only may be taken. The standard of these papers will be approximately that of an Honours Degree Examination of an Indian University; and
- a selection from the additional subjects set out in Sub-Section (c) of Section II below. Subject to the provision of that Sub-Section, candidates may take additional subjects up to a total of 400 marks for the Indian Administrative Service and Indian Foreign Service (Category I). The standard of these papers will be higher than that prescribed for the optional subjects under Sub-Section (A)(ii) above.

(B) Interview for Personality Test (*vide* Part D of the Schedule to this Appendix) of such candidates as may be called by the Commission, carrying maximum marks as follows :

#### Category I :

Indian Foreign Service . . . . .	400
Indian Administrative Service . . . . .	300

#### Category II and III :

All Services/Posts . . . . .	200
------------------------------	-----

## SECTION II

### Examination subjects

(a) *Compulsory subjects* (*Vide* Sub Section A (i) of Section I above) :—

	Maximum marks
(i) Essay . . . . .	150
(ii) General English . . . . .	150
(iii) General Knowledge . . . . .	150

टिप्पणी :—ऊपर लिखे विषयों का पाठ्य-विवरण इस परिशिष्ट की अनुसूची के भाग 'क' में दिया गया है।

(ख) वैकल्पिक विषय

(देखिए ऊपर खण्ड (I) का उपखण्ड क (II)।

वर्ग-II (नियम 1 और 4 देखें) की सेवाओं/पदों के लिए उम्मीदवार निम्नलिखित विषयों में से किन्हीं दो विषयों को और अन्य सभी सेवाओं के उम्मीदवार किन्हीं तीन विषयों को चुन सकते हैं :—

विषय	कोड सं०	अधिकतम अंक
शुद्ध गणित	01	200
अनुप्रयुक्त गणित	02	200
सांख्यिकी	03	200
भौतिकी	04	200
रसायन	05	200
वनस्पति-विज्ञान	06	200
प्राणि विज्ञान	07	200
भू-विज्ञान	08	200
भूगोल	09	200
अंग्रेजी साहित्य	10	200

निम्नलिखित में से एक :—

भारतिया	11	200
बंगला	12	200
गुजराती	13	200
हिन्दी	14	200
कन्नड	15	200
कश्मीरी	16	200
मलयालम	17	200
मराठी	18	200
उड़िया	19	200
पंजाबी	20	200
सिंधी-देवनागरी	21	200
सिंधी-अरबी	22	200
तमिल	23	200
तेलुगु	24	200
उर्दू	25	200

निम्नलिखित में से एक :—

अरबी	26	200
चीनी	27	200
फ़ारसी	28	200
जर्मन	29	200
पासी	30	200
फारसी	31	200
रूसी	32	200
संस्कृत	33	200
भारतीय इतिहास	34	200
ब्रिटिश इतिहास	35	200
यूरोपीय इतिहास	36	200
विश्व इतिहास	37	200
सामान्य अर्थशास्त्र	38	200
राजनीति विज्ञान	39	200
दर्शन-शास्त्र	40	200
मनोविज्ञान	41	200
विधि I	42	200
विधि II	43	200
विधि III	44	200
अनुप्रयुक्त सांख्यिकी	45	200
समाज शास्त्र	46	200

यहाँ यह कि विषयों पर निम्नलिखित प्रतिबन्ध लागू होंगे :—

- सेवाओं/पदों के किसी वर्ग के लिए कोड 01, कोड 02, तथा कोड 03 वाले विषयों में से दो से अधिक विषय नहीं चुने जा सकते।
- कोड 11 से 25 तक के विषयों में से केवल एक ही लिया जा सकता है।
- भारतीय विदेश सेवा के अतिरिक्त अन्य सेवाओं/पदों के उम्मीदवार ऊपर कोड 26-33 तक दी गई भाषाओं में से एक से अधिक न चुने। केवल भारतीय विदेश सेवा के उम्मीदवारों को इन भाषाओं में से कोई दो चुनने की अनुमति है लेकिन किसी भी उम्मीदवार को पाली (कोड 30) और संस्कृत (कोड 33) दोनों चुनने की अनुमति नहीं दी जाएगी।
- सेवाओं/पदों के किसी भी वर्ग के लिए इतिहास के विषयों कोड 34, 35, 36 तथा 37 में से दो से अधिक नहीं चुने जा सकते। लेकिन किसी भी उम्मीदवार को यूरोपीय इतिहास (कोड 36) और विश्व इतिहास (कोड 37) दोनों चुनने की अनुमति नहीं दी जाएगी।
- कोड 40 और 41 में उल्लिखित विषयों में से सेवाओं/पदों के किसी वर्ग के लिए केवल एक ही विषय लिया जा सकता है।
- किसी भी वर्ग के लिए विधि के विषयों कोड 42, 43 और 44 में से दो से ज्यादा नहीं चुने जा सकते।
- वर्ग के अन्तर्गत सेवाओं/पदों के लिए कोड 45 विषय न चुना जाए।

टिप्पणी 1:—उम्मीदवार द्वारा आवेदन-पत्र में दिए गए विषयों में कोई

परिवर्तन करने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

टिप्पणी 2:—ऊपर लिखे विषयों का पाठ्य विवरण इस परिशिष्ट की

अनुसूची के भाग -ख में दिया गया है।

(ग) अतिरिक्त विषय (देखिए ऊपर खंड -I का उप-खंड (क-III))

भारतीय प्रशासन सेवा/भारतीय विदेश सेवा (वर्ग I) की प्रति-योगिता में बचने वाले उम्मीदवार को निम्नलिखित विषयों में से कोई दो विषय भी लेने होंगे :—

विषय	कोड संख्या	अधिकतम अंक
उच्च शुद्ध गणित	50	200
अथवा		
उच्च अनुप्रयुक्त गणित	51	200
उच्च भौतिकी	52	200
उच्च रसायन विज्ञान	53	200
उच्च वनस्पति विज्ञान	54	200
उच्च प्राणि-विज्ञान	55	200
उच्च भू-विज्ञान	56	200
उच्च भूगोल	57	200
अंग्रेजी साहित्य (1708-1935)	58	200
भारतीय इतिहास I (चन्द्रगुप्त मौर्य से हर्ष तक)	59	200
भारतीय इतिहास II (मुगल महान) (1526-1707)	60	200
अथवा		
भारतीय इतिहास III (1772-1950)	61	200
अथवा		
ब्रिटिश सांख्यिक इतिहास (1603-1950 तक)	62	200
अथवा		

NOTE :—The syllabi of the Subjects mentioned above are given in Part A of the Schedule to this Appendix.

(b) *Optional Subjects* (vide *Sub-Section A (ii) of Section I* above) :—

Candidates for Services/posts under category II (of preamble to Rule 1 and Rule 4 must offer any two, and for all other Services any three of the following subjects :

Subjects	Code No.	Maximum Marks
1	2	3
Pure Mathematics	01	200
Applied Mathematics	02	200
Statistics	03	200
Physics	04	200
Chemistry	05	200
Botany	06	200
Zoology	07	200
Geology	08	200
Geography	09	200
English Literature	10	200

One of the following :

Assamese	11	200
Bengali	12	200
Gujrati	13	200
Hindi	14	200
Kandaa	15	200
Kashmiri	16	200
Malayalam	17	200
Marathi	18	200
Oriya	19	200
Punjabi	20	200
Sindhi Devnagari	21	200
Sindhi Arabic	22	200
Tamil	23	200
Telugu	24	200
and Urdu	25	200

One of the following :

Arabic	26	200
Chinese	27	200
French	28	200
German	29	200
Pali	30	200
Persian	31	200
Russian	32	200
Sanskrit	33	200
Indian History	34	200
British History	35	200
European History	36	200
World History	37	200
General Economics	38	200
Political Science	39	200
Philosophy	40	200
Psychology	41	200
Law-I	42	200
Law-II	43	200
Law-III	44	200
Applied Mechanics	45	200
Sociology	46	200

Provided that the following restrictions shall apply to particular optional subjects :—

- (i) Of the subjects with codes 01, 02 and 03 not more than two can be offered for any category of Services/posts.
- (ii) Of the subjects with codes 11 to 25, only one can be offered.
- (iii) Candidates for Services/posts, other than the Indian Foreign Service are not allowed to offer more than one of the languages with codes 26 to 33 mentioned above. For the Indian Foreign Service only, candidates are allowed to offer any two of these languages but not candidate shall be allowed to offer both Pali (code 30) and Sanskrit (code 33).
- (iv) Of the History subjects with codes 34, 35, 36 and 37 not more than two can be offered for any category of Services/posts but no candidate shall be allowed to offer both European History (Code 36) and World History (Code 37).
- (v) Of the subjects with codes 40 and 41, not more than one can be offered for any category of Services/posts.
- (vi) Of the Law subjects with codes 42, 43 and 44, not more than two can be offered for any category of Services/posts.
- (vii) Subject with code 45 must not be offered for the Services/posts under Category II.

NOTE 1.—No change in the subjects offered by the candidate in his application for the examination will be allowed.

NOTE 2.—The syllabi of the subjects mentioned above are given in Part B of the Schedule to this Appendix.

(c) *Additional subjects* [vide sub-Section A(iii) of Section I above].

Candidates competing for the Indian Administrative Service/Indian Foreign Service (Category I) must also select any two of the following subjects :—

Subject	Code No.	Maximum Marks
1	2	3
Higher Pure Mathematics	50	200
OR		
Higher Applied Mathematics	51	200
Higher Pur Mathematic	52	200
Higher Applied Mathematics	53	200
Higher Botany	54	200
Higher Zoology	55	200
Higher Geology	56	200
Higher Geography	57	200
English Literature (1798-1935)	58	200
Indian History I (From Chandragupta Maurya to Harsha)	59	200
OR		
Indian History II. (The Great Mughals 1526-1707)	60	200
OR		
Indian History III (From 1772 to 1950)	61	200
OR		
British Constitutional History (From 1603 to 1950)	62	200
OR		
European History (From 1871 to 1945)	63	200

विषय	कोड संख्या	अधिकतम अंक
यूरोपीय इतिहास (1871-1945 तक)	63	200
उन्नत अर्थशास्त्र	64	200
अथवा		
उन्नत भारतीय अर्थशास्त्र	65	200
हाब्स से ब्राज तक के राजनीतिक सिद्धांत	66	200
अथवा		
राजनीतिक संगठन और लोक प्रशासन	67	200
अथवा		
अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्ध	68	200
उच्च तत्व मीमांसा (ज्ञान मीमांसा सहित)	69	200
अथवा		
उन्नत मनोविज्ञान जिसमें प्रायोगिक मनोविज्ञान भी शामिल है	70	200
भारतीय सांविधिक विधि	71	200
अथवा		
न्याय शास्त्र	72	200
अरबी साहित्य में प्रतिबिम्बित मध्ययुगीन सभ्यता (570-1650 ईस्वी)	73	200
अथवा		
फारसी साहित्य में प्रतिबिम्बित मध्ययुगीन सभ्यता (570-1650 ईस्वी)	74	200
अथवा		
प्राचीन भारतीय सभ्यता और दर्शन शास्त्र	75	200
मानव विज्ञान	76	200
उन्नत समाज शास्त्र	77	200

विशिष्ट अतिरिक्त विषयों के बारे में निम्नलिखित प्रतिबन्ध लागू किए जाएंगे :—

(1) किसी भी उम्मीदवार को भारतीय इतिहास I (कोड 59) तथा प्राचीन भारतीय सभ्यता और दर्शन (कोड 75) दोनों ही विषयों को एक साथ लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

(2) किसी भी उम्मीदवार को यूरोपीय इतिहास (कोड 63) तथा अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्ध (कोड 68) दोनों विषयों को एक साथ लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

टिप्पणी 1:—उम्मीदवार द्वारा आवेदन-पत्र में दिए गए विषयों में कोई परिवर्तन करते की अनुमति नहीं दी जाएगी।

टिप्पणी 2:—ऊपर दिए गए विषयों का पाठ्य-विवरण इस परिशिष्ट की अनुसूची के भाग "ग" में दिया गया है।

### खण्ड—III

#### सामान्य

1. (क) ऊपर के खण्ड-II के उप-खण्ड (क) की सबों में क्रमशः (i) और (iii) में उल्लिखित "निबन्ध" तथा "सामान्य ज्ञान" के प्रश्न-पत्रों के उत्तर अंग्रेजी अथवा संविधान की आठवीं अनुसूची में उल्लिखित किसी भाषा में दिए जा सकते हैं, अर्थात् असमिया, बंगला, गुजराती, हिन्दी, कन्नड़, कश्मीरी, मलयालम, मराठी, उड़िया, पंजाबी, संस्कृत, सिंधी, तमिल, तेलुगु तथा उर्दू। अंग्रेजी के अतिरिक्त विकल्प रूप से किसी अन्य भाषा में उत्तर देने वाले उम्मीदवारों को वही भाषा दोनों पत्रों के लिए चुननी होगी। विकल्प सम्पूर्ण पत्र के लिए लागू होगा न कि उसके किसी अंश के लिए।

नोट :—सामान्य ज्ञान के प्रश्न-पत्र में केवल "वस्तुपरक" प्रकार के ही प्रश्न होंगे। नमूने के प्रश्नों सहित विवरण के लिए कृपया परिशिष्ट IV पर "उम्मीदवार सूचना-पुस्तिका" देखिए।

(ख) ऊपर के खंड-II के उप-खंड (ख) की कोड 11 से 33 तक के अनुसार भाषाओं के प्रश्न-पत्र को छोड़कर अन्य सभी विषयों के प्रश्न पत्रों के उत्तर अंग्रेजी में दिए जाने चाहिए। जब तक कि प्रश्न-पत्र में अन्यथा विशिष्ट रूप से दूसरी भाषा में लिखना अपेक्षित न हो, उन भाषाओं के प्रश्न-पत्रों, के उत्तर अंग्रेजी में अथवा संबंधित भाषा में दिए जा सकते हैं।

टिप्पणी I:—ऊपर दिए गए पैरा I (क) में अंग्रेजी के अतिरिक्त किसी भाषा, में प्रश्न-पत्र (प्रश्न-पत्रों) के उत्तर देने के इच्छुक उम्मीदवार को आवेदन-पत्र के कालम 14 में संबंधित भाषा की कोड संख्या संबंधित प्रश्न-पत्र (प्रश्न-पत्रों) के सामने देना चाहिए। यदि दिए हुए कालमों में एक या दोनों प्रश्न-पत्रों के सम्बन्ध में कोई प्रविष्टि नहीं की जाती है तो यह मान लिया जाएगा कि प्रश्न-पत्र/प्रश्न-पत्रों के उत्तर अंग्रेजी में दिए जाएंगे। एक बार दिया गया विकल्प अस्तिम समझा जाएगा, और परिवर्तन अथवा परिवर्धन के लिए कोई अनुरोध स्वीकार नहीं किया जाएगा।

टिप्पणी II:—ऊपर दिए गए पैरा 1 (क) में संविधान की आठवीं अनुसूची में दी गई किसी भाषा में विकल्प रूप से प्रश्न-पत्र (प्रश्नों-पत्रों) के उत्तर देने वाले उम्मीदवार अपने उत्तर क्रमशः निम्नलिखित लिपि में देंगे :—

भाषा	लिपि	कोड
असमिया	असमिया	11
बंगला	बंगला	12
गुजराती	गुजराती	13
हिन्दी	देवनागरी	14
कन्नड़	कन्नड़	15
कश्मीरी	फारसी	16
मलयालम	मलयालम	17
मराठी	देवनागरी	18
उड़िया	उड़िया	19
पंजाबी	गुरुमुखी	20
संस्कृत	देवनागरी	33
* (क) सिंधी	देवनागरी	21
* (ख) सिंधी	अरबी	22
तमिल	तमिल	23
तेलुगु	तेलुगु	24
उर्दू	फारसी	25

\*ऊपर पैरा 1 (क) में दिए गए प्रश्न-पत्र (प्रश्न पत्रों) के उत्तर देने के लिए सिंधी का विकल्प देने वाले उम्मीदवारों को आवेदन-पत्र के कालम 14 में उस विशेष लिपि (कोड 21 या कोड 22) का नाम लिखना चाहिए जिसमें वे उत्तर लिखेंगे।

1. जो उम्मीदवार उपर्युक्त पैरा 1 (क) में दिए गए प्रश्न-पत्र (प्रश्न-पत्रों) के उत्तर संविधान की आठवीं अनुसूची में उल्लिखित भाषाओं में से किसी एक में लिखने का विकल्प दे चुके हैं, वे, अगर चाहें तो, सी गई भाषा की लिपि के साथ साथ जहां प्रासंगिक हो, तकनीकी शब्दों के अंग्रेजी पर्याय दे सकते हैं।

2. उपरोक्त खंड II के उपखंड (क), (ख) और (ग) में दिए पत्रों के उत्तर के लिए 3 घण्टे का समय दिया जाएगा।

3. उम्मीदवार को प्रश्नपत्रों के उत्तर अपने हाथ से लिखने होंगे। उन्हें किसी भी हालत में उनकी ओर से उत्तर लिखने के लिए किसी अन्य व्यक्ति की सहायता लेने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

4. आयोग अपने निर्णय से परीक्षा के किसी एक या सभी विषयों के अर्हक अंक (क्वालिफाइंग मार्क्स) निर्धारित कर सकता है।

5. भारतीय प्रशासनिक सेवा और भारतीय विदेश सेवा वर्ग-I के लिए केवल उन्हीं उम्मीदवारों को दो अतिरिक्त प्रश्न पत्रों की जांच और अंकन किया जाएगा जो लिखित परीक्षा के अन्य सभी विषयों में एक निश्चित निम्न-तम स्तर प्राप्त करेंगे जैसा कि आयोग द्वारा अपने निर्णय से निर्धारित किया जाएगा।

1	2	3
Advanced Economics . . . . .	64	200
OR		
Advanced Indian Economics . . . . .	65	200
Political Theory from Hobbes to the present day. . . . .	66	200
OR		
Political Organisation and Public Administration . . . . .	67	200
OR		
International Relations . . . . .	68	200
Advanced Metaphysics including Epistemology . . . . .	69	200
OR		
Advanced Psychology including experimental Psychology . . . . .	70	200
Constitutional Law of India . . . . .	71	200
OR		
Jurisprudence . . . . .	72	200
Medieval Civilisation as reflected in Arabic Literature (570 A.D.—1650 A.D.) . . . . .	73	200
OR		
Medieval Civilisation as reflected in Persian Literature . . . . . (570 A.D. — 1650 A.D.)	74	200
OR		
Ancient Indian Civilisation and Philosophy . . . . .	75	200
Anthropology . . . . .	76	200
Advanced Sociology . . . . .	77	200

Provided that the following restrictions shall apply to particular additional subjects.

(1) No candidate shall be allowed to offer both Indian History I (code 59) and Ancient Indian Civilisation and Philosophy (code 75).

(2) No candidate shall be allowed to offer both European History (code 63) and International Relations (code 68).

NOTE 1.—No change in the subjects offered by the candidate in his application for the examination will be allowed.

NOTE 2.—The Syllabi of the subjects mentioned above are given in Part C of the Schedule to this Appendix.

### SECTION III

#### General

1. (a) The question papers in 'Essay' and 'General Knowledge', vide items (i) and (iii) respectively of Sub-Section (a) of Section II above, may be answered in English, or in any one of the languages mentioned in the Eighth Schedule to the Constitution, viz. Assamese, Bengali, Gujarati, Hindi, Kannada, Kashmiri, Malayalam, Marathi, Oriya, Punjabi, Sanskrit, Sindhi, Tamil, Telugu and Urdu. Candidates exercising the option to answer both the papers in a language other than English must choose the same language for both the papers. The option will apply to a complete paper and not to a part thereof.

NOTE.—The paper in General Knowledge will consist of objective type questions only. For details including sample questions, please see candidates' information manual at Appendix IV.

4—51GI/78

(b) Question papers in all other subjects must be answered in English except question papers in languages, with codes 11 to 33 vide sub-section (b) of Section II above, which unless specially required otherwise, may be answered in English or in the language concerned.

NOTE 1.—A candidate desirous of answering the question paper(s) mentioned in para 1(a) above in a language other than English must clearly indicate in column 14 of the Application Form, the code number of that language against the paper(s) concerned. If no entry is made in the said column in respect of either or both of the papers, it will be assumed that the paper/papers will be answered in English. The option once exercised shall be treated as final; and no request for alteration or addition in the said column shall be entertained.

NOTE 2.—Candidates exercising the option to answer the paper(s) in para 1(a) above in any of the languages mentioned in the Eighth Schedule to the Constitution will be required to write their answers in the respective script indicated below:

Language Script	Code No.
(1)	(2)
Assamese-Assamese . . . . .	11
Bengali-Bengali . . . . .	12
Gujarati-Gujarati . . . . .	13
Hindi-Devanagari . . . . .	14
Kannada-Kannada . . . . .	15
Kashmiri-Persian . . . . .	16
Malayalam-Malayalam . . . . .	17
Marathi-Devanagari . . . . .	18
Oriya-Oriya . . . . .	19
Punjabi-Gurmukhi . . . . .	20
Sanskrit-Devanagari . . . . .	33
*(a) Sindhi-Devanagari . . . . .	21
*(b) Sindhi-Arabic . . . . .	22
Tamil-Tamil . . . . .	23
Telugu-Telugu . . . . .	24
Urdu-Persian . . . . .	25

\*Candidates exercising the option to answer the paper(s) referred to in para 1(a) above in Sindhi must also indicate in column 14 of the application form the name of the particular script (code 21 or code 22) which they will adopt.

Candidates exercising the option to answer the paper(s) referred to in para 1(a) above in any of the languages mentioned in the Eighth Schedule to the Constitution may if they so desire, give English version within brackets of the description of the technical terms, if any, in addition to the version in the language opted by them.

2. The duration of each of the papers referred to in Sub-sections (a), (b) and (c) of Section II above will be 3 hours.

3. Candidate must write the papers in their own hand. In no circumstances, will they be allowed the help of a scribe to write the answers for them.

4. The Commission have discretion to fix qualifying marks in any or all the subjects of the examination.

5. For the Indian Administrative Service and the Indian Foreign Service (Category I), the two additional papers of only such candidates will be examined and marked as attain such minimum standard as may be fixed by the Commission in their discretion at the written examination in all the other subjects.

6. यदि किसी उम्मीदवार की लिखावट आसानी से पढ़ने लायक नहीं होगी तो उसे अन्यथा मिलने वाले कुल अंकों में से, कुछ अंक काट लिए जाएंगे।

7. सतही ज्ञान के लिए सम्बर नहीं दिए जाएंगे।

8. परीक्षा के सभी विषयों में इस बात का विशेष ध्यान रखा जाएगा कि अभिव्यक्ति कम-से-कम शब्दों में क्रमबद्ध तथा प्रभावपूर्ण ढंग से और ठीक-ठीक की गई हो।

9. प्रश्न-पत्रों में जहाँ आवश्यक हो तोलों और मापों की केवल मीटरी प्रणाली से संबद्ध प्रश्न पूछे जाएंगे।

### अनुसूची

#### भाग-क

(परिशिष्ट I के खण्ड II उपखण्ड (क) के अनुसार)

#### निबंध

उम्मीदवारों से दो विषयों पर निबंध लिखने की अपेक्षा की जाएगी। चुनाव के लिए कई विषय दिए जाएंगे। छन से भाषा की जाएगी कि वे निबंध के विषय की परिधि में ही अपने विचारों को क्रम से व्यवस्थित करें और संक्षेप में लिखें। प्रभाव पूर्ण और ठीक-ठीक भाषाविव्यक्ति को धेय दिया जाएगा।

#### सामान्य अंग्रेजी

प्रश्न इस प्रकार के होंगे जिनसे उम्मीदवारों के अंग्रेजी भाषा के ज्ञान तथा शब्दों के कुशल उपयोग की सामर्थ्य का पता चले। कुछ प्रश्न इस प्रकार के भी रखे जाएंगे जिससे उनकी तर्कशक्ति, उनकी निहितार्थ को ग्रहण कर सकने की सामर्थ्य तथा महत्वपूर्ण और कम महत्व वाले अंशों को पहचानने की योग्यता की परीक्षा हो सके। जैसा कि कि आमतौर पर होता है संक्षेप सार लेखन के लिए निर्देश दिए जाएंगे। संक्षिप्त एवं प्रभावपूर्ण अभिव्यक्ति के लिए धेय दिया जाएगा।

#### सामान्य ज्ञान

सामयिक घटनाओं के, और ऐसी बातों जो प्रतिदिन देखते और अनुभव करते हैं, उनके वैज्ञानिक दृष्टि से ज्ञान सहित जिसकी किसी ऐसे शिथिल व्यक्ति से भाषा की जा सकती है जिसने किसी वैज्ञानिक विषय का विशेष अध्ययन न किया हो। इस प्रश्न पत्र में भारत के इतिहास और भूगोल के ऐसे प्रश्न भी होंगे जिनका उत्तर उम्मीदवारों को विशेष अध्ययन के बिना ही जाना चाहिए। इस प्रश्न पत्र में महात्मा गांधी के उपदेशों से संबंधित प्रश्न भी होंगे। प्रश्न-पत्र में केवल बहुवचनिक प्रश्न पूछे जाएंगे।

#### भाग-ख

(परिशिष्ट I के खण्ड II के उपखण्ड (ख) के अनुसार)

शुद्ध गणित (कोड 01) :—सम्मिलित विषय होंगे (1) बीजगणित, (2) अनन्त अनुक्रम और श्रेणियाँ, (3) त्रिकोण मिति, (4) समीकरण के सिद्धांत, (5) दो या तीन परिमाणों के विश्लेषणात्मक रेखा गणित, विश्लेषण, और (7) अवकल समीकरण।

(2) बीज गणित :—समुच्चय, संज्ञ प्रतिच्छेदन, गुणों के अंतर और कोटिपूरक। वेग आरेखों। भूतात्मक पूर्ण संख्याओं के गुण वास्तविक संख्या और दशमलव द्वारा उनका निरूपण। सम्मिश्र संख्या। आरंभ आरेख। कार्तीय गुणनफल, सम्बन्ध, मानचित्रण। मानचित्रण के रूप में कार्य। तुल्यता संबंध बर्णों, वर्गों की एकक समाकारिता। उपवर्ग, प्रसामान्य उपवर्ग। लगेज का प्रमेय। फ्री बेमियस प्रमेय।

रिगों और फील्डों की परिभाषाएं और उदाहरण। शून्य और होमोमोर्फिज्मों के विभाजन। वेक्टर स्थान।

सारणिकों (जोड़, घटाना, गुणा और मैट्रिक्स का प्रतिलोमन देखित समघात और असमघात समीकरण। केले-हेमिल्टन प्रमेय)।

प्रारम्भिक संख्या सिद्धांत, अंक गणित का मूल प्रमेय। सर्वात्मसमता फरमेट और विलसन के प्रमेय।

असमताएं। समान्तर और गुण्यन्तर माध्यमों (कोची, स्वंवाएँ, होल्डर और मिनकोस्की की असमताएं)।

(2) अनन्त अनुक्रम और श्रेणियाँ :—सीमा की संकल्पना। अमृत श्रेणियाँ। अभिसारी, अपसारी और दौलती श्रेणियाँ। कोची के अभिसरणों का सिद्धांत। तुलना और अनुपात के परीक्षण। गोज की जांच। निरपेक्ष अभिसरण और श्रेणियों का उपविन्यास।

(3) त्रिकोणमिति :—परिमेय सूची और उसके अनुप्रयोग के लिए डिमावाइर का प्रमेय। प्रतिलोभ गतीय और अतिपर-त्रितीयक फलन। त्रिकोणमिति श्रेणियों के प्रसार और संकलन। अनन्त गुणनफलों के सम्बन्ध में साइन और को-साइन के लिए व्यंजक।

(4) समीकरण के सिद्धांत :—बहुपद समीकरणों के सामान्य गुण समीकरणों के रूपान्तरण। घनाकृति और चतुर्घात के मूलों की प्रकृति। घनाकृति का गाईन का हल संकल्प के चतुर्घात को वर्ग भिन्नो में मूलों के स्थान और न्यूनतम का विभाजकों का ढंग।

(5) दो और तीन बातों की विश्लेषिक रेखागणित :—सरल रेखा, रेखाओं का जोड़ा, वृत्त, वृत्तों की प्रणाली, दीर्घ वृत्त। पेरामोला, हाइपरमोला, दूसरी श्रेणी के समीकरण का स्तर फार्मे में घटाना।

मैदावों, सरल रेखाओं, गोला, कोन, शाकबकों और उनके स्पर्श रेखा और प्रसामान्य, गुण (वेक्टर तरीकों के प्रयोग की आज्ञा है)।

(6) विश्लेषण :—सीमा की संकल्पना, सांतत्य व्युत्पत्ति एक वास्तविक अन्तर के कार्य का अवकलन। सांतत्य, कार्य के गुण, असांतत्य के गुण। समांतर मान प्रमेय। अपरिमित कोमों का मूल्यांकन। लगेज और कोची के सारण फार्मों के साथ टेलर और मैक्लोरीयन के प्रमेय। एक अंतर के कार्य के न्यूनतम और अधिकतम समतलवर्तों, विविध बिन्दु बकता, वक्र अनुरेखा। आचरण। आंशिक विभेदन। एक से अधिक वास्तविक अंतर के काम का अवकलन।

समाकलन के स्तर के तरीके। सांतत्य कार्य की स्पष्ट समाकलन सीमन की परिभाषा। समाकलन गणित के मूल प्रमेय। समाकलन गणित के प्रथम समांतर मान प्रमेय। चापकलन, क्षेत्रकलन, परिक्रमण। ठोसों के आयतन और आधार और उनके प्रयोग।

(7) अवकलन समीकरण :—साधारण अवकलन समीकरण का बनना। डी० बाई०

क्रम और मात्रा। रेखागणित सम्बन्धी — = एक० (एक्स० डी० एक्स०

बाई०) के लिए प्रमेय के पास जाने का प्रयत्न। प्रथम क्रम रेखाकार और बिना रेखाकार समीकरण। विविध बिन्दु। विविध हलो। रेखाकार अवकल समीकरण और उनके विशेष गुण। रेखाकार अवकल समीकरण। लगातार गुणांकों के साथ कोची गूलर प्रकार के समीकरण। यथार्थ अवकल समीकरणों घोरसमाकलन-गुणक को प्रवेश कराने वाले समीकरण, द्वितीय क्रम के समीकरण। परतंत्रवर्तों और स्वतंत्रवर्तों का बदलना। हल जबकि एक समाकल ज्ञात हो। प्राचलों का विचरण।

#### अनुप्रयुक्त गणित (कोड 02)

इसमें निम्नलिखित विषय सम्मिलित किए जाएंगे :—

- (1) वेक्टर विश्लेषण
- (2) स्थिति विज्ञान
- (3) गति विज्ञान तथा
- (4) द्रव्य स्थैतिकी

1. वेक्टर विश्लेषण :—वेक्टर बीजगणित, अदिशचर के वेक्टर फलन का अवकलन। ग्रेडिएण्ट, कार्तीय में अपसरण तथा कर्ल वेलमाकार तथा गोलीय निर्देशांक तथा उनकी प्राकृतिक व्याख्याएं, उच्चतर घात व्युत्पन्न वेक्टर सर्वसम्भिकाएं तथा वेक्टर समीकरण। गाउस तथा स्ट्रोक प्रमेय।

6. If a candidate's handwriting is not easily legible, a deduction will be made on this account from the total marks otherwise accruing to him.

7. Marks will not be allotted for mere superficial knowledge.

8. Credit will be given for orderly, effective and exact expression combined with due economy of words in all subjects of the examination.

9. In the question papers, wherever necessary, questions involving the Metric System of weights and measures only will be set.

## SCHEDULE

### PART A

[Vide Sub-Section (a) of Section II of Appendix I]

#### ESSAY

Candidates will be required to write essays on two topics. The choice of subjects will be given. They will be expected to keep closely to the subject of the essay to arrange their ideas in orderly fashion, and to write concisely. Credit will be given for effective and exact expression.

#### GENERAL ENGLISH

Candidates will be required to answer questions designed to test their understanding of English and workmanlike use of words. Some of the questions will be devised to test also their reasoning power, their capacity to perceive implications and their ability to distinguish between the important and the less important. Passages will usually be set for summary or precis. Credit will be given for concise and effective expression.

#### GENERAL KNOWLEDGE

Including knowledge of current events and of such matters of everyday observation and experience in their scientific aspects as may be expected of an educated person who has not made a special study of any Scientific subject. The paper will also include questions on History of India and Geography of a nature which candidates should be able to answer without special study, and questions on the teachings of Mahatma Gandhi. The paper will consist of objective type questions only.

### PART B

[Vide Sub-Section (b) of Section II of Appendix I]

#### PURE MATHEMATICS (Code 01)

The subjects included will be (1) Algebra, (2) Infinite Sequences and Series, (3) Trigonometry, (4) Theory of equations, (5) Analytic Geometry of two and three dimensions, (6) Analysis and (7) Differential Equations.

(1) *Algebra*. Sets. Union. Intersection difference and complementation properties. Venn Diagram. Properties of natural numbers. Real numbers and their representation by decimals. Complex numbers. Argand Diagram. Cartesian Products, Relation, Mapping, Function as a mapping. Equivalence relations, Groups, Isomorphism of groups, Sub-groups. Normal sub-groups. Lagrange's Theorem. Frobenius theorem.

The definitions and illustrations of Rings and Fields. Divisors of Zero and Homomorphisms. Vector spaces.

*Determinants* Addition, subtraction, multiplication and inversion of matrix. Linear homogeneous and non-homogeneous equations. Cayley-Hamilton theorem.

Elementary number theory. Fundamental theorem of arithmetic. Congruences. Theorems of Fermat and Wilson.

Inequalities, Arithmetical and Geometrical means. Inequalities of Cauchy, Schwarz, Holder and Minkowsky.

(2) *Infinite Sequences and Series*:—Concept of limit. Infinite series. Convergent, divergent and Oscillatory series. Cauchy's general principle of convergence. Comparison and ratio tests, Gauss' test, Absolute convergence and derangement of series.

(3) *Trigonometry* De Moivre's theorem for rational index and its applications. Inverse Circular and hyperbolic functions. Expansions and summation of trigonometrical series. Expressions for sine and cosine in terms of infinite products.

(4) *Theory of Equations*: General properties of polynomial equations. Transformation of equations. Nature of the roots of cubic and biquadratic Cardan's solution of the cubic. Resolution of biquadratic into quadratic factors. Location of roots and Newton's method of divisors.

(5) *Analytic Geometry of two and three dimensions*.—Straight line, Pair of straight lines, circle system of circles, Ellipse, Parabola, Hyperbola Reduction of a second degree equation to a standard form.

Planes, straight lines, sphere, cone, coincides and their tangent and normal properties (Vector methods will be permissible).

(6) *Analysis*: Concepts of Limit. Continuity. Derivation differentiability of a function of one real variable. Properties of continuous functions. Characterisation of discontinuities. Mean value theorems. Evaluation of indeterminate forms. Taylor's and Maclaurin's theorems with Lagrange's and Cauchy's forms of remainders. Maxima and minima of function of one variable. Plane curves, singular points, curvature, curve tracing. Envelopes. Partial Differentiation. Differentiability of a function of more than one real variable.

Standard methods of integration. Riemann's definition of definite integral of continuous functions. Fundamental theorem of integral calculus. First mean value theorem of integral calculus. Rectification quadrature, volumes and surfaces of solids of revolution and their applications.

(7) *Differential Equations*: Formation of ordinary differential equation. Order and degree. Geometrical demonstration of the existence theorem for  $\frac{dy}{dx} = f(xy)$

First order linear and non linear equations. Singular points. Singular solutions Linear differential equations and their important properties. Linear Differential Equations with constant co-efficients. Cauchy-Euler type of equations. Exact differential equations and equations admitting integrating factor Second order equations. Changing of dependent and independent variables. Solution when one integral is known. Variation of parameters.

#### APPLIED MATHEMATICS (CODE-02)

The subjects included will be (1) Vector Analysis, (2) Statics, (3) Dynamics and (4) Hydrostatics.

(1) *Vector Analysis*: Vector Algebra. Differentiation of vector function of a scalar variable. Gradient, divergence and curl in cartesian, cylindrical and spherical co-ordinates and their physical interpretation. Higher order derivatives. Vector identities and Vector equations. Gauss and Stokes theorems.

(2) स्थैतिकी :—न्यूनन की यांत्रिकी के मूल नियम । विधीय प्रमेय । समतलीय स्थैतिकी । कण-पिकाय; म संतुलन । कार्य तथा स्थिति ऊर्जा । द्रव्यमान केन्द्र तथा गुरुत्व केन्द्र । वर्षण सामान्य कैटिनरी । कल्पित कार्य का सिद्धांत । संतुलन का स्थायित्व तीन विभागों का बल संतुलन ।

शलाकाओं में आकर्षण तथा स्थितिज ऊर्जा आयताकार तथा वृत्ताकार डिस्क, गोलीय, कोण, गोल । समस्थितिज पृष्ठ उनके गुण । स्थितिजों के गुण । ग्रीन का समान स्तर । लोपले तथा पोइसन के समीकरण ।

(3) गति विज्ञान :—वर्ग वेक्टर । ओपसिक वेग स्वरण । कोलीय वेग । स्वतंत्रता की कोटि तथा प्रतिबंध । सरल रेखात्मक गति । सरल आवर्त गति । समतल में गति । प्रक्षय । प्रतिबंधित गति कार्य तथा ऊर्जा । आवेगी बलों के अधीन गति । केप्लर के नियम । केन्द्रीय बलों के अधीन कक्षाएं । परिवर्ती द्रव्यमान की गति । प्रतिरोध के अधीन गति । जड़त्व के आधूर्ण और गुणनफल परिमित और आवेगी बलों के अधीन बुद्धि की दो विधीय गतियां । पिंड लोलक ।

(4) द्रवस्थैतिकी :—भारी तरलों के दाब, दाब की गई पद्धति के अधीन तरलों का संतुलन दाब का केन्द्र । कक्रपृष्ठों का प्रणोद प्लवमान पिंड का संतुलन । स्थायित्व का संतुलन । गैसों की दाब तथा घामु संतुलन से संबंधित समस्याएं ।

#### सांख्यिकी (कोड-03)

प्रायिकता :—प्रायिकता की चिर सम्मत और सांख्यिकीय परिभाषाएं जवाहरणों के साथ प्रायिकता पर सरल प्रमेय । प्रतिबंधी प्रायिकता और सांख्यिकीय स्वतंत्रता । बेयस का प्रमेय । सयोगिक विचरणों—असंतत और संतत विचारों में प्रायिकता वितरणों, गणितीय प्रत्याशाएं । टेके-बाइचेक की असमशी, वृहत संख्याओं का सप्ताह नियम । केन्द्रीय सीमा प्रमेय का सरल काम ।

II. सांख्यिकीय तरीके :—संकलन, वर्गीकरण, सारणीयन और विभिन्न प्रकार के सांख्यिकीय आंकड़ों का आरेखी निरूपण ।

सांख्यिकीय जनसंख्या की धारणा, और आवृत्ति वक्र । केन्द्रीय प्रवृत्ति और विक्षेपण के माप । आधूर्णी और संचयी । वैसाय और कूर्टोसिस का माप । अपूर्ण —जनक फलन ।

स्तर प्रायिकता बंटनों का अध्ययन :—द्विपद प्वासों । हार्डी-परिज्या-मैट्रिक । सामान्य ऋण द्विपद । आभातकार और लांग सामान्य बंटन । पियर सोनियन वक्रों की पद्धति का सामान्य विवरण ।

द्विचर बंटन, द्विचर प्रसामान्य बंटन के सामान्य गुण, गुरुत्व और प्रासंगिक माप । दो या अधिक चरों से संबंधित सहसंबंध और एकवात समाश्रयण । सहसंबंध अनुपात अन्तर्गत सहसंबंध कोटि । सहसंबंध प्ररेखीय समाश्रयण । विश्लेषण ।

स्वतंत्र हस्तावकों के तारीखों द्वारा बन्नासंजन गतिमान माध्य, वर्ग माध्य, न्यूनतम वर्ग और आधूर्ण । लंबित बहुपद और उनके प्रयोग ।

#### III. प्रतिदर्श बंटन और सांख्यिकीय अनुमान

आदृच्छिक प्रतिदर्श, सांख्यिक, प्रतिचयन और मानक दृष्टि की धारणाएं ।

स्वतंत्र प्रसामान्य विचारों के माध्यम के प्रतिदर्शी बंटन का व्युत्पन्न, एक्स ( $X^2$ ), टी० और एफ० सांख्यिकी उनके गुण और प्रयोग । प्रतिदर्श साधनों के प्रतिदर्शी बंटनों का व्युत्पन्न, प्रसरणों और सहसंबंध गुणबंध द्विचर प्रसामान्य जनसंख्या से । व्युत्पन्न, (बड़े प्रतिदर्शों) में और बियर सोनियन एक्स<sup>2</sup> ( $X^2$ ) के प्रयोग ।

आकलन का सिद्धांत :—अच्छे आकलन की आवश्यकताएं—अनभि-  
तता, संगति, दक्षता तथा पर्याप्तता । आकलनों के प्रसरण का क्रैमर—  
राज निम्नपरिबंध । सर्वोत्तम एकवात अर्नामनत आकलन ।

आकलन के तरीके :—आधूर्णों के तरीकों के सामान्य विवरणों के अधिकतम संभावितता का तरीका, न्यूनतम वर्गों के तरीके और अधिकतम संभावित आंगणकों के बिना प्रमाण के न्यूनतम गुणों का तरीका । विश्व-  
स्तता अंतरालों का सिद्धांत—विश्वस्तता सीमाएं, अस्तमन की सरल समस्याएं ।

परिकल्पनाओं की जांच का सिद्धांत :—सरल और संयुक्त परिकल्पनाएं, सांख्यिकीय जांचों और संशय क्षेत्र । दो प्रकार की त्रुटियों, सार्यकता का स्तर और परिरक्षण की क्षमता ।

सरल परिकल्पना से एक परिमापी से संबंधित के लिए अनुकूलतम संशय क्षेत्र । प्रसामान्य जनसंख्या से संबंधित सरल परिकल्पनाओं के लिए इस प्रकार के क्षेत्रों की रचना ।

संभावित अनुपात परीक्षण । माध्यम संबंधी परीक्षणों प्रसरण सहसंबंध तथा एकचर और द्विचर प्रसामान्य जनसंख्याओं में सहसंबंध तथा सामाश्रयण गुणों को सरल अपरिमापीय परीक्षणों के चिन्ह, रन, माध्यम, कोटि और यादृच्छिक किरण परीक्षण ।

सरल बैकल्पिक (बिना व्युत्पन्न) के विरुद्ध सरल परिकल्पनाओं का अनुक्रमिक परीक्षण ।

#### IV. प्रतिदर्शी तकनीकी

प्रतिदर्शी प्रति पूरण गणना प्रतिदर्शी के सिद्धांत । फ्रेमों और प्रति-  
दर्शी एकक । प्रतिदर्शी और अप्रतिदर्शी त्रुटियां । कमबद्ध प्रतिचयन । बहुक्रम और बहुकला प्रतिचयन । आकलन के अनुपात और समाश्रयण के तरीके, भारत में अभी हाल ही में बड़े पैमाने पर किए गए सर्वेक्षण के संदर्भ में प्रतिदर्श सर्वेक्षणों की अभिकल्पना ।

#### V. प्रयोगों के अभिकल्प

कोशों में निरीक्षणों के विचारों का विश्लेषण । प्रयोगात्मक अभि-  
कल्पों के सिद्धांत । पूर्णतः यादृच्छीकृत खण्ड तथा लासीनी वर्गीकार अभिकल्प । अप्राप्त भूखण्ड तकनीकी  $2 \times [s=2(1)5]$  ( $3^2$  तथा  $3^3$ ) तथा 3 अभिकल्पों के ग्रीच भ्रम पर गुणनखण्डात्मक प्रयोग । खण्डित भूखण्ड अभिकल्प । संतुलित अपूर्ण, अपूर्ण अभिकल्प तथा सरल चालक ।

#### भौतिकी (कोड-04)

पदार्थ और यांत्रिक के सामान्य गुण :—एकक तथा आयाम । परि-  
क्रमण गति तथा जड़ता । स्वाकृति तथा अप्रकार्यण, ग्रहीय गति प्रत्या-  
स्वजल तथा आयाम सहसंबंध प्रत्यास्थ अपरिवर्तक तथा उनके पारस्परिक संबंध । तल-आतलि, केशालत्व । असंपीड्य द्रव्यों का प्रहरण तरल तथा वाति द्रव्यों का आलगत्व ।

ध्वनि :—वलोत्पादित आवेपन प्रतिरक्षण । तरंग गति । डाप्लर । प्रभाव रज्जुधों तथा वायु स्तंभों के तरंग । आवर्ति-वेग और ध्वनि की तीव्रता का माप । सुस्वर ग्राम । प्रशाल । ध्वनि विज्ञान । पारस्वनिकी ।

ऊष्मा तथा ऊष्मा गतिक :—वातियों का गतिवाद । ब्राउन का गति-  
वाद । वान डेर वलिका स्थिति का समीकार । तापमान की भाप आपेक्षित तथा संवाही ऊष्मा । जूल थामसन वातियों का प्रभाव तथा तरलन । ऊष्मा प्रवैगिकी नियम । ऊष्म यंत्र । काल कार्य विकरण ।

प्रकाश :—रेखाकीय प्रकाशिकी तथा माधारण प्रकाशसंश्र भवति दूरबीन तथा सूक्ष्मदर्शी चाक्षुष प्रतिविम्ब में दोष तथा उनका सुधार प्रकाश तथा तरंग सिद्धांत । प्रकाश । प्रवेग की माप । प्रकाश में बाधक, व्याभंग तथा अभिस्पंदन । साधारण मियोचट्ट, मगावलीक्षा के तत्त्व, रमन प्रभाव ।

(2) *Statics*: Fundamental laws of Newtonian Mechanics. Theory of Dimensions. Plane statics. Equilibrium of system of particles. Work and Potential Energy. Centre of mass and Centre of gravity. Friction, Common catenary. Principle of Virtual work. Stability of equilibrium. Equilibrium of forces in three dimensions.

Attraction and Potential of rods, rectangular and circular discs, spherical shells, sphere. Equipotential surfaces and their properties, properties of potentials. Green's equivalent stratum. Laplace's and Poisson's equations.

(3) *Dynamics*: Velocity vector, Relative velocity. Acceleration. Angular velocity. Degrees of freedom and constraints. Rectilinear motion. Simple harmonic motion. Motion in a plane. Projectiles. Constrained motion. Work and energy. Motion under impulsive forces. Kepler's laws. Orbits under central forces. Motion of varying mass. Motion under resistance. Moments and products of inertia. Two dimensional motion of a rigid body under finite and impulsive forces. Compound pendulum.

(4) *Hydrostatics*: Pressure of heavy fluids. Equilibrium of fluids under given system of forces. Centre of pressure. Thrust on curved surfaces. Equilibrium of floating bodies. Stability of equilibrium. Pressure of gases and problems relating to atmosphere.

#### STATISTICS: (Code-03)

##### I. Probability

Classical and Statistical definitions of probability. Simple theorems on probability with examples. Conditional probability and statistical independence. Bayes theorem. Random variables—Discrete and Continuous. Probability functions and probability density functions. Probability distributions in one or more variates. Mathematical expectations. Chebyshev's inequality. Weak law of large numbers. Simple form of Central Limit theorem.

##### II. Statistical Methods

Compilation, classification, tabulation and diagrammatic representation of various types of statistical data.

Concepts of statistical population, and frequency curve. Measures of Central tendency and dispersion. Moments and cumulants. Measures of Skewness and Kurtosis. Moment-generating functions.

Study of standard probability distributions—Binomial, Poisson, Hypergeometric, Normal, Negative—Binomial, Rectangular and lognormal distributions. General description of the Pearsonian system of curves.

General properties of a bivariate distribution, bivariate normal distribution. Measures of association and contingency. Correlation and Linear regression involving two or more variable. Correlation ratio, Intraclass correlation, Rank correlation. Non-linear regression analysis.

Curvefitting by methods of free-hand curves moving averages, group averages, least squares and moments. Orthogonal Polynomials and their uses.

##### III. Sampling distribution and statistical inference

Random sample statistics, concept of sampling distribution and standard error.

Derivation of sampling distribution of mean of independent normal variates  $\bar{x}$ ,  $t$  and  $F$  Statistics, their properties and uses. Derivation of sampling distributions of sample means variances and correlation coefficient from a bivariate normal population. Derivation (in large samples) and uses of Pearsonian  $\chi^2$ .

Theory of Estimation: Requirements of a good estimate—unbiasedness, consistency, efficiency and sufficiency, Cramer Rao lower bound to variance of estimates. Best linear unbiased estimates.

Methods of estimation—general descriptions of the methods of moments, method of maximum likelihood, method of least squares and method of minimum  $\chi^2$ . Properties of maximum likelihood estimators (without proof). Theory of confidence intervals—simple problems of setting confidence limits.

Theory of Testing of Hypotheses; Simple and composite hypotheses. Statistical tests and critical regions. Two kind of error, level of significance and power of a test.

Optimum critical regions for simple hypotheses concerning one parameter. Construction of such regions for simple hypotheses relating to a normal Population.

Likelihood ratio tests. Tests involving mean variance, correlation and regression coefficients in univariate and bivariate normal populations. Simple non-parametric tests—sign, run, median rank and randomisation tests.

Sequential test of a simple hypotheses against a simple alternative (without derivation).

##### IV. Sampling techniques

Sampling versus complete enumeration. Principles of sampling. Frames and sampling units. Sampling and non-sampling errors. Simple random sampling. Stratified sampling. Cluster sampling. Systematic sampling. Description of multi-stage and multiphase sampling. Ratio and regression methods of estimation. Designing of sample surveys with reference to recent large-scale surveys in India.

##### V. Design of Experiments

Analysis of variance and covariance with equal number of observations in the cells.

Transformation of variates to stabilise variance.

Principles of experimental designs. Completely randomised block and latin square designs. Missing plot techniques. Factorial experiments with confounding in  $2^k$ ,  $3^k$  and  $3^2$  designs. Splitplot design. Balanced incomplete designs and simple lattice.

#### PHYSICS (CODE-04)

General Properties of matter and Mechanics.—Units and dimensions. Rotational motion and moments of inertia. Gravity, Gravitation planetary motion. Stress and Strain relationship, elastic moduli and their inter relations. Surface tension, capillarity. Flow of incompressible fluids. Viscosity of liquids and gases.

Sound.—Forced vibrations and resonance, Wave motion. Doppler effect. Vibrations of strings and air columns. Measurement of frequency, velocity and intensity of sound. Musical scales. Acoustics of halls. Ultrasonics.

Heat and Thermodynamics.—Elements of the kinetic theory of gases, Brownian motion. Van der Waals equation of state. Measurement of temperature, specific heat and thermal conductivity. Joule-Thompson effect and liquefaction of gases. Laws of thermodynamics. Heat engines. Black body radiation.

Light.—Geometrical optics, and simple optical systems. Telescope and microscope. Defects in optical images and their corrections. Wave theory of light. Measurement of velocity of light. Interference diffraction and polarization of light. Simple interferometers. Elements of spectroscopy, Raman effect.

विद्युत तथा चुम्बकत्व

साधारण मामलों के क्षेत्र में तथा विभव की गणना। गैस प्रमेय। विद्युत्मान। पदार्थ के विद्युतीय तथा चुम्बकीय गुण और उनकी माप। विद्युति प्रवाह के धारण चुम्बकीय क्षेत्र द्वावाहमान विद्युत के वेग तथा मात्रा की माप। शवधमान। रोच, प्ररोचत तथा धारता; तथा उनका मापन। तामविद्युत। आवर्ती विद्युद्वाह के तत्व। विद्युज्जतिता तथा विद्युद्ग्रहण। विद्युद्दर्शन। विद्युज्ज्वलिक तरंगों। नमोवणी कपाद क्षीप तथा उनके द्वारा वित्तु तरंगों की साधारण प्रयुक्ति, पारेषण आदान। दूरवीक्षण।

आधुनिक भौतिकी के तत्व—विद्युदणु प्राणु तथा बलीवाणु के प्राथमिक तत्व। क्रिया ऊर्जाणु-स्थिरांक। परमाणु का ग्रहण प्रमाण सिद्धांत। क्षर-शिमका तथा उनके गुण। तेजोद्विरेता के तत्व तथा आकार एवं अवर्ण रश्मियों के गुण। परमाणुओं की व्याप्ति। सापेक्षता गुंज तथा ऊर्जा के विशेष सिद्धांत के तत्व। विखंडन तथा द्राव। द्रष्टांड रश्मियां।

रसायन विज्ञान (कोड-05)

अकार्बनिक रसायन—परमाणु की संरचना। रेडियो-एक्टिवता सम-स्थानिक। तत्वों का कृत्रिम तत्वांतरण। नाभिकीय विखंडन। रासायनिक बन्धों की प्रकृति। वायु मंडल की सक्रिय गैसें। अपेक्षाकृत अधिक मान्य और उपयोगी तत्वों तथा उनके यौगिकों का रसायन। दुर्लभ मुद्रा तत्व हाइड्रोजन आक्साइड, आर्सेन अम्ल। पर-अम्ल और पर-लवण तथा कार्बोइड अकार्बनिक शंकर। रासायनिक विश्लेषण का मूलभूत सिद्धांत।

कार्बनिक रसायन—पेट्रोलियम और पेट्रोलियम उत्पाद। एसिफिटिक योगकों के निम्नलिखित वर्गों का रसायन; संतप्त और असंतुप्त हाइड्रो-कार्बन, एल्कोहल, ईथर, एस्टर, कीटोन मोनो और हाइड्राबोक्सीलिक अम्ल, ईस्टर, प्रतिस्थापित कार्बोक्सीलिक अम्ल। बायो, नाइट्रो और सायनों योगिक। ऐमीग यूरिया युरीआइड, कार्बो-धार्मिक यौगिक मोनो सेकेराइड (संरचना सहित), कार्बोहाइड्रेट और प्रोटीन (सामान्य परिचय) सरल एसिडकीय यौगिक। विकृति सिद्धांत।

एरोमेटिक—बेंजीन, नेफथैलीन और ऐन्थासीन तथा उनके मुख्य, व्युत्पन्न, कोलार, आयसन, फिनोल, एरोमेटिक एल्कोहल, एस्टर, कीटोन। एरोमेटिक अम्ल और हाइड्राक्सी अम्ल। ट्रिविमिन्यासी बाधा एरिल-एमीन, डाइएजो एजो और हाइड्राजोयौगिक। विनोन। विषय-वर्गीय यौगिक। पाइरोल, पिरिडोन, क्विनोलीन, इन्डोल और मोल। एजो, ट्राइफैमिल मेथेन और पथेलीन रंजक।

सरल आपाविक पुनर्विन्यास, समावयता, त्रिविम समावयता और चलावयतवपा। बहुलकीणह।

भौतिक रसायन—अणुगति सिद्धांत, गैसों के गुणधर्म, अवस्था-समी-करण, (सानडेर-बाल, का, डाइटेरिसाड) क्रान्तिक अवस्था, गैसों का द्रवण। रासायनिक संघटन के सापेक्ष द्रवों के भौतिक गुणधर्म। प्रारम्भिक क्रिस्ट-लिकी।

ऊष्मागतिकी का पहला और दूसरा नियम और इन नियमों का सरल भौतिक तथा रासायनिक प्रक्रमों में अनुप्रयोग। रासायनिक साम्य और द्रव्य-अनुपाती क्रिया का नियम। ला-शाते लिये का नियम। प्रोक्स्था-नियम और उसका एक-घटके तत्वों तथा लोहाकार्बन तन्त्र में अनुप्रयोग।

अभिक्रिया की दर और कोटि। प्रथम और द्वितीय कोटि की अभि-क्रियाएँ। श्रृंखला अभिक्रियाएँ। प्रकाश रासायनिक अभिक्रियाएँ। उत्प्रेरण अभिप्रोषण।

विद्युत-अपघटनी विभोजन। आयनिक साम्य। अम्ल-क्षारिक साम्य और सूचक। विद्यु-अपघटनी चालकता और उसके अनुप्रयोग। इलेक्ट्रो-विभव सेल का विद्युत वाहक बल। विद्युतवाहक बल के माप और उनके अनु-प्रयोग।

वनस्पति विज्ञान (कोड-06)

क्रिस्टोगैम (बैक्टीरिया और वाइस सहित) तथा फनेरोगैम, विशेषकर भारतीय क्रिस्टोगैम और फेनरोगैम, के विभिन्न समूहों और उपसमूहों अथवा कुलों और उपकुलों, महत्वपूर्ण निरूपकों के रूप, संरचना, प्रकृति आर्थिक, महत्व, जीवनकृत और परस्परसम्बन्ध।

पादप-फिजियोलॉजी के मूल सिद्धांत और प्रक्रम।

भारत में मिलने वाले शस्य-पौधों के महत्वपूर्ण रोगों का सामान्य ज्ञान और उन रोगों का नियंत्रण तथा उन्मूलन।

परिस्थिति की और पादप भूगोल, विशेषतः भारतीय वनस्पति समूह और भारत के वनस्पति के क्षेत्रों से संबंधित मूलभूत तथ्य।

विकास, कोशिका-विज्ञान और अनुवंशिकी और पादप प्रजनन का मूल ज्ञान।

मानव कल्याण के लिये और विशेषकर खाद्यान्नों, दालों, फलों, शर्कराओं स्टार्ची, तेलबीजों, मसालों, पेयों, तन्तुओं, लकड़ियों, रबर, औषधियों और सुगंध तेलों जैसे वनस्पति उत्पादों में पौधों, विशेषतः पृष्ठी पौधों के आर्थिक उपयोग।

वनस्पति विज्ञान से संबंधित विकास का सामान्य परिचय।

प्राणी विज्ञान (कोड-07)

विशेषकर भारतीय संघर्ष आकडेंटों और काडेंटों का वर्गीकरण, जीव-परिस्थितिकी, अकारिकी, जीवन चक्र और सम्बन्ध।

अभ्यावरण, जन्त, कंगाल, चलन, भरण, दधिर, परिसंघरण, स्वसन, आस्मो-रैग्युलेशन, तंत्रिका-तंत्र, ग्रहियों और पुनरुत्पादन की क्रियात्मक अकारिकी (प, संरचना और कार्य)। कशेरुकी ध्रूण विज्ञान के तत्व।

विकास—प्रमाण-वाद और उनकी आधुनिक व्याख्याएँ। मेगैसीय आनुवंशिकता, म्यूटेशन। प्राणी-कोशिका की संरचना। कोशिका-विज्ञान और आनुवंशिकी के मूलभूत सिद्धांत। अनुकूलन और वितरण।

भू विज्ञान (कोड-08)

भौतिक भूविज्ञान और भूआकृति विज्ञान—पृष्ठी का उद्भव। संरचना गर्भ तथा मामु। भू-अधिनति और पहाड़। समस्थिति। महाद्वीपों और महासागरों का सद्भाव। महाद्वीपीय विस्थापन भूकंप-विज्ञान ज्वालामुखी-विज्ञान। पृष्ठ एजेंसियों की भू-वैज्ञानिक क्रिया।

संरचना तथा क्षेत्र भू-विज्ञान—आग्नेय अक्सादी और कायंतरित शैल की सामान्य संरचनाएँ। क्लन, ञंश, विष्म विन्यासों, संघियों और ओपों का अध्ययन। भू-वैज्ञानिक सर्वेक्षण और भूमापन की विधियों की प्रारम्भिक जानकारी।

**Electricity and Magnetism.**—Calculation of field and potential in simple case. Gauss's theorem. Electrometers. Electrical and magnetic properties of matter and their measurement. Magnetic field due to electric current galvanometers. Measurement of current and quantity of electricity. Potentiometer, Resistance, Inductance and capacitance; and their measurement. Thermoelectricity. Elements of alternating currents. Dynamos and motors. Electrolysis, Electromagnetic waves. Radio valves and their simple applications, transmission and reception of wireless waves. Television.

**Elements of modern Physics.**—Elementary properties of electron, proton and neutron. Planck's constant and its measurement. Bohr's theory of the atom. X-rays and their properties. Elements of radio-activity and properties of alpha beta and gamma rays. Nuclei of atoms. Elements of the special theory of relativity, mass and energy. Fission and fusion. Cosmic rays.

#### CHEMISTRY (CODE-05)

**Inorganic Chemistry.**—Structure of the atom. The periodic Law, Radioactivity, Isotopes, Artificial transmutations of elements. Nuclear fission. Nature of chemical bonds. The inert gases of the atmosphere. Chemistry of the more common and useful elements and their compounds. Rare earth elements. Hydrides oxides, oxyacids, peracids and persalts and carbides. Inorganic complexes. Basic principles of chemical analysis.

**Organic Chemistry.**—Petroleum and petroleum products. Chemistry of the following classes of aliphatic compounds : Saturated and unsaturated hydrocarbons, alcohols, ethers, aldehydes. Ketones mono and dicarboxylic acid, esters, substituted carboxylic acids, thio, nitro and cyano compounds; amines urea and ureides, organometallic compounds monosaccharides (including structures) carbohydrates and proteins (general ideas). Simple alicyclic compounds. Strain theory.

**Aromatic.**—Benzene naphthalene and anthracene and their principal derivatives; Coal tar distillation. Phenols aromatic alcohols, aldehydes ketones. Aromatic acids and hydroxyacids. Stoichiometry. Arylamines Diazo, azo and hydrazo compounds. Quinones, Heterocyclic compounds, pyrrole pyridine quinoline indole and indigo. Azo, triphenylmethane and phthalein dyes.

Simple molecular rearrangements. Isomerism stereoisomerism and tautomerism polymerisation.

**Physical Chemistry.**—The kinetic theory. Properties of gases. Equations of state (Vander Waals Dieterel). The critical state. Liquefaction of gases. Physical properties of liquids in relation to their chemistry constitution. Elementary Crystallography.

The first and second laws of thermodynamics and their application to simple physical and chemical processes. Chemical equilibrium and Law and Mass Action. Le Chatelier's Principle. The Phase Rule and its application to one-component systems and to the iron-carbon system.

Rate and order of a reaction. First and second order reactions. Chain reactions. Photochemical reactions. Catalysis, Adsorption.

Electrolytic dissociation. Ionic equilibria. Acid-base equilibria and indicators. Study of electrolytic conductance and its applications. Electrode potentials. E.M.F. of cells. Measurements of E.M.E. and their applications.

#### BOTANY (CODE-06)

Form, structure, habit, economic importance, life histories and inter-relationships of the important representatives of the various groups and sub-groups, or families and sub-families of cryptogams (including bacteria with viruses) and phanerogams, with special reference to Indian plants.

The fundamental principles and processes of plant physiology.

A general knowledge of important diseases of crop plants in India and methods of their control and eradication.

The basic facts relating to ecology and plant geography, with special reference to Indian flora and the botanical regions of India.

Basic knowledge about evolution, cytology, genetics and plant breeding.

Economic uses of plants specially flowering plants in relation to human welfare, particularly with reference to such vegetable products as food-grains, pulses, fruits, sugars and starches oil-seeds, spices, beverages, fibres, woods, rubber drugs and essential oils.

A general familiarity with the development of knowledge relating to the botanical science.

#### ZOOLOGY : (CODE-07)

The classification, bionomics, morphology, life-history and relationship of nonchordates and chordates, with special reference to Indian forms.

Functional morphology (form structure and function) of the integument endoskeleton, locomotion feeding, blood-circulation respiration osmoregulation, nervous system, receptors and reproduction. Elements of vertebrate embryology.

Evolution : evidences, theories and their modern interpretations. Mendelian inheritance; mutation. Structure of animal cell; basic principles of cytology & genetics. Adaptation and distribution.

#### GEOLOGY : (CODE-08)

**Physical Geology and Geomorphology.**—Origin, structure interior and age of the Earth. Geosynclines and mountains. Isostasy. Origin of continents and oceans. Continental drift. Seismology. Volcanology. Geological action of surface agencies.

**Structural and Field Geology.**—Common structures of igneous, sedimentary and metamorphic rocks. Study of folds, faults, unconformities joints and thrusts. Elementary ideas of methods of geological Surveying and Mapping.

क्रिस्टल विज्ञान और खनिज विज्ञान—क्रिस्टल रूप और सामान्य गुण, क्रिस्टल-विज्ञान के नियम, क्रिस्टल तंत्र और वर्ग, क्रिस्टल प्रकृति, यम-अयन। विभिन्न प्रक्षेप। खनिजों की भौतिक, रासायनिक और प्रकाशित गुणधर्म। अधिक महत्वपूर्ण शैलकर तथा अधिक खनिजों का इनके रासायनिक और भौतिक गुणधर्मों, क्रिस्टल संरचनात्मक और प्रकाशित लक्षणों, परिवर्तनों, प्राप्ति, और व्यावसायिक उपयोगों के सम्बन्ध में अध्ययन।

स्तरित शैल-विज्ञान और जीवाश्म विज्ञान—स्तरित शैल-विज्ञान के नियम। भारतीय स्तरित शैल-विज्ञान। भूवैज्ञानिक अभिलेखों के अर्थ-वैज्ञानिक और कालानुक्रम प्रविभाग। जीवाश्म प्रकृति और परिक्षण का ढंग, जैव विकास पर प्रभाव। अकशेरुकी तथा पाइप जीवाश्म।

आधिक भूविज्ञान—अयस्क उत्पत्ति के सिद्धान्त, वर्गीकरण, भूविज्ञान, प्राप्ति, भारत के प्रमुख घाटिक और अघाटिक खनिजों के क्षेत्र तथा क्षेत्र। भारत में खनिज उद्योग। भू-भौतिकीय पूर्वक्षण और अयस्क-प्रसाधन के नियम।

शैलविज्ञान—आग्नेय, अवसादी और कार्यांतरित शैलों का उद्भव, रचना, संरचना और वर्गीकरण, सामान्य भारतीय शैल प्रकारों का अध्ययन।

#### भूगोल (कोड—09)

संसार, विशेषतः भारत का प्राकृतिक और मानव भूगोल। प्राकृतिक भूगोल के नियम, जिसमें स्थलमंडल, जलमंडल और वायुमंडल का विस्तृत अध्ययन करना शामिल है। चक्र संकल्पनाओं समस्थिति, पर्वत विरचन के प्रकारों, मौसम, षटनाओं, महासागरजल की बहिस्तलीय और अघस्तलीय गति, धारि के सम्बंध के आधुनिक विचारों का ज्ञान भी हो।

मानव भूगोल के नियम, जिसमें संस्कृति, प्रजापति, धर्म आदि के आधार पर जिन वितरण, वातावरण और जीवन-प्रणाली, जन-संख्या उपनति, जनसंख्या की आबादी का विस्तृत अध्ययन करना भी शामिल है।

उम्मीदवारों से आशा की जाती है कि उन्हें भारत के प्राकृतिक, मानव और आर्थिक भूगोल का विस्तृत ज्ञान हो।

#### अंग्रेजी साहित्य (कोड—10)

उम्मीदवारों से आशा की जायेगी कि उन्हें चौसर से लेकर महारानी विक्टोरिया के शासन के अन्त तक अंग्रेजी साहित्य के इतिहास का सामान्य ज्ञान हो तथा निम्नलिखित रचनाओं की कृतियों का विशेष ज्ञान हो।

जेक्सपीयर, मिल्टन, ड्राइडन, जॉनसन, बर्क्सवर्थ, कोट्स, डिक्सन टैलसन, आर्बनलड तथा हार्डी।

स्वयं पुस्तकें पढ़ने का प्रमाण अपेक्षित होगा।

प्रश्न-पत्र इस प्रकार से बनाये जायेंगे, जिनसे उम्मीदवारों की आलोचक चलात्मक योग्यता की जांच की जा सके।

11. असमिया (कोड-11), बंगला (कोड-12), गुजराती (कोड-13), हिन्दी (कोड-14), कन्नड़ (कोड-15), कश्मीरी (कोड-16), मलम (कोड-17), मराठी (कोड-18), उड़िया (कोड-19), पंजाबी (कोड-

20), सिंधी (कोड-21 या 22), तमिल (कोड-23), तेलुगु (कोड-24) तथा उर्दू (कोड-25):—उम्मीदवारों से यह आशा की जायेगी कि भाषा के ज्ञान और उसके साहित्य को दर्शासक जिन कृतियों से वे सम्बन्ध रखते हैं, उनमें से जो सर्वोत्तम समझी जाती है उनका उन्हें प्रत्यक्ष ज्ञान होना अनिवार्य है, यद्यपि प्रश्न क्रम महत्वपूर्ण कृतियों पर भी तैयार किये जा सकते हैं। उनसे यह भी आशा की जायेगी कि ऐतिहासिक तथा सांस्कृतिक, बौद्धिक तथा कलात्मक आन्दोलनों की पृष्ठभूमि का तथा भाषा-विषयक विकासों का ऐसा ज्ञान रखते हों जिससे उनको साहित्य को समझने में सहायता मिलेगी। प्रश्न साहित्य इतिहास और भाषा के ऊपर पूछे जा सकते हैं। उम्मीदवारों को अनुवाद/व्याख्या करनी होगी तथा परिच्छेदों पर टिप्पणी के लिये कहा जा सकता है।

टिप्पणी:—कोड 11 से 25 तक ऊपर दिये गये विषयों में से किसी विषय को लेने वाले उम्मीदवार को संबंधित भाषा में कुछ अथवा सभी प्रश्नों के उत्तर देने अपेक्षित होंगे। इन भाषाओं के लिये प्रयोग की जाने वाली लिपियां निम्नलिखित हैं:—

भाषा	लिपि
असमिया . . . . .	असमिया
बंगला . . . . .	बंगला
गुजराती . . . . .	गुजराती
हिन्दी . . . . .	देवनागरी
कन्नड़ . . . . .	कन्नड़
कश्मीरी . . . . .	फारसी
मलयालम . . . . .	मलयालम
मराठी . . . . .	देवनागरी
उड़िया . . . . .	उड़िया
पंजाबी . . . . .	गुरुमुखी
सिंधी . . . . .	देवनागरी अथवा अरबी
तमिल . . . . .	तमिल
तेलुगु . . . . .	तेलुगु
उर्दू . . . . .	फारसी

अरबी (कोड-26), चीनी (कोड-27), फारसी (कोड-28), जर्मन (कोड-29), पाली (कोड-30), फारसी (कोड-31), रूसी (कोड-32) तथा संस्कृत (कोड-33):—उम्मीदवारों को प्रमुख परिनिष्ठित साहित्यकारों का ज्ञान होना अपेक्षित है और उनमें उस भाषा में रचना करने और उससे अनुवाद करने की योग्यता होनी चाहिये।

**Crystallography and Mineralogy.**—Elements of crystal forms and symmetry. Laws of Crystallography; Crystal systems and classes; Crystal habits; twinning. Stereographic projections. Physical chemical and optical properties of minerals. Study of more important rock-forming and economic minerals regarding their chemical and physical properties crystallographic and optical characters, alterations, occurrence and commercial uses.

**Stratigraphy and Palaeontology.**—Principles of Stratigraphy Indian Stratigraphy. Lithological and Chronological subdivisions of Geological record. Fossils—nature and mode of preservation; bearing on Organic evolution. Invertebrate and plant fossils.

**Economic Geology.**—Theories of Ore genesis; Classification, geology, occurrence localities and resources of chief metallic and non-metallic minerals of India. Mineral industries in India. Principles of Geophysical prospecting and ore dressing.

**Petrology.**—Origin, constitution, structure and classification of igneous, sedimentary and metamorphic rocks. Study of common Indian Rock types.

#### GEOGRAPHY (CODE-09)

Physical and Human Geography of the world with special reference to India. Principles of Physical Geography comprising a detailed study of the lithosphere; hydrosphere and atmosphere leading up to the modern views regarding cycle concepts, isostasy, process of mountain formation, weather phenomena, surface and subsurface movement of ocean waters, etc.

Principles of Human Geography comprising a detailed study of the distribution of man on the basis of culture race, religion, etc environment and mode of life, population trends population movements.

Candidates are expected to have a detailed knowledge of physical, human and economic geography of India.

#### ENGLISH LITERATURE (CODE-10)

Candidates will be expected to show a general knowledge of the history of English Literature from the time of Chaucer to the end of the reign of Queen Victoria, with special reference to the words of the following authors :—

Shakespeare, Milton, Dryden, Johnson, Wordsworth, Keats, Dickens, Tennyson, Arnold and Hardy.

Evidence of first-hand reading will be required. The paper will be designed also to test the candidates' critical ability.

ASSAMESE (CODE-11), BENGALI (CODE-12), GUJARATI (CODE-13), HINDI (CODE-14), KANNADA (CODE-15), KASHMIRI (CODE-16), MALAYALAM (CODE-17), MARATHI (CODE-18), ORIYA (CODE-19), PUNJABI, CODE-20), SINDHI (CODE-21 OR 22), TAMIL (CODE-23), TELUGU (CODE-24), AND URDU (CODE-25).—Candidates will be expected to show a knowledge of the language and its literature. They must have first hand knowledge of the best known words with which they deal, though questions on words of lesser importance may also be set. They will also be expected to possess such knowledge of the historical and cultural background, of intellectual and artistic movements and of linguistic developments as will enable them to understand the literature. Questions may be set on literacy, history and on language. Candidates will be required to translate/explain and may be asked to comment on passages.

NOTE.—A candidate offering any of the subjects mentioned above with codes 11 to 25 may be required to answer some or all the questions in the language concerned. The scripts required to be used for these languages are indicated below :

#### Language Script

Assamese—Assamese.

Bengali—Bengali.

Gujarati—Gujarati.

Hindi—Devanagari.

Kannada—Kannada.

Kashmiri—Persian.

Malayalam—Malayalam

Marathi—Devanagari.

Oriya—Oriya.

Punjabi—Gurmukhi.

Sindhi—Devanagari or Arabic.

Tamil—Tamil.

Telugu—Telugu.

Urdu—Persian.

ARABIC (CODE 26), CHINESE (CODE-27), FRENCH (CODE-28), GERMAN (CODE-29), PALI (CODE-30), PERSIAN (CODE-31), RUSSIAN (CODE-32), AND SANSKRIT (CODE-33).—Candidates will be expected to show a knowledge of the principal classical authors and to be able to translate from and compose in the language.

**टिप्पणी:**—अरबी, फारसी और संस्कृत लेने वाले उम्मीदवारों से कुछ प्रश्नों के उत्तर, यथास्थिति, अरबी, फारसी या संस्कृत में देने की अपेक्षा की जा सकती है। संस्कृत में लिखे जाने के लिये उर्दू देवनागरी लिपि में लिखे जाने चाहिये।

#### भारतीय इतिहास (कोड—34)

चन्द्रगुप्त मौर्य के शासन काल से लेकर भारतीय गणतन्त्र की स्थापना तक।

प्रश्न पत्र में राजनैतिक, संविधानिक, आर्थिक तथा सांस्कृतिक विकास पर भी प्रश्न होंगे।

#### ब्रिटिश इतिहास (कोड—35)

अध्ययनाधीन अवधि 1485 से 1945 तक होगी। प्रश्न-पत्र में राजनैतिक, संविधानिक, आर्थिक तथा सांस्कृतिक विकास पर भी प्रश्न होंगे।

#### यूरोप का इतिहास (कोड—36)

अध्ययनाधीन अवधि सन् 1789 से 1945 तक होगी।

प्रश्न-पत्र में राजनीतिक, राजनयिक आर्थिक और सांस्कृतिक विकास पर प्रश्न शामिल होंगे।

#### विश्व इतिहास (1789 से 1945 तक (कोड—37)

उम्मीदवारों से आशा की जायेगी कि उन्हें विश्व के राजनीतिक और आर्थिक विकास विशेषतः यूरोप, अमेरिका, सुदूरपूर्व, मध्यपूर्व तथा अफ्रीकी महाद्वीप के बारे में गहन ज्ञान हो। सार्वभौमिक महत्व की अन्तर्राष्ट्रीय घटनाओं पर विशेष बल दिया जायेगा।

उम्मीदवारों से यह भी आशा की जायेगी कि उन्हें विज्ञान, साहित्य तथा कला के क्षेत्रों में प्रदर्शित सम्पूर्ण सभ्यता के योगदान में प्रतिबिम्बित सांस्कृतिक विकास का ज्ञान हो।

#### सामान्य अर्थशास्त्र (कोड—38)

उम्मीदवारों से आशा की जायेगी कि उन्हें निम्नलिखित विषयों का सामान्य ज्ञान हो:

(क) आर्थिक विश्लेषण के सिद्धांत, तथा

(ख) आर्थिक मन्तव्यों का इतिहास।

उनमें अपने सैद्धांतिक ज्ञान को वर्तमान भारतीय आर्थिक समस्याओं के विश्लेषण के लिये प्रयोग करने की योग्यता होनी चाहिये।

**राजनीतिक विज्ञान (कोड—39):**—उम्मीदवारों से राजनैतिक सिद्धान्त और उसके इतिहास का ज्ञान अपेक्षित है। राजनीतिक सिद्धांत का तात्पर्य केवल विज्ञान-सिद्धांत से ही नहीं है अपितु सामान्य राज्य सिद्धांत से भी है। संविधानिक रूपों (प्रतिनिधि सरकार, संघवाद आदि) और केन्द्रीय, स्थानीय तथा लोक प्रशासन सम्बन्धी प्रश्न भी पूछे जा सकते हैं। उम्मीदवारों को वर्तमान संस्थाओं की उत्पत्ति और विकास का ज्ञान भी होना चाहिये।

**वशान शास्त्र (कोड—40):**—उम्मीदवारों से आशा की जाती है कि उन्हें निम्नलिखित के विशेष धर्म सहित पूर्व और पश्चिम के नीति शास्त्र के इतिहास और सिद्धांत की जानकारी होगी। नैतिक स्तर और उसके अनुप्रयोग की समस्याएँ नैतिक निष्पक्ष, नित्यवाद और स्वतन्त्र दृष्टावृत्ति, नैतिक, व्यवस्था और प्रगति, व्यक्ति, समाज और राज्य के बीच सम्बन्ध, अपराध और दण्ड के सिद्धान्त तथा नीतिशास्त्र का धर्म से सम्बन्ध।

उन्से यह भी आशा की जाती है कि वे निम्नलिखित के विशेष संबंध सहित पश्चिमी वर्शनशास्त्र के इतिहास की जानकारी रखेंगे। दर्शन शास्त्र की प्रकृति और उसका विज्ञान तथा धर्म का सम्बन्ध, पदार्थ एवं आत्मा, स्थान एवं समय, कारणता एवं विकास तथा मूल्य एवं ईश्वर के सिद्धांत और ईश्वर, आत्मा एवं भक्ति, एवं कारणता, विकास एवं प्रसीति के सिद्धांतों के विशेष संबंध सहित भारतीय दर्शन (धर्मनिष्ठ और धर्म विरोधी प्रणालियों सहित) का इतिहास।

#### मनोविज्ञान (कोड—41)

मनोविज्ञान :—उसका स्वभाव, क्षेत्र एवं अध्ययन की विधियाँ, मनोविज्ञान में प्रायोगिक विधियाँ।

मानवीय विकास के कारक :—आनुवंशिकी एवं परिवेश।

अभिप्रेरणा भावनाएं एवं संवेग, उनका स्वभाव एवं विकास, संवेगों के सिद्धांत, चरित्र का विकास।

संज्ञानात्मक प्रक्रियाएं, संवेदन, प्रत्यक्ष ज्ञान, अधिगम, स्मरण शक्ति तथा विस्मरण और मनन।

प्रज्ञा एवं योग्यताएं :—संकल्पना और माप, व्यक्तित्व-स्वभाव निर्धारक तत्व, सिद्धांत और मूल्यांकन।

दलगत प्रक्रियाएं एवं दलगत प्रभाव, समूह गत व्यवहार, नेतृत्व एवं मनोबल अभिवृत्ति एवं अपकृति, सामाजिक-परिवर्तन।

अपसामान्यता की संकल्पना, मनस्ताप और मनोविक्षिप्तक विकारों के मुख्य रूपों की पहिचान एवं कारण, सामाजिक विकृति विज्ञान और बाल-अपराध—कारण और उपाय चिकित्सा विधियों के मुख्य रूप।

#### विधि I (कोड—42)

1. विधि शास्त्र : विधि संकल्पना: विधि के प्रकार; सकारात्मक विधि, न्याय प्रशासन। विधि के स्रोत; विधि के तत्त्व जिनमें विधिक अधिकार और कर्तव्य शामिल हैं; दायिताएं स्यामित्व, कब्जा, विधिक व्यक्तित्व; सम्पत्ति।

2. संविधान विधि: भारत की संविधान विधि जिसमें प्रशासनिक विधि शामिल है, ब्रिटिश संविधान का मूल सिद्धांत।

3. टाटर्स विधि जिसमें टाटर्स के लिये राज्य की दायिता शामिल है।

4. दांडिक विधि (भारतीय दण्ड संहिता)।

5. साध्य विधि: सुसंगति और पूर्व धारणा: साध्य के प्रकार मौखिक और लेख्य साध्य, प्राथमिक और माध्यमिक साध्य: प्रमाण-भार विवंचन, अदाजती नोटिस।

#### विधि II (कोड—43)

1. संबिदा विधि के सामान्य सिद्धांत (भारतीय संबिदा अधिनियम की धारा 1 से 75 तक)।

2. भारतीय संबिदा अधिनियम के विशेष संबंध में क्षति पूर्ति विधि, गारंटी, गिरवी और एजेंसी।

3. भारतीय विधि के विशेष संबंध में सामान्य बित्री विधि, सामेदारी विधि, पराक्रम्य उपकरण तथा बैकिंग (सामान्य सिद्धांत)।

4. समवाय विधि।

#### विधि III (कोड—44)

अन्तर्राष्ट्रीय विधि की प्रकृति और स्रोत। अन्तर्राष्ट्रीय विधि का

इतिहास, अन्तर्राष्ट्रीय विधि का संप्रदाय, अन्तर्राष्ट्रीय विधि और देश विधि।

अन्तरराष्ट्रीय विधि में व्यक्तियों के रूप में राज्य/अन्तर्राष्ट्रीय व्यक्तित्व का अधिग्रहण और हानि। राज्य मान्यता। राज्य उत्तराधिकार।

राज्य के अधिकार और कर्तव्य, समानता का सिद्धांत। राज्यों का क्षेत्राधिकार।

संधियां।

अन्तर्राष्ट्रीय संबंध के एजेंट/राजनयिक एजेंटों के विशेषाधिकार और उन्मुक्ति व्यक्ति और अन्तर्राष्ट्रीय विधि। अन्य देशीय निवासी राष्ट्रिकता। राष्ट्रीयता, राष्ट्रहीनता/प्रत्यर्पण युद्ध अपराधी।

अन्तर्राष्ट्रीय विवादों को तय करने का ढंग।

युद्ध/बोषणा/प्रभाव।

स्थल, जल और वायु-युद्ध के नियम।

NOTE.—Candidates for Arabic, Persian and Sanskrit may be asked to answer some questions in Arabic, Persian or Sanskrit as the case may be. Answers required to be written in Sanskrit must be written in the Devanagari Script.

#### INDIAN HISTORY (CODE-34)

From the beginning of the reign of Chandragupta Maurya to the establishment of Indian Republic. The paper will include questions on political, constitutional, economic and cultural developments.

#### BRITISH HISTORY (CODE-35)

The period of study will be from 1485 to 1945. The paper will include questions on political, constitutional, economic and cultural developments.

#### EUROPEAN HISTORY (CODE-36)

The period of study will be from 1789 to 1945. The paper will include questions on political, diplomatic, economic and cultural developments.

#### WORLD HISTORY (CODE-37) (FROM 1789 to 1945).—

Candidates will be expected to possess sound knowledge of the major political and economic developments in world, with special reference to Europe, the U.S.A., the Far East, the Middle East and the African Continent. There will be special emphasis on international events of world importance.

Candidates will also be expected to be familiar with cultural developments as reflected in contributions to civilization as a whole, in the fields of science, literature and art.

#### GENERAL ECONOMICS (CODE-38)

Candidates will be expected to have a general knowledge of (a) the principles of economic analysis; and (b) the history of economic doctrines.

They should be able to apply their knowledge of theory to an analysis of the current economic problems of India.

#### POLITICAL SCIENCE (CODE-39)

Candidates will be expected to show a knowledge of political theory and its history, political theory being understood to mean not only the theory of legislation but also the general theory of the State. Questions may also be set on constitutional forms. (Representative Government, Federalism, etc.) and Public Administration, Central and Local. Candidates will be expected to have knowledge of the origin and development of existing institutions.

#### PHILOSOPHY (CODE-40)

The candidates will be expected to be familiar with History and Theory of Ethics, Eastern and Western, with special reference to the problems of Moral Standards and their application. Moral Judgment, Determinism and Free Will. Moral Order and Progress, relation between Individual, Society and the State theories of Crime and Punishment, and relation of Ethics to Religion.

They will also be expected to be familiar with History of Western Philosophy, with special reference to nature of philosophy and its relation to Science and Religion, theories of Matter and Spirit, Space and Time, Causation and Evolution, and Value and God, and with History of Indian Philosophy (including orthodox and heterodox systems), with special reference to theories of God. Self and Liberation, and causation. Evolution and Appearance.

#### PSYCHOLOGY (CODE-41)

Psychology : its nature, scope and methods, experimental method in psychology.

Factors in human development heredity and environment.

Motivation, feelings and emotions; their nature and development; theories of emotions; development of character.

The cognitive processes, sensation, perception, learning, memory and forgetting and thinking.

Intelligence and abilities—Concepts and measurement. Personality—nature, determinants, theories and assessment.

Group processes and group effect : crowd behaviour leadership and morale; attitudes and prejudice; social change.

Concept of abnormality symptoms and etiology of the main forms of psychoneurotic and psychotic disorders, social pathology and juvenile delinquency—causes and prevention; Main forms of therapeutic techniques.

Delinquency—causes and prevention; Main forms of thera-

#### LAW I—(CODE-42)

1. Jurisprudence : Concept of Law; Kinds of law; Positive law; Administration of Justice; Sources of law; Elements of law including legal rights and duties; Liability Ownership, possession; Legal personality; Property.

2. Constitutional Law : Constitutional Law of India including Administrative Law; basic principles of the English Constitution.

3. Law of Torts including State liability for Torts.

4. Law of Crimes (Indian Penal Code).

5. Law of evidence : Relevancy and presumptions; Kinds of Evidence—oral and documentary evidence; primary and secondary evidence; Burden of proof; Estoppel; judicial notice.

#### LAW II—(CODE-43)

1. General Principles of the Law of Contract (Sec. 1 to 75 of the Indian Contract Act).

2. Law of Indemnity, Guarantee, Bailment, Pledge and Agency with special reference to the Indian Contract Act.

3. Law of sale of Goods, Law of Partnership and Negotiable Instruments and Banking (General Principles), with special reference to the Indian Law.

4. Company Law.

#### LAW III—(CODE-44)

Nature and Sources of International Law. History of International Law. The School of International Law. International Law and Municipal Law.

State as persons of International Law. Acquisition and loss of international personality. State recognition. State succession.

Rights and duties of States. Principle of equality. Jurisdiction of States.

Treaties.

Agents of International intercourse. Privileges and immunities of diplomatic agents. The Individual and International Law. Aliens Nationality. Naturalisations Statelessness Extradition. War Criminals.

Modes of settlement of International disputes.

War : Declaration ; Effects.

Laws of land, sea and aerial warfare.

प्रान्त रक्षा के लिए युद्ध : सामूहिक सुरक्षा । क्षेत्रीय समझौते । युद्ध को प्रवेष्ट घोषित करना, युद्धकारी बखल के नियम । युद्धकारिता और राज्य प्रतिरोध ।

युद्ध के ढंग । युद्ध-कैदी । निरीक्षण और तलाशी का अधिकार ।

प्रादेश न्यायालय ।

नाकाबन्दी और विनिषिद्ध ।

तटस्थता और तटस्थीकरण । युद्ध में तटस्थ देशों के अधिकार और कर्तव्य । अतटस्थ सेवा । संयुक्त राष्ट्र के चार्टर के अधीन तटस्थता ।

संयुक्त राष्ट्र का चार्टर और राष्ट्र संघ का प्रतिज्ञापत्र । संयुक्त राष्ट्र के प्रमुख अंग । विशिष्ट अन्तर्राष्ट्रीय संगठन ।

उम्मीदवारों से आशा की जाती है कि वे अन्तर्राष्ट्रीय न्यायालय में दिए गए फैसलों सहित मामलों की जानकारी दे सकेंगे ।

#### अनुप्रयुक्त यांत्रिकी (कोड—45)

##### मचन

छतकैची के सन्निर्माण में प्रयुक्त सामग्री पर विचार । हस्तात और हमारती लकड़ी । छतकैचियों के प्रतिफल का विभिन्न पद्धतियों से निधारेण । अचल भार और वायु दाब, क्षेम और कार्यरत प्रतिबल में घटक ।

छत कैचियों के डिजाइन:— विभिन्न प्रकार के छतकैचियों और छतादन; कालरबीम और अधगोल कैचियाँ, स्तम्भों के डिजाइन में यूलर गोरडन रैकिन फिडलर जान्सन और सरल रेखा के सूत्रों का उपयोग, स्तम्भों का बहुकावकारक विभिन्न सूत्रों से प्राप्त स्तम्भों की तुलनात्मक सामर्थ्य को दर्शाने वाले चक्र । अनुभागों के आकार का चयन । हस्ताती कार्य की परि-सज्जा जोड़ एडवैयरिंगों का डिजाइन । सिरों को जमाने के सहारे देने की पद्धतियाँ ।

संरचनाओं के डिजाइनों में प्रतिफल के वृत्तों और शीघ्रवृत्तों तथा कलेशप्रान्त प्रमेय का अनुप्रयोग ।

ढले लोहे और हस्तात के स्तम्भ :— हस्ताती स्तम्भों के साथ प्लेज और क्षेत्र कनेक्शन : टोपियों आधार स्तम्भों का तिर्यक तान ।

नीच :— सुरक्षित दाब स्तम्भों की नीच । पटिया नीच, बाहुधरन नीच, समीरीदार नीच । कूप स्थूर्ण ।

पुक्ता दीवार और मिट्टी के दाब :— रैकिन सिद्धांत, वेज सिद्धांत, विकर और ठलाई की प्राप्तीय रचनाएँ, संशोधनों सहित चिनाई में विभिन्न प्रकार की पुरता दीवारों का डिजाइन ।

ऊँची चिनाई और हस्ताती चिमनियाँ :— सिद्धांत और डिजाइन ।

हस्ताती और पक्के जलाशयों का डिजाइन :— वायु दाब के विचार से ।

ढाँचेदार संरचनाओं के विक्षेप और अतिरिक्तांगी ढाँचों में प्रतिबल प्राप्ति का अवधारण ।

कैचियों आबद्ध घरलों और तीन पिनी परबलसयिक, अर्धवृत्ताकार तथा अर्ध वृत्ताकार ढाटों पर समान रूप से वितरित और अनियमित भार के बकल धूर्णन और कर्तन के प्रभाव-प्रारेख, गुम्बद-डिजाइन के सामान्य सिद्धांत ।

निर्माण, डिजाइन के सिद्धांत, निर्माणों पर भार का विचार, हस्तातएँ कर्म गडेर आदि ।

##### पुल

ऊपरी ढाँचे का डिजाइन । चरमारों और वायु दाबों के कारण हुए बंकन धूर्णन का प्राप्तीय और बैश्लेषिक पद्धतियों से निधारेण । पक्के पुलों और पुलियों का डिजाइन । प्लेट बीच गडेर प्रतिबलों का विश्लेषण ।

बारन और जालदार गडेर ।

तीन पिनी ढाट, दो पिनी और दृढ़ ढाट ।

भूला, बाहुधरन और तलिकाकार पुलों के डिजाइन पर सामान्य विचार, हस्ताती ढाटदार पुल ।

भूलना पुल ।

#### प्रबलित कंक्रीट

कर्तन, बंध और विकर्ण तनाव, इसका स्वरूप, प्रबलन का मूल्यांकन और स्थान ।

सरल और दोहरी प्रबलित धरन और अनुकालंब धरन का डिजाइन ।

प्रबलित कंक्रीट स्तम्भों और उल्लूखों का सिद्धांत और डिजाइन । पट्टनीच का डिजाइन ।

सरल बाहुधरन और पुष्टेदार धारक दीवारों का डिजाइन । प्रबलित कंक्रीट कारों के लिए तुल्य जड़ता-धरण ।

प्रत्यास्थ विक्षेप का सिद्धांत और प्रबलित कंक्रीट ढाटों में प्रतिबलों के अवेषण की रूप-रेखा ।

#### सामान्य

प्रतिबल विश्लेषण, बिकृति प्रत्यास्थता सीमा और चरम सामर्थ्य का विश्लेषण : प्रत्यास्थ स्थिरांकों में परस्पर संबंध । किसी संरचना अवयव में कार्यकारी प्रतिबलों के लिए सानहार्ट-नेरोध सूत्र और उसके अनुप्रस्थ काट के क्षेत्र का अवधारण । प्रतिबलों की पुनरावृत्ति । अचल भारों के लिए बंकन धूर्णन और कर्तन-बल के प्रारेख ढाँचों में प्रतिबलों का प्राप्तीय अवधारण, वायुदाब का प्रभाव, ढाटों की पद्धति । बंकन (M/I-F/Y-E/R) के कारण धरन की अनुप्रस्थ काट में प्रतिबल, मिजित और संयुक्त प्रतिबल । मिट्टी के दाब का रैकीन सिद्धांत, नीचों की गहराई, खसकों की सामर्थ्य, शंभरीदार नीच, मिट्टी के दाब का कलाम सिद्धांत, रेबान के कारण परिवर्तन ।

चलमारों के लिए बंकन, धूर्णन, कर्तन-बल के प्रारेख । समान और समान रूप से बदलते प्रतिबल का विश्लेषण धरनों के बंकन का प्रत्यास्थता सिद्धांत । धरनों में बंकन और कर्तन प्रतिबल, काट का मापांक और तुल्य क्षेत्र । उल्लेख भार के कारण जोड़ में अधिकतम और न्यूनतम प्रतिबल । बांधों और चिमनियों में प्रतिबल । ब्लैक की स्थिरता, कार्य संरचनाएँ । बाधित खोलों में प्रतिबलों और रिबेडवार जोड़ों का डिजाइन । धाम के संबंध में आयलर का सिद्धांत, रैकिन, गाडर और अन्य सिद्धांत के कारण परिवर्तित ऐंठन, संयुक्त ऐंठन और संकना विश्लेष । आबद्ध धरने, अनेकालंब धरने और त्रिपूर्ण प्रमेय । ढाटों का प्रत्यास्थता सिद्धांत, पक्की ढाटें ।

#### समाज शास्त्र (कोड—46)

समाज शास्त्र का स्वरूप, विषय क्षेत्र तथा पूर्ववृत्त—समाज शास्त्र तथा अन्य सामाजिक विज्ञानों के साथ संबंध ।

जाति तथा समाज-भौगोलिक वातावरण तथा समाज—जनसंख्या तथा समाज—संस्कृति, धारणा, उसका महत्व तथा समाज और व्यक्तित्व के साथ संबंध ।

समाजशास्त्र की मूल धाराणाएँ : समूह—प्राथमिक, माध्यमिक और सर्वम समूह—भूमिका—सामाजिक—संरचना सामाजिक कार्य—सामाजिक संगठन—मानवेंड तथा मान्यताएँ ।

समाजीकरण—सामाजिक नियंत्रण—सामाजिक दण्ड—विधान ।

मूल सामाजिक संस्थान : परिवार और संग्रोद्धता—संयुक्त परिवार—प्राथिक, राजनीतिक, धार्मिक तथा कानूनी संस्थान ।

सामाजिक स्तरीकरण : आजाति, सम्पदा तथा वर्ग—सामाजिक प्रक्रियाएँ—सहकारिता तथा प्रतिद्वन्द्व ।

समितियों की किस्में : असभ्य तथा सभ्य—सरल तथा जटिल—परम्परागत तथा प्राधुनिक ।

सामाजिक परिवर्तन : सामाजिक परिवर्तन के सिद्धांत—आयोजित सामाजिक परिवर्तन—सामाजिक विकास ।

ग्राम्य और शहरी समुदाय—शहरीकरण ।

नोट:—उम्मीदवारों से यह अपेक्षा की जाएगी कि वे तथ्यों द्वारा सिद्धांतों का निरूपण करें तथा सिद्धांतों की सहायता से समस्याओं का विश्लेषण करें । उनसे भारतीय समस्याओं की विशेष जानकारी अपेक्षित होगी ।

War in selfdefence. Collective security. Regional pacts. Outlawry of war. Laws of belligerent occupation. Belligerency and insurgency.

Methods of warfare. Prisoners of war. Right of visit and search. Prize courts.

Blockade and contraband.

Neutrality and neutralisation. Rights and duties of neutral states in war. Unneutral service. Neutrality under the Charter of the U.N.

The Charter of the U.N. and covenant of the league of Nations. Principal organs of the United Nations. Specialised International Organisations.

Candidates will be expected to show familiarity with cases including the pronouncements of the International Court of Justice.

#### APPLIED MECHANICS—(CODE-45)

##### BUILDINGS

Considerations of materials used in the construction of roof-trusses. Steel and Timber. Determination of stresses in trusses by various methods. Dead-loads and wind pressure. Factors of safety and working stresses.

Designs of roof-trusses. Various types of roof-trusses and roof-coverings; collar beam and hammer beam trusses.

Use of Euler's. Gordon's. Ranking's Fidler's Johnsons and straight line formulate in the design of struts. Bucklings factor of struts; curves showing comparative strength of struts obtained by various formulae. Choice of size of Sections. Finish of Steel work. Joints. Designs of endbearings; methods of fixing and supporting ends.

Application of circles and ellipse of stress and Clayepron's theorem to design of structures.

Cast Iron and Steel Columns.—Flange and web connections to steel Columns, caps, bases; transverse bracing of columns.

Foundations.—Safe pressures; foundations for columns Slab foundations, cantilever foundations, grillage foundations. Wells. Piles.

Retaining Walls and Earth Pressures.—Rankine's theory, Wedgetheory. Winker's and Blight's graphical constructions, with corrections. Design of various types of retaining walls in masonry.

Tall masonry and Steel Chimneys.—Theory and design.

Design of Steel and Masonry Reservoirs; with considerations of wind-pressures.

Deflection of framed structures and determination of stresses etc. in redundant frames.

Influence diagrams for bending moment and shear for uniformly distributed and irregular loads on trusses, built in beams and three pinned parabolic; semi-elliptic and semi-circular arches.

General principles of dome design.

Principles of Building Design; consideration of loads on buildings; Steel-work girders, etc., for buildings.

##### BRIDGES

Design of superstructure. Determination by graphical and analytical methods of bending moment due to moving loads wind pressures.

Design of masonry bridges and culverts.

Plate-webb girders. Analysis of stresses.

Warren and lattice girders.

Three pinned arches; doubly pinned and rigid arches.

General considerations on the design of suspension cantilevers and tubular bridges.

Steel arched bridges.

Swing bridges.

#### REINFORCED CONCRETE

Shear, bond and diagonal tension, its nature evaluation and location of reinforcement.

Design of simple and doubly reinforced beams and continuous beams.

Theory and design of reinforced concrete columns and piles.

Design of Slab foundations.

Design of simple cantilever and counterfort retaining walls.

Equivalent moments of inertia for reinforced concrete sections.

Theory of elastic deflections and outline of investigation of stresses in reinforced concrete arches.

#### GENERAL

Analysis of stress, analysis of strain, elastic limit and ultimate strength. Relation between the elastic constants, Launhardt-Weyrauch formula for working stresses in a Structural member and determination of its cross sectional area. Repetition of stresses. Bending moment and shearing force diagrams for dead loads. Graphical determination of stresses in frames; effect of wind pressure method of sections. Stress in the cross-section of a beam due to bending ( $M/I = f/Y = E/R$ ); compound and conjugated stresses. Rankine's theory of earth-pressure; depth of foundations; strength of footings. Grillage foundations; Coulomb's theory of earth-pressure, modification due to Rebahn.

Bending moment and shearing force diagrams for live loads. Analysis of uniforms and uniformly varying stress Elastic theory of bending of beams, bending and shear stresses in beams. Modulus of section and equivalent areas. Maximum and minimum stresses in a joint due to eccentric loading. Stresses in dams and chimneys. Stability of block work structures. Design of revetted joint and stresses in boiler shells. Euler's theory concerning struts, modifications due to Rankine, Gordon and others. Torsion, Combined torsion and bending deflections. Encastre beams. Continuous beams and theorem of three moments. Elastic theory of arches, Mosonry arches.

#### SOCIOLOGY (CODE-46)

Nature, scope and antecedents of sociology—Relation between sociology and other social sciences.

Race and society—Geographical environment and society—Population and society—Culture; the concept, its importance, and its relation to society and personality.

Basic concepts in sociology Groups—primary, secondary and reference groups—Role—Social structure—Social function—Social organisation—Norms and values—socialization—Social control—Social sanctions.

Basic social institutions; Family and kinship—The joint family—Economic, political, religious and legal institutions.

Social stratification; Castes estate and class—Social processes—Cooperation and conflict.

Types of societies: Primitive and civilized—Simple and complex—Traditional and modern.

Social change: Theories of social change—Planned social change—Social evolution.

Rural and Urban Communities—Urbanization.

NOTE :—The candidates will be expected to illustrate theory with facts, and to analyse problems with the help of theory. They will be expected to be particularly conversant with Indian Problems.

## भाग-ग

[परिशिष्ट I के भाग II के उप भाग (ग) के अनुसार]

उच्चतर विशुद्ध गणित (कोड-50)

- (1) आधुनिक बीजगणित तथा स्थान विज्ञान ।
- (2) वास्तविक चरों के फलनों का विश्लेषण ।
- (3) सम्मिश्र चरों के फलन ।
- (4) ज्यामिति तथा
- (5) अवकल समीकरण ।

(1) **आधुनिक बीजगणित** :—सामुह्य, उपसमूहों, प्रसामान्य उपसमूह । खंड समूह । समरूपता तथा एकक समाकारिता । एकक समाकारिता पर प्रमेय । क्रमसम समूह । रूपान्तरण समूहों । स्वसमाकृतिकता के समूह । आंतरिक स्वसमाकृतिकता । प्रसामान्यकृता, केन्द्र तथा विक्रि परिवर्त्यक 'फले' और सोलों के प्रमेय । परिमितीय जनक आदेशी ध्रुवों के लिए विमोजन प्रमेय । निश्चरों । प्रसामान्य श्रेणी, संयोजक श्रेणी, आइन्-होल्डर प्रमेय । रिंग पूर्णांक्य डोमेन । विभाजन रिंग । क्षेत्र । आदर्श, प्रारंभिक तथा मक्सिमल आदर्श, आदर्श के धनराशि तथा गुणनफल । भागफल रिंग । रिंगों के लिए एकक समाकारिता प्रमेय । पणीकीय डोमेन के विभागों का क्षेत्र । बीविलडी डोमेन । मुख्य आदर्श डोमेन । अद्वितीय गुणनखंडमंडोमेन । रिंग, परिवर्तित रिंग के ऊपर बहुपद रिंग, अद्वितीय गुणनफल, डोमेन के बहुपद गुणों का सहित । नियोजित रिंग । वेक्टर स्थानों । वेक्टर स्थान का आधार । लांबिकता । आदेशगुणनफल । आदेशात्मक आधार ।

क्षेत्र विस्तार । विभाजकफील्ड । पृथक होने योग्य और पृथक न होने योग्य विस्तार । परिमित विस्तारों का गोलोइस का प्रमेय । करणी द्वारा समीकरणों के हल का अनुप्रयोग । परिमित क्षेत्र ।

सांस्थितिक सदिश समिति । मानचित्रों तथा आस-पास, बंद समुच्चय, स्वांतर समुच्चय, स्थान वैज्ञानिक स्थान के लिए आधार उपस्थान, पागफल, स्थान । स्थान विज्ञान तथा सांस्थिकी के सामर्थ्य की परिभाषा के विशिष्ट तरीके । मैट्रिकस्थान, पंचिलडी स्थान तथा मैट्रिक स्थानों के अन्य उदाहरण । दो स्थान वैज्ञानिक स्थानों के संयोजकों कार्तीय गुणनफल, स्थानीय संयोजन । पथ के अनुसार संयोजन । सहित स्थान के सहित स्थानों के गुणनफल, स्थानीय सहित स्थानों । पार्थक्य-अभिगहीत । हजडोर्क, प्रसामान्य तथा नियमित स्थान ।

(2) **वास्तविक चरों के फलनों का विश्लेषण** :—वास्तविक संख्याओं का डेकहाइड का प्रमेय । परिवर्ध और सीमायें । सक्रियाएं । संतत तथा एक समान संतत । अवकालनीयता अस्पष्ट फलनों । फलनों के अधिकतम और न्यूनतम । सीमान समाने कलन । माध्यमान प्रमेयों, अनुचित पूर्णाकीय रेखा, समतल तथा गुणांक पूर्णाकीय । रेखा समतल तथा गुणांक पूर्णाकीय, ग्रीन और स्टर्कों के प्रमेय ।

एक समान अभिसरी श्रेणियों के एक समान अभिवरण की श्रेणियां और गुण । अपरिमित गुणनफलों का अभिकरण । समुच्चय के फलनों के आधौनामीलडी तथा सम्पूर्णता । फूरिये श्रेणियों तथा फूरिये प्रमेय । बायरस्ट्रास सेनिगटन प्रमेय । लेबेस्गु का भाप प्रबंधित फलनों के मापीय फलन तथा लेबेस्गु पूर्णाकीय ।

(3) **मिश्रित चर के फलन** :—उस के समतल और सीमन के गोला परसमिश्र संख्याओं का निरूपण । द्विचरएकघाती रूपान्तरणों विश्लेषिक फलनों । कौची का प्रमेय तथा उसका विलोम । कौची का पूर्णाकीय सूत्र । टेलर तथा सारेंट की श्रेणियां । वियोऊवाइल का प्रमेय । विजितताएं भूत्यों/अवशेषों का प्रमेय तथा पूर्णाकीय के मूल्यांकन के लिए इसका अनुप्रयोग । बीजगणित का मूल प्रमेय तथा बीजगणित के समीकरणों के मूल अनुकोण निरूपण । विश्लेषिक संगत । मिटेगलेयर का प्रमेय, वाइरेस्ट्रास का गुणनखंड का प्रमेय, अधिकतम मापांक सिद्धांत । हैडामार्ड का त्रिवृतीय प्रमेय ।

(4) **ज्यामिति** : समतल पारच्छेदों तथा द्विघातियों की जन रेखायें, द्विघाती पृष्ठ तथा इसका विश्लेषण । संतापी द्विघाती । द्विघाती की गैसिलों का प्रारंभिक प्रमेय । सोता वक्र/वक्रता तथा ऐंठन । फ्रेट के सूत्र ।

आवरण विकास योग्य समतल । विकास योग्य वक्र से संगुणित, रेखजपृष्ठ । पृष्ठों की घकता । घकता की रेखाएं, संगुमी रेखायें । उपगमी रेखाय । अत्यांतरी ।

(5) **अवकल समीकरण**

**साधारण अवकल समीकरण** :—पिकाई का अस्तित्व प्रमेय । प्रारंभिक तथा सीमांत प्रतिबंध । चरगुणांकों के साथ रेखाकार अवकल समीकरण । श्रेणियों में समाकलन बेसिल तथा लेगेंडर फलन । संपूर्ण तथा युगपत अवकल समीकरण ।

**आंशिक अवकल समीकरण**

आंशिक अवकल समीकरणों की बनावट । पॉत्रिक अवकल समीकरणों के पूर्णाकीय के प्रकार । प्रथम क्रम के आंशिक अवकल समीकरण, चारपिड का तरीका । अचर गुणकों के साथ आंशिक अवकल समीकरण । मांगे का तरीका । द्वितीय क्रम के आंशिक अवकल समीकरणों का वर्गीकरण । आप्लेस समीकरण तथा इसकी सीमांतमान समस्यायें । तरंग समीकरण तथा ऊष्माचालन के समीकरण का हल ।

**उच्चतर अनुप्रयुक्त गणित (कोड-51)**

शामिल विषय ये होंगे :—

- (1) गति विज्ञान
- (2) द्रवगति विज्ञान
- (3) प्रत्यास्थता
- (4) विद्युत तथा चुंबकत्व
- (5) आपेक्षिकता का विशेष प्रमेय ।

(1) **गति विज्ञान** :—कण गति विज्ञान । तीन आयामों में गति । दृढ़ गति विज्ञान । दो आयामों में गति । संबेग तथा ऊर्जा । भूगतिमान से संबधित गति । फौकाल्ट का लोलक । जनक निर्देशांक । होलोनीमिक तथा अहोलोनीमिक प्रणालियां । छोटे दोलन । गूलर का गतिक समीकरण । छूटकी गति । न्यूनतम कर्मका हैमिल्टन का सिद्धांत । हैमिल्टन के विहित समीकरण तथा उनके समाकरण निश्चर । संप्रशं रूपान्तरण ।

(2) **द्रवगति विज्ञान** :—

सामान्य : सांतत्य का समीकरण संशेय तथा ऊर्जा ।

**इनभिसिड प्रवाह प्रमेय** :—द्विविभगति । प्रवाही गति । स्रोत तथा अभिगत । प्रतिविम्ब के तरीके तथा इसके अनुप्रयोग तरल में भोजन तथा गोला की गति । अभिजल-गति तरंगें ।

**विस्कोस प्रवाह प्रमेय** :—प्रतिबल तथा विकृति विश्लेषण । नेवियरसेट-स्टोकेल समीकरण भ्रमिलता । ऊर्जा-अय । समानांतर पट्टिकाओं के बीच प्रवाह । नली में होकर प्रवाह, गोला के पार घामी प्रवाह गति । सीमांतस्तर संकल्पना—द्रविम प्रवाहों के लिए । सीमांतस्तर । पट्टिका के साथ सीमांतस्तर । समरूपता हल । संबेग तथा ऊर्जा समाकल । करमत तथा पोह्लवहीसेन का तरीका ।

(3) **प्रत्यास्थता** :—कार्तीय टेसर । प्रतिबल तथा विकृति विश्लेषण कार्य तथा ऊर्जा । सट वेनेट का सिद्धांत । दंड और पट्टिकाओं का मोड़ना । ऐंठन ।

(4) **विद्युत तथा चुंबकत्व** :—स्थिर चालक तथा संचारित चालकों की प्रणालियों । परावैद्युत । संकल्पनाओं के तरीके तथा इनके अनुप्रयोग । जालों में विद्युत धाराओं के प्रवाह चुंबकत्व । चुंबकत्व वैद्युत । प्रेरण । प्रत्यावर्ती धारायें, मेक्सबल के समीकरण, दोलानी परिपथ ।

(5) **आपेक्षिकता का विशेष प्रमेय** :—गलीलियन सिद्धांत । माइकलसन-मोरलेय प्रयोग । आपेक्षिकता के प्रमेय के सिद्धांत । लोरेज रूपान्तरण तथा इसके परपद । मैक्वेले के समीकरणों में लारेंज निश्चयर । निर्वात का विद्युत् मातृक । द्रव्य तथा ऊर्जा ।

**उच्च भौतिकी (कोड-52)**

**द्रव्य और ध्वनि के सामान्य गुण धर्म** :—विरूपणय पिंडों की यांत्रिकी । कुंडलिनी कमानो केशिका घटनायें । ध्वनि मापन पराश्रयिकी ।

**ऊष्मा और उष्मागतिकी** :—आउनी गति । गैसों का अणुगति सिद्धांत । निम्न दृढ़ पर गैसों में मिलने वाली अभिगमन घटनायें ऊष्मागतिक कार्य

## PART C

## (5) Differential equations :—

[Vide Sub-Section (c) of Section II of Appendix I]

## HIGHER PURE MATHEMATICS (CODE-50)

The subjects included will be (1) Modern Algebra and Topology, (2) Analysis of functions of real variables, (3) Functions of a complex variable, (4) Geometry and (5) Differential Equations.

(1) *Modern Algebra* : Groups, Sub-groups, Normal Sub-groups. Factor groups, Homomorphism and isomorphism. Theorems on isomorphism. Permutation groups. Groups of transformation. Groups of automorphism. Inner automorphism. Normaliser, Centre and Commutator. Theorems of Cayley and Sylow. Decomposition theorem for finitely generated abelian groups. Invariants, Normal series, Composition series. Jordan-Holder theorem. Rings, Internal domains. Division ring. Fields, Ideals, Prime, primary and maximal ideals, sums and products of ideals. Quotient ring. Isomorphism theorems for rings. The field of quotients of an integral domain. Euclidean domains. Principal ideal domains. Unique factorisation domains. Ring of polynomial over a commutative ring. Polynomials with co-efficients from a unique factorisation domain. Neotherian rings.

Vector spaces. Basis of a vector space. Dimension. Orthogonality. Scalar product. Orthonormal basis.

Field extension. Splitting fields. Separable and inseparable extension. Galois theory of finite extensions. Application to solution of equations by radicals. Finite fields.

Topological space, maps and neighbourhoods, closed sets, open sets base for a topological space, subspaces, quotient spaces. Different ways of defining a topology and strength of topologies. Matrices spaces. Euclidean spaces, and other examples of metric spaces. Connectivity. Cartesian product of two topological spaces, local connectivity. Pathwise connectivity. Compact spaces. Product of compact spaces, locally compact spaces. Separation axioms. Hausdorff, normal and regular spaces.

(2) *Analysis of functions of real variables*. Dedekind's theory of real numbers. Bounds and limits. Sequences. Continuity and uniform continuity. Differentiability. Implicit functions. Maxima and minima of functions, Riemann Integration. Mean value theorems. Improper integrals. Line surface and multiple integrals. Green's and Stokes theorems.

Uniform convergence of series and properties of uniformly convergent series. Convergence of infinite products. Orthonormality and completeness of sets of functions. Fourier series and Fourier theorem. Weierstrass approximation theorem. Lebesgue measure. Measurable functions and Lebesgue integral of bounded functions.

(3) *Functions of a complex variable*.—Representation of complex numbers on Gauss, plane and on Riemann's sphere. Bilinear transformations. Analytic function: Cauchy's theorem and its converse. Cauchy's integral formula. Taylor's and Laurent's series. Liouville's theorem. Singularities. Zeros. Theory of Residues and its application to evaluation of integrals. Fundamental theorem of algebra and roots of algebraic equations. Conformal representation. Analytic continuation. Mittag-Leffler's theorem. Weierstrass' factorisation Theorem. The maximum modulus principle Hadamard's three-circle theorem.

(4) *Geometry* : Plane sections and generating lines of quadrics. The quadric surface and its analysis. Confocal quadrics. Elementary theory of pencils of quadrics. Curves in space. Curvature and torsion. Frenet's formulae. Envelopes. Developable surfaces. Developable associated with a curve. Ruled surfaces. Curvature of surfaces. Lines of curvature. Conjugate lines. Asymptotic lines. Geodesics.

*Ordinary differential Equations* : Picard's existence theorem Initial and Boundary conditions. Linear differential equations with variable coefficients. Integration in series. Bessel and Legendre functions. Total and simultaneous differential equations.

*Partial Differential Equations* : Formation of partial differential equation. Types of integrals of partial differential equations. Partial differential equation of first order, Charpit's method. Partial differential equations with constant coefficients. Monge's methods. Classification of partial differential equations of second order. Laplace Equation and its boundary value problems. Solutions of wave equation and equation of heat conduction.

## HIGHER APPLIED MATHEMATICS : (CODE-51)

The subject included will be (i) Dynamics, (2) Hydrodynamics, (3) Elasticity, (4) Electricity and Magnetism, (5) special theory of Relativity.

(1) *Dynamics* : Particle Dynamics. Motion in three dimensions. Rigid Dynamics Motion in two dimensions. Momentum and Energy. Motion relative to the moving earth. Foucault's pendulum. Generalized coordinates. Holonomic and non-holonomic systems. Lagrange's equations of motion for holonomic systems. Small oscillations. Euler's geometrical and dynamical equations. Motion of a top. Hamilton's principle of least action. Hamilton's canonical equations and their integral invariants. Contact transformations.

(2) *Hydrodynamics* :

*General* : Equation of continuity, momentum and energy.

*Inviscid Flow Theory* : Two-dimensional motion. Streaming motion. Sources and sinks. Method of images and its application. Motion of cylinder and sphere in a fluid. Vortex motion Waves.

*Viscous Flow Theory* : Stress and Strain analysis. Navier Stokes Equations. Vorticity Dissipation of energy. Flow between parallel plates. Flow through pipe. Slow streaming motion past a sphere. Boundary layer concept. Boundary layer equations for two dimensional flows, boundary layer along a plate. Similarity solutions. Momentum and energy integrals Method of Karman and Pohlhausen.

(3) *Elasticity* : Cartesian Tensors. Stress and strain analysis. Work and energy. Saint Venant's principle Bending of beams and plates. Torsion.

(4) *Electricity and Magnetism* : Electrostatic, Conductors and condensers. Systems of conductors, Dielectrics. Method of image and its application. Flow of electric currents in net works. Magnetism. Electromagnetism Induction. Alternating currents. Maxwell's equations. Oscillatory circuits.

(5) *Special Theory of Relativity* : Galilean principle Michelson-Morley experiment. The principles of theory of relativity. Lorentz transformation and its consequences. Lorentz invariance of Maxwell's equations. Electrodynamics of a Vacuum Matter and energy.

## HIGHER PHYSICS : (CODE-52)

*General Properties of Matter and Sound* : Mechanics of deformable bodies. Helical springs. Capillary phenomena Viscosity. Acoustical measurements. Ultrasonics.

*Heat and Thermodynamics* : Brownian motion. Kinetic theory of gases. Transport phenomena in gases at low pressures. Thermodynamic function and their applications.

और उनके अनुप्रयोग। कृतियों और गैसों की विशिष्ट ऊष्मा। निम्न तापमान लाना और उन्हें मापना, विकिरण और ऊर्जा वितरण का पलैंक नियम।

**प्रकाश विज्ञान:**—समाश्रित सममित प्रकाशित तंत्रों का सिद्धांत प्रायोगिक स्पेक्ट्रम-विज्ञान। विद्युत् चुम्बकीय सिद्धांत प्रकाश प्रकीर्णन। रामन-प्रभाव। विवर्तन। ध्रुवण।

**विद्युत् तथा चुम्बकत्व:**—गाउस-प्रमेय। विद्युत्मापी चुम्बकीय शैथिल्य। स्थायी चुम्बकों का सिद्धांत। वैद्युत् राशियों का मापन। प्रत्यावर्ती धारा सिद्धांत। साइक्लोट्रॉन और उच्च वोल्टता के उत्पादन की अन्य विधियाँ। बेतार तरंगों का प्रेषण और अभिग्रहण। टेलीविजन।

**प्राथमिक भौतिकी:**—सापेक्षिकता का विशेष सिद्धांत प्रकाश और द्रव्यों की द्वैत प्रकृति। श्रोडिंजर समीकरण और साधारण मामलों में उनके हल। हाइड्रोजन और हीलियम स्पेक्ट्रा जीमन और स्टार्क प्रभाव। बोली नियम और तत्त्वों का प्रावर्ती वर्गीकरण। एक्स किरण और एक्स-किरण स्पेक्ट्रम-विज्ञान। कॉम्पटन प्रभाव। धातुओं में चालन। अति-चालकता। तापानित्री तापीय आयनन परमाणु नाभिकों के गुणधर्म, द्रव्यमान स्पेक्ट्रम-विज्ञान। भूलक्षण और उसके गुणधर्म। नाभकीय अभिक्रियाएँ, अंतरिक्ष-किरणें। नाभकीय विखंडन और संलयन।

#### उच्च रसायन विज्ञान (कोड—53)

**कार्बनिक रसायन:**—परमाणु संरचना। रेडियोऐक्टिवता, प्राकृतिक एवं कृत्रिम। नाभिकों का विखण्डन और संलयन। स्यास्थानिक रेडियो-ऐक्टिव सूचक। रेडियोऐक्टिव श्रेणियाँ, परा यूरेनियम तत्वों और उनके मुख्य यौगिकों, विशेषतः Be, W, Ti, V, Mo, Hf, Zr तथा दुर्लभ मुदा तत्वों और उनके मुख्य यौगिकों का रसायन-विज्ञान।

उपसहसंयोगिता-यौगिक। अंतराअवामी तथा अतस्व-योगमिसीय यौगिक। मुक्त मूलक। विश्लेषण की उच्च भौतिक रासायनिक विधियाँ।

**कार्बनिक रसायन:**—अनुनादी तथा हाइड्रोजनबन्ध विरचन सहित कार्बनिक रसायन के सिद्धांत। महत्वपूर्ण कार्बनिक अभिक्रियाओं की ..... क्रियाविधि, समनुरूपण सहित विन्यास-रसायन।

विभिन्न कार्बनिक यौगिकों के वर्गों, विशेषतः निम्नलिखित वर्गों का रसायन: बहु-शर्कराइड, टर्पीन, प्राकृतिक रंजक द्रव्य एले-केलाइड, विटामिन, महत्वपूर्ण हार्मोन, मेलेरिया रोधक, स्लोरीन कीट-नाशी, मुख्य प्राणि-जैविक, तथा संप्लिष्ट बहुलक।

**भौतिक रसायन:**—अणुगतिक सिद्धांत, ऊष्मागतिकी विज्ञान के तीन नियम तथा भौतिक रसायनिक प्रक्रमों में उनका अनुप्रयोग, आणविक संरचना से संबंधित तथा उसका स्पष्टीकरण करने वाले भौतिक-रासायनिक गुणधर्म। क्वान्टम-सिद्धांत तथा रसायन में इसका अनुप्रयोग।

रासायनिक तथा प्रकाश रासायनिक अभिक्रियाओं की क्रिया विधि तथा बलगतिकी। उत्प्रेरण। अधिलोषण। पृष्ठरसायन। कोलायड। विद्युत्-रसायन।

#### उच्च वनस्पति विज्ञान (कोड—54)

उष्मीद्वारों को भारतीय वनस्पति समूह पर विशेष ध्यान देते हुए, वर्तमान और विलुप्त दोनों प्रकार के वनस्पति जगत के मुख्य समूहों (अर्थात् घोवाल, कवक, बयोफाइटा, टेरीडो-फाइटा, जिन्मोस्पर्म और एंजिओस्पर्म) का उच्च ज्ञान होना चाहिए।

**वर्गीकरण वनस्पति विज्ञान:**—एंजियोस्पर्म के महत्वपूर्ण समूहों का सामान्य ज्ञान तथा उनके वर्गीकरण के सिद्धांत।

**शरीर:**—पादपकृतकों का उद्भव, स्वरूप और विकास और पार-स्थितिक तथा कार्यात्मक दृष्टि से उनका वितरण।

**पादप रोग विज्ञान:**—जीवाणु, फंगी, वाइरस और शरीरक्रियात्मक रोगों द्वारा होने वाली पीधों की महत्वपूर्ण बीमारी का उन्नत ज्ञान। नियंत्रण पद्धति।

**प्रावयविकी:**—पादप जीव रसायन सहित पीधों की अवयव रचना संबंधी प्रक्रियाओं का उन्नत ज्ञान।

**पारिस्थितिकी:**—भारत की वनस्पति के मुख्य प्रकार, उनका वितरण और वनस्पतिक अध्ययन का महत्व। पादप भूगोल के सिद्धांत।

**कार्यात्मक:**—पादप कार्य के महत्वपूर्ण कार्यात्मक प्रक्रम का उच्च ज्ञान। इसमें पादप जीव रसायन ज्ञान भी शामिल है।

**प्राथमिक वनस्पति विज्ञान:**—प्राथमिक दृष्टि से उष्णक एवं उपोष्णक क्षेत्रों के विशेष रूप से भारत के महत्वपूर्ण पीधों का अध्ययन।

**सामान्य जीव विज्ञान:**—विभिन्नता, आनुवंशिकता क्रम विकास कोशिका—विज्ञान तथा आनुवंशिकी के मूल तत्वों और आधुनिक विकास एवं पादप प्रजनन के सिद्धांतों का ज्ञान।

#### उच्च प्राणिविज्ञान (कोड—55)

आकार्डेटों और कार्डेटों, विशेषकर भारतीय प्राणि समूहों, का वर्गीकरण, जीवपारिस्थितिकी, अकारिकी, जीवनचक्र तथा संबंध।

अंग-तंत्र का क्रियात्मक आकृतिक विज्ञान (रूप संरचना तथा कार्य) काशेरुकी भ्रूणविज्ञान की रूपरेखा।

प्राणियों का वर्गीकरण, व्यवितवृत्त, अनकली समाभिरूपता तथा विषा-भिरूपता, पशु, परिस्थितिकी, प्रवास तथा रंजन।

**विकास:**—प्रमाण, बाद और उनकी प्राधुनिक व्याख्याएं। अनुकूलन, अंतरिक्ष में प्राणियों का वितरण।

कोशिका, कोशिका-विज्ञान, आनुवंशिकी, लिंग-निर्धारण तथा अंतःआव-विज्ञान के ज्ञान में नवीन प्रगतियाँ।

भौतिक रसायनिक तथा जैविक कारकों के सामिश्र के रूप में वाता-वरण तथा व्यक्ति, जनसंख्या और समुदाय के रूप में जीवों की प्राधुनिक संकल्पना।

निम्नलिखित विषयों में से किसी एक पर निबंध, प्रोटोजोआ तथा रोग, कीट तथा मानव, परजीवी, विज्ञान, अलक्षण, जल तथा समुद्री जीव विज्ञान, सरोवर-विज्ञान तथा मत्स्य-जीवविज्ञान, ज्ञान तथा सम्यता के लिए महान जीव-वैज्ञानिकों का योगदान।

#### उच्च भूविज्ञान (कोड—56)

**सामान्य भूविज्ञान:**—भूविज्ञान का इतिहास तथा विकास इसकी विभिन्न शाखाएं तथा विज्ञान की अन्य शाखाओं से इसका संबंध। पृथ्वी का उद्भव, विकास, संरचना, रचना, गर्भ तथा आयु। भूप्राकृतिक-विज्ञान। रेडियो-ऐक्टिवता तथा भूविज्ञान, भूकंप विज्ञान, ज्वालामुखी विज्ञान, भूधमनितियों समास्थितियों में उसका अनुप्रयोग। महाद्वीपों तथा महासागर द्वीपियों का विकास। पृष्ठ एजेंसियों और अन्तःभूमिका एजेंसियों की भूवैज्ञानिक क्रिया, महाद्वीपीय विस्थापन।

**संरचना तथा क्षेत्र भूविज्ञान-पटल विवरण:**—शैल विवरण, पर्वतों का उद्भव, स्थल-आकृति तथा खनन सम्बन्धी संरचनाएं। भारत का विवर्तनिक इतिहास। भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण एवं भूमापन की विधियाँ।

**स्तरित शैलविज्ञान तथा जीवाश्म विज्ञान:**—स्तरित शैल विज्ञान के नियम तथा सह सम्बन्ध। भारतीय स्तरित शैल विज्ञान का विस्तृत अध्ययन तथा विश्व स्तरित शैल विज्ञान की रूपरेखा, विभिन्न कालों में पृथ्वी, समुद्र, प्राणी समूहों तथा वनस्पति समूहों का विभाजन। जैव-विकास के सिद्धांत। जीवाश्म—उनका महत्व। प्रतिरूपी इन्डेक्स जीवाश्म तथा सह सम्बन्ध, भारत के विशेष संदर्भ में अक्रोरेली का विस्तृत अध्ययन और भूवैज्ञानिक इतिहास।

**क्रिस्टल विज्ञान तथा खनिज विज्ञान:**—क्रिस्टल अकारिकी, क्रिस्टल विज्ञान के नियम, क्रिस्टल तंत्र तथा वर्ग, प्रकृति यमलन, क्रिस्टलों का कोषामापी तथा ऐक्स-किरण अध्ययन। परिमाणु संरचना। शैल तथा प्राथमिक खनिजों का भारत में उनके अस्तित्व के विशेष संदर्भ में विस्तृत अध्ययन।

**शैल-विज्ञान:**—अग्नेय, प्रवसादी तथा कायस्तरित शैलों का उद्भव और विकास संरचना खनिज घटक, गठन तथा वर्गीकरण का यांतरण सहित शैलजनन शैलरसायन/उल्का पिण्डों का अध्ययन/मुख्य भारतीय शैल प्रकार।

Specific heat of solids and gases. Production and measurement of low temperatures. Radiation of Planck's law of energy distribution.

Optics : Theory of co-axial symmetrical optical systems. Experimental spectroscopy. Electro-magnetic theory. Scattering of light. Raman effect. Diffraction. Polarisation.

*Electricity and Magnetism* : Gauss's theorem. Electrometers' Magnetic hysteresis. Theory of permanent magnets. Measurement of electrical quantities. Alternating current theory. Cyclotron and other methods for production of high voltages. Transmission and reception of wireless waves. Television.

*Modern Physics* : Special theory of relativity. Dual nature of light and matter. Schrodinger's equation and its solution in simple cases. Hydrogen and helium spectra. Zeeman & Stark effects. Pauli's principle and periodic classification of elements. X-rays and X-ray spectroscopy. Compton effect. Conduction in metals. Superconductivity. Thermionics. Thermal ionization. Properties of atomic nuclei. Mass spectroscopy. Elementary particles and their properties. Nuclear reactions. Cosmic rays. Nuclear fission and fusion.

#### HIGHER CHEMISTRY : (CODE-53)

*Inorganic Chemistry*.—The structure of the atom. Radioactivity, natural and artificial. Fission and fusion of nuclei. Isotopes. Radioactive indicators. Radioactive series. Transuranic elements.

Chemistry of the elements and their principal compounds with special reference to Be, W, Ti, V, Mo, Hf, Zr and rare earth elements.

Co-ordination compounds. Interstitial and non-stoichiometric compounds. Free radicals. Advanced Physicochemical methods of analysis.

*Organic Chemistry*.—Theories of organic chemistry, including resonance and hydrogen bond formation. Mechanism of important organic reactions. Stereo chemistry, including conformation.

Chemistry of different classes of organic compounds with special reference to the following. Polysaccharides, terpene, natural colouring matters, alkaloids, vitamins, important hormones, antimalarials, choline insecticides, principal antibiotics and synthetic polymers.

*Physical Chemistry*.—The kinetic molecular theory. The three laws of thermodynamics and their application to physical chemical processes. Physico-chemical properties in relation to and elucidating molecular structure. Quantum theory and its application to chemistry.

The mechanism and kinetics of chemical and photochemical reactions. Catalysis Adsorption. Surface chemistry. Colloids Electrochemistry.

#### HIGHER BOTANY : (CODE-54)

*Plant kingdom*.—Advanced knowledge of the main groups of the vegetable kingdom both living and extinct (*viz.* Algae, Fungi Bryophyta, Pteridophyta, Gymnosperms and Angiosperms) with special reference to the Indian flora.

*Systematic Botany*.—Principles of classification and a general knowledge of the more important families of angiosperms.

*Anatomy*.—Origin, nature and development of plant tissues and their distribution from the ecological and physiological points of view.

*Plant pathology*.—An advanced knowledge of the important diseases of plants caused by bacteria, fungi, viruses and physiological diseases. Methods of control.

*Physiology*.—An advanced knowledge of the important physiological processes in plants including plant biochemistry.

*Ecology*.—Principal types of vegetation of India, their distribution and the importance of eco—physiological studies. Principles of plant geography.

*Economic botany*.—A study of the important economic plants of tropical and sub-tropical areas, with special reference to India.

*General Biology*.—Knowledge of the fundamentals of and recent developments in variation, heredity, evolution, cytology genetics and principles of plant breeding.

#### HIGHER ZOOLOGY (CODE-55)

The classification, bionomics, morphology, life-history and relationship of non-chordates and chordates, with special reference to Indian fauna.

Functional morphology (form, structure and function) of the organ systems. Outlines of vertebrate embryology.

The Classification, ontogeny, phylogeny, adaptive divergence and convergence of animals, animal ecology, migration and colouration.

Evolution : evidences, theories, and their modern interpretations. Adaptation; distribution of animals in space.

Recent advances in the knowledge of the cell cytology genetics, sex determination and endocrinology.

Modern concept of the environment as a complex of physical, chemical and biological factors and of the organisms as individuals, population and communities.

An easy relating to any of the following topics : Protozoa and disease; Insect and man; Parasitology. Fresh-water and marine biology; Limnology and fishery biology; Contribution of great biologists to knowledge and civilization.

#### HIGHER GEOLOGY : (CODE-56)

*General Geology*.—History and development of the Science of Geology, its different branches and contacts with other sciences. Origin evolution, structure, constitution, interior and age of the Earth. Geomorphology; Radioactivity and its applications to Geology; Seismology; Volcanology; Geosynclines; Isostasy. Evolution of continents and ocean basins Geological action of surface and subterranean agencies. Continental drift.

*Structural and Field Geology*.—Diastrophism; Rock deformation; Origin of mountains; Structures in relation to topography and mining. Tectonic history of India. Methods of Geological Surveying and Mapping.

*Stratigraphy and Palaeontology*.—Principles of Stratigraphy, and correlation. Detailed study of Indian Stratigraphy and outline of World Stratigraphy. Distribution of land, sea, faunas and floras in different periods. Theories of organic evolution Fossils—their importance. Index fossils and correlation. Detailed study and geological history of the invertebrate fossils and the principal groups of vertebrate and plant fossils with special reference to India.

*Crystallography and Mineralogy*.—Crystal Morphology; Laws of crystallography; crystal systems and classes; habits, twinning. Goniometric and X-ray study of crystals. Atomic structure. Detailed study of rock-forming minerals and of economic minerals with special reference to their occurrence in India.

*Petrology*.—Origin and evolution, structure, mineral constituents, texture and classification of igneous sedimentary and metamorphic rocks. Petrogenesis including metamorphism Petrochemistry. Study of meteorites. Important Indian rock-types.

**आर्थिक भूविज्ञान :—**अथर्व उत्पत्ति, आर्थिक खनिजों का वर्गीकरण तथा अथर्व-स्थान निर्धारण। भारत के विशेष संदर्भ में आर्थिक खनिज विधियों का भूविज्ञान। खनिज उद्योगों का स्थान निर्धारण। (1) गुण-धर्मों का मूल्यांकन, खनिज अर्थशास्त्र खनिजों का संरक्षण तथा उपयोग। राष्ट्रीय खनिज नीति स्ट्रेटेजिक खनिज भू वैज्ञानिक भूभौतिकीय तथा भूरासायनिक पूर्वक्षण तकनीकें तथा उनके अनुप्रयोग। खनन प्रतिबन्धन, अथर्वप्रसाधन तथा अथर्व सज्जीकरण की मुख्य विधियाँ। भूमि तथा नीम जल। सामान्य इंजीनियरी समस्याओं में भू विज्ञान का अनुप्रयोग।

#### उत्पन्न भूगोल (कोड-57)

**पर्व के दो भाग होंगे :—**पहले भाग के अन्तर्गत भारत के विशेष संदर्भ में भौतिक मानव तथा आर्थिक भूगोल का प्रगत अध्ययन होगा।

दूसरे भाग में निम्नलिखित विशेष विषयों का प्रगत अध्ययन शामिल होगा और उम्मीदवार से आशा की जाती है कि उसे कम से कम दो विषयों का ज्ञान होगा :—

भू-प्राकृति विज्ञान। जलवायु विज्ञान (मौसम के पूर्वनिर्माण तथा विशेषण की नई विधियाँ सहित) मानविक कला (समकोणीय गोलीय त्रिकोण के हृष, थियोडोलाइट के उपयोग, त्रिकोण विमध्य जाल जैसे प्रगत प्रक्षेप, आवि सहित)। ऐतिहासिक भूगोल। राजनैतिक भूगोल। भौगोलिक विचार तथा खोजों का इतिहास।

#### अंग्रेजी साहित्य (कोड-58)

प्रश्न-पत्र अंग्रेजी साहित्य (1798-1935) के अध्ययन पर आधारित होगा, जिसमें निम्नलिखित रचनाकारों का विशेषाध्ययन अपेक्षित होगा :—

वर्डस्वर्थ, कोलरिज, शेली, कीट्स, लेम्ब, जैन, ग्रीस्तिन, कारलाइल, रस्किन, चैकरे, रायट ब्राऊनिंग, जार्ज इलियट, जी० एम० ह्यूकिंस, शो, डब्ल्यू० बी० यीट्स, गाल्सवार्थी, जे० एम० सिज, ई० एम० फोस्टर तथा टी० एम० इलियट। स्वयं पुस्तकें पढ़ने का प्रमाण अपेक्षित होगा।

प्रश्न-पत्र इस प्रकार बनाए जायेंगे जिससे इस अवधि की प्रमुख साहित्यिक धाराओं का ज्ञान ही नहीं, अपितु उनके आलोचनात्मक मूल्यांकन की जांच भी की जा सके। इसमें उस अवधि की सामाजिक तथा सांस्कृतिक पृष्ठभूमि से संबंधित प्रश्न भी शामिल किये जा सकते हैं।

**भारतीय इतिहास I (कोड-59) (चन्द्रगुप्त मौर्य से हर्ष तक) :—**मौर्य वंश—साम्राज्य का अभ्युदय तथा दृढ़ीकरण। प्रशासन तथा अर्थ व्यवस्था। साम्राज्य का पतन।

#### मगध का पतन

शुंग तथा कण्व वंश—चोल, चेर तथा पाण्ड्य।

पश्चिम से संपर्क उत्तर भारत—भारत यूनान।

दक्षिण भारत—रोमन व्यापार।

मध्य एशिया तथा भारत।

शक वंश। कुशान वंश। सत्वा हंस।

एशियाई देशों से भारत का संपर्क—बौद्ध मत का प्रसार।

#### गुप्त साम्राज्य

भारतीय शास्त्रीय संस्कृति का निर्माण। भारत के और समुद्रपारीय संपर्क। गुप्त वंश का पतन, हूण जाति।

उत्तर भारत में बदली हुई अर्थ व्यवस्थाएं तथा राजनीति पर उनका प्रभाव।

बाइटक तथा जालोक्ष्य वंशों का अभ्युदय।

पल्लवों का अभ्युदय। हर्षवर्धन।

#### हर्षवर्धन

**भारतीय इतिहास II (मुगल साम्राज्य 1526 से 1707) (कोड-60)**

**राजनीति इतिहास :—**भारत में मुगल साम्राज्य की स्थापना, इसका दृढ़ीकरण तथा विस्तार। सूर राज्यान्तराज। मुगल साम्राज्य का चरमोत्कर्ष। अकबर, जहांगीर और शाहजहाँ। मुगलों के फारस तथा मध्य एशिया से सम्बन्ध। प्रशासनिक पद्धति का विकास। मुगल दरबार में

यूरोप के लोग, प्रारम्भिक पुर्तगाली, फ्रांसीसी तथा अंग्रेजी अस्तित्व, पतन का प्रारम्भ। औरंगजेब, उनके युद्ध तथा नीतियाँ।

**सांस्कृतिक, धार्मिक तथा सामाजिक जीवन :—**सांस्कृतिक जीवन तथा कला का विकास, वास्तुकला तथा साहित्य।

**धार्मिक आन्दोलन :—**भक्ति आन्दोलन, सूफीमत, बीने-इलाही। मुगल बादशाहों की धार्मिक नीति।

**अर्थिक जीवन :—**कृषि जीवन। भूधारण पद्धतियाँ। उद्योग। वाणिज्य तथा व्यवसाय। आयात तथा निर्यात परिवहन व्यवस्था। भारत का ऐश्वर्य।

**सामाजिक जीवन :—**दरबारी जीवन, नागरिक जीवन, ग्रामीण जीवन। वैश्वभूषा। रीति-रिवाज, खाद्य तथा पेय, मनोरंजन तथा मल, स्त्रोहार, स्त्रियों की सामाजिक स्थिति।

#### भारतीय इतिहास III (1772 से 1950) (कोड 61)

बंगाल तथा दक्षिण भारत में ब्रिटिश सत्ता का दृढ़ीकरण भारत में ब्रिटिश सत्ता का विकास। ईस्ट इण्डिया कम्पनी तथा ब्रिटिश राज्य/सिविल सर्विस, न्याय पद्धति, पुलिस तथा सेना का विकास। नई भूमिकर पद्धति तथा भूधारण पद्धति का विकास। ब्रिटिश व्यवसाय नीति। भारत में ब्रिटिश राज्य का आर्थिक प्रभाव। 1857 का विद्रोह। भारतीय राज्यों के साथ सम्बन्ध विदेश नीति, तथा ब्रह्मा व अफगानिस्तान के साथ सम्बन्ध। प्राधुनिक उद्योग तथा संचार साधनों का विकास। प्राधुनिक शिक्षा का विकास, प्रेस का विकास।

**भारतीय पुनः जागृति :—**राजा राम मोहन राय, ब्रह्मसमाज और विद्यासागर, आर्य समाज, दियोसोफिस्ट, रामकृष्ण तथा विवेकानन्द, सैयद अहमद खाँ सामाजिक सुधार प्राधुनिक भारतीय साहित्य का विकास।

भारत के राष्ट्रीय आन्दोलन का अभ्युदय : इण्डियन नेशनल कांग्रेस (1885 से 1905) बादाभाई मारोजी, राणाडे, गोखले, उग्र राष्ट्रवाद का विकास, विभाजन विरोधी आन्दोलन, स्वदेशी तथा बायकाट आन्दोलन, तिलक व अरबिन्द घोष, होमरूल लीग तथा लखनऊ समझौता।

**सांविधानिक विकास :—**1861 तथा 1862 के अधिनियम, मिन्टो माल सुधार, मॉट फोर्ड सुधार, 1935 का अधिनियम।

महात्मा गांधी का राजनीति में प्रवेश तथा स्वतन्त्रता संग्राम। सत्ता-हस्तांतरण : क्रिस् मिशन, कैबीनेट मिशन, स्वतन्त्रता अधिनियम तथा विभाजन। 1950 का संविधान। स्वतंत्र भारत, विदेश नीति तटस्थता, धर्मनिरपेक्षता की योजना।

#### ब्रिटिश संविधान का इतिहास (1603 से 1950 तक)। (कोड-62)

##### ताज बनाम संसद् :—

जेम्स तथा संसद् के बीच सम्बन्ध। अधिकार याचिका। चार्ल्स तथा परमाधिकार बनाम सामान्य कानून। (गृह युद्ध)।

संविधान प्रवर्तक—

लाग संसद् की सरकार। लिट्स संसद् प्रोटेक्टोरेट। पुनः स्थापन। म्मोरियम रिब्ल्यूशन। बिल आफ एंजंस। ताज, कार्यपालिका तथा संसद्।

राजा तथा उनके मंत्री। ताज का प्रभावधिकार। मंत्रिमण्डल तथा संसद् 1936 का राजतन्त्रीय आपात-काल।

##### संसद् का सुधार

सुधार अधिनियम तथा हाउस आफ कामन्स। हाउस आफ कामन्स तथा हाउस आफ लार्ड्स। हाउस आफ लार्ड्स का सुधार।

##### कामन बैल्य (राष्ट्र मंडल)

कामनबैल्य का उद्गम तथा विकास। बैस्टमिनिस्टर का परिनियम, कामनबैल्य सहयोग का कार्यन्वयन। कामनबैल्य में ताज की स्थिति।

#### यूरोपीय इतिहास (1871—1945) (कोड-63)

यूरोप का औद्योगिक विकास—राष्ट्रवाद तथा लोकतांत्रिक और समाजवादी आन्दोलन का विकास।

*Economic Geology.*—Ore-genesis; classification of economic minerals and controls of ore localization. Geology of economic mineral deposits with particular reference to India. Location of mineral industries. Evaluation of properties; Mineral economics; conservation and utilisation of minerals. National mineral policy. Strategic minerals. Geological, geophysical and geochemical prospecting techniques and their applications. Principal methods of mining, sampling, ore dressing and ore beneficiation. Soils and ground water. Application of Geology to common engineering problems.

#### HIGHER GEOGRAPHY : (CODE-57)

The paper will consist of two parts :—

The first part will comprise an advanced study of Physical, Human and Economic Geography, with special reference to India.

The second part will comprise advanced study of the following special subjects, and a candidate will be expected to have knowledge of at least two of these subjects :

Geomorphology. Climatology (including modern methods of weather forecasting and analysis). Cartography (including solution of right-angled spherical triangles, use of Theodolite, advance projections like the oblique zenithal nets, etc.). Historical geography. Political geography. History of geographical thought and discoveries.

#### ENGLISH LITERATURE (1798—1935) (CODE-58)

The paper will cover the study of English Literature from 1798 to 1935, with special reference to the works of Wordsworth; Coleridge, Shelley, Keats, Lamb, Jane Austen, Carlyle, Ruskin, Thackeray, Robert Browning, George Eliot, G. M. Hopkins, Shaw, W. B. Yeats, Glasworthy, J. M. Synge, E. M. Forster and T. S. Eliot.

Evidence of first hand reading will be required. The paper will be designed to test not only the knowledge but also critical evaluation of the main literary trends during the period. Questions having a bearing on the social and cultural background of the period may be included.

#### INDIAN HISTORY I (FROM CHANDRA GUPTA MAURYA TO HARSHA)—(CODE-59)

The Mauryas. The rise and consolidation of the empire. Administration and economy. Decline of the empire.

The eclipse of Magadha. The Shungas and the Kanvas.

The Cholas, Charas and Pandyas.

Contacts with the West, North India—the Indo-Greeks South India—Roman trade.

Central Asia and India. The Shakas. The Kushanas. The Satavahanas.

Indian contacts with Asian countries—The spread of Buddhism.

The Imperial Guptas—The Creation of Classical Indian Culture. Further Indian contacts overseas. The decline of the Guptas. The Hunas.

Changing economic patterns in north India and their impact on politics.

The rise of the Vakatakas and the Chalukyas.

The emergence of the Pallavas.

Harshvardhana.

#### INDIAN HISTORY II THE GREAT MUGHALS (1526—1707) (CODE-60)

##### Political History

Establishment of the Mughal Empire in India: its consolidation and expansion. The Sur interregnum, Mughal Empire at its zenith. Akbar, Jehangir and Shahjahan. Mughal relations with Persia and Central Asia. The development of

administrative system. Europeans at the Mughal Court; early Portuguese, French and English settlements. The beginning of the decline of Aurangbez, his wars and policies.

##### Cultural, Religious, Economic and Social life.

Cultural life, and promotion of art, architecture and literature.

*Religious movements* : Bhakti Movement. Suffism. Din-i-Ilahi. Religious policy of the Mughal Emperors.

*Economic life* : Agrarian life. Systems of land tenure. Industry. Trade and Commerce. Exports, imports. Means of transport. Wealth of India.

*Social life* : Court life; Urban life; Rural life. Dress, manners, customs, food and drink; amusements, recreations and festivals. Position of women.

#### INDIAN HISTORY III (FROM 1772 TO 1950) (CODE-61)

Consolidation of British power in Bengal and South India. Expansion of British power in India. The East India Company and the British state. Evolution of the Civil Service. Judicial system, the police, and the army. Development of new land revenue system and agrarian relations British Commercial policy. Economic impact of British rule in India. The revolt of 1857. Relations with Indian States. Foreign policy, and relations with Burma and Afghanistan. Development of modern industry, and means of communication. Development of modern education. Growth of the Press.

*Indian Re-awakening* : Raja Rammohan Roy, Brahmo-Samaj and Vidya Sagar; the Arya Samaj, the Theosophists : Ramakrishna and Vivekananda; Syed Ahmed Khan. Social Reform. Development of modern Indian literature. The rise of Indian National Movement : The Indian National Congress (1885—1905). Dadabhai Naoroji, Ranade and Gokhale. Growth of militant nationalism, anti-partition agitation. Swadeshi and Boycott. Tilak and Aurobindo Ghosh, the Home Rule League and the Lucknow Pact.

Constitutional Development : Acts of 1861 & 1892; Minto Morley Reforms; the Montford Reforms, the 1935 Act.

Emergence of Mahatma Gandhi and the struggle for freedom. Transfer of Power : The Cripps Mission; the Cabinet Mission; Independence Act and Partition. The Constitution of 1950. Independent India; Foreign Policy. Non-alignment; Secularism; and Planning.

#### BRITISH CONSTITUTIONAL HISTORY (FROM 1603 TO 1950) (CODE-62)

##### Crown versus Parliament

Relations between James I and Parliament. Petition of Rights. Charles I and the issue of prerogative versus common law. Civil war.

##### The Constitution makers.—

Government by Long Parliament. The Little Parliament. The Protectorate. The Restoration. The Glorious Revolution. The Bill of Rights.

##### The Crown, the Executive and Parliament.—

The King and his Ministers. Influence of the Crown. The Cabinet and Parliament. The Monarchical Crisis of 1936.

##### The Reform of Parliament.—

Reforms Acts and the House of Commons. The House of Commons and the House of Lords. The Reforms of the House of Lords.

##### The Commonwealth.—

Origin and growth of the Commonwealth. The Statute of Westminster. The Machinery of Commonwealth Cooperation. The position of the Crown in the Commonwealth.

#### EUROPEAN HISTORY (1871—1945) (CODE-63)

The Industrial Development of Europe—Growth of nationalism, and democratic and socialist movement.

जर्मन साम्राज्य, "तृतीय फ्रांसीसी गणराज्य", हैब्सबर्ग, राजवंश राजतन्त्री का रूप। संघियों और मंत्रियों की नीति।

पूर्व संबंधी (ईस्टर्न) प्रश्न।

साम्राज्यवाद का उत्थान तथा निकट पूर्व, मध्यपूर्व अफ्रीका और सुदूरपूर्व में यूरोप के साम्राज्यवादी हित।

प्रथम विश्वयुद्ध का उद्गम तथा परिणाम।

रूस की क्रांति तथा उसके परिणाम।

बसाह समझौता, राष्ट्रसंघ (लीग ऑफ नेशंस), विश्व व्यापी निरस्त्रीकरण के प्रयत्न, सुरक्षा की खोज, फासिज्म तथा नाज़िज्म का उदय और उसके अन्तर्राष्ट्रीय परिणाम।

द्वितीय विश्व युद्ध।

#### उच्च अर्थशास्त्र (कोड 64)

आर्थिक विश्लेषण के कृत्य।

मूल्य का सिद्धांत। खपत और मांग का सिद्धांत। उत्पादन का संगठन। एकाधिकार का सिद्धांत। एकाधिकार का नियंत्रण।

वितरण का सिद्धांत। किराया। पूंजी का सिद्धांत। धन तथा ब्याज का सिद्धांत। बचत तथा विनियोजन। बैंकिंग तथा उधार सम्बन्धी नियम। मजदूरी तथा नियोजन सम्बन्धी सिद्धांत। सामूहिक सौदेबाजी तथा औद्योगिक शान्ति।

राष्ट्रीय आय। आर्थिक प्रगति तथा वितरणात्मक न्याय।

अन्तर्राष्ट्रीय व्यापार का सिद्धांत। विदेशी मुद्रा। अदायगियों का शेष।

व्यापारिक षट्र तथा उनका नियंत्रण। सरकार का आर्थिक योग। आर्थिक कल्याण। लोक (हित) के साधन मूल्यांकन तथा नियमन।

कराधान के सिद्धांत :—कराधान का प्रभाव क्षेत्र, सरकारी कर और व्यय के प्रभाव, घाटे का अर्थ प्रबन्ध और मुद्रा-स्फीति, आर्थिक विकास आयोजन।

#### उच्च भारतीय अर्थशास्त्र (कोड 65)

युद्धकालीन तथा योद्धोत्तर अवधि में आर्थिक विकास प्राकृतिक साधन सामाजिक संस्थाएं। कृषि उत्पादन तथा वित्त। अन्न तथा अन्य कृषि उत्पादन का मूल्य निर्धारण तथा वितरण। भूमि सुधार। किसी विकास-मयी अर्थ-व्यवस्था में कुटीर तथा लघु उद्योगों का स्थान। आधुनिक संगठित उद्योग का विकास। लोक कम्पनियों का नियमन। औद्योगिक सम्बन्ध तथा श्रम (दल) की समस्याएं। समिश्रित अर्थ व्यवस्था। सार्वजनिक क्षेत्र का अधिकार, क्षेत्र तथा दक्षता। भारतीय पूंजी तथा प्रत्यक्ष पद्धति। रिज़र्व बैंक का योगदान। जनसंख्या, समस्याएं तथा जनसंख्या सम्बन्धी नीति। बरोजगारी तथा अपूर्ण रोजगारी। भारतीय राष्ट्रीय आय का निर्धारण। विदेशी व्यापार का नियमन। अदायगियों का शेष, भारतीय करारोपण पद्धति संबंधी विस्त। आर्थिक विकास के लिए योजना। क्रमबद्ध योजनाओं का प्रकार तथा ढांचा। स्रोत तथा कार्यान्वयन की समस्याएं।

#### हस्त से लेकर आज तक के राजनीतिक सिद्धांत (कोड 66)

टेका (कान्ट्रेक्ट) तथा प्राकृतिक अधिकारों के सिद्धांत-हस्त, लोक, रूसो। प्रभुता के मन्तव्य का विकास। इतिहासकार—बीको मोन्टेस्क तथा बर्क। उपयोगितावादी। विकासवादी। आदर्शवादी। कांट, हेगल, शीन ब्राडले तथा बोसंग वे। रुढ़िवाद तथा उदारवाद। मार्क्सवाद तथा समाजवाद व साम्यवाद की धाराएं। बहलवाद फासिज्म, मनोविज्ञान का प्रभावी क्षेत्र। पूर्वी देशों में बीसवीं शताब्दी की विचारधाराएं।

#### राजनीतिक संगठन तथा लोक प्रशासन (कोड 67)

राजनीतिक संस्थाएं :—आधुनिक राष्ट्रों का विकास, संसदीय तथा राष्ट्रपति सहित सरकारें। एक मता तथा संघीय सरकारें। विधान मंडल कार्यपालिका तथा न्यायपालिका। प्रतिनिधित्व के प्रकार, साम्यवादी तथा एक सत्ताधारी सरकारें।

लोक प्रशासन :—आधुनिक सरकार में लोक प्रशासन। नीति निर्धारण तथा उच्चतर नियंत्रण न्यायपालिका तथा कार्यपालिका। संगठन, प्रयत्न,

प्रकार तथा माध्यम। नियामक आयोग तथा लोक निगम कर्मचारी वर्ग प्रशासन—सिबिल सेवा तथा इसकी समस्याएं, बजट तथा वित्तीय प्रशासन। प्रशासनिक अधिकार। न्यायालयों द्वारा नियंत्रण। लोक सेवाएं तथा जनता।

#### अन्तर्राष्ट्रीय सम्बन्ध (कोड 68)

##### भाग I

राष्ट्रीय शक्ति के आधार और सोमाएं।

अन्तर्राष्ट्रीय संबंधों में शक्ति सिद्धांत तथा नैतिकता का स्थान।

अन्तर्राष्ट्रीय संबंधों में अन्तर्राष्ट्रीय विधि का स्थान।

विदेश नीति के निर्धारण में राष्ट्रीय हित का योग।

शक्ति संतुलन का सिद्धांत।

अन्तर्राष्ट्रीय संगठनों का स्वरूप और उनके कार्य।

संयुक्त राष्ट्र संघ, उद्देश्य, संरचना और कार्य प्रणाली।

##### भाग II

प्रथम विश्व युद्ध के मूल कारण तथा शांति "समझौते" का स्वरूप।

राष्ट्रसंघ (लीग ऑफ नेशंस) तथा दोनों युद्धों के बीच के वर्षों में सामूहिक सुरक्षा प्रणाली की स्थापना के लिए किए गए प्रयत्न।

द्वितीय विश्व युद्ध के मूल कारण।

परमाणु युग तथा परंपरागत अन्तर्राष्ट्रीय संबंध पर इसके प्रभाव।

"शीत-युद्ध" तथा विश्व राजनीति पर इसके प्रभाव।

नए राष्ट्रों का अम्युदय तथा अन्तर्राष्ट्रीय संबंधों पर प्रतिमान में परिवर्तन।

संयुक्त राज्य अमेरिका, सोवियत संघ, चीन, भारत तथा निम्नलिखित में से किसी एक देश की विदेश नीति :—

ग्रेट ब्रिटेन, जापान, जर्मनी तथा फ्रांस।

#### उच्च तत्त्वसोमांसा (ज्ञान-सीमांसा सहित) (कोड 69)

उम्मीदवारों से यह आशा की जाएगी कि वे कान्ट से लेकर आज तक के प्रमुख दार्शनिकों (नामत: कान्ट, हीगल, ब्राडले, रायस, क्रोचे मूर, यसल, जेम्स, शिल्वर, ड्यूई, बगसन एलेक्साण्डर, ह्वार्ट्थैड, विट-गनस्टाईन, अयर हार्मडंगर तथा मासील।

निम्नलिखित विषयों में से किसी पर भी प्रश्न पूछे जा सकते हैं।

ज्ञान के स्रोत, तत्व, भिन्न-भिन्न रूप। उसकी सीमाएं, मापदण्ड तथा समाज विज्ञान।

सत्य, मिथ्या भूल।

वास्तविकता के सिद्धांत। वास्तविकता। जीवन और अस्तित्व। एकत्ववाद, द्वैतवाद, बहुलवाद, प्रकृतिवाद, अनीश्वरवाद, ईश्वरवाद, मोक्षवाद और रहस्यवाद। हेगलोत्तर आदर्शवाद। नवीन अर्थवाद। मौलिकवाद, अनुभूतिवाद। उपयोगितावाद।

उपकरणवाद। मानववाद-प्रकृतिवाद और धार्मिक।

तार्किक प्रत्यक्षवाद, अस्तित्ववाद, अनीश्वरवादी और ईश्वरवादी। आगमन की समस्याएं, प्राकृतिक नियम, सापेक्षवाद, ईश्वर और अनिश्चयवाद के सम्बन्ध में वशों के क्षेत्र में नवीन विचारधाराएं।

#### उच्च मनोविज्ञान प्रयोगात्मक मनोविज्ञान सहित (कोड 70)

मनोविज्ञान की विषयवस्तु, क्षेत्र और पद्धतियां, अन्य विज्ञानों से इसका सम्बन्ध।

आनुवंशिकता और परिवेश सम्बन्धी विवाद मानव के विकास पर इन दोनों के सापेक्षिक प्रभाव सम्बन्धी प्रयोगात्मक अध्ययन।

अभिप्रेरण एवं संवेग की समस्याएं। कुंठा और विग्रह, विग्रहों के प्रकार। आत्मरक्षातन्त्र-अभिव्यञ्जक गतिविधियों से संबंधित अध्ययन मनोधारानुक्रिया (PGR) अस्त्य, परिचयन।

संवेदना और अनुभूति—मनोवैज्ञानिक पद्धतियां, देश-प्रत्यक्ष ज्ञान, शाश्वत, संगठन के कारक, गत्यात्मक, व्यक्तित्व तथा सामाजिक कारकों का योग; अन्तर्व्यक्ति अनुभूति।

अधिगम स्मृति, विस्मरण और चिंतन के अध्ययन की प्रायोगिक पद्धतियां—अधिगम और सिद्धांत—अर्थ का स्वभाव।

The German Empire, the Third French Republic, the Habsburg Monarchy, Imperial Russia.

The policy of alignment and ententes.

The Eastern Question.

The rise of imperialism and European imperial interests in the Near East, the Middle East, Africa and the Far East.

The origin and consequences of the First World War.

The Russian Revolution and its consequence.

The Versailles settlement; the League of Nations; efforts at World Disarmament; the search for security, rise of Fascism and Nazism and their international implications.

The Second World War.

#### ADVANCED ECONOMICS (CODE-64)

Functions of economic analysis.

The theory of price. The theory of consumption and demand. Organization of production. Theory of the firm and industry. Imperfect competition. Theory of monopoly. Control of monopoly.

The theory of distribution. Rent. The theory of capital. The theory of money and interest. Savings and investments. Banking and credit regulation. The theory of wages and employment. Collective bargaining and industrial peace.

National income. Economic progress and distributive justice.

The theory of international trade. Foreign exchanges. Balance of payments.

Business cycles and their control. Economic role of Government. Economic welfare. Public utilities, pricing and regulation.

Theory of taxation, Incidence of taxation, Effects of Government taxation and expenditure. Deficit financing and inflation.

Planning for economic development.

#### ADVANCED INDIAN ECONOMICS (CODE-65)

Economic developments during the War and Post-War period. Natural resources. Social institutions. Agricultural Production and finance. Pricing and distribution of foodgrains and other agricultural products. Land reform. Place of cottage and small scale industries in developing economy. Growth of modern organized industry. Regulation of public companies. Industrial relations and problems of labour. Mixed economy. Scope and efficiency of the public sector, Indian monetary and credit system. Role of the Reserve Bank, Population problems and population policy. Unemployment and under-employment. Computation of Indian national income. Regulation of foreign trade. Balance of payments. Indian taxation system. Federal finance, Planning for economic development. Size and structure of successive plans. Problems of resources and of implementation.

#### POLITICAL THEORY FROM HOBBS TO THE PRESENT DAY (CODE-66)

Theories of Contract and Natural Rights—Hobbes. Locke and Rousseau. Development of the idea of Sovereignty. The Historians—Vico, Montesquieu and Burke. The Utilitarians. The Evolutionists. The Idealists—Kant. Hegel. Green, Bradley and Bosanquet. Conservatism and Liberalism. Marxism and Schools of Socialism and Communism. Pluralism. Fascism. The Impact of Psychology. Trends of twentieth century thought in the East.

#### POLITICAL ORGANISATION AND PUBLIC ADMINISTRATION (CODE-67)

Political Institutions. The rise of Modern National States. Parliamentary and Presidential forms of Government. Unitary and Federal Governments. The Legislature. The Executive and the Judiciary. Methods of Representation. The Communitistic and Totalitarian forms of Government.

Public Administration. Public Administration in the Modern State. The formulation of policy and higher control—the Legislature and the Executive. Organisation, Management, Methods and Tools, Regulatory Commission and Public Corporations. Personnel Administration—The Civil Service and its Problems. The Budget and Financial Administration. Administrative Powers. Control by the Courts. The Public Services and the Public.

#### INTERNATIONAL RELATIONS (CODE-68)

##### Part I

Foundations and limitations of national power.

The place of power, ideology and ethics in International Relations.

The role of International Law in International Relations.

The role of national interest in the formulation of foreign policy.

The theory of Balance of Power.

The nature and functions of International Organisation.

The United Nations : purposes structure and functioning.

Part II

The origins of the First World War and the nature of the peace Settlement.

The League of Nations and the efforts for the establishment of a collective security system in the inter-war years.

The origins of the Second World War.

The Nuclear age and its impact on traditional international Relations.

The Cold War and its effect on World Politics.

The Birth of New Nations and the changes in the pattern of International Relations.

The Foreign Policies of the United States, the U.S.S.R. China, India and one of the following :

Great Britain, Japan, Germany and France.

#### ADVANCED METAPHYSICS INCLUDING EPISTEMOLOGY (CODE-69)

Candidates will be expected to be familiar with the views of prominent philosophers from Kant to the present day e.g. Kant, Hegel, Bradley, Royce, Croce Moore Russel, James, Schuler Dewey Bergson Alexander Whitehead, Wittgenstein.

Ayer Heidegger and Marcel.

Questions may be set on any of the following topics.

The sources, materials, varieties, limits criteria and sociology of knowledge.

Truth, falsehood, error.

Theories of reality. Reality, subsistence and existence. Monism, dualism and pluralism. Naturalism, agnosticism, theism, absolutism and mysticism. Post-Hegelian idealism. New realism, Radical empiricism. Pragmatism.

Instrumentalism. Humanism—naturalistic and religious.

Logical positivism. Existentialism—atheistic and theistic. Recent trends of the philosophy of science in regard to the problems of induction, laws of nature, relativity, indeterminacy and God.

#### ADVANCED PSYCHOLOGY INCLUDING EXPERIMENTAL PSYCHOLOGY (CODE-70)

Subject-matter scope and methods of psychology; its relation with other sciences.

Heredity and environment controversy.—Experimental studies on the relative influence of the two on human development.

Problems of motivation and emotion. Frustration and conflict; types of conflict; defence mechanisms—Studies in expressive movements; P.G.R., lie detection.

Sensation and Perception—Psychophysical methods; space perceptions, factors of perceptual organization; role of dynamic personality and social factors; inter-personal perception. Experimental methods in the study of learning, memory, forgetting and thinking—Theories of learning and forgetting theories of sign-process—nature of meaning.

Psychology of personality—determinants, traits, types, dimensions, and theories; assessment of personality—behavioural measures of personality—rating scales, nominating techniques, questionnaires and inventories, attitude scales, projective tests.

**व्यक्तित्व मनोविज्ञान**—निर्धारक तत्त्व, गुण, किस्म, परिमाण, और सिद्धांत, व्यक्तित्व का मूल्यांकन—व्यक्तित्व के आचरण मूलक माप-क्रम निर्धारण मान, नान-निर्देशक तकनीकें, प्रश्नावलियां तथा तालिकाएं, अभिवृत्ति मान, प्रक्षेपीय परीक्षण।

**व्यक्तिगत भेद**—प्रज्ञा और अभिवृत्तियों का स्वभाव एवं नाप। परीक्षण विन्यास—ईकाई विश्लेषण। परीक्षण मान और मानक मापों की विश्वसनीयता और वैधता-कारक विश्लेषण-सिद्धांत।

**मनोविज्ञान के मत और संहतियाँ**—मनोविज्ञान के परंपरावादी मत और मुख्य समकालीन संहतियाँ, फ्रायडवादी, नव-फ्रायडवादी, नव-आचरणवादी, पूर्णाकार (गेस्टाल्ट) और प्रयोग-क्षेत्रीय सिद्धांत।

#### भारत की संविधान विधि (कोड 71)

**ऐतिहासिक पृष्ठभूमि**—भारत के संविधान का विकास जिसमें 1861 के इंडियन काउंसिल ऐक्ट से 1950 तक के भारतीय संविधान में प्रतिनिधि तथा उत्तरवादी सरकार के विकास पर विशेष रूप से प्रश्न होंगे।

**सामान्य तत्त्व**—कृपाणकारी राज्य का आदर्श भारतीय संविधान का प्राक्कथन तथा राज्य की नीति के मार्ग दर्शन सिद्धांत, केन्द्रवर्ती तथा संचालक शासन पद्धतियों की मान्यताएं, मंत्रिमंडलीय पद्धति, विधिनियम की यथावत् पद्धति, न्यायिक पुनरीक्षण, संवैधानिक प्रथाएं, भारतीय संविधान के प्रमुख तत्त्वों की संयुक्तगण राज्य, संयुक्त राज्य अमेरिका, कनाडा तथा आस्ट्रेलिया के संविधान से तुलना।

**अधिकारों का विभाजन**—अधिकारों का पार्यस्व सिद्धांत।

#### विधान मंडल

विधायी कार्य-विधि, विधान मंडल को विशेषाधिकार, विधायी अधिकारों का प्रयोजन।

**कार्यपालिका**—अध्यक्षीय तथा संसदीय, कार्यपालिका, सेवाओं तथा लोक-सेवा आयोगों से संबंधित प्रावधान, विधि शासक का सिद्धांत।

**न्यायपालिका**—प्रशासनिक एवं अद्वैत-न्यायिक प्राधिकारियों का न्यायिक नियंत्रण, रिट क्षेत्र के अधिकार-क्षेत्र। न्यायपालिका की स्वतंत्रता।

विधायी अधिकारों का विभाजन, ट्रिटी पावर के विशिष्ट परिचेश में अधिकारों के विभाजन के सिद्धांत, कर लगाने का अधिकार, संविधान (संविधान संशोधन) अधिकार, अवशिष्ट अधिकार, अधिकारों के विभाजन संबंधी न्यायिक सिद्धांत।

**मूलभूत अधिकार**—संविधान में प्रत्याभूत विभिन्न मूलभूत अधिकारों का रूप तथा उनका प्रभाव विस्तार।

**नोट**—उम्मीदवारों से प्रत्याशा की जाती है कि उन्हें भारत के संविधान का पाठ्य-ज्ञान, संविधान के संशोधनों का तथा सर्वोच्च न्यायालय के निर्णयों का कुशल ज्ञान है।

#### न्यायशास्त्र (कोड 72)

**न्यायशास्त्र**—परिभाषा तथा क्षेत्र, विधिशास्त्र के विभिन्न मतवाद।

प्रभुसत्ता वाद की संकल्पना विधिनियम, विधिनियम तथा आदर्श विधिनियमों का विकास, प्राकृतिक नियम, राज्य के विधिनियम, विधिनियम का शुद्ध सिद्धांत, विधिनियम की अनुबंधनीयता का सिद्धांत, विधिनियम की समाजकृतायदी सिद्धांत, विधिनियम के प्रकार, सिविल विधिनियम, दण्डविधिनियम, स्थायी तथा प्रक्रिया संबंधी विधिनियम, व्यक्तिगत विधिनियम तथा सामाजिक विधिनियम, अन्तराष्ट्रीय विधिनियम, विधिनियम तथा न्याय विधिनियम तथा समानता, विधिनियम के अनुसार न्याय, न्याय-प्रशासन के स्रोत।

**विधिनियम के स्रोत**—प्रथा, न्यायिक पूर्व विधान, संहिताकरण।

**विधि के तत्त्व**—न्यायिक मान्यताओं का विश्लेषण तथा वर्गीकरण; व्यक्तित्व अधिकार, कर्तव्य, स्वतंत्रता शक्ति, उन्मुक्ति, अयोग्यता, हैमिपत, कक्षा, स्वायत्तत्व; पट्टा, न्याय, सुविधाधिकार, गुरुता; हानि, उत्तरदायित्व; दायित्व; अधिनियम। सीमा, उद्देश्य, आपराधी, स्वतंत्र, विर-भोगाधिकार उत्तराधिकार और वसीयतें।

विधिनियम संबंधी मान्यताओं का विकास; कान्ट्रेक्ट टाई का विकास, अपराध। सम्पत्ति तथा वसीयत, न्यायिक विचारधारा में वर्तमान विचारधारा।

#### अरबी साहित्य में प्रतिबिम्बित मध्ययुगीन सभ्यता

(570 ई०—1650 ई०) (कोड-73)

इस प्रश्न पत्र में उम्मीदवारों के भूगोल, इतिहास और सामाजिक, राजनीतिक तथा धार्मिक क्रम-विकास और प्रगति विषयक ज्ञान की जांच की जाएगी।

**फारसी साहित्य में प्रतिबिम्बित मध्ययुगीन सभ्यता (570 ई०—1650 ई०) (कोड 74)**

इस प्रश्न पत्र में उम्मीदवारों के भूगोल, इतिहास और सामाजिक राजनीतिक तथा धार्मिक क्रम-विकास और प्रगति विषयक ज्ञान की जांच की जाएगी।

#### प्राचीन भारतीय सभ्यता और वर्णन शास्त्र (कोड 75)

2000 ई० पू० 1200 ई० तक भारतीय सभ्यता, वर्णन और विचारधारा का इतिहास।

**टिप्पणी**—इस प्रश्नपत्र में उम्मीदवारों के भूगोल, इतिहास और सामाजिक, राजनीतिक तथा धार्मिक क्रम-विकास और प्रगति विषयक ज्ञान की परीक्षा की जाएगी। ऐसे प्रश्न भी पूछे जा सकते हैं जिनमें पुरातत्त्व सम्बन्धी खोजों की जानकारी अपेक्षित हो।

#### मानव विज्ञान (कोड 76)

(क) **भौतिक मानव विज्ञान**—इसकी परिभाषा और क्षेत्र। भौतिक मानव विज्ञान का अन्य विद्वानों से सम्बन्ध। मानवजाति का क्रम विकास, प्राकृत वर्गों में मानव का स्थान—उसका पीरेनियस से लगाकर आस्ट्रेलाइयस तक प्रोटोलुमैन तथा प्रोटोलुमैन जातियों से सम्बन्ध पैलेओआधुनिक मानव पिथेकैथ्रोपस। तर्नेन्ड्रोपस तथा नीण्डर्थल। नीन्थोपिक। मानव—क्रोमैगनन, ग्रिमाल्डी तथा चान्सेलेड-होमसेपियन्स।

मानव में जातिगत अन्तर तथा जातीय वर्गीकरण—शरीर रचना संबंधी रक्त वर्गीय तथा आनुवंशिक जातियों के निर्माण में आनुवंशिकता तथा परिवेश का प्रभाव। मानव की उत्पत्ति के सिद्धांत—मैडेसियन नियम जैसे कि वे मानव पर लागू होते हैं।

**मानव का शरीर विज्ञान**—आहार-पोषण, अन्तः प्रजनन तथा वर्ण संकरीकरण के प्रभाव, पाषाणकाल से सिंधुघाटी सभ्यता तथा मध्य और दक्षिण भारत की महापाषाण संस्कृतियों तक भारत में मानव के प्रसार का इतिहास। जातीय वर्ग और भारत में उनका वितरण।

(ख) **सामाजिक (सांस्कृतिक) मानव विज्ञान**—क्षेत्र तथा कार्य। समाज शास्त्र, सामाजिक मनोविज्ञान तथा पुरातत्व शास्त्र से सम्बन्ध। सांस्कृतिक, मानव-विज्ञान के विभिन्न मत—विकासवादी, ऐतिहासिक कार्यवाहक और सांस्कृतिक। मानव समाज का गठन तथा विकास।

**आर्थिक संगठन**—प्रारंभिक शिकार तथा खाद्य संग्रह की व्यवस्था, पशुपालन, कृषि, परवर्ती कृषि, सघन कृषि, औजारों का प्रयोग।

**राजनीतिक संगठन**—दल, जन जातियां तथा दुहरा संगठन, जन-जाति परिषदें, मुखियों के कार्य।

**सामाजिक संगठन**—विवाह तथा पारिवारिक रचना के प्रकार, मातृ-सत्ताक, पितृसत्ताक, बहुपत्नीत्व, बहुपतिव, बहुजातीय विवाह तथा संश्लेष-विवाह, स्त्रियों की स्थिति, उत्तराधिकारी तथा तलाक।

**आद्य धर्म**—टोटमवाद, निषेध, गर्भाधान के अधिकार, नर-हत्या तथा नर बलि।

कला, संगीत, लोक नृत्य तथा खेलकूद।

दलगत सम्बन्ध, विवादों का न्याय निर्णय, न्याय तथा दण्ड-सम्बन्धी मान्यताएं।

बौद्धिक विकास का स्तर, विशेष रुचियां और योग्यताएं, आदि मानव के आचरण और प्रवृत्तियों के केन्द्रीयवाद की पृष्ठभूमि में भावनात्मक आवश्यकताएं।

Individual differences; nature and measurement of intelligence and aptitudes. Test construction—Item analysis. Test scales and norms—Reliability and validity of measures—Factor analysis—Theories.

Schools and systems of psychology—Traditional Schools and the main contemporary systems of psychology; Freudians neo-Freudians, neo-Behaviourists, Gestalt and field theories.

#### CONSTITUTIONAL LAW OF INDIA.—(CODE-71)

Historical Background; The growth of the Indian Constitution with special reference to the development of representative and responsible Government from the Indian Councils Act of 1861 down to the Indian Constitution of 1950.

General Features : Welfare State Ideal : Preamble to the Indian Constitution and Directive Principles of State Policy; Concepts of Unitary and Federal Government. Cabinet System. Due Process of Law, Judicial Review, Constitutional Conventions; Comparison of the Salient Features of the Indian Constitution with those of the U.K. and the U.S.A., Canada and Australia.

Division of Powers : Theory of separation of powers.

The Legislature—Legislative procedure; Privileges of Legislature; Delegation of legislative power.

The Executive.—Presidential and Parliamentary Executives; Provisions relating to Services and Public Service Commissions; The doctrine of Rule of Law.

The Judiciary.—Judicial control of administrative and quasi-Judiciary authorities; Scope of Writ Jurisdiction; Independence of the Judiciary.

Distribution of Legislative Powers; Principles of distribution of powers with special reference to Treaty Power; Commerce Power. Taxing Power. Constituent (Constitution-Amending) Power and Residual Power. Judicial doctrines relating to distribution of powers.

Fundamental Rights. Nature and scope of the various fundamental rights guaranteed under the Constitution.

*Note.*—Candidates will be expected to be conversant with the text of the Indian Constitution amendments thereto and leading decisions of the Supreme Court.

#### JURISPRUDENCE.—(CODE-72)

Jurisprudence : Definition and scope; various Schools of Jurisprudence; Concepts doctrine regarding Sovereignty.

Law : Law and Morals; Evolution of Law. Law of Nature, Law of State; Imperative theory of Law; Pure theory of Law, Sociological theory of Law; Kinds of Law; Civil Law; Criminal Law; Substantive Law and Adjective Law; Private Law and Public Law. International Law; Law and Justice; Law and Equity; Justice according to Law; Administration of Justice.

Sources of Law : Customs, Judicial Precedent Legislation; Codification.

Elements of Law; Analysis and classification of juristic concepts; Personality Right, Duty, Liberty, Power, Immunity, Disability. Status. Possession. Ownership; Lease, Trust, Easement. Security; Wrong. Liability. Obligation; Act. Intention. Motive, Negligence; Title; Prescription; Inheritance and Wills.

Evolution of Legal Concepts; Evolution of Contract Tort, Crime Property and Wills, Current trends in Juristic thought.

#### MEDIEVAL CIVILISATION AS REFLECTED IN ARABIC LITERATURE (570 A.D.—1650 A.D.)—(CODE-73)

The paper will test the candidate's knowledge of geography, history and social, political and religious evolution and developments.

#### MEDIEVAL CIVILISATION AS REFLECTED IN PERSIAN LITERATURE (570 A.D.—1650 A.D.)—(CODE-74)

The paper will test the candidate's knowledge of geography, history and social, political and religious evolution and developments.

#### ANCIENT INDIAN CIVILISATION AND PHILOSOPHY (CODE-75)

The history of the Civilisation Philosophy and Thought of India from 2000 B. C. to 1200 A. D.

*Note.*—The paper will test the knowledge of geography, history and social, political and religious evolution and developments. Questions may be set which require an acquaintance with archaeological discoveries.

#### ANTHROPOLOGY : (CODE-76)

(A) Physical Anthropology.—Definition and scope. The relation of Physical Anthropology to other sciences. The evolution of Man his exact place among the Primitive Group—his relationship to Prehuman and Protohuman forms from *Parapithecus* to *Australiothecus*. Early types of Man—*Palaeoanthropic man*—*Pithecanthropus*, *Synanthropous* and *Neanderthal*, *Neanthropic man*—*Cro Magnon*, *Grimaldi* and *Chancelade*—*Homo Sapiens*.

Racial differentiation of Man and bases of racial classification—Morphological serological and genetic. Role of heredity and environment in the formation of Races. Principles of human genetics—Mendelian laws as applicable to Man.

Human Biology—The effects of nutrition inbreeding and hybridisation.

History of distribution of Man in India from the lithic ages to the Indus Valley civilisation and Megalithic cultures of Central and Southern India. Racial types and their distribution in India.

(B) Social (Cultural) Anthropology.—Scope and functions. Relation with Sociology. Social Psychology and Archaeology. Different schools of Cultural Anthropology—Evolutionary Historical. Functional and Kultu Kreis. The structure and development of Human Society.

Economic Organisation—Early stage of hunting and food gathering domestication of animals, agriculture shifting cultivation terracing intensive cultivation implements used.

Political Organisation—Clan, tribe and dual organization, tribal council, function of headman or chief.

Social Organization—Marriage and kinship forms, matriarchy, patriarchy, polygyny, Polyandry, exogamy and endogamy. Position of women, inheritance and divorce.

Primitive religion—Totemism, Taboo, magical and fertility rites, head hunting and human sacrifice.

Art Music. Folk dance and sports.

व्यक्तित्व का निर्माण तथा व्यक्तित्व और आदिम समाज में उसके योगदान का विकास।

जन जातियों का संस्कार तथा संपर्क का उन पर प्रभाव। जनसंख्या के ह्रास और उसके कारण। आर्थिक तथा मनोवैज्ञानिक कुण्ठन, भ्रमरीका, भ्रमरीका तथा भ्रमरीयाना में जनजातियों का ह्रास। भारतीय जनजातियों में जन-संख्या का ह्रास तथा उसको रोकने के उपाय।

(ग) जातिव्यवस्था के आधार पर भारतीय जनजातियों में से किसी एक का गहन अध्ययन।

1. भारत की उत्तर-पूर्वी सीमावर्ती आदिम जनजातियाँ।
2. नागा पहाड़ियाँ—तैवान सांग क्षेत्र की जनजातियाँ।
3. असम की स्वयत्ता प्राप्त जनजातियाँ—(खासी, गारो, मिकिर तथा जुमाई)।
4. छोटा नागपुर तथा मध्य भारत की आदिम जनजातियाँ।
5. नीलगिरी पर्वत के जनजातियों सहित दक्षिण भारत की जनजातियाँ।
6. अण्डमान तथा निकोबार द्वीप समूह की जनजातियाँ।

टिप्पणी:—उम्मीदवारों को भाग (ग) तथा (क) अथवा (ख) से पूछे गए प्रश्नों का उत्तर देना होगा।

#### उन्नत समाज शास्त्र (कोड 77)

समाज शास्त्र के स्वरूप, विस्तार तथा प्रणाली के संबंध में विभिन्न विचार।

समाजशास्त्र के मुख्य विचारक-मार्क्स, वेबर, बूरखिम तथा उनके आधुनिक व्याख्याकार।

सामाजिक संरचना तथा कार्य के सम्बन्ध में सिद्धांत—प्रगति, विकास तथा परिवर्तन—अनुसंधान तथा एकीकरण—स्तर, भूमिका विरूपण तथा भूमिका अन्तर्द्वन्द्व—सामाजिक तन्त्र—सामाजिक मानक, नियंत्रण, अनुसमर्थन तथा विचलन पुरस्कार तथा दण्ड।

मुख्य सामाजिक संरचनाएँ तथा संस्थाएँ, परिवार तथा संगठन।

आर्थिक, राजनीतिक, विधिसम्मत, तथा धार्मिक संस्थाएँ—शिक्षा अधिकारी वर्ग—सामाजिक स्तरीकरण (जिसमें जाति, वर्ग तथा विभिन्न वर्ग शामिल हैं)।

समाजशास्त्र में अनुसंधान प्रणाली, सर्वेक्षण, प्रश्नपत्रक तथा साक्षात्कार—प्रतिदर्शी तथा अनुमाप तकनीक—साक्षेदार तथा गैर-साक्षेदार प्रेक्षण—सूक्ष्म तथा बृहत् प्रणालियाँ—समाजशास्त्र में प्रयोग—लघु समूह अनुसंधान प्रणाली।

सामाजिक परिवर्तन में समाजशास्त्रियों की भूमिका।

#### भारत का समाज शास्त्र

परिवार संगठन तथा विवाह—जाति—राजनीति में जाति की भूमिका—ग्रामीण तथा नगरीय समुदाय—राष्ट्रीय एकीकरण की समस्याएँ: प्रादेशिकता, भाषावाद, साम्प्रदायिकता तथा राष्ट्रीयता।

अनुसूचित जातियाँ, अनुसूचित जन जातियाँ तथा पिछड़े वर्ग। असमानता की समस्या।

आर्थिक विकास के सामाजिक पहलू, योजना औद्योगीकरण तथा नगरीयकरण।

पंचायत राज तथा स्थानीय राजनीति।

आधुनिक भारत में सामाजिक आन्दोलन: सामाजिक सुधार आन्दोलन, पिछड़े वर्गों का आन्दोलन, भूदान तथा ग्रामदान और "पुनरुद्धार-वृत्ति" आन्दोलन भूमि संबंधी तथा विद्यार्थी-अशांति।

टिप्पणी:—उम्मीदवारों से अपेक्षा की जाएगी कि वे तथ्यों द्वारा सिद्धांतों का निरूपण करें तथा सिद्धांतों की सहायता से समस्याओं का विश्लेषण करें। उनसे भारतीय समस्याओं की विशेष जानकारी अपेक्षित होगी।

#### खण्ड (घ)

##### [वेबिप परिशिष्ट I के खंड I का उप खंड (ख)]

**व्यक्तित्व परीक्षण:**—एक बोर्ड द्वारा उम्मीदवार का साक्षात्कार किया जाएगा। इस बोर्ड के सामने उम्मीदवार के कैरियर का वृत्त होगा। उससे सामान्य रुचि की बातों पर प्रश्न पूछे जाएंगे। यह साक्षात्कार इस उद्देश्य से होगा कि सक्षम और निष्पक्ष प्रेक्षकों का बोर्ड यह जान सके कि जिस सेवा या सेवाओं के लिए उम्मीदवारों ने आवेदन किया है, उसके/उनके लिए वह व्यक्तित्व की वृष्टि से उपयुक्त है या नहीं। यह परीक्षण उम्मीदवार की मानसिक क्षमता को जांचने के अधिप्राय से किया जाता है। मोटे तौर पर इस परीक्षण का प्रयोजन वास्तव में केवल उसके बौद्धिक गुणों, अपितु उसके सामाजिक लक्षणों और सामयिक घटनाओं में उसकी रुचि का भी मूल्यांकन करना है। इसमें उम्मीदवार की मानसिक सतर्कता, आलोचनात्मक ग्रहण-शक्ति, स्पष्ट और तर्क-संगत प्रतिपादन करने की शक्ति, संतुलित निर्णय की शक्ति, रुचि की विविधता और गहराई, नेतृत्व और सामाजिक संगठन की योग्यता बौद्धिक और नैतिक ईमानदारी आदि की भी जांच की जाती है।

2. साक्षात्कार महज जिरह की प्रक्रिया नहीं अपितु स्वाभाविक निदेशन और प्रयोजन युक्त वार्तालाप की प्रक्रिया है। जिसका उद्देश्य उम्मीदवारों के मानसिक गुणों को समझना है।

3. व्यक्तित्व परीक्षण उम्मीदवारों के विशेष या सामान्य ज्ञान की जांच करने के प्रयोजन से नहीं किया जाता, क्योंकि इसकी जांच तो लिखित प्रश्नपत्रों में पहले ही हो जाती है। उम्मीदवारों से आशा की जाती है कि वे केवल अपने विध्याध्ययन के विशेष विषयों में ही समझ-बूझ के साथ रुचि न लें, परन्तु वे उन घटनाओं में भी जो उनके चारों ओर अपने राज्य या देश के भीतर और बाहर घट रही हैं, तथा आधुनिक विचारधाराओं में और उन नई खोजों में भी रुचि लें जो कि एक सुशिक्षित युवक में जिज्ञासा उत्पन्न करती है।

4. साक्षात्कार के समाप्त हो जाने के तुरन्त बाद, उम्मीदवार को साक्षात्कार में हुई चर्चा का सारांश देते हुए एक 'सार-वृत्त' लिखना होगा। इसके लिए उसको पंद्रह मिनट का समय दिया जाएगा।

#### परिशिष्ट II

भाग प्र० से० आदि परीक्षा के द्वारा जिन सेवाओं में भर्ती की जा रही है उसका संक्षिप्त व्योरा:—

1. भारतीय प्रशासनिक सेवा—(क) नियुक्तियाँ परीक्षा आधार पर की जाएंगी जिसकी अवधि दो वर्ष की होगी परन्तु कुछ शर्तों के अनुसार उसे बढ़ाया भी जा सकेगा। सफल उम्मीदवार को परीक्षा की अवधि में, केन्द्रीय सरकार के निर्णय के अनुसार निश्चित स्थान पर और निश्चित रीति से कार्य करना होगा और निश्चित परीक्षाएँ पास करनी होंगी।

(ख) यदि सरकार की राय में, किसी परीक्षाधीन अधिकारी का कार्य या आचरण संतोषजनक न हो या उसे देखते हुए उसके कार्य-कुशल होने की संभावना न हो, तो सरकार उसे तत्काल सेवामुक्त कर सकती है।

(ग) परीक्षा अवधि के संतोषजनक रूप में पूरा होने पर, सरकार अधिकारी को सेवा में स्थायी कर सकती है या यदि सरकार की राय में उसका कार्य या आचरण संतोषजनक न रहा हो तो सरकार उसे या तो सेवामुक्त कर सकती है या उसकी परीक्षा-अवधि को, जितना उचित समझे, कुछ शर्तों के साथ बढ़ा सकती है।

(घ) भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी से केन्द्रीय सरकार या राज्य सरकार के अन्तर्गत भारत में या विदेश में किसी भी स्थान पर सेवाएँ ली जा सकती हैं।

#### (ङ) वेतनमान

कनिष्ठ वेतनमान:—र० 700-40-900-ब० र०-40-1100-50-1300।

#### वरिष्ठ वेतनमान:—

##### (i) समय वेतनमान:—

र० 1200 (छठे वर्ष या उसके पहले)-50-1300-60-1600-ब० र०-60-1900-100-2000।

Group relationship, adjudication of disputes, concept of Justice and punishment.

Intelligence level, special aptitudes and abilities, emotional needs underlying primitive behaviour and ethnocentrism.

Structure of personality and development of personality and its role in primitive society.

Acculturation and the effects of contact on primitive tribes. Depopulation and its causes. Economic and psychological frustration. Decline of primitive tribes in America, Africa and Oceania. Depopulation among Indian tribals and remedial measures.

(C) Intensive study of any one of the ethnic division of tribal India;

1. The tribes of the N.E.F.A. or North Eastern Frontiers of India.
2. The tribes of the Naga Hills—Tewasang Area.
3. The autonomous tribes of Assam—the Khasis, the Garos, Mikirs and the Lushai.
4. The Australoid tribes of Chhotanagpur and Central India.
5. The tribes of Southern India including the tribes of the Nilgiri Hills
6. The tribes of the Andaman and Nicobar Islands.

NOTE.—Candidates will be required to answer question on (C) and (A) or (B).

#### ADVANCED SOCIOLOGY—(CODE-77)

Divergent views regarding the nature, scope and methods of sociology.

Major sociological thinkers : Marx. Weber. Durkheim and their modern interpreters.

Theories of social structure and function—Progress evolution and change—Conflict and integration—Status, role, roleset and role conflict—Social network—Social norms, control sanctions and deviation—Rewards and punishment.

Major social structures and institutions; Family and Kinship;

Economic, political, legal and religious institutions—Education. Bureaucracy—Social stratification (including caste, class and elites).

Research methods in Sociology; Surveys, questionnaires and interviews—Sampling and scaling techniques—Participant and non-participant observation—Micro and Macro methods—Experimentation in sociology—Small group research methods.

Role of sociologists in social change.

Sociology of India :

Family Kinship and marriage—Caste—Role of caste in politics—Rural and urban communities—Problems of national integration; regionalism, linguism, communalism and nationalism.

Scheduled Castes, Scheduled Tribes and backward classes. The problem of inequalities.

Social aspects of economic development, planning industrialization and urbanization.

Panchayati raj and local politics.

7—51GI/78

Social movements in modern India : social reform movements, backward classes movement, bhoodan and graman and "revivalist" movements—Agrarian and student unrest.

Note.—The candidates will be expected to illustrate theory with facts and to analyse problems with the help of theory. They will be expected to be particularly conversant with Indian problems.

#### PART D

[Vide Sub-Section (B) of Section I of Appendix I]

Personality test.—The candidate will be interviewed by a Board who will have before them a record of his career. He will be asked questions on matters of general interest. The object of the interview is to assess the personal suitability of the candidate for the Service or Services for which he has applied by a Board of competent and unbiased observers. The test is intended to judge the mental calibre of a candidate. In broad terms this is really an assessment of not only his intellectual qualities but also social traits and his interest in current affairs. Some of the qualities to be judged and mental alertness, critical powers of assimilation, clear and logical exposition, balance of judgment, variety and depth of interest, ability for social cohesion and leadership, intellectual and moral integrity.

2. The technique of the interview is not that of a strict cross examination but of a natural, though directed and purposive conversation which is intended to reveal the mental qualities of the candidate.

3. The personality test is not intended to be a test either of the specialised or general knowledge of the candidates which has been already tested through their written papers. Candidates are expected to have taken an intelligent interest not only in their special subjects of academic study but also in the events which are happening around them both within and without their own state or country as well as in modern currents of thought and in new discoveries which should rouse the curiosity of well educated youth.

4. Immediately after the interview is over, the candidate would be required to write a 'Resume', summarising the discussion which took place during the interview. For this exercise he will be allowed 15 minute's time.

#### APPENDIX II

Brief particulars relating to the Services to which recruitment is made through I.A.S. etc. Examination.

1. Indian Administrative Service.—(a) Appointments will be made on probation for a period of two years which may be extended subject to certain conditions. Successful candidates will be required to undergo prescribed training at such place and in such manner and pass such examinations during the period of probation as the Central Government may determine.

(b) If, in the opinion of Government, the work or conduct of a probationer is unsatisfactory or shows that he is unlikely to become efficient, Government may discharge him forthwith.

(c) On satisfactory completion of his period of probation Government may confirm the officer in the Service or if his work or conduct has in the opinion of Government been unsatisfactory, Government may either discharge him from the Service or may extend his period of probation for such further period subject to certain conditions as Government may think fit.

(d) An officer belonging to the Indian Administrative Service will be liable to serve anywhere in India or abroad either under the Central Government or under a State Government.

(e) Scales of pay :—

Junior Scale—Rs. 700—40—900—EB—40—1100—50—1300.

Senior Scale :

(i) Time Scale Rs. 1200 (6th year or under)—50—1,300—60—1,600—EB—60—1,900—100—2,000.

## (ii) चयन पद्धति :

र० 2000-125/2 2250 ।

इनके अतिरिक्त अधिसमय-मान पद भी होते हैं जिनका वेतन र० 2500 से र० 3500 तक होता है और जिन पर भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों की पदोन्नति हो सकती है।

महंगाई भत्ता अखिल भारतीय सेवाएं (महंगाई भत्ता) नियम, 1972 के अधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए आदेशों के अनुसार मिलेगा।

परिवीक्षाधीन अधिकारियों की सेवा कनिष्ठ समय वेतनमान में प्रारंभ होगी और उन्हें परिवीक्षा पर बिताई गई अवधि को समय वेतनमान में वेतन वृद्धि छुट्टी या पेंशन के लिए गिनने की अनुमति होगी।

(ख) भविष्य निधि :—भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी, समय समय पर संशोधित अखिल भारतीय सेवा (भविष्यनिधि) नियमावली, 1955 से शासित होते हैं।

(छ) छुट्टी :—भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी समय समय पर संशोधित अखिल भारतीय सेवा (छुट्टी) नियमावली, 1955 से शासित होते हैं।

(ज) डाक्टररी परिचर्या :—भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारियों को समय समय पर संशोधित अखिल भारतीय सेवा (डाक्टररी परिचर्या) नियमावली, 1964 के अन्तर्गत प्राप्य डाक्टररी परिचर्या की सुविधाएं पाने का हक है।

(झ) सेवा निवृत्त लाभ :—प्रतियोगिता परीक्षा के आधार पर नियुक्त किए गए भारतीय प्रशासनिक सेवा के अधिकारी अखिल भारतीय सेवा (मृत्यु व सेवा निवृत्ति लाभ) नियमावली 1958 द्वारा शासित होते हैं।

2. भारतीय विदेश सेवा :—(क) नियुक्ति परिवीक्षा पर की जाएगी जिसकी अवधि 2 वर्ष होगी जिसे बढ़ाया जा सकता है। सफल उम्मीदवारों को भारत में लगभग 21 मास तक रहना होगा। इसके बाद उन्हें तृतीय सचिव या उप-कौन्सल बनाकर उन भारतीय मिशनों में भेज दिया जाएगा जिनकी भाषाएं उनके लिए अनिवार्य भाषाओं के रूप में नियत की गई हों। प्रशिक्षण की अवधि में परिवीक्षाधीन अधिकारियों को एक या अधिक विभागीय परीक्षाएं पास करनी होंगी, इसके बाद ही वे सेवा में स्थायी हो सकेंगे।

(ख) सरकार के लिए संतोषजनक रूप से परिवीक्षा अवधि के समाप्त होने और निर्धारित परीक्षाएं पास करने पर ही परिवीक्षाधीन अधिकारी को उसकी नियुक्ति पर स्थायी किया जाएगा। परन्तु यदि सरकार की राय में उसका कार्य या आचरण संतोषजनक न रहा हो तो सरकार उसे सेवा मुक्त कर सकती है या परिवीक्षा अवधि को, जितना उचित समझ सके, बढ़ा सकती है या यदि उसका कोई मूल पद (सबस्टेंटिव पोस्ट) हो तो उस पर वापस भेज सकती है।

(ग) यदि सरकार की राय में किसी परिवीक्षाधीन अधिकारी का कार्य या आचरण संतोषजनक न हो या उसे वेतन हुए उसके विदेश सेवा के लिए उपयुक्त होने की संभावना न हो तो सरकार उसे तत्काल सेवा मुक्त कर सकती है या यदि उसका कोई मूल पद हो तो उसे उस पर वापस भेज सकती है।

## (घ) वेतनमान :—

कनिष्ठ वेतनमान: र० 700-40-900-र० 100-40-1100-50-1300 ।

वरिष्ठ वेतनमान:—र० 1200 (छठे वर्ष या उससे पहले) 50-1300 50-1600-र० 100-60-1900-100-2000

इनके अतिरिक्त अधिसमय वेतनमान पद भी होते हैं जिनका वेतन र० 2000 से र० 3500 तक होता है और जिन पर भारतीय विदेश सेवा अधिकारियों की पदोन्नति हो सकती है।

(ङ) परिवीक्षा अवधि में परिवीक्षाधीन अधिकारी को इस प्रकार वेतन मिलेगा :—

पहले वर्ष—र० 700 प्रति मास।

दूसरे वर्ष—र० 740 प्रति मास।

तीसरे वर्ष—र० 780 प्रति मास।

टिप्पणी 1—परिवीक्षाधीन अधिकारी को परिवीक्षा पर बिताई गई अवधि, समय वेतनमान में वेतन-वृद्धि, छुट्टी या पेंशन के लिए गिनने की अनुमति होगी।

टिप्पणी 2—परिवीक्षाधीन अधिकारी की परिवीक्षा अवधि में वार्षिक वेतन-वृद्धि तभी मिलेगी जब वह निर्धारित परीक्षाएं (यदि कोई हों) पास कर लेगा और सरकार को संतोषप्रद-प्रगति करके दिखाएगा। विभागीय परीक्षाएं पास करके अग्रिम वेतन वृद्धियां भी अर्जित की जा सकती हैं।

टिप्पणी 3—परिवीक्षाधीन के तौर पर नियुक्ति से पूर्व सावधि पद के अतिरिक्त मूल रूप से स्थायी पद पर रहने वाले सरकारी कर्मचारी का वेतन एक० आर० 22-बी० (1) के अधीन दिया जाएगा।

(ख) भारतीय विदेश सेवा के अधिकारी से भारत में या भारत के बाहर किसी भी स्थान पर सवाएं ली जा सकती हैं।

(छ) विदेश में सेवा करते समय, भारतीय विदेश सेवा के अधिकारियों को उनकी हैसियत के अनुसार विदेश-भत्ते मिलेंगे जिससे कि वे नौकर-चाकरों और जीवन-निर्वाह के खर्च को पूरा कर सकें, और आतिथ्य (एन्टरटेनमेंट) सम्बन्धी अपनी विशेष जिम्मेदारियों को भी निभा सकें। इसके अतिरिक्त, विदेश में सेवा करते समय, भारतीय विदेश सेवा के अधिकारियों को निम्नलिखित रियायतें भी मिलेंगी :—

(i) हैसियत के अनुसार मुफ्त सुसज्जित मकान।

(ii) सहायता प्राप्त डाक्टररी परिचर्या योजना के अन्तर्गत डाक्टररी परिचर्या की सुविधाएं।

(iii) भारत आने के लिए वापसी हवाई याता का किराया जो अधिक से अधिक दो बार और विशेष आपाती स्थितियों में ही दिया जाएगा, (जैसे—भारत में स्थित किसी निकटतम सम्बन्धी की मृत्यु या सख्त बीमारी प्रथवा पुत्री का विवाह)।

(iv) भारत में पढ़ने वाले 8 से 21 वर्ष तक की आयु वाले बच्चों के लिए वर्ष में एक बार वापसी हवाई याता का किराया, ताकि वे लम्बी छुट्टियों में माता-पिता से मिल सकें। परन्तु इस रियायत पर कुछ शर्त लागू होंगी।

(v) 5 से 18 वर्ष तक की आयु वाले अधिक से अधिक दो बच्चों के लिए समय-समय पर सरकार द्वारा निर्धारित वरों पर शिक्षा भत्ता।

(vi) विदेश में प्रशिक्षण के लिए जाते समय और सेवा में पकका होने पर सज्जा भत्ता अधिकारी के सेवाकाल को विभिन्न अवस्थाओं में भी निर्धारित नियमों के अनुसार दिया जाता है। साधारण सज्जा भत्ते के अतिरिक्त, विशेष सज्जा भत्ता भी उन अधिकारियों को दिया जा सकता है जिन्हें असामान्य रूप से कठोर जलवायु वाले देशों में तैनात किया जाए।

(vii) विदेश में कम से कम दो वर्ष की सेवा करने के बाद, अधिकारियों, उनके परिवारों और नौकरों के लिए छुट्टी पर घर जाने का किराया।

(ज) समय-समय पर संशोधित पुनरीक्षित छुट्टी नियमावली 1933 कुछ तरमीमों के साथ इस सेवा सदस्यों पर लागू होगी। विदेशों में दी गई सेवा के लिए भारतीय विदेश सेवा अधिकारियों को, भारतीय विदेश सेवा पी० एल० सी० ए० नियमावली, 1961 के अन्तर्गत अतिरिक्त छुट्टियां मिलेंगी, जो पुनरीक्षित छुट्टी नियमावली के अन्तर्गत मिलने वाले छुट्टियों के 50 प्रतिशत तक होंगी।

(झ) भविष्य निधि :—भारतीय विदेश सेवा के अधिकारी सामान्य भविष्य निधि (केन्द्रीय सरकार) नियमावली, 1960 द्वारा शासित होते हैं।

(ii) Selection Grade Rs. 2,000—125/2—2,250.

In addition there are super-time scale posts carrying pay between Rs. 2,500 and Rs. 3,500 to which Indian Administrative Service Officers are eligible for promotion.

Dearness allowance will be admissible in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time under the All-India Services (Dearness Allowance) Rules, 1972.

A probationer will start on the junior time scale and be permitted to count the period spent on probation towards leave, pension or increment in the time scale.

(f) *Provident Fund*.—Officers of the Indian Administrative Service are governed by the All India Services (Provident Fund) Rules, 1955, as amended from time to time.

(g) *Leave*.—Officers of the Indian Administrative Service are governed by the All India Services (Leave) Rules, 1955, as amended from time to time.

(h) *Medical Attendance*.—Officers of the Indian Administrative Service are entitled to medical attendance benefits admissible under the All India Services Medical Attendance Rules, 1954 as amended from time to time.

(i) *Retirement Benefit*.—Officers of the Indian Administrative Service appointed on the basis of Competitive examination are governed by the All India Services (Death-cum-Retirement Benefits) Rules, 1958.

2. *Indian Foreign Service*.—(a) Appointment will be made on probation for a period of two years which may be extended. Successful candidates will be required to pursue a course of training in India for approximately twenty-one months. Thereafter they may be posted as Third Secretaries or Vice-Consuls in Indian Missions whose languages are allotted to them as compulsory languages. During their period of training the probationers will be required to pass one or more departmental examination before they become eligible for confirmation in Service.

(b) On the conclusion of his period of probation to the satisfaction of Government and on his passing the prescribed examinations, the Probationer is confirmed in his appointment. If, however, his work or conduct has in the opinion of the Government, been unsatisfactory, Government may either discharge him from the Service or may extend his period of probation for such period as they may think fit or may revert him to his substantive post, if any.

(c) If, in the opinion of Government, the work or conduct of an officer on probation is unsatisfactory or shows that he is not likely to prove suitable for the Foreign Service, Government may either discharge him forthwith or may revert him to his substantive post, if any.

(d) Scales of pay :—

Junior Scale.—Rs. 700—40—900—EB—40—1100—50—1300.

Senior Scale.—Rs. 1200 (6th year or under)—50—1300—60—1600—EB—60—1,900—100—2,000.

In addition there are super-time scale posts carrying pay between Rs. 2,000 and Rs. 3,500 to which I.F.S. Officers are eligible for promotion.

(e) A probationer will receive the following pay during probation :—

First Year—Rs. 700 per mensem.

Second Year—Rs. 740 per mensem.

Third Year—Rs. 780 per mensem.

NOTE 1.—A probationer will be permitted to count the periods spent on probation towards leave, pension or increment in the time-scale.

NOTE 2.—Annual increments during probation will be contingent on the probationer passing the prescribed test, if any, and showing progress to the satisfaction of Government. Increments can also be earned in advance by passing the departmental examination.

NOTE 3.—The pay of a Government servant who held a permanent post other than a tenure post in substantive capacity prior to his appointment as a probationer will be regulated subject to the provision of F.R. 22-B(1).

(f) An officer belonging to the Indian Foreign Service will be liable to serve anywhere inside or outside India.

(g) During service school I.F.S. officers are granted foreign allowances according to their status to compensate them for the increased cost of living and of servants and also to meet their special responsibilities in regard to entertainment. In addition, the following concessions are also admissible to I.F.S. officer during service abroad.

(i) Free furnished accommodation according to status.

(ii) Medical attendance facilities under the Assisted Medical Attendance Scheme.

(iii) Return air passage to India up to a maximum of two, for special emergencies such as the death or serious illness of an immediate relation in India or marriage of daughter.

(iv) Annual return air passage for children between the ages of 8 and 21 studying in India to visit the parents during the long vacations, subject to certain conditions.

(v) An allowance for the education of children up to maximum of two children between ages of 5 and 18 at rates prescribed by Government from time to time.

(vi) Outfit allowance at the time of departure for training abroad and on confirmation in the service. Outfit allowance is also granted at various stages of an officer's career in accordance with the prescribed rules. Special outfit allowance is admissible in addition to the ordinary outfit allowance to officers posted in countries where abnormally hard climate conditions exist.

(vii) Home leave passages for officers, their families and servants after a minimum of 2 years service abroad.

(h) The Revised Leave Rules, 1933, as amended from time to time, will apply to Members of the Service subject to certain modifications. For service abroad I.F.S. Officers are entitled under the I.F.S. (PLCA) Rules, 1961; to an additional credit of leave to the extent of 50 per cent of leave admissible under the Revised Leave Rules.

(i) *Provident Fund*.—Officers of the Indian Foreign Service are governed by the General Provident Fund (Central Services) Rules, 1960.

(क) सेवा नियुक्ति लाभ :—प्रतियोगिता परीक्षा के आधार पर नियुक्ति किए गए भारतीय विदेश सेवा के अधिकारी उद्यारीकृत पेंशन नियमावली, 1950 द्वारा शासित होते हैं।

(ट) भारत में रहते समय, अधिकारियों को वे ही रियायतें मिलेंगी जो उनके समकक्ष या समान हैसियत वाले सरकारी कर्मचारियों को मिल सकती हैं।

3. भारतीय पुलिस सेवा :—(क) नियुक्ति परीक्षाधीन पर की जाएगी जिसकी अवधि दो वर्ष की होगी और उसे बढ़ाया भी जा सकेगा। सफल उम्मीदवारों को परीक्षा की अवधि में भारत सरकार के निर्णय अनुसार निश्चित स्थान पर और निश्चित रीति से कार्य करना होगा और निश्चित परीक्षाएं पास करनी होंगी।

(ख) और (ग) जैसा कि भारतीय प्रशासनिक सेवा के खण्ड (ख) और (ग) में दिया गया है।

(घ) भारतीय पुलिस सेवा के अधिकारी से केन्द्रीय सरकार या राज्य सरकार के अन्तर्गत, भारत में या विदेश में किसी भी स्थान पर सेवाएं ली जा सकती हैं।

(ङ) वेतनमान :—

कनिष्ठ वेतनमान—र० 700-40-900-र० री०-40-1100-50-1300।

वरिष्ठ वेतनमान—र० 1200 (छठे वर्ष या उससे पहले) 50-1700।

चयन ग्रेड—र० 1800।

पुलिस उप महानिरीक्षक—र० 2000-125/2-2250।

पुलिस कमिशनर, कलकत्ता और बम्बई—र० 2250-125/2-2500।

पुलिस महानिरीक्षक—र० 2500-125/2-2750।

निदेशक, खुफिया ब्यूरो—र० 3500।

मंहगाई भत्ता अखिल भारतीय सेवा (मंहगाई भत्ता) नियम, 1972 के अधीन केन्द्रीय सरकार द्वारा समय-समय पर जारी किए गए आदेशों के अनुसार मिलेगा।

(च)

(छ) जैसा कि भारतीय प्रशासनिक सेवा के खण्ड (च), (छ), (ज)

(ज) और (झ) में दिया गया है।

(झ)

4. दिल्ली और अजमेर, निकोबार द्वीप समूह पुलिस सेवा ग्रुप 'ख'

(क) नियुक्तियों दो वर्ष के लिए परीक्षाधीन रहेंगी जो सक्षम अधिकारियों के निर्णय के अनुसार बढ़ाई भी जा सकती हैं। परीक्षा पर नियुक्त उम्मीदवारों को केन्द्रीय सरकार द्वारा निर्धारित प्रशिक्षण लेना होगा और विभागीय परीक्षाएं देनी होंगी।

(ख) यदि सरकार की राय में, किसी परीक्षाधीन अधिकारी का कार्य या आचरण संतोषजनक न हो या उसे देखते हुए उसके कार्य-कुशल होने की सम्भावना न हो, तो सरकार उसे तत्काल सेवा-मुक्त कर सकती है।

(ग) जब यह घोषित कर दिया जाएगा कि अग्रिम अधिकारी ने संतोषजनक रूप से अपनी परीक्षा अवधि समाप्त कर ली है तो उसे सेवा में स्थायी कर दिया जाएगा। यदि सरकार की राय में उसका कार्य या आचरण संतोषजनक न रहा हो तो सरकार उसे या तो सेवा-मुक्त कर सकती है या उसकी परीक्षा अवधि को, जितना उचित समझे बढ़ा सकती है।

(घ) वेतनमान :—

ग्रेड I (चयन ग्रेड)—र० 1100-50-1500।

ग्रेड II वेतनमान—र० 650-30-740-35-810-र० री०-35-880-40-1000-र० री०-40-1200।

किसी प्रतियोगिता परीक्षा के परिणामों के आधार पर भर्ती किए जाने वाले व्यक्ति को सेवा में नियुक्ति पर समय वेतनमान का न्यूनतम वेतन प्राप्त होगा बशर्ते कि यदि यह सेवा में नियुक्ति से पहले मूल रूप से सार्वजनिक पद के

अतिरिक्त स्थायी पद पर कार्य करता था सेवा में परीक्षा की अवधि में उसका वेतनमूल-नियम 22-ख (1) के परन्तुक के अधीन विनियमित किया जाएगा। सेवा में नियुक्त किए गए अन्य व्यक्तियों के लिए वेतन और वेतन वृद्धियां मूल नियमों के अनुसार विनियमित होंगी।

(च) इस सेवा के अधिकारियों को परिशोधित केन्द्रीय वेतनमान प्राप्त करने वाले कर्मचारियों पर लागू केन्द्रीय सरकार की बरों पर मंहगाई भत्ता प्राप्त करने का हक होगा।

(छ) मंहगाई भत्ता और मंहगाई वेतन के अतिरिक्त इस सेवा के अधिकारियों को, प्रतिकर (नगर) भत्ता, मकान किराया भत्ता और पहाड़ी स्थानों तथा सुदूर स्थानों में रहने-सहन के बड़े खर्चों को पूरा करने के लिए अन्य भत्ते दिए जाएंगे, यदि उन्हें ब्यूरो पर या प्रशिक्षण के लिए ऐसे स्थानों पर भेजा जाएगा और उन स्थानों के लिए ये भत्ते प्राप्त होंगे।

(ज) इस सेवा के अधिकारी, दिल्ली, अजमेर और निकोबार द्वीप समूह पुलिस सेवा नियमावली, 1971 और इस नियमावली को लागू करने के प्रयोजन से केन्द्रीय सरकार द्वारा दी जाने वाली हिरायतें अथवा बनाए जाने वाले अन्य विनियम लागू होंगे। जो मामले विशिष्ट रूप उक्त नियमों या विनियमों अथवा उनके अन्तर्गत दिए गए आदेशों या विशेष आदेशों के अन्तर्गत नहीं आते, उनमें ये अधिकारी उन नियमों और आदेशों द्वारा शासित होंगे जो संघ के कार्यों में संबंधित सेवा करने वाले तत्काल अधिकारियों पर लागू होते हैं।

5. रेल सुरक्षा बल में ग्रुप ख में सहायक सुरक्षा अधिकारी/सहायक समादेष्टा एडजुटेंट के पद

रेल सुरक्षा बल (उच्च अधिकारी) निम्न प्रकार हैं :—

वेतनमान

\* (i) उप मुख्य सुरक्षा अधिकारी—र० 1300-60-1600।

(ii) सहायक महानिरीक्षक सुरक्षा अधिकारी/समादेष्टा—र० 1100 (छठे वर्ष या उससे पहले) -50-1600।

(iii) सहायक सुरक्षा अधिकारी, सहायक समादेष्टा, एडजुटेंट ग्रुप ख र० 650-30-740-35-810-र० री०-35-880-40-1000-र० री०-40-1200।

\*तृतीय वेतन प्रायोगिक को सफाई के अनुसार वेतनमान को संशोधित किए जाने की संभावना है।

(ख) 2 वर्ष की अवधि के लिए परीक्षा के आधार पर नियुक्ति की जाएगी जिसके दौरान दोनों तरफ से तीन महीने के नोटिस पर सेवा समाप्त की जा सकेगी। यदि परीक्षाधीन अधिकारी स्थायीकरण के लिए निर्धारित विभागीय अथवा अन्य परीक्षाएं पास न करें तो यह अवधि बढ़ाई जा सकेगी। चयन किए गए उम्मीदवारों की परीक्षा की अवधि के दौरान सरकार द्वारा निर्धारित स्थान तथा रीति से प्रशिक्षण लेना होगा तथा परीक्षाएं पास करनी होंगी।

(ग) जिस अधिकारी की अपनी परीक्षा की अवधि संतोषजनक समाप्त की गई घोषित कर दी जाए उसे स्थायी किया जा सकेगा। परन्तु यदि, सरकार की राय में किसी परीक्षाधीन अधिकारी का कार्य अथवा आचरण असंतोषजनक हो अथवा ऐसा प्रतीत हो कि उसका सक्षम होना असंभव हो तो सरकार उसे तुरन्त सेवा मुक्त कर सकेगी अथवा जितना वह उचित समझे उसकी परीक्षा की अवधि बढ़ा सकेगी।

(घ) इस प्रकार भर्ती किए गए किसी भी अधिकारी को रेल सेवा में किसी भी स्थान पर सेवा करनी पड़ेगी।

(ङ) इस प्रकार भर्ती किए गए अधिकारियों को

(i) रेल पेंशन नियमों द्वारा शासित किया जाएगा,

(ii) रेल भविष्य निधि समय-समय पर घोषित नियमों के अधीन रेल भविष्य निधि (नैर-अंशदायी) में अंशदान करना होगा।

(iii) रेल भविष्य निधि नियम 1957 तथा रेल भविष्य निधि नियम, 1959 में दी गई व्यवस्थाओं के द्वारा शासित किया जाएगा, और

(j) *Retirement Benefits*.—Officers of the Indian Foreign Service appointed on the basis of competitive examination are governed by the Liberalised Pension Rules, 1950.

(k) While in India officers are entitled to such concessions as are admissible to other Government servants of equal and similar status.

3. *Indian Police Service*.—(a) Appointment will be made on the probation for a period of two years which may be extended. Successful candidates will be required to undergo probation at such place and in such manner and pass such examination during the period of probation as Government may determine.

(b) & (c) As in clauses (b) and (c) for the Indian Administrative Service.

(d) An officer belonging to the Indian Police Service will be liable to serve anywhere in India or abroad either under the Central Government or under a State Government.

(e) Scales of pay :—

Junior Scale :—Rs. 700—40—900—EB—40—1100—50—1300.

Senior Scale :—Rs. 1200 (6th year or under)—50—1700.

Selection Grade :—Rs. 1,800.

Deputy Inspector General of Police.—Rs. 2,000—125/2—2,250.

Commissioner of Police, Calcutta and Bombay :—Rs. 2,250—125/2—2,500.

Inspector General of Police :—2,500—125/2—2,750.

Director, Intelligence Bureau :—Rs. 3,500.

Dearness allowance will be admissible in accordance with the orders issued by the Central Government from time to time under the All India Services (Dearness Allowance) Rules, 1972.

(f) }  
(g) } As in clauses (f), (g), (h) and (i) for the Indian  
(h) } Administrative Service.  
(i) }

(4) *Delhi and Andaman & Nicobar Islands Police Service Group B*.—(a) Appointments will be made on probation for a period of two years which may be extended at the discretion of the competent authority. Candidates appointed on probation will be required to undergo such training and pass such departmental tests as the Central Government may prescribe.

(b) If in the opinion of Government the work or conduct of an officer on probation is unsatisfactory or shows that he is unlikely to become efficient, Government may discharge him forthwith.

(c) The officer who has been declared to have satisfactorily completed his period of probation may be confirmed in the service. If his work or conduct has in the opinion of Government been unsatisfactory, Government may either discharge him from the Service or may extend his period of probation for such further period as Government may think fit.

(d) Scales of pay :—

Grade I (Selection Grade)—Rs. 1,100—50—1,500.

Grade II—Time Scale—Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1,000—EB—40—1,200.

A person recruited on the results of competitive examination shall, on appointment to the Service, draw pay at the minimum of the time-scale, provided that if he held a perma-

nent post, other than a tenure post in a substantive capacity prior to his appointment to the Service, his pay during the period of his probation in the Service shall be regulated under the proviso of Fundamental Rule 22B(1). The pay and increments in the case of other persons appointed to the Service shall be regulated in accordance with the Fundamental Rules.

(e) Officers of the Service are entitled to get dearness allowance at the Central Government rates applicable to employees drawing pay in revised Central scales of pay.

(f) In addition to dearness allowance officers of the Service are entitled to draw compensatory (city) allowance, house rent allowance and allowances to compensate for higher cost of living in hill stations, expensiveness incidental in remote localities etc. if they are posted at places, either for training or on duty where such allowances are admissible.

(g) Officers of the Service are governed by the Delhi and Andaman and Nicobar Islands Police Service Rules, 1971, and such other regulations as may be made or instructions issued by the Central Government for the purpose of giving effect to those Rules. In regard to matters not specifically covered by the aforesaid Rules or by regulations or orders issued thereunder or by special orders, they are governed by the rules, regulations and orders applicable to corresponding officers serving in connection with the affairs of the Union.

5. *Posts of Assistant Security Officer/Assistant Commandant/Adjutant, Group B in the Railway Protection Force*.

(a) The Railway Protection Force (Superior Officers) consists of the following :

Scale of pay :

\* (i) Deputy Chief Security Officer.—Rs. 1300—60—1600, (AS).

(ii) Assistant Inspector General/Security Officer/Commandant.—Rs. 1100 (6th year or under)—50—1600.

(iii) Asstt. Security Officer/Assistant Commandant, Adjutant, Group B.—Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200.

\*The scale of pay is also likely to be revised in the light of the recommendation of the Third Pay Commission.

(b) Appointment will be made on probation for a period of 2 years during which the service will be liable to termination on three months' notice on either side. The period may be extended if the Officer on probation does not qualify for confirmation by passing the prescribed departmental and other tests. The selected candidates will be required to undergo training at such place and in such manner and pass such examinations during the period of probation as Government may determine.

(c) The Officer who has been declared to have satisfactorily completed his period of probation may be confirmed. If, however, in the opinion of Government, the work or conduct of an officer on probation is unsatisfactory or shows that he is unlikely to become efficient, Government may discharge him forthwith or may extend his period of probation for such further period as it may deem fit.

(d) An Officer so recruited, will be liable to serve anywhere on the Indian Railways.

(e) Officers so recruited shall :

(i) be governed by the Railway Pension Rules;

(ii) Subscribe to the Railway Provident Fund (Non-contributory) under the rules of that fund as amended from time to time;

(iii) be governed by the provisions contained in the R.P.F. Act 1957 and the R.P.F. Rules 1959; and

(iv) उक्त अधीनस्थ तथा नियमों के अधीन बल के उच्च अधिकारियों में निहित शक्तियों का प्रयोग करना होगा।

(च) यदि कोई परिवीक्षाधीन किसी ऐसे कारण से जिस पर वह नियंत्रण कर सकता है, प्रशिक्षण के अथवा परिवीक्षा में रहना नहीं चाहे तो उसे, प्रशिक्षण पर दृष्टा, सम्पूर्ण व्यय तथा उसकी परिवीक्षा की अवधि में उसे दिया गया कोई भी अन्य धन वापिस करना होगा।

(छ) यदि सरकार की राय में किसी परिवीक्षाधीन अधिकारी का कार्य अथवा आचरण असंतोषजनक न हो अथवा ऐसा प्रतीत हो कि उसके सक्षम बनने की संभावना न हो तो सरकार उसे सुरक्षित सेवा मुक्त कर सकती है।

(ज) ग्रुप ए के अधिकारी इस सम्बन्ध में समय-समय पर लागू किए गए नियमों के अनुसार सुरक्षा अधिकारी/समादेष्टा/सहायक महानिरीक्षक के पद पर पदोन्नत किए जाने के पात्र होंगे।

(झ) अधिकारियों की सेवा कमिज वेतनमान में उनके न्यूनतम से प्रारंभ होगी और यह वार्षिक वेतनवृद्धि के लिए पद ग्रहण करने की तारीख से गिनी जाएगी।

(ण) अधिकारियों को उन सभी मामलों में जिन्हें विशेष रूप से इस में नहीं दिया गया है, भारतीय रेल स्थापना संहिता की व्यवस्थाओं तथा समय-समय पर संशोधित/जारी किए गए वेतनमान आदेशों द्वारा शासित किया जाएगा।

#### 6. पाँडिचेरी पुलिस सेवा—ग्रुप 'ख'

(क) नियुक्तियों दो वर्ष की अवधि के लिए परिवीक्षा के आधार पर की जाएंगी जिनमें सक्षम प्राधिकारी की विवक्षा पर वृद्धि भी हो सकती है। परिवीक्षा के आधार पर नियुक्त किए गए उम्मीदवारों को ऐसा प्रशिक्षण पाना होगा और ऐसा विभागीय परीक्षण पास करना होगा जो पाँडिचेरी संघ राज्य क्षेत्र के प्रशासक निर्धारित करे।

(ख) प्रशासक की राय में यदि परिवीक्षा पर चल रहे अधिकारी का कार्य या आचरण असंतोषजनक है या ऐसा आभास देता है कि उसके सक्षम बन पाने की संभावना नहीं है तो प्रशासक उसको उसी समय सेवा मुक्त कर सकता है।

(ग) जिस अधिकारी के बारे में अपनी परिवीक्षा की अवधि सफलता पूर्वक पूरी करने की घोषणा कर दी जाती है उसे उक्त सेवा में स्थायी किया जा सकता है। प्रशासक की राय में यदि उसका कार्य या आचरण असंतोषजनक है तो प्रशासक उसे या तो सेवा मुक्त कर सकता है या उसकी परिवीक्षा की अवधि उतने समय के लिए और बढ़ा सकता है जितना वह ठीक समझे।

(घ) उक्त सेवा से सम्बद्ध अधिकारी को संघ राज्य क्षेत्र, पाँडिचेरी, में कहीं भी कार्य करना पड़ सकता है।

(ङ) वेतनमान :—

(i) ग्रेड I (चपन ग्रेड) —र० 1100-50-1600।

(ii) ग्रेड II (समय वेतनमान) —र० 650-30-740-35-810-40-र० -35-880-40-100-40-र० -40-1200।

प्रतियोगिता परीक्षा के परिणाम के आधार पर भर्ती हुआ कोई व्यक्ति उक्त सेवा में नियुक्त होने पर समय वेतनमान का न्यूनतम वेतन प्राप्त करेगा।

किन्तु उक्त सेवा में नियुक्ति से पहले यदि वह आवधिक पद के अलावा किसी अन्य स्थायी पद पर मूल रूप में नियुक्त रहा हो तो सेवा में उसकी परिवीक्षा की अवधि के दौरान उसका वेतन "मूल नियमावली" के नियम 22ख के उप-नियम (1) के उपबन्धों के अधीन विनियमित किया जाएगा उक्त सेवा में नियुक्ति अन्य व्यक्तियों के मामले में वेतन तथा वेतन वृद्धियाँ "मूल नियमावली" के अनुसार विनियमित होंगी।

(च) उक्त सेवा के अधिकारियों पर पाँडिचेरी पुलिस सेवा नियम 1972 के साथ-साथ प्रशासक द्वारा बनाए गए अन्य ऐसे विनियम या इन नियमों को लागू करने के उद्देश्य से जारी किए गए अनुदेश लागू होंगे।

#### 7. गोवा दमन तथा दियु पुलिस सेवा ग्रुप ख

(क) नियुक्ति परिवीक्षा पर की जाएगी जिसकी अवधि 2 वर्ष होगी, जिससे सक्षम प्राधिकारी की विवक्षा पर बढ़ाया जा सकता है। परिवीक्षा पर नियुक्त उम्मीदवारों को ऐसा प्रशिक्षण पाना होगा और ऐसे विभागीय परीक्षण

उत्तीर्ण करने होंगे जो गोवा, दमन तथा दियु, संघ राज्य क्षेत्र के प्रशासक द्वारा निर्धारित किया जाए।

(ख) जिस अधिकारी के बारे में यह घोषित कर दिया गया हो कि उसने अपनी परिवीक्षा की अवधि असंतोषजनक रूप से पूरी कर ली है उसे उक्त सेवा में स्थायी किया जा सकता है। यदि प्रशासक की राय में उसका कार्य या आचरण असंतोषजनक हो और उसमें वक्षता प्राप्त करने की संभावना का आभास न हो तो वह उसे या तो सेवा मुक्त कर सकता है। या परिवीक्षा अवधि उतनी बढ़ा सकता है जितनी वह ठीक समझे।

(ग) उक्त सेवा से सम्बद्ध अधिकारी को गोवा, दमन तथा दियु संघ राज्य क्षेत्र में कहीं भी कार्य करना पड़ सकता है।

(घ) वेतनमान :—

ग्रेड I (या चपन ग्रेड) —र० 1100-50-1600।

ग्रेड II (समय वेतनमान) —र० 650-30-740-35-810-40-र० 35-880-40-1000-40-र० -40-1200।

प्रतियोगिता परीक्षा के परिणाम के आधार पर भर्ती किए गए व्यक्ति को सेवा में नियुक्त होने पर समय वेतनमान का न्यूनतम वेतन दिया जाएगा।

किन्तु शर्त यह है कि उक्त सेवा में नियुक्ति से पहले वह व्यक्ति यदि आवधिक पद के अलावा अन्य किसी स्थायी पद पर मूल रूप में कार्य कर चुका हो तो परिवीक्षाधीन सेवा की अवधि के दौरान उसका वेतन एफ० आर०—22 (बी०)

(i) के अनुसार विनियमित किया जाएगा। उक्त सेवा में नियुक्त अन्य व्यक्तियों का वेतन तथा वेतनवृद्धियाँ एफ० आर० के अनुसार विनियमित की जाएंगी।

उक्त सेवा के अधिकारी भारतीय पुलिस सेवा (पदोन्नति द्वारा नियुक्ति) विनियमावली, 1955 के अनुसार भारतीय पुलिस सेवा में वरिष्ठ वेतनमान के पदों पर पदोन्नति के पात्र होंगे।

(ङ) उक्त सेवा के अधिकारियों पर गोवा, दमन तथा दियु पुलिस सेवा नियमावली, 1973 और वे विनियमावली लागू होती हैं जो प्रशासक द्वारा बनाई जाएं या इन नियमों को लागू करने के प्रयोजन से जो अनुदेश उनके द्वारा जारी किए जाएंगे।

#### 8. भारतीय डाक-तार सेवा तथा वित्त सेवा

(क) नियुक्ति परिवीक्षा पर की जाएगी जिसकी अवधि 2 वर्ष की होगी परन्तु यह अवधि बढ़ाई भी जा सकती है, यदि परिवीक्षाधीन अधिकारी ने निर्धारित विभागीय परीक्षा पास करके अपने को स्थायी किए जाने के योग्य सिद्ध न किया हो। यदि कोई अधिकारी तीन वर्ष की अवधि में विभागीय परीक्षाएं पास करने में लगातार असफल होता रहा तो उसकी नियुक्ति समाप्त कर दी जाएगी।

(ख) यदि सरकार की राय में परिवीक्षाधीन अधिकारी का कार्य या आचरण, असंतोषजनक हो या तो उसे देखते हुए उसके कार्यकुशल होने की संभावना न हो तो सरकार उसे तत्काल सेवा-मुक्त कर सकती है।

(ग) परिवीक्षा की अवधि समाप्त मुक्त होने पर सरकार अधिकारी को उसकी नियुक्ति पर स्थायी कर सकती है या यदि सरकार की राय में उसका कार्य या आचरण असंतोषजनक रहा हो तो उसे या तो सेवा से मुक्त कर सकती है या उसकी परिवीक्षा अवधि को जितना उचित समझे बढ़ा सकती है।

(घ) भारतीय डाक-तार तथा वित्त सेवा पर भारत के किसी भी भाग में सेवा का एक निश्चित उत्तरदायित्व है।

भारतीय डाक-तार तथा वित्त सेवा का वेतनमान

(i) कनिष्ठ वेतनमान—र० 700-40-900-40-र० -40-1100-50-1300।

(ii) वरिष्ठ वेतनमान—र० 1100-50-1800।

(iii) कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड—र० 1500-60-1800-100-2000।

(iv) वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड—(लेवल II)—र०-2250-125/2-2500।

(v) वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड—(लेवल I)—र० 2500-125/2-2750।

जो सरकारी कर्मचारी परिवीक्षा के आधार पर नियुक्ति से पूर्व, मौलिक आधार पर आवधिक पद के अतिरिक्त किसी स्थायी पद पर नियुक्त था उसका वेतन मूल नियम 22-ख (1) की व्यवस्थाओं के अधीन विनियमित होगा।

9. भारतीय लेखा परीक्षा और लेखा सेवा।

(iv) exercise the powers vested in the superior officers of the Force under the said Act and Rules.

(f) If for any reason not beyond his control, a probationer wishes to withdraw from training or probation he shall be liable to refund the whole cost of training and any other money paid to him during the period of his probation.

(g) If in the opinion of Government the work or conduct of an Officer on probation is unsatisfactory or shows that he is unlikely to be efficient, Government may discharge him forthwith.

(h) Group B Officers will be eligible for promotion as Security Officer/Commandant/Assistant Inspector General in accordance with the rules in force from time to time in this behalf.

(i) Officers will start their service on the minimum of the time-scale and will count their service for increment from the date of joining.

(j) In all matters not specifically provided herein the Officers will be governed by the provisions of the Indian Railway Establishment Code and extent orders as amended/issued from time to time.

#### 6. Pondicherry Police Service—Group 'B'

(a) Appointments will be made on probation for a period of two years which may be extended at the discretion of the competent authority. Candidates appointed on probation will be required to undergo such training and pass such departmental tests as the Administrator of the Union Territory of Pondicherry may prescribe.

(b) If in the opinion of Administrator the work or conduct of an officer on probation is unsatisfactory or shows that he is unlikely to become efficient, the Administrator may discharge him forthwith.

(c) The Officer who has been declared to have satisfactorily completed his period of probation may be confirmed in the service. If his work or conduct has, in the opinion of the Administrator, been unsatisfactory, he may either discharge him from the Service or may extend his period of probation for such further period as Administrator may think fit.

(d) An Officer belonging to the Service will be required to serve at any place in the Union Territory of Pondicherry.

#### (e) Scales of Pay—

(i) Grade I (Selection Grade)—Rs. 1100—50—1600.

(ii) Grade II (Time Scale)—Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200.

A person recruited on the results of the competitive examination shall on appointment to the service draw pay at the minimum of the time scale.

Provided that if he held a permanent post other than a tenure post in a substantive capacity prior to his appointment to the Service, his pay during the period of his probation in service shall be regulated under the provisions of sub-rule (1) of Rule 22-B of the Fundamental Rules. The pay and increments in the case of other persons appointed to the service shall be regulated in accordance with the Fundamental Rules.

(f) Officers of the Service are governed by Pondicherry Police Service Rules, 1972 with such other regulations as may be made or instructions issued by the Administrator for the purpose of giving effect to these rules.

#### 7. Goa, Daman and Diu Police Service Group 'B'

(a) Appointment will be made on probation for a period of two years which may be extended at the discretion of the competent authority. Candidates appointed on proba-

tion will be required to undergo such training and pass such departmental tests as the Administrator of the Union Territory of Goa, Daman and Diu may prescribe.

(b) The officer who has been declared to have satisfactorily completed his period of probation may be confirmed in the Service. If his work or conduct has in the opinion of the Administrator been unsatisfactory, or shows that he is unlikely to become efficient, he may either discharge his from service or may extend his period of probation for such further period as the Administrator may think fit.

(c) An officer belonging to the service will be required to serve at any place in the Union Territory of Goa, Daman and Diu.

#### (d) Scales of pay—

Grade I (Selection Grade)—Rs. 1100-50-1600.

Grade II (Time scale) Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200.

A person recruited on the results of competitive examination shall on appointment to the service, draw pay at the minimum of the time-scale.

Provided that if he held a permanent post, other than a tenure post in a substantive capacity prior to his appointment to the Service his pay during the period of his probation in service shall be regulated under the provisions of sub-rule (1) of rule 22-B of the Fundamental Rules. The pay and increments in the case of other persons appointed to the service shall be regulated in accordance with the Fundamental Rules.

Officers of the Service will be eligible for promotion to posts in the senior scale of the Indian Police Service in accordance with the Indian Police Service (Appointment by Promotion) Regulations, 1955.

(e) Officers of the Service are governed by Goa, Daman and Diu Police Service Rules, 1973 and such other regulations as may be made or instruction issued by the Administrator for the purpose of giving effect to these rules.

#### 8. Indian P. & T. Accounts & Finance Service—

(a) Appointments will be made on probation for a period of 2 years provided that this period may be extended if the officer on probation has not qualified for confirmation by passing the prescribed departmental examination. Repeated failure to pass the departmental examinations within the prescribed period will involve loss of appointment.

(b) If, in the opinion of Government the work and conduct of an officer on probation is unsatisfactory, or shows that he is unlikely to become efficient, the Government may discharge him forthwith.

(c) On the conclusion of his period of probation Government may confirm the officer in his appointment or if his work or conduct has, in the opinion of the Government been unsatisfactory, Government may either discharge him from the service or may extend his period of probation for such further period as Government may think fit.

(d) The Indian P&T Accounts & Finance Service carries with it a definite liability for service in any part of India.

#### Indian P & T Accounts & Finance Service

#### Scales of pay—

(i) Junior Time Scale—Rs. 700—40—900—EB—40—1100—50—1300.

(ii) Senior Time Scale.—Rs. 1100—50—1600.

(iii) Junior Administrative Grade.—Rs. 1500—60—1800—100—2000.

(iv) Senior Administrative Grade (Level II).—Rs. 2250—125/2—2500.

(v) Senior Administrative Grade (Level I).—Rs. 2500—125/2—2750.

2. The pay of a Government servant who held a permanent post, other than a tenure post, in a substantive capacity prior to his appointment as probationer will, however, be regulated subject to the provisions of F.R. 22(B)(1).

#### 9. Indian Audit and Accounts Service.

10. भारतीय सीमा शुल्क और केन्द्रीय उत्पादन शुल्क सेवा।

11. भारतीय रक्षा लेखा सेवा

(क) नियुक्ति परीक्षा के आधार पर की जाएगी जिसकी अवधि 2 वर्ष की होगी परन्तु यह अवधि बढ़ाई भी जा सकती है। यदि परीक्षाधीन अधिकारी ने निर्धारित विभागीय परीक्षाएं पास करके, अपने को पक्का किए जाने के योग्य सिद्ध न किया हो। यदि कोई अधिकारी तीन वर्ष की अवधि में विभागीय परीक्षाएं पास करने में लगातार असफल होता रहा तो उसकी नियुक्ति खत्म कर दी जाएगी।

(ख) यदि यथास्थिति, सरकार या नियंत्रक और महालेखा परीक्षक की राय में परीक्षाधीन अधिकारी का कार्य या आचरण संतोषजनक न हो या उसे देखते हुए उसके कार्यकुशल होने की सम्भावना न हो तो सरकार उसे तत्काल सेवा-मुक्त कर सकती है।

(ग) परीक्षा-अवधि के समाप्त होने पर, यथास्थिति, सरकार या नियंत्रक और महालेखा परीक्षक अधिकारी को उसकी नियुक्ति पर स्थायी कर सकती/सकता है या यदि यथास्थिति, सरकार या नियंत्रक और महालेखा परीक्षक की राय में उसका कार्य या आचरण असंतोषजनक रहा हो तो उसे या तो सेवा से मुक्त कर सकती/सकता है या उसकी परीक्षा अवधि को, जितना उचित समझे बढ़ा सकती/सकता है, परन्तु अस्थायी रूप से खाली जगहों पर की गई नियुक्तियों के संबंध में स्थायी करने का दावा नहीं किया जा सकेगा।

(घ) लेखा परीक्षा के लेखा सेवा से असंग किए जाने की संभावना और अन्य सुधारों की ध्यान में रखते हुए, भारतीय लेखा-परीक्षा और लेखा सेवा में परिवर्तन हो सकते हैं और कोई उम्मीदवार जो इस सेवा के लिए चुना जाए इस परिवर्तन से होने वाले परिणाम के आधार पर कोई दावा नहीं करेगा और उसे असंग किए गए केन्द्रीय राज्य सरकार और नियंत्रक और महालेखा परीक्षक के अन्तर्गत सांविधिक लेखा परीक्षा कार्यालय में काम करना पड़ेगा और केन्द्रीय तथा राज्य सरकारों के अन्तर्गत चलन किए गए लेखा कार्यालयों के संबंध में अन्तिम रूप से रहना पड़ेगा।

(ङ) भारतीय रक्षा लेखा सेवा के अधिकारियों से भारत में कहीं भी सेवा ली जा सकती है और उन्हें क्षेत्र-सेवा (फील्ड-सर्विस) पर भारत में या भारत के बाहर भी भेजा जा सकता है।

(च) वेतनमान :—

भारतीय लेखा परीक्षा और लेखा सेवा का वेतनमान

1. कनिष्ठ वेतनमान—र० 700-40-900 द०-र०-40-1100-50 1300।

2. वरिष्ठ वेतनमान—1100 (छठे वर्ष या उससे पहले) -50-1600।

3. कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड—र० 1500-60-1800-100-2000।

4. महालेखापाल (1) र० 2500-125/2-2750 (पर्वों का 50 प्रतिशत)।

(2) र० 2250-125/2-2500 (पर्वों का 50 प्रतिशत)।

5. अपर उपनियंत्रक और महालेखा परीक्षक—र० 2500-125/2-3000।

6. भारतीय उप-नियंत्रक तथा महालेखा परीक्षक—र० 3000-100-3500।

नोट 1—परीक्षाधीन अधिकारियों की सेवा, भारतीय लेखा परीक्षा और लेखा सेवा के समय वेतनमान में कम से कम वेतन से प्रारम्भ होगी और वेतन-वृद्धि के प्रयोजन से, उसकी सेवा कार्यबहुल की तारीख से गिनी जाएगी।

नोट 2—परीक्षाधीन अधिकारियों को 700 र० से ऊपर का वेतन तब तक नहीं मिलेगा जब तक कि वे समय-समय पर विहित नियमों के अनुसार विभागीय परीक्षाएं पास नहीं कर लेंगे।

नोट 3—यदि कोई परीक्षाधीन अधिकारी लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासनिक अकादमी मसूरी की पाठ्यक्रम संपूर्ण परीक्षा पास नहीं करता तो उसकी र० 740 तक बढ़े जाने वाली वेतनवृद्धि भारत सरकार द्वारा जारी किए गए अनुदेशों के अनुसार दी जाएगी

नोट 4—जो सरकारी कर्मचारी परीक्षा के आधार पर नियुक्ति से पूर्व, मौलिक आधार पर सावधिक पद के अतिरिक्त किसी स्थायी पद पर नियुक्त था उसका वेतन मूल नियम 22-ख (1) की व्यवस्थाओं के अधीन विनियमित होगा।

भारतीय सीमा शुल्क और केन्द्रीय शुल्क सेवा

अधीक्षक केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, सहायक कलेक्टर, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और / या सीमा-शुल्क (कनिष्ठ वेतनमान) —र० 700-40-900-द०-र०-40-1100-50-1300।

सहायक कलेक्टर, केन्द्रीय उत्पाद शुल्क और / या सीमा शुल्क (वरिष्ठ वेतनमान) —र० 1100 (छठे वर्ष अथवा उससे कम) 50-1600।

उप-कलेक्टर सीमा शुल्क और / या केन्द्रीय उत्पाद शुल्क, अपर कलेक्टर, सीमा शुल्क और / या केन्द्रीय उत्पाद-शुल्क —र० 1500-60-1800-100-2000।

अपिलेट कलेक्टर सीमा शुल्क और / या केन्द्रीय उत्पाद शुल्क / सीमा शुल्क कलेक्टर और या केन्द्रीय उत्पाद शुल्क।

निरीक्षक निदेशक :

नारकोटिक्स आयुक्त

प्रशिक्षण निदेशक।

आसूचना तथा सांख्यिकी निदेशक।

(i) र० 2250-125/2-2500 (पर्वों का 50 प्रतिशत)।

(ii) र० 2500-125/2-2750 (पर्वों का 50 प्रतिशत)।

(क) नियुक्तियां 2 वर्ष के लिये परीक्षा के आधार पर की जाएंगी किन्तु यदि परीक्षाधीन अधिकारी निर्धारित विभागीय परीक्षाओं उत्तीर्ण कर के स्थायीकरण का हकदार नहीं हो जाता तो उक्त अवधि को बढ़ाया भी जा सकता है। तीन वर्ष की अवधि में विभागीय प्रतियोगिताओं को उत्तीर्ण न कर लेने पर नियुक्ति रद्द भी की जा सकती है।

(ख) यदि सरकार की राय में किसी परीक्षाधीन अधिकारी का कार्य अथवा आचरण संतोषजनक नहीं है अथवा उसके सक्षम अधिकारी बनने की संभावना नहीं है तो सरकार उसे तुरन्त सेवा मुक्त कर सकती है।

(ग) परीक्षाधीन अधिकारी का परीक्षाधीन पूर्ण होने पर सरकार उसकी नियुक्ति को स्थायी कर सकती है अथवा यदि सरकार की राय में उसका कार्य या आचरण संतोषजनक नहीं रहा है तो सरकार या तो उसे सेवामुक्त कर सकती है अथवा उसके परीक्षाधीन काल में अपनी इच्छानुसार वृद्धि कर सकती है किन्तु प्रस्थाई रिक्तियों पर नियुक्ति किये जाने पर स्थायीकरण सम्बन्धी उसका कोई दावा नहीं स्वीकार किया जायेगा।

(घ) भारतीय सीमा शुल्क तथा उत्पादन शुल्क सेवा ग्रुप 'क' के अधिकारी को भारत के किसी भी भाग में सेवा करनी होगी तथा भारत में ही 'फील्ड सर्विस' भी करनी होगी।

नोट 1—परीक्षाधीन अधिकारी को प्रारम्भ में र० 700-40-900-द०-र०-40-1100-50-1300 के समय वेतनमान में न्यूनतम वेतन मिलेगा तथा वार्षिक वृद्धि के लिये अपने सेवा काल को वह कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से माना जाएगा।

नोट 2—जो सरकारी कर्मचारी परीक्षा के आधार पर भारतीय सीमा शुल्क तथा केन्द्रीय उत्पादन कर सेवा ग्रुप 'क' में नियुक्ति से पूर्व मौलिक आधार पर सावधिक पद के अतिरिक्त स्थाई पद पर नियुक्त था उसका वेतन मूल नियम 22-ख (i) की व्यवस्थाओं के अधीन विनियमित होगा।

नोट 3—परीक्षा की अवधि में अधिकारी को प्रशिक्षण निदेशालय (सीमाशुल्क तथा केन्द्रीय उत्पाद शुल्क) नई दिल्ली में विभागीय प्रशिक्षण तथा लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी, मसूरी में बुनियादी पाठ्यक्रम प्रशिक्षण लेना होगा। मसूरी में प्रशिक्षण समाप्त कर लेने पर उसे "पाठ्यक्रम संपूर्ण परीक्षा" उत्तीर्ण करनी होगी उसे विभागीय परीक्षा के खण्ड I और खण्ड II में भी सफलता प्राप्त करनी होगी। लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी मसूरी की पाठ्यक्रम संपूर्ण

10. *Indian Customs and Central Excise Service.*11. *Indian Defence Accounts Service.*

(a) Appointments will be made on probation for a period of 2 years provided that this period may be extended if the officer on probation has not qualified for confirmation by passing the prescribed departmental examination. Repeated failure to pass the departmental examinations within a period of three years will involve loss of appointment.

(b) If in the opinion of Government or the Comptroller and Auditor General, as the case may be, the work or conduct of an officer on probation is unsatisfactory, or shows that he is unlikely to become efficient, Government may discharge him forthwith.

(c) On the conclusion of his period of probation Government or the Comptroller and Auditor General as the case may be, may confirm the officer in his appointment or if his work or conduct has, in the opinion of Government or the Comptroller and Auditor General as the case may be, been unsatisfactory, Government may either discharge him from the service or may extend his period of probation for such further period as Government may think fit, provided that in respect of appointments to temporary vacancies there will be no claim to confirmation.

(d) In view of the possibility of the separation of Audit from Accounts and other reforms the constitution of the Indian Audit and Accounts Service is liable to undergo changes and any candidate selected for that Service will have no claim for compensation in consequence of any such changes and will be liable to serve either in the separated Accounts Offices under the Central or State Governments or in the Statutory Audit Offices under the Comptroller and Auditor General and to be absorbed finally if the exigencies of service require it in the cadre on which posts in the separated Accounts Offices under the Central or State Government may be borne.

(e) The Indian Defence Accounts Service carries with it a definite liability for service in any part of India as well as for field Service in or out of India.

(f) Scales of Pay :—

*Indian Audit and Accounts Service*

1. Junior Scale.—Rs. 700—40—900—EB—40—1100—50—1300.

2. Senior Scale.—Rs. 1100 (6th year or under)—50—1600.

3. Junior Administrative Grade.—Rs. 1500—60—1800—100—2000.

4. Accountants (General (i)—Rs. 2500—125/2—2,750 (50% posts).

(ii) Rs. 2250—125/2—2500 (50% posts).

5. Additional Deputy Comptroller and Auditor General—Rs. 2500—125/2—3000.

6. Deputy Comptroller & Auditor General of India—Rs. 3000—100—3500.

NOTE 1.—Probationary Officers will start on the minimum of the time scale of I.A. & A.S. and will count their service for increments from the date of joining.

NOTE 2.—The Officers on probation will not be allowed the pay above the stage of Rs. 700 unless they pass the departmental examination in accordance with the rules which will be prescribed from time to time.

NOTE 3.—In the case of probationers who do not pass the "End of the Course" test at Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration, Mussoorie, the first increment raising their pay to Rs. 740 would be granted in accordance with such instructions as Government of India may issue. The failed candidates will not be required to take the test again.

8—51GI/78

NOTE 4.—The pay of a Government servant who held a permanent post other than a tenure post, in a substantive capacity prior to his appointment as probationer will however, be regulated subject to the provision of F.R. 22(B)(1).

*Indian Customs and Central Excise Service*

Superintendent of Central Excise, Group A	} Rs. 700—40—900—EB —40—1100—50—1300
Assistant Collector of Central Excise and/or Customs (Junior Scale)	

Assistant Collector of Central Excise and/or Customs (Senior Scale)	Rs. 1100/- (6th year or under) 50—1600.
---	---

Deputy Collector of Customs and/or Central Excise	} Rs. 1500—60—1800—100—2000
Addl. Collector of Customs and/or Central Excise	

Appellate Collector of Customs and/or Central Excise	} (i) Rs. 2250—125/2—2500 (50% of the posts) (ii) Rs. 2500—125/2—2750 (50% of the posts)
Collector of Customs and or Central Excise	
Director of Inspection	
Narcotics Commission	
Director of Training	
Director Statistics & Intelligence	

(a) Appointments will be made on probation for a period of 2 years provided that this period may be extended if the officer on probation has not qualified for confirmation by passing the prescribed departmental examinations. Repeated failures to pass the departmental examinations within a period of two years will involve loss of appointment.

(b) If, in the opinion of the Government, the work or conduct of an officer on probation is unsatisfactory, or shows that he is unlikely to become efficient, Government may discharge him forthwith.

(c) On the conclusion of his/her period of probation Government may confirm the officer in his/her appointment or if his/her work or conduct has in the opinion of Government been unsatisfactory, Government may either discharge him/her from the service or may extend his/her period of probation for such further period as Government may think fit, provided that in respect of appointments to temporary vacancies there will be no claim to confirmation.

(d) The Indian Customs and Central Excise Service, Group A carries with it a definite liability for service in any part of India.

NOTE 1.—A probationary officer will start at the minimum of the time scale of pay of Rs. 700—40—900—EB—40—1,100—50—1,300, and will count his/her service for increments from the date of joining.

NOTE 2.—The pay of a Government servant who held a permanent post other than a tenure post in a substantive capacity prior to his appointment as probationer in the Indian Customs and Central Excise Service, Group A, will be regulated subject to the provisions of F.R.22-B(1).

NOTE 3.—During the period of probation, an officer will undergo departmental training at the Directorate of Training (Customs and Central Excise), New Delhi and also a foundational course training at the Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration, Mussoorie. At the end of the training at Mussoorie he/she will have to pass the "End of the Course" test. He/she will have to pass Part I and Part II of the Departmental Examination. On passing the 'end of the course test' at the Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration, Mussoorie and one of the parts of the Departmental Examination the pay will be raised to Rs. 740. On passing the departmental examination in full the pay will be raised to Rs. 780. The pay beyond Rs. 780/-

परीक्षा तथा विभागीय परीक्षा के एक भाग को पास कर लेने पर वेतन बढ़ाकर रु० 700 कर दिया जायेगा। सम्पूर्ण विभागीय परीक्षा पास कर लेने पर वेतन बढ़ाकर रु० 780 कर दिया जाएगा। जब तक कि वह अधिकारी अन्य आवश्यक शर्तों के अधीन 3 वर्ष की सेवा पूरी नहीं कर लेता है तब तक उसे रु० 780 से अधिक वेतन नहीं दिया जायेगा। यदि वह अकादमी की पाठ्यक्रम संपूर्ति परीक्षा पास नहीं कर लेता है तो उसकी प्रथम वेतन वृद्धि एक वर्ष के लिये उस तारीख से स्थगित कर दी जायेगी जिस को वह इसे प्राप्त करता अथवा उस तारीख तक जब विभागीय अधिनियमों के अधीन दूसरी वेतन वृद्धि पड़ती हो इसमें जो भी पहले हो स्थगित कर दी जायेगी।

नोट 4—परिबीक्षाधीन अधिकारियों को यह अच्छी तरह समझ लेना चाहिये कि उसकी नियुक्ति भारतीय सीमाशुल्क तथा केन्द्रीय उत्पादन शुल्क सेवा ग्रुप 'क' के गठन में समय समय पर भारत सरकार द्वारा आवश्यक समझाकर किये जाने वाले प्रत्येक परिवर्तन के अधीन होगी और इस प्रकार के परिवर्तनों के फलस्वरूप उन्हें किसी प्रकार का मुआवजा नहीं दिया जायेगा।

#### भारतीय रक्षा सेवा

कनिष्ठ समय वेतनमान—रु० 700-40-900-४०-रो०-40-1100-50-1300।

वरिष्ठ समय वेतनमान—रु० 1100 (छठे वर्ष या उससे कम) 50-1600।

कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड—रु० 1500-60-1800-100-2000।

कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड में न्यून ग्रेड—रु० 2000-125/2-2250।

वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड (लेवल II)—रु० 2250-125/2-2500।

वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड (लेवल I)—रु० 2500-125/2-2750।

रक्षा सेवा महानियंत्रक—रु० 3000 (नियत)।

नोट 1—परिबीक्षाधीन अधिकारियों की सेवा, कनिष्ठ समय वेतनमान में कम से कम वेतन से प्रारम्भ होगी और वेतन-वृद्धि के प्रयोजन से, उनकी कार्यभार ग्रहण की तारीख से गिनी जायेगी। जो सरकारी कर्मचारी परिबीक्षा के आधार पर नियुक्ति से पूर्व मौलिक आधार पर सर्वाधिक पद के अतिरिक्त किसी स्थाई पद पर नियुक्त या उसका वेतन मूल नियम 22-ख (1) की व्यवस्थाओं के अधीन विनियमित होगा।

नोट 2—विभागीय परीक्षा का खंड I पास कर लेने पर परिबीक्षाधीन अधिकारी का वेतन बढ़ाकर रु० 740 प्र० मा० कर दिया जायेगा। यदि वह एक वर्ष की सेवा पूरी होने से पहले उक्त परीक्षा का खंड I पास कर लेता है तो पास करने की तारीख से बढ़ा दिया जायेगा। इसी प्रकार विभागीय परीक्षा का खंड II पास कर लेने पर परिबीक्षाधीन अधिकारी का वेतन बढ़ाकर रु० 780/—प्र० मा० कर दिया जायेगा। यदि वह दो वर्ष की सेवा पूरी कर लेने से पहले उक्त परीक्षा का खंड II पास कर लेता है तो पास करने की तारीख से बढ़ा दिया जायेगा। रु० 700-1300 के वेतनमान में वेतन को रु० 820/—प्र० मा० तक बढ़ाते हुए तीसरी वेतन वृद्धि तीन वर्ष की सेवा पूरी कर लेने पर ही की जायेगी।

नोट 3—यदि कोई भी परिबीक्षा अधिकारी लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासनिक अकादमी मसूरी की पाठ्यक्रम संपूर्ति परीक्षा पास नहीं करता है तो 740 रु० तक के उसके वेतन के लिये पहले वेतन वृद्धि उन अनुदेशों के अनुसार की जायेगी जो भारत सरकार द्वारा जारी किये जायें। असफल उम्मीदवारों को फिर से परीक्षा में बैठने की आवश्यकता नहीं होगी।

#### 12. भारतीय आयकर सेवा ग्रुप 'ख'

(क) नियुक्ति परिबीक्षा के आधार पर की जायेगी जिसकी अवधि 2 वर्ष की होगी। परन्तु यह अवधि बढ़ाई भी जा सकती है,

यदि परिबीक्षाधीन अधिकारी, निर्धारित विभागीय परीक्षा में पास करके अपने आपको स्थाई किये जाने के योग्य सिद्ध न कर सके। यदि कोई अधिकारी तीन वर्ष की अवधि में विभागीय परीक्षा में पास करने में लगातार असफल होता रहा तो उसकी नियुक्ति खत्म कर दी जायेगी।

(ख) यदि सरकार की राय में, परिबीक्षाधीन अधिकारी का कार्य या आचरण असन्तोषजनक हो या उसे देखते हुए उसके कार्य कुशल होने की संभावना न हो तो सरकार उसे तत्काल सेवा-मुक्त कर सकती है।

(ग) परिबीक्षा अवधि के समाप्त होने पर, सरकार अधिकारी की उसकी नियुक्ति पर स्थाई कर सकती है, या यदि सरकार की राय में उसका कार्य या आचरण असन्तोषजनक रहा हो तो उसे या तो सेवा से मुक्त कर सकती है या उसकी परिबीक्षा अवधि को, जितना उचित समझे बढ़ा सकती है, परन्तु अस्थाई रूप से खाली जगहों पर की गई नियुक्तियों के सम्बन्ध में, स्थाई करने का दावा नहीं किया जा सकेगा।

(घ) यदि सरकार ने सेवा में नियुक्तियाँ करने की अपनी शक्ति किसी अधिकारी को सौंप रखी है तो वह अधिकारी ऊपर के खण्डों में उल्लिखित सरकार की कोई भी शक्ति का प्रयोग कर सकता है।

(ङ) वेतनमान :—

आयकर अधिकारी ग्रुप 'क'

(i) कनिष्ठ वेतनमान रु० 700-40-900-४०-रो०-40-1100-50-1300।

(ii) वरिष्ठ वेतनमान रु० 1100-50-1600।

आयकर सहायक आयुक्त रु० 1500-60-1800-100-2000

आयकर आयुक्त (i) रु० 2250-125/2-2500।

(लेवल II)

(ii) रु० 2500-125/2-2750

(लेवल I)

(ब) परिबीक्षाधीन अवधि में अधिकारी को लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासनिक अकादमी मसूरी तथा आयकर प्रशिक्षण कालिज, नागपुर में प्रशिक्षण प्राप्त करना होगा। मसूरी में प्रशिक्षण समाप्त होने पर उसे पाठ्यक्रम संपूर्ति परीक्षा पास करनी होगी। इसके अतिरिक्त परिबीक्षाधीन अवधि में विभागीय परीक्षा खण्ड I और खण्ड II भी पास करने होंगे। "पाठ्य-क्रम संपूर्ति परीक्षा तथा विभागीय परीक्षा खण्ड I पास कर लेने पर वेतन बढ़ाकर 740 रु० कर दिया जाएगा। विभागीय परीक्षा खण्ड II पास कर लेने पर वेतन बढ़ाकर रु० 780 कर दिया जाएगा। रु० 780 के स्तर के ऊपर वेतन तब तक नहीं दिया जाएगा जब तक कि उस अधिकारी की सेवा 3 वर्ष पूरी नहीं हो चुकी हो या दूसरी ऐसी शर्तों के अधीन होगा जो आवश्यक समझी जाएं।

यदि वह अकादमी की पाठ्यक्रम संपूर्ति परीक्षा पास नहीं कर लेता तो एक वर्ष के लिए उसकी वेतन वृद्धि स्थगित कर दी जाएगी अथवा उस तारीख तक जब तक कि विभागीय नियमों के अन्तर्गत उसे दूसरी वेतन वृद्धि मिलने वाली हो और इन दोनों में से जो भी अवधि पहले पड़े तब तक स्थगित रहेगी।

नोट :—परिबीक्षाधीन अधिकारियों को भली भाँति समझ लेना चाहिए कि उनकी नियुक्ति भारत सरकार द्वारा आयकर सेवा ग्रुप क-1 के गठन में किए जाने वाले किसी भी ऐसे परिवर्तन से प्रभावित हो सकेगी जो कि समय समय पर उचित समझे जाने के बाद भारत सरकार द्वारा किया जाएगा और वे उस प्रकार के परिवर्तनों के फलस्वरूप प्रतिकार का दावा नहीं कर सकेंगे।

#### 13. भारतीय-आयुक्त कारखाना सेवा, ग्रुप 'क'

(गैर तकनीकी संवर्ग)

(क) चुने गए उम्मीदवारों को सहायक प्रबन्धों (परिबीक्षा पर), के रूप में नियुक्त किया जाएगा। परिबीक्षा की अवधि दो

will not be allowed unless he/she has completed 3 years of service subject to such other conditions as may be found necessary. In case he/she does not pass the 'end of the course test' at the Academy, the first increment will be postponed by one year from the date on which he/she would have drawn it or upto the date on which under the departmental regulations the second increment accrues, whichever is earlier.

NOTE 4.—It should be clearly understood by the probationers that the appointment would be subject to any change in the constitution of the Indian Customs and Central Excise Service Group A which the Government of India may think proper to make from time to time and that they would have no claim for compensation in consequence of any such change.

#### *Indian Defence Accounts Service*

Junior Time Scale.—Rs. 700—40—900—EB—40—1100—50—1,300.

Senior Time Scale.—Rs. 1100 (6th year or under) 50—1600.

Junior Administrative Grade.—Rs. 1500—60—1800—100—2000.

Selection Grade in the Junior Administrative Grade.—2000—125/2—2250.

Senior Administrative Grade, Level II.—Rs. 2250—125/2—2500.

Senior Administrative Grade, Level I.—Rs. 2500—125/2—2750.

Controller General of Defence Accounts.—Rs. 5000 (fixed).

NOTE 1.—Probationary officers will start on the minimum of the junior time scale and will count their service for increments from the date of joining. The pay of a Government servant who held a permanent post other than a tenure post in a substantive capacity prior to his appointment as probationer will, however be regulated subject to the provisions of F.R. 22-B(I).

NOTE 2.—On passing Part I of the departmental examination, the pay of the Probationary Officer will be raised to Rs. 740/- p.m. from the date of passing Part I examination if it is earlier than completion of one year's service. Similarly on passing Part II of the departmental examination the pay of the probationary officer will be raised to Rs. 780/- p.m. from the date of passing Part II examination, if it is earlier than completion of 2 years service. The third increment in the scale of Rs. 700—1300 raising the pay to Rs. 820/- p.m. can be granted only on completion of 3 years of service.

NOTE 3.—In the case of probationers who do not pass the end-of-the Course-Test at Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration, Mussoorie, the first increment raising their pay to Rs. 740 would be granted in accordance with such instructions as Government of India may issue. The failed candidates will not be required to take the test again.

12. *Indian Income-tax Service Group A.*—(a) Appointments will be made on probation for a period of 2 years provided that this period may be extended if the officer on probation has not qualified for confirmation by passing the prescribed

departmental examinations. Repeated failures to pass the departmental examinations within a period of 3 years will involve loss of appointment.

(b) If, in the opinion of Government the work or conduct of an officer on probation is unsatisfactory or shows that he is unlikely to become an efficient Income-tax Officer, the Government may discharge him forthwith.

(c) On the conclusion of his period of probation, Government may confirm the officer in his appointment or if his work or conduct has in the opinion of Government been unsatisfactory Government may either discharge him from the service or may extend his period of probation for such further period as Government may think fit provided that in respect of appointment to temporary vacancies there will be no claim to confirmation.

(d) If the power to make appointments in the service is delegated by Government to any officer that officer may exercise any of the powers of Government described in the above clauses.

(e) Scales of pay :—

#### *Income-tax Officer, Group A*

##### *Junior scale*

(i) Rs. 700—40—900—EB—40—1100—50—1300.

##### *Senior scale*

(ii) Rs. 1100—50—1600.

##### *Assistant Commissioner of Income-tax—*

Rs. 1500—60—1800—100—2000.

##### *Commissioner of Income-tax—*

(i) Rs. 2250—125/2—2500—(Level II).

(ii) Rs. 2500—125/2—2750 (Level I).

(c) During the period of probation an officer will undergo training at Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration, Mussoorie, and the Indian Revenue Service (Direct Taxes) Staff College, Nagpur. At the end of training at Mussoorie, he/she will have to pass the 'end-of-the-course' test. In addition, I and II departmental examinations will also have to be passed during the period of probation. On passing the 'end-of-the-course' test and the 1st Departmental Examination, his/her pay will be raised to Rs. 740. On passing the 2nd Departmental Examination, the pay will be raised to Rs. 780. The pay beyond the stage of Rs. 780 will not be allowed unless he/she is confirmed and has completed 3 years of service subject to such other conditions as may be found necessary.

In case he/she does not pass the end of the course test at the Academy, the first increment will be postponed by one year from the date on which he/she would have drawn it or up to the date on which under the departmental regulations, the second increment accrues, whichever is earlier.

NOTE.—It should be clearly understood by probationers that their appointment would be subject to any change in the constitution of the Income-tax Service, Group A, which the Government of India may think proper to make from time to time and that they would have no claim for compensation in consequences of any such changes.

13. *Indian Ordnance Factories Service. Group A (Non-Technical Cadre).*—(a) Selected Candidates will be appointed

वर्ष की होगी। इस अवधि को आयुध कारखानों के महा निदेशक की अनुमति से सरकार द्वारा घटाया या बढ़ाया जा सकता है। सहायक प्रबन्धक (परिक्षा पर) सरकार द्वारा दिया जाने वाला प्रशिक्षण प्राप्त करेगा और उसे सरकार द्वारा निर्धारित विभागीय तथा भाषा परीक्षाएं उत्तीर्ण करनी होंगी। भाषा परीक्षाओं में एक परीक्षा हिंदी की होगी।

अधिकारी की परीक्षा की अवधि के समाप्त होने पर सरकार उसको उसकी नियुक्ति पर स्थायी करेगी, परन्तु यदि परीक्षा की अवधि में अथवा अन्त में उसका काम या आचरण, सरकार की राय में, असंतोषजनक रहा है तो सरकार या तो उस को कार्यमुक्त कर सकती है या उसकी परीक्षा की अवधि उतने समय के लिए और बढ़ा सकती है जितना वह उचित समझे, परन्तु शर्त यह है कि कार्यमुक्त करने के आदेश देने से पहले अधिकारी को सक्षम प्राधिकारी द्वारा उन बातों से अवगत कराया जाएगा जिनके आधार पर उसको कार्यमुक्त किया जाने वाला है और उसको उस पर लगाए गए दोषों के कारण बताने का अवसर दिया जाएगा।

(ख) भारतीय आयुध कारखाने में सहायक प्रबन्धक (परिक्षा पर) को र० 700-40-900-६० र०-40-1100-50-1300 के निर्धारित वेतनमान में वेतन मिलेगा। परीक्षा की अवधि के समय उनको विभाग की विभिन्न शाखाओं में और लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासन अकादमी मसूरी में प्रशिक्षण के आधारभूत पाठ्यक्रम का प्रशिक्षण लेना होगा।

(ग) (i) चुने गए उम्मीदवारों को आवश्यकता होने पर कम-से-कम चार वर्ष की अवधि के लिए सशस्त्र सेनाओं में कमीशन प्राप्त अधिकारियों के रूप में काम करना होगा। इस अवधि में प्रशिक्षण की अवधि भी, यदि हो तो, शामिल होगी, परन्तु शर्त यह है कि ऐसे अधिकारी के लिए (i) उसकी नियुक्ति की तारीख से 10 वर्ष के बाद कमीशन प्राप्त अधिकारी के रूप में सेवा करना आवश्यक नहीं होगा और (ii) चालीस वर्ष की आयु हो जाने के बाद आम-तौर से कमीशनप्राप्त अधिकारी के रूप में काम करना आवश्यक नहीं होगा।

(ii) तारीख 9-3-1957 के सा० नि० प्रा० सं० 92 के अधीन प्रकाशित, रक्षा सेना में असेनिक व्यक्ति (क्षेत्रीय सेवा शायिता) नियम, 1957 इन उम्मीदवारों पर भी लागू होंगे। उन नियमों में निर्धारित स्वास्थ्य-स्तर के अनुसार इनकी स्वास्थ्य परीक्षा की जाएगी।

(घ) स्वीकार्य वेतन की दरें निम्नलिखित हैं :—

सहायक प्रबन्धक/तकनीकी कनिष्ठ वेतनमान :—

स्टाफ अधिकारी . . . . . र० 700-40-900-६० र०-40-1100-50-1300

उप-प्रबन्धक/उप-सहायक . . . . . र० 1100— (छठे वर्ष या उससे कम) -50-1600

महानिदेशक, आयुध कारखाना }  
प्रबन्धक/वरिष्ठ उप-सहायक, महा-निदेशक, उप-महाप्रबन्धक/सहायक महानिदेशक आयुध कारखाना ग्रेड-II } र० 1500-60-1800-100-2000

सहायक महानिदेशक, आयुध-कार-खाना, ग्रेड-I . . . . . र० 2000-125/2-2250

महानिदेशक, आयुध कारखाना। (i) र० 2500-125/2-2750 पदों के 50 प्रतिशत के लिए।

(ii) र० 2250-125/2-2500 पदों के 50 प्रतिशत के लिए।

अपर महानिदेशक, आयुध कारखाना : र० 3000 (नियत)

महानिदेशक, आयुध कारखाना : र० 3500 (नियत)

(ङ) इस प्रकार मर्ल किए गए परीक्षाधीन को सेवा ग्रहण करने से पहले एक बार भरना होगा।

#### 14. भारतीय डाक सेवा

(क) चुने हुए उम्मीदवारों को इस विभाग में प्रशिक्षण लेना होगा जिसकी अवधि, आम-तौर पर, दो वर्ष से अधिक नहीं होगी। इस अवधि में उन्हें निर्धारित विभागीय परीक्षा पास करनी होगी।

(ख) यदि सरकार की राय में, किसी प्रशिक्षणाधीन अधिकारी का कार्य या आचरण संतोषजनक न हो या उसे देखते हुए उसके कार्य कुशल होने की संभावना न हो तो सरकार उसे तत्काल सेवा मुक्त कर सकती है।

(ग) परीक्षा-अवधि के समाप्त होने पर, सरकार अधिकारी को उसकी नियुक्ति पर स्थायी कर सकती है, या यदि सरकार की राय में उसका कार्य या आचरण संतोषजनक न रहा तो सरकार उसे या तो सेवा-मुक्त कर सकती है या उसकी परीक्षा अवधि को, जितना उचित समझे, बढ़ा सकती है, परन्तु अस्थायी रूप से खाली जगहों पर की गई नियुक्तियों के सम्बन्ध में, स्थायी करने का दावा नहीं किया जा सकेगा।

(घ) यदि सरकार ने सेवा में नियुक्तियां करने की अपनी शक्ति किसी अधिकारी को सौंप रखी हो तो वह अधिकारी ऊपर के खण्डों में उल्लिखित सरकार की कोई भी शक्ति का प्रयोग कर सकता है।

(i) कनिष्ठ समय वेतनमान :—

र० 700-40-900-६० र० -40-1100-50-1300

(ii) वरिष्ठ समय वेतनमान :—

र० 1100-50-1600

(iii) कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड :—

र० 1500-60-1800-100-2000

(iv) वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड (लेवल II)

र० 2250-125/2-2500

(v) वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड (लेवल I)

र० 2500-125/2-2750

(vi) सवस्य डाक तार बोर्ड—र० 3000

(ज) जो सरकारी कर्मचारी परीक्षा के आधार पर नियुक्ति से पूर्व मौलिक आधार पर आवधिक पद के प्रतिरिक्त किसी स्थायी पद पर नियुक्त था उसका वेतन मूल नियम 22-ख (1) की व्यवस्थाओं के अधीन विनियमित होगा।

(छ) परीक्षाधीन अधिकारियों को यह भली भाँति समझ लेना चाहिए कि उनकी नियुक्ति भारत सरकार द्वारा भारतीय डाक सेवा के गठन में किए जाने वाले किसी भी ऐसे परिवर्तन से प्रभावित हो सकेगी, जो कि समय-समय पर उचित समझे जाने के बाद, भारत सरकार द्वारा किया जाएगा, और वे इस प्रकार के परिवर्तनों के फलस्वरूप प्रतिकर का दावा नहीं कर सकेंगे।

(ज) चुने गए उम्मीदवारों को, सरकार के निदेशानुसार सैन्य डाक सेवा के अन्तर्गत भारत भ्रमण विदेश में कार्य करना होगा।

#### 15. भारतीय सिविल सेवा

(क) नियुक्तियां 2 वर्ष की अवधि के लिए परीक्षा के आधार पर की जाएंगी किन्तु यदि परीक्षाधीन अधिकारी ने स्थायीकरण के लिए निर्धारित विभागीय परीक्षा पास कर अर्हता प्राप्त नहीं की तो यह अवधि बढ़ाई जा सकती है। तीन वर्ष की अवधि में विभागीय परीक्षाओं में बार बार असफल रहने पर नियुक्ति समाप्त की जाएगी।

(ख) यदि सरकार की राय में किसी परीक्षाधीन अधिकारी का कार्य या आचरण संतोषजनक न हो या उसे देखते हुए उसके कार्य कुशल होने की संभावना न हो, तो सरकार उसे तत्काल सेवा-मुक्त कर सकती है।

(ग) परीक्षा अवधि समाप्त होने पर सरकार अधिकारी को उसकी नियुक्ति पर स्थायी कर सकती है या यदि सरकार की राय में उसका कार्य या आचरण संतोषजनक न रहा तो सरकार उसे या तो सेवामुक्त कर सकती है या उसकी परीक्षा-अवधि को जितना उचित समझे बढ़ा सकती है परन्तु अस्थायी रिक्रियों पर की गई नियुक्तियों के संबंध में स्थायीकरण का दावा नहीं किया जा सकेगा।

as Assistant Managers (Probationers). The period of probation will be two years which may be reduced or extended by the Government on the recommendation of the Director General Ordnance Factories. An Assistant Manager, (Probationers) will undergo such training as shall be provided by Government and may be required to pass such departmental and language tests as Government may prescribe. The language tests will include a test in Hindi.

On the conclusion of the period of probation, Government will confirm the officer in his appointment. If, however, during or at the end of the period of probation his work or conduct has, in the opinion of Government been unsatisfactory, Government may either discharge him or extend his period of probation for such period as Government may think fit, provided that before orders of discharge are passed the officer shall be appraised by competent authority of the grounds on which it is proposed to discharge him and be given an opportunity to show cause against it.

(b) The Assistant Managers (Probationers) in the Indian Ordnance Factories Service would draw pay in the prescribed scale of pay of Rs. 700—40—900—EB—40—1,100—50—1,300. During the period of probation, they will be required to undergo training in the various branches of the Department and in the Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration Mussoorie, in a foundational course of training.

(c) (i) Selected candidates shall, if so required, be liable to serve as Commissioned Officers in the Armed Forces for a period of not less than four years including the period spent on training, if any; provided that such person (i) shall not be required to serve as aforesaid after the expiry of ten years from the date of appointment and (ii) shall not ordinarily be required to serve as aforesaid after attaining the age of forty years.

(ii) The candidates shall also be subject to Civilians in Defence Services (Field Service Liability) Rules 1957 published under S.R.O. No. 92 dated 9th March 1957 as amended. They will be medically examined in accordance with the medical standards laid down therein.

(d) The following are the rates of pay admissible :—

Assistant Manager/ Technical Staff Officer . . . . .	Junior Scale : Rs. 700—40—900—E.B. 40—1,100—50—1,300.
Deputy Manager/Deputy Assistant Director General, Ordnance Factories . . . . .	Rs. 1100—(6th year or under)—50—1,600.
Manager/Senior Deputy Assistant Director General, Deputy General Manager/Assistant Director General, Ordnance Factories, Grade II . . . . .	Rs. 1,500—60—1,800— 100—2,000.
Assistant Director General Ordnance Factories Grade I . . . . .	Rs. 2,000—125/2—2,250.
Deputy Director General Ordnance Factories . . . . .	(i) Rs. 2,500—125/2— 2,750 for 50% of the posts  (ii) Rs. 2,250—125/2— 2,500 for 50% of posts.
Additional Director General, Ordnance Factories . . . . .	Rs. 3,000 (fixed).
Director General Ordnance Factories . . . . .	Rs. 3,500 (fixed).

(e) A probationer so recruited shall have to execute a bond before joining the service.

14. *Indian Postal Service*—(a) Selected candidates will be under training in this department for a period which will not ordinarily exceed two years. During this period they will be required to pass the prescribed departmental test.

(b) If in the opinion of Government the work or conduct of an officer under training is unsatisfactory or shows that he is unlikely to become efficient, Government may discharge him forthwith.

(c) On the conclusion of his period of training Government may confirm the officer in his appointment or if his work or conduct has in the opinion of Government been unsatisfactory Government may either discharge him from the service or may extend his period of training for such further period as Government may think fit provided that in respect of appointment to temporary vacancies there will be no claim to confirmation.

(d) If the power to make appointment in the Service is delegated by Government to any officer, that officer may exercise any of the powers of Government described in the above clauses.

(e) *Scales of Pay :—*

(i) Junior Time Scale—Rs. 700—40—900—EB—40—1100—50—1300.

(ii) Senior Time Scale—Rs. 1100—50—1600.

(iii) Junior Administrative Grade—Rs. 1500—60—1800—100—2000.

(iv) Senior Administrative Grade—Rs. 2250—125/2—2500.  
(Level II)

(v) Senior Administrative Grade—Rs. 2500—125/2—2500.  
(Level I)

(vi) Member P&T Board—Rs. 3000.

(f) The pay of a Government servant who held a permanent post other than a tenure post in a substantive capacity prior to his appointment as probationer will be regulated subject to the provisions of F.R. 22-B(I):

(g) It should be clearly understood by the officers on probation that their appointment would be subject to any change in the constitution of the Indian Postal Service which Government of India may think proper to make from time to time and that they would have no claim for compensation in consequence of any such changes.

(h) Selected candidates will be liable to serve in the Army Postal Service in India or abroad as required by Government.

#### 15. *Indian Civil Accounts Service*

(a) Appointments will be made on probation for a period of 2 years provided that this period may be extended if the officer on probation has not qualified for confirmation by passing the prescribed departmental examinations. Repeated failure to pass the departmental examinations within a period of three years will involve loss of appointment.

(b) If in the opinion of Government, the work or conduct of an officer on probation is unsatisfactory, or shows that he is unlikely to become efficient, Government may discharge him forthwith.

(c) On the conclusion of his period of probation Government may confirm the officer in his appointment or if his work or conduct has, in the opinion of Government, been unsatisfactory, Government may either discharge him from the service or may extend his period of probation for such further period as Government may think fit, provided that in respect of appointments to temporary vacancies there will be no claim to confirmation.

(घ) परीक्षाधीन अधिकारियों को यह स्पष्ट रूप से समझ लेना चाहिए कि नियुक्ति भारतीय सिविल सेवा के गठन में किए गए ऐसे परिवर्तनों के अधीन होगी जो समय-समय पर भारत सरकार द्वारा ठीक समझे जाएं और ऐसे परिवर्तनों के परिणामस्वरूप वे किसी प्रतिकर का दावा नहीं करेंगे।

(ङ) वेतनमान :—

कनिष्ठ वेतनमान :—रु० 700-40-900-५० रो०-40-1100-50-1300

वरिष्ठ वेतनमान :—रु० 1100 (छठे वर्ष या उससे कम)—50-1600

कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड :—रु० 1500-60-1800-100-2000

चयन ग्रेड :—रु० 2000-125/2-2250

वरिष्ठ चयन ग्रेड :—रु० 2250-125/2-2500

लेवल-II

वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड—रु० 2500-125/2-2750

लेवल-I

महा लेखानियंत्रक :—रु० 3000.

नोट 1:—परीक्षाधीन अधिकारियों की सेवा भारतीय सिविल सेवा के समय वेतनमान में कम से कम वेतन से प्रारम्भ होगी और वेतन-वृद्धि के प्रयोजनार्थ वह उनकी कार्यभार ग्रहण करने की तारीख से गिनी जाएगी।

नोट 2:—परीक्षाधीन अधिकारियों को रु० 700/- की स्टेज से ऊपर वेतन की अनुमति तब तक नहीं दी जाएगी जब तक वे समय-समय पर निर्धारित किए गए नियमों के अनुसार विभागीय परीक्षा पास नहीं कर लेते हैं।

नोट 3:—उन परीक्षाधीन व्यक्तियों को, जो लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासनिक अकादमी, मसूरी की "पाठ्यक्रमसंपूर्ति" परीक्षा पास नहीं करते, रु० 740/- तक की उनकी पहली वेतन वृद्धि की स्वीकृति भारत सरकार द्वारा जारी किए गए अनुदेशों के अनुसार स्वीकृत की जाएगी। अनुत्तीर्ण उम्मीदवारों को पुनः परीक्षा देनी होगी।

नोट 4:—जो सरकारी कर्मचारी परीक्षाधीन के रूप में नियुक्ति से पहले प्राथमिक पद के अतिरिक्त अन्य स्थायी पद पर मूल रूप से कार्य कर रहा हो उसका वेतन मूल नियम 22 (ख) (1) में दिए गए उपबन्धों के अनुसार विनियमित किया जाएगा।

#### 16. भारतीय रेल सेवा

(क) नियुक्ति परीक्षा पर की जाएगी, जिसकी अवधि 2 वर्ष की होगी। इस अवधि में किसी भी ओर से तीन महीने का नोटिस देकर सेवा समाप्त की जा सकेगी। यदि परीक्षाधीन अधिकारी निर्धारित विभागीय परीक्षाएं पास करके स्थायीकरण के लिए अर्हता प्राप्त नहीं करता है तो परीक्षा की अवधि बढ़ाई जा सकेगी।

सरकार ऐसे परीक्षाधीन अधिकारी की नियुक्ति खत्म कर सकती है जो अपनी नियुक्ति की तारीख से तीन वर्ष के भीतर सभी विभागीय परीक्षाएं पास नहीं कर लेता।

(ख) भारतीय रेल सेवा के परीक्षाधीन अधिकारियों को भी रेलवे स्टाफ कालेज, बड़ौदा में प्रशिक्षण लेना होगा और कालेज प्राधिकांरिकों द्वारा निर्धारित परीक्षा पास करनी होगी। इस कालेज में परीक्षा देनी अनिवार्य है और एक बार असफल होने पर दूसरा अवसर तभी मिल सकता है जब कि आपवादिक परिस्थितियाँ हों और अधिकारी का कार्य ऐसा हो कि उसे यह छूट दी जा सकती हो। हालाँकि, दो वर्षों का प्रशिक्षण संतोषजनक रूप से पूरा करने पर, उन्हें किसी कार्यकारी पद पर लगाया तो जा सकता है, परन्तु उन्हें तब तक स्थायी नहीं किया जा सकता जब तक कि वे रेलवे स्टाफ कालेज, बड़ौदा की परीक्षा और ऊँची तथा नीची विभागीय परीक्षाएं पास नहीं कर लेते।

(ग) परीक्षाधीन अधिकारियों को देवनागरी लिपि में हिन्दी की अनुमोदित स्तर की एक परीक्षा पहले ही या परीक्षा अवधि

में पास कर लेनी चाहिए। यह परीक्षा या तो गृह मंत्रालय की ओर से शिक्षा निदेशालय, दिल्ली द्वारा संचालित "प्रवीण" हिन्दी परीक्षा हो या केन्द्रीय सरकार द्वारा मान्यता-प्राप्त कोई समकक्ष परीक्षा हो। किसी भी परीक्षाधीन अधिकारी को तब तक स्थायी नहीं किया जा सकता या उसका वेतन 780 रु० नहीं किया जा सकता जब तक कि वह यह परीक्षा पास नहीं कर लेता। ऐसा न करने पर सेवा समाप्त की जा सकती है। इसमें कोई छूट नहीं दी जा सकती।

(घ) इन नियमों के अनुसार भर्ती किए गए भारतीय रेल सेवा के अधिकारी परीक्षाधीन अधिकारियों सहित (क) रेलवे पेंशन नियमावली द्वारा शासित होंगे और (ख) समय-समय पर संशोधित राज्य रेलवे भविष्य निधि (प्रणधान रहित) के नियमों के अन्तर्गत इस निधि में अभिदान करेंगे।

(ङ) इन नियमों के अधीन भर्ती किए गए अधिकारी समय-समय पर लागू होने वाले सुविधाजनक छुट्टी नियमों के अनुसार छुट्टी लेने के पात्र होंगे।

(च) यदि किसी ऐसे कारण से जो कि उसके वध के बाहर न हों, भारतीय रेल सेवा का कोई परीक्षाधीन अधिकारी परीक्षा या प्रशिक्षण में ही छोड़ना चाहे तो उसे अपने प्रशिक्षण का पूरा खर्च और परीक्षा अवधि में उसे दी गई सब रकमें वापस करनी होंगी।

(छ) यदि सरकार की राय में, किसी परीक्षाधीन अधिकारी का कार्य या आचरण संतोषजनक न हो या उसे देखते हुए उसके कार्यकुशल होने की संभावना न हो, तो सरकार उसे तत्काल सेवा मुक्त कर सकती है।

(ज) परीक्षा अवधि के समाप्त होने पर, सरकार अधिकारी को उसकी नियुक्ति पर स्थायी कर सकती है या यदि सरकार की राय में उसका कार्य या आचरण संतोषजनक न रहा तो सरकार उसे या तो सेवामुक्त कर सकती है या उसकी परीक्षा-अवधि को, जितना उचित समझे बढ़ा सकती है।

#### (1) वेतनमान

कनिष्ठ वेतनमान : रु० 700-40-900-५० रो०-40-1100-50-1300

वरिष्ठ वेतनमान रु० 1100 (छठे वर्ष या उससे कम)—50-1600

कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड : रु० 1500-60-1800-100-2000

वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड :

(i) रु० 2250-125/2-2500

(ii) रु० 2500-125/2-2750

(ख) यदि परीक्षाधीन अधिकारी अपनी दो वर्ष की परीक्षा अवधि में निर्धारित विभागीय परीक्षा पास नहीं कर सकेगा तो रु० 740 से रु० 780 तक की उसकी वेतन-वृद्धि रोक दी जाएगी। परीक्षा अवधि बढ़ा दी जाएगी और जब वह विभागीय परीक्षाएं पास कर लेगा और उसके बाद जब स्थायी कर दिया जाएगा तो अंतिम विभागीय परीक्षा समाप्त होने की तारीख के बाद अगले दिन से उसका वेतन समय-वेतन मान में उस स्टेज पर नियत कर दिया जाएगा जो उसे अन्यथा मिला होता पर उसे वेतन का बकाया नहीं मिलेगा। ऐसे मामलों में भावी वेतन-वृद्धि की तारीख पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

यदि कोई परीक्षाधीन अधिकारी लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासनिक अकादमी, मसूरी की पाठ्यक्रम संपूर्ति परीक्षा पास नहीं करता तो जिस तारीख को उसे पहली वेतन वृद्धि प्राप्त होती उस तारीख से एक वर्ष के लिए स्थगित कर दी जाएगी अथवा विभागीय नियमों के अन्तर्गत उसे जब दूसरी वेतन वृद्धि प्राप्त होने वाली हो और इन दोनों में से जो भी अवधि पहले पड़े तब तक स्थगित रहेगी।

नोट 1:—परीक्षाधीन अधिकारियों की सेवा कनिष्ठ वेतनमान में कम-से-कम वेतन से प्रारम्भ होगी और वेतन वृद्धि के प्रयोजन से, वह उनकी कार्यभार-ग्रहण की तारीख से गिनी जाएगी। परन्तु उन्हें निर्धारित विभागीय परीक्षा या परीक्षाएं पास करनी

(d) It should be clearly understood by the officers on probation that the appointment would be subject to any change in the constitution of the Indian Civil Accounts Service, which the Government of India may think proper to make from time to time and that they would have no claim for compensation in consequence of any such changes.

(c) Scales of Pay:—

Junior Scale—Rs. 700-40-900-EB-40-1100-50-1300.

Senior Scale—Rs. 1100 (6th year or under)-50-1600.

Junior Administrative Grade—Rs. 1500-60-1800-100-2000.

Selection Grade—Rs. 2000—125/2—2250.

Senior Administrative Grade—Rs. 2250-125/2-2500.

Level II

Senior Administrative Grade—Rs. 2500—125/2-2750.

Level I

Controller General of Accounts—Rs. 3000.

Note 1—Probationary Officers will start on the minimum of the time scale of ICAS and will count their service for increments from the date of joining.

Note 2—The officers on probation will not be allowed the pay above the stage of Rs. 700 unless they pass the departmental examination in accordance with the rules which will be prescribed from time to time.

Note 3—In the case of probationers who do not pass the "End of the Course" test at Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration, Mussoorie, the first increment raising their pay to Rs. 740 would be granted in accordance with such instructions as Government of India may issue. The failed candidates will not be required to take the test again.

Note 4—The pay of a Government servant who held a permanent post other than a tenure post, in a substantive capacity prior to his appointment as probationer will however, be regulated subject to the provision of F.R.22(B)(1).

16. *Indian Railway Accounts Service.*—(a) Appointments will be made on probation for a period of 2 years during which the service will be liable to termination on three months' notice on either side. The period of probation may be extended if the officer on probation has not qualified for confirmation by passing the prescribed departmental examinations.

Government may terminate the appointment of a Probationary Officer who fails to pass all the Departmental Examinations within three years of the date of appointment.

(b) Probationers of the Indian Railway Accounts Service will also be required to undergo training in two phases at the Railway Staff College, Baroda, and to pass the tests prescribed by the College authorities. The tests in the College are compulsory and a second chance in the event of failure will not be given except in exceptional circumstances and provided the record of the officer is such that such relaxation may be made. They may, however, be put on to a working post on satisfactory completion of two years' training but they may not be confirmed till they have passed the tests at the Railway Staff College, Baroda, and passed the higher and lower departmental examinations.

(c) Probationers should have already passed or should pass during the period of probation an examination in Hindi in the Devanagari script of an approved standard. This

Examination may be the 'Praveen' Hindi Examination conducted by the Directorate of Education, Delhi, on behalf of the Ministry of Home Affairs or one of the equivalent Examinations recognized by the Central Government.

No probationary officer can be confirmed or his pay in the time scale raised to Rs. 780 p.m. unless he fulfils this requirement; and failure to do so will involve liability to termination of service. No exemption can be granted.

(d) Officers (including probationers) of the Indian Railway Accounts Service recruited under these rules—

(a) will be governed by the Railway Pension Rules; and

(b) shall subscribe to the State Railway Provident Fund (non-contributory) under the rules of that Fund; as amended from time to time.

(c) Officers recruited under these rules shall be eligible for leave in accordance with the liberalised leave rules as in force from time to time.

(f) If for any reason not beyond his control, a probationer in the Indian Railway Accounts Service wishes to withdraw from training or probation, he will be liable to refund the whole cost of his training and any other moneys paid to him during the period of his probation.

(g) If, in the opinion of Government, the work or conduct of an officer on probation is unsatisfactory or shows that he is unlikely to become efficient, Government may discharge him forthwith.

(h) On the conclusion of his period of probation, Government may confirm the officer in his appointment or if his work or conduct has in the opinion of Government been unsatisfactory, Government may either discharge him from the service or may extend his period of probation for such further period as Government may think fit.

(i) Scales of Pay :—

(a) Junior Scale : Rs. 700—40—900—EB—40—1100—50—1300.

Senior Scale : Rs. 1100 (6th year or under)—50—1600.

Junior Administrative Grade : Rs. 1500—60—1800—100—2000.

Senior Administrative Grade :

(i) 2250—125/2—2500.

(ii) Rs. 2500—125/2—2750.

(b) Increment from Rs. 740 to Rs. 780 will be stopped if they fail to pass the prescribed Departmental Examination within the two years' probationary period. The probationary period will be extended and on their passing the prescribed Departmental tests and being subsequently confirmed their pay will, from the date following that on which the last departmental examination ends, be fixed at the stage in the time scale which they would have otherwise attained but no arrears of pay would be allowed to them. In such cases the date of future increments will not be affected.

In case, any of the probationers does not pass the 'end-of-the-course' test at Lal Bahadur Shastri National Academy or Administration, Mussoorie, his first increment will be postponed by one year from the date on which he would have drawn it or up to the date on which under the departmental regulations, the second increment accrues, whichever is earlier.

NOTE 1.—Probationary officers will start on the minimum of the Junior Scale and will count their service for increments from the date of joining. They will, however, be required to pass any departmental examination or examinations

होगी और उसके बाद ही उनका वेतन समय वेतनमान में  
₹ 740 प्रतिमास से ₹ 780 प्रतिमास किया जा सकेगा।

नोट 2:—परन्तु, जो सरकारी कर्मचारी परीक्षाधीन के रूप में नियुक्ति से पहले प्राथमिक पद के प्रतिरिक्त अन्य स्थायी पद पर मूल रूप से कार्य करता था, उसका वेतन नियम 2018 क (1) नियम 2 मू० नि० 22-ख (i) में दिए गए उपबन्धों के अनुसार विनियमित किया जाएगा।

#### 17. रक्षा भूमि और छावनी सेवा (ग्रुप क)

(क) (i) नियुक्ति के लिए चुना गया उम्मीदवार परीक्षा पर रखा जाएगा जिसकी अवधि आमतौर पर 2 वर्ष से अधिक नहीं होगी। इस अवधि में सरकार द्वारा निर्धारित प्रशिक्षण लेना होगा।

(ii) जो सरकारी कर्मचारी परीक्षाधीन के रूप में नियुक्ति से पहले प्राथमिक पद के प्रतिरिक्त अन्य स्थायी पद पर मूल रूप से कार्य करता था उसका वेतन मूल नियम 22 (ख) (i) में दिए गए उपबन्धों के अनुसार विनियमित किया जाएगा।

(ख) परीक्षा अवधि में उम्मीदवार को निर्धारित विभागीय परीक्षा पास करनी होगी।

(ग) (i) यदि सरकार की राय में परीक्षाधीन अधिकारी का कार्य या आचरण संतोषजनक न हो या उसे देखते हुए उसके कार्यकुशल होने की संभावना न हो तो सरकार उसे सेवा भुक्त कर सकती है, परन्तु सेवामुक्ति का आदेश देने से पहले, उसे सेवा मुक्ति के कारणों से अवगत कराया जाएगा और लिख कर "कारण बताने" का अवसर भी दिया जाएगा।

(ii) यदि परीक्षा अवधि की समाप्ति पर, अधिकारी ने ऊपर उप-पैरा (ख) में उल्लिखित विभागीय परीक्षा पास न की हो तो सरकार अपनी विवक्षा से या तो उसे सेवामुक्त कर सकती है या यदि मामले की परिस्थितियों को देखते हुए, उसकी परीक्षा अवधि बढ़ानी आवश्यक हो तो वह जितना उचित समझे, परीक्षा अवधि बढ़ा सकती है।

(iii) परीक्षा अवधि के समाप्त होने पर, सरकार अधिकारी को उसकी नियुक्ति पर स्थायी कर सकती है या यदि सरकार की राय में उसका कार्य या आचरण संतोषजनक न रहा हो तो सरकार उसे या तो सेवामुक्त कर सकती है या उसकी परीक्षा अवधि को, जितना उचित समझे, बढ़ा सकती है। परन्तु सेवा मुक्ति का आदेश देने से पहले, अधिकारी को सेवामुक्ति के कारणों से अवगत कराया जाएगा और लिख कर "कारण बताने" का अवसर भी दिया जाएगा।

(घ) इस सेवा के सदस्य को उसकी परीक्षा अवधि में वार्षिक वेतनवृद्धि देय हो जाने पर भी, जब तक नहीं मिलेगी, जब तक कि वह विभागीय परीक्षा पास नहीं कर लेगा। जो वृद्धि इस प्रकार नहीं मिली होगी, वह विभागीय परीक्षा पास करने की तारीख से मिल जाएगी।

(ङ) यदि कोई परीक्षाधीन अधिकारी जाल बहादुर वास्सी राष्ट्रीय प्रशासनिक अकादमी, मधुरी की पाठ्यक्रम संपूर्ण परीक्षा पास नहीं करता तो जिस तारीख को उसे पहली वेतन वृद्धि प्राप्त होती उस तारीख से एक वर्ष के लिए स्थगित कर दी जाएगी अथवा विभागीय नियमों के अन्तर्गत उसे जब दूसरी वेतन वृद्धि प्राप्त होने वाली हो और इन दोनों में से जो भी अवधि पहले पड़े तब तक स्थगित रहेगी।

(च) वेतनमान इस प्रकार है:—

प्रशासनिक पद

(i) कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड (I):—₹ 2500-125/2-2750

(ii) ₹ 2000-125/2-2500

(iii) कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड भूमि और छावनियाँ:—₹ 1500-60-1800-100-2000

ग्रुप 'क'

वरिष्ठ वेतनमान :

₹ 1100—(छठवाँ वर्ष अथवा इससे कम)—50-1600

कनिष्ठ वेतनमान :

₹ 700-40-900-₹ 40-40-1100-50-1300 ।

(छ) (i) ग्रुप क के वरिष्ठ वेतनमान के अधिकारियों सामान्यतया ग्रुप क की छावनियों में सहायक निदेशकों, उप-सहायक महानिदेशकों, सैन्य सम्बन्धी अधिकारियों तथा छावनी कार्यपालक अधिकारियों के क्लास I पवों पर नियुक्त किया जाएगा।

(ii) ग्रुप क कनिष्ठ वेतनमान के अधिकारियों को सामान्यतया ग्रुप क उन छावनियों में कार्यपालक अधिकारियों के क्लास I तथा क्लास II पवों पर नियुक्त किया जाएगा जिन पर छावनी अधिनियम, 1924 की धारा 13 की उपधारा (4) के खण्ड (क) का उपखण्ड (1) लागू होता है।

(ज) ग्रुप 'क' कनिष्ठ वेतनमान से ग्रुप 'क' वरिष्ठ वेतनमान को छोड़ कर सभी पदोन्नतियाँ, इस प्रयोजन के लिए सरकार द्वारा नियुक्त की गयी विभागीय पदोन्नति समिति की अनुशंसाओं के अनुसार, सरकार द्वारा चुन कर की जाएगी। बरीयता पर सभी विचार किया जायेगा जब कि दो या अधिक उम्मीदवारों के बावें गुणवत्ता की दृष्टि से बराबर होंगे।

(झ) इस सेवा का कोई भी सदस्य, सरकार से पहले मंजूरी लिये बिना कोई भी ऐसा काम नहीं लेगा जोकि उसके सरकारी काम से संबंधित न हो।

(ञ) यथा भूमि और छावनियों के अधिकारियों से भारत में कहीं भी सेवा ली जा सकती है, और उन्हें सेवा क्षेत्र पर भी भारत के किसी भाग में भेजा जा सकता है।

(ट) इस सेवा में नियुक्त किये गये उम्मीदवार को समय समय पर संशोधित सैन्य भूमि तथा छावनी सेवा क्लास I क्लास II नियमावली 1951 द्वारा शासित किया जाएगा।

#### 18. भारतीय रेल यातायात सेवा

(क) नियुक्ति के लिए चुने गए उम्मीदवारों को भारतीय रेल यातायात सेवा में परीक्षाधीन अधिकारियों के रूप में नियुक्त किया जाएगा उनकी परीक्षा अवधि 3 वर्ष होगी इस अवधि में उन्हें पैरा (ब) में उल्लिखित प्रशिक्षण लेना होगा और कम से कम एक वर्ष तक किसी कार्यकारी पद का काम करना होगा। यदि किसी मामले में संतोषजनक रूप से प्रशिक्षण पूरा न करने के कारण प्रशिक्षण की अवधि बढ़ाई जाएगी तो उसके अनुसार परीक्षा की कुल अवधि भी बढ़ जायेगी।

(ख) यदि किसी ऐसे कारण से जो कि उसके वक्त के बाहर न हो, भारतीय रेल यातायात सेवा का परीक्षाधीन अधिकारी परीक्षा पर प्रशिक्षण बीच में छोड़ना चाहे तो उसे अपने प्रशिक्षण का सारा खर्च और परीक्षा अवधि में उसे दी गई सब रकमें वापस करनी होंगी।

(ग) इस सेवा में नियुक्ति परीक्षा पर की जायेगी जिसकी अवधि तीन वर्ष होगी। इस अवधि में किसी भी और से तीन महीने का नोटिस दे कर सेवा समाप्त की जा सकेगी। परीक्षाधीन अधिकारियों को पहले दो वर्ष तक व्यावहारिक प्रशिक्षण लेना होगा। जो अधिकारी इस प्रशिक्षण को सफलता पूर्वक पूरा कर लेंगे और अन्यथा भी उपयुक्त समझे जायेंगे, उन्हें कार्यकारी पद का कार्यभार सौंप दिया जायेगा, यदि उन्होंने निर्धारित विभागीय और अन्य परीक्षाएं पास कर ली हों। ध्यान रहे कि ये परीक्षाएं नियमानुसार प्रथम प्रयास में ही पास कर ली जायें, क्योंकि अपवादात्मक परिस्थितियों को छोड़कर बाकी किसी भी हालत में दूसरा अवसर नहीं दिया जायेगा। किसी परीक्षा में असफल होने के परिणामस्वरूप परीक्षाधीन अधिकारी की सेवा समाप्त की जा सकती है और उसकी वेतनवृद्धि तो हर हालत में रुक ही जायेगी।

किसी कार्यकारी पद पर एक वर्ष तक कार्य करने के बाद परीक्षाधीन अधिकारियों को एक अन्तिम परीक्षा पास करनी होगी। यह परीक्षा व्यावहारिक और सैद्धांतिक दोनों प्रकार की होगी। जब परीक्षाधीन अधिकारी सब तरह से नियुक्ति के लिए उपयुक्त समझ लिये जाएंगे तो उन्हें स्थायी कर दिया जायेगा। जिन मामलों में किसी कारण से परीक्षा

that may be prescribed before their pay can be raised from Rs. 740 p.m. to Rs. 780 p.m. in the time scale.

NOTE 2.—The pay of a Government servant who held a permanent post, other than a tenure post in a substantive capacity prior to his appointment as probationer will, however be regulated subject to the provisions of Rule 2018A-(1) RII [F.R. 22-B(1)].

#### 17. The Defence Lands and Cantonments Service (Group A)

(a) (i) A candidate selected for appointment shall be required to be on probation for a period which shall not ordinarily exceed 2 years. During this period he shall be required to undergo such course of training as may be prescribed by Government.

(ii) The pay of a Government servant who held a permanent post, other than a tenure post in a substantive capacity prior to his appointment as probationer will, however, be regulated subject to the provisions of F.R. 22-B(1).

(b) During the period of probation a candidate will be required to pass the prescribed departmental examination.

(c) (i) If in the opinion of Government, the work or conduct of an Officer on probation is unsatisfactory or shows that he is unlikely to become efficient, Government may discharge him after apprising him of the grounds on which it is proposed to do so, and after giving him an opportunity to show cause in writing before such order is passed.

(ii) If at the conclusion of the period of probation an Officer has not passed the Departmental Examination mentioned in sub-para (b) above, Government may, in its discretion, either discharge him from service, or if the circumstances, of the case so warrant, extend the period of probation for such period as Government may consider fit.

(iii) On the conclusion of the period of probation Government may confirm an officer in his appointment, or if his work or conduct has in the opinion of Government been unsatisfactory, Government may either discharge him after apprising him of the grounds on which it is proposed to do so and after giving him an opportunity to show cause in writing before such order is passed or extend the period of probation for such further period as Government may consider fit.

(d) No annual increment which may become due will be admissible to a member of the Service during his probation unless he has passed the departmental examination. An increment which was not thus drawn will be allowed from the date of passing of the departmental examination.

(e) In case, any of the Probationers does not pass the 'end-of-the-course test' at Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration, Mussoorie, his first increment will be postponed by one year from the date on which he would have drawn it or upto the date on which under the departmental regulations, the second increment accrues, whichever is earlier.

(f) The scales of pay are as under :—

##### Senior Administrative Grades

(i) Rs. 2500—125/2—2750

(ii) Rs. 2000—125/2—2500.

Junior Administrative Grade Rs. 1500—60—1800—100—2000.

##### Group A

Senior Scale Rs. 1100 (6th year or under)—50—1600.

Junior Scale Rs. 700—40—900—EB—40—1100—50—1300.

9—51GI/78

(g) (i) Group A Senior Scale Officers will normally be appointed as Assistant Directors, Deputy Assistant Director General, Military Estates Officers and Cantonments Executive Officers of Class I Cantonments.

(ii) Group A Junior Scale Officers will normally be appointed as Executive Officers to Class I Cantonments and Class II Cantonments to which sub-clause (i) of Clause (c) of sub-section (4) of Section 13 of the Cantonments Act, 1924 is applicable.

(h) All promotions except from Group A Junior Scale to Group 'A' Senior Scale will be made by selection (seniority being considered only when the claims of two or more candidates are equal on merits) by Government on the recommendations of a Departmental Promotion Committee appointed in this behalf by the Government.

(i) No member of the Service shall undertake any work not connected with his official duties without the previous sanction of Government.

(j) The Defence Lands & Cantonments Service carries with it a definite liability for service in any part of India as well as for Field Service in India.

(k) A candidate appointed to the Service shall be governed by the Military Lands and Cantonments Service (Group A and Group B) Rules, 1951, as amended from time to time.

#### 18. Indian Railway Traffic Service.

(a) Candidates selected for appointment will be appointed as probationary officers in the Indian Railway Traffic Service for a period of three years during which they will undergo the training as indicated in para (m) and put in a minimum period of one year's probation in a working post. If the period of training has to be extended in any case due to the training having not been completed satisfactorily the total period of probation will be correspondingly extended.

(b) If for any reasons not beyond his control a probationer in the Indian Railway Traffic Service wishes to withdraw from training or probation, he will be liable to refund the whole cost of his training and any other moneys paid to him during the period of his probation.

(c) Appointments to the service will be on a probation for a period of three years during which the service of the officers will be liable to termination by three months notice on either side Probationary Officers will be required to undergo practical training for the first two years. Those who complete this training successfully and are otherwise considered suitable will be placed in charge of a working post provided they have passed the prescribed departmental and other examinations. It must be noted that these examinations should as a rule be passed at the first chance and that save under exceptional circumstances a second chance will not be allowed. Failure to pass any of the examinations may result in the termination of service and will, in any case, involve stoppage of increment.

At the end of one year in a working post the Probationary Officers will be required to pass final examination both practical and theoretical, and will, as a rule, be confirmed if they are considered fit for appointment in all respects. In cases where the probationary period is extended for any reason the drawal of the first and subsequent increments

की अवधि बढ़ाई गई हो उनमें विभागीय परीक्षा पास करने पर और स्थायी होने पर समय-समय पर लागू होने वाले नियमों और आदेशों के अनुसार पहली और बाव की वेतनवृद्धियां ली जा सकेंगी।

(घ) परीक्षाधीन अधिकारियों की देवनागरी लिपि में अनुमोदित स्तर की हिन्दी की एक परीक्षा पहले ही या परीक्षा अवधि में पास कर लेनी चाहिए। यह परीक्षा या तो गृह मंत्रालय की ओर से शिक्षा निदेशालय, दिल्ली द्वारा संचालित "प्रवीण" हिन्दी परीक्षा हो या केन्द्रीय सरकार द्वारा मायता प्राप्त कोई समकक्ष परीक्षा हो।

किसी भी परीक्षाधीन अधिकारी को तब तक स्थायी नहीं किया जा सकता, या उसका वेतन 780 रु० नहीं किया जा सकता जब तक कि वह यह परीक्षा पास नहीं कर लेता। ऐसा न करने पर सेवा समाप्त की जा सकती है। इस में कोई छूट नहीं दी जा सकती।

(ङ) इन नियमों के अनुसार भर्ती किये गये भारतीय रेल यातायात सेवा के अधिकारी (परीक्षाधीन सहित) भी :—

(क) रेल पेंशन नियमों द्वारा अधिशासित होंगे; और

(ख) समय-समय पर संशोधित राज्य रेल भविष्य निधि (अंशदान रहित) के नियमों के अन्तर्गत इस निधि में अंशदान भी कर सकेंगे।

(च) कार्यभार ग्रहण की तारीख से ही वेतन प्रारम्भ होगा। वेतन वृद्धि के प्रयोजनों से भी सेवा उसी तारीख से गिनी जाएगी।

(छ) इन नियमों के अधीन भर्ती किए गए अधिकारी समय समय पर लागू होने वाले छुट्टियों की उद्दारीकृत छुट्टी नियमावली के अनुसार छुट्टी लेने के पात्र होंगे।

(ज) अधिकारियों को आमतौर पर उनके पूरे सेवाकाल में उसी रेलवे में रखा जायेगा जिसमें वे सर्वप्रथम नियुक्त कर दिये जायेंगे और वे किसी अन्य रेलवे में स्थानान्तरित होने के लिये साधिकार दावा नहीं कर सकेंगे। परन्तु भारत सरकार को यह अधिकार है कि वह उन अधिकारियों को सेवा की आवश्यकताओं को ध्यान में रखते हुए भारत में या भारत से बाहर किसी परियोजना या रेलवे में स्थानान्तरित कर सकती है।

(झ) वेतनमान :—

कनिष्ठ वेतनमान :—रु० 700-40-900-द० रु०-40-1100-50-1300 ।

वरिष्ठ वेतनमान :—रु० 1100 (छठवां वर्ष अथवा इससे कम)—50-1600 ।

कनिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड :—रु० 1500-60-1800-100-2000 ।

वरिष्ठ प्रशासनिक ग्रेड :—(i) रु० 2250-125/2-2500,

(ii) रु० 2500-125/2-2750 ।

नोट 1 :—परीक्षाधीन अधिकारियों की सेवा कनिष्ठ वेतनमान में न्यूनतम वेतन से प्रारम्भ होगी और वेतनवृद्धि के प्रयोजन से वह उनकी कार्यभार ग्रहण की तारीख से गिनी जायगी। परन्तु उन्हें निर्धारित विभागीय परीक्षा या परीक्षाएं पास करनी होंगी और उसके बाद ही उनका वेतनमान रु० 740 प्रतिमास से रु० 780 प्रतिमास किया जा सकेगा।

यदि परीक्षाधीन अधिकारी अपनी परीक्षा और प्रशिक्षण की अवधि के पहले दो वर्षों में विभागीय परीक्षाएं पास नहीं कर सकेगा तो रु० 740 से रु० 780 तक की उसकी वेतनवृद्धि रोक दी जाएगी और परीक्षा अवधि बढ़ा दी जाएगी। जब वह विभागीय परीक्षाएं पास कर लेगा और उसके बाद जब स्थायी हो जाएगा तो अंतिम विभागीय परीक्षा समाप्त होने की तारीख के बाद अगले दिन से उसका वेतन समय वेतनमान में उस अवस्था पर नियत कर दिया जायेगा जो उसे अन्यथा मिला होता पर उसे वेतन का बकाया नहीं मिलेगा। ऐसे मामलों में भावी वेतन-वृद्धियों की तारीख पर कोई प्रभाव नहीं पड़ेगा।

यदि कोई परीक्षाधीन अधिकारी लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासनिक अकादमी, मसूरी की पाठ्यक्रम संपूर्ण परीक्षा पास नहीं करता तो जिस तारीख को उसे पहले वेतनवृद्धि प्राप्त होती उस तारीख से एक

वर्ष के लिये स्थगित कर दी जाएगी, अथवा विभागीय नियमों के अन्तर्गत भी जब दूसरी वेतनवृद्धि प्राप्त होने वाली हो और उन दोनों में से जो उसे अवधि पहले पड़े तब तक स्थगित रहेगी।

नोट 2 :—किन्तु जो सरकारी कर्मचारी परीक्षाधीन के रूप में नियुक्ति से पहले आवधिक पद के अतिरिक्त अन्य किसी स्थायी पद पर मूल रूप से कार्य करता था, उसका वेतन नियम 2018 क (i) नियम (ii) सू० नि० 22 ख (i) में दिए गए उपबन्ध के अनुसार विनियमित किया जायेगा।

(झ) वेतनवृद्धियां केवल अनुमोदित सेवा के लिए ही और विभाग के नियमों के अनुसार ही दी जाएंगी।

(ट) प्रशासनिक ग्रेडों में पदोन्नतियां स्वीकृत स्थापना में रिक्तियां होने पर ही की जायेंगी और पूर्ण रूप से चयन के आधार पर ही की जायेंगी। एक मास बरीयता के आधार पर ही पदोन्नति के लिए दावा नहीं किया जा सकता।

(ठ) भारतीय रेल यातायात सेवा के परीक्षाधीन अधिकारियों के शिक्षण का पाठ्यक्रम।

नोट 1 :—जिन उम्मीदवारों ने भारत में या और कहीं प्रशिक्षण या अनुभव पहले कभी प्राप्त कर रखा हो, उनके मामले में भारत सरकार को अपने निर्णय के अनुसार प्रशिक्षण अवधि घटाने का अधिकार है।

नोट 2 :—परीक्षाधीन अधिकारियों को भी रेलवे स्टाफ कालेज बड़ौदा में दो चरणों में प्रशिक्षण देना होगा। इस कालेज में परीक्षा देना अनिवार्य है और एक बार असफल होने पर दूसरा अवसर तभी मिल सकता है जब कि आपवादिक परिस्थितियां हों और अधिकारी का कार्य अभिलेख ऐसा हो कि उसे यह छूट दी जा सकती है। परीक्षा में असफल होने पर परीक्षाधीन अधिकारी की सेवा समाप्त की जा सकेगी उसके प्रशिक्षण और परीक्षा की अवधि आवश्यकतानुसार बढ़ा दी जायगी और उन्हें किसी भी हालत में तब तक स्थायी नहीं किया जाएगा जब तक कि वे परीक्षाओं पास नहीं कर लेंगे।

नोट 3 :—नीचे जो प्रशिक्षण का कार्यक्रम दिया गया है वह मुख्य रूप से मार्ग दर्शन के प्रयोजन से बनाया गया है। इसमें महा-प्रबन्धकों द्वारा अपनी विवक्षा के अनुसार स्थिति विशेष को ध्यान में रखते हुए परिवर्तन किये जा सकते हैं, परन्तु सामान्यतया प्रशिक्षण की कुल अवधि नहीं घटाई जानी चाहिए।

नोट 4 :—प्रशिक्षक के दौरान परीक्षाधीन अधिकारी को, गार्ड, गार्ड मास्टर, सहायक स्टेशन मास्टर, स्टेशन मास्टर, गार्ड फोरमैन, ट्रेन परीक्षक, सहायक लोको फोरमैन, सहायक नियंत्रक आदि की हैसियत से कार्य करना होगा जिसका विवरण नीचे दिया गया है। प्रशिक्षण की समाप्ति के बाद जब परीक्षाधीन अधिकारी को किसी कार्यकारी पद पर तैनात किया जाता है तो उसे अपना कार्य करने के लिए यात्रा करनी पड़ती है तथा यात्रा के दौरान रास्ते के स्टेशनों पर "पड़ाव" की कोई सुविधाएं उपलब्ध नहीं होती हैं। उसे बुधटना स्थलों की जांच के लिए किसी भी समय जाना पड़ता है तथा नियंत्रण कार्यालयों और स्टेशनों का निरीक्षण करना पड़ता है। इस सब के लिए बहुत परिश्रम अपेक्षित होता है तथा रात को भी काम करना पड़ता है।

(ड) (i) पाठ्यक्रम की अवधि— दो वर्ष

क्रम सं०	मद	अवधि (सप्ताह)
1	2	3
1.	लाल बहादुर शास्त्री राष्ट्रीय प्रशासनिक अकादमी मसूरी	17
2.	रेलवे स्टाफ कालिज, बड़ौदा (प्रथम चरण)	12
3.	क्षेत्रीय स्कूल, गार्ड के कर्तव्य सीखने के लिए (प्रथम चरण)	4
4.	गार्ड के रूप में कार्य करते हुए	3
5.	बुकिंग/पार्सेल आफिस गुड्स शेड तथा ट्रांशिपमेंट रोड	10
6.	यातायात लेखा तथा सेवामें का चल निरीक्षक	5

on their passing the departmental examinations, and on being confirmed will be subject to the rules and orders in force from time to time.

- (d) Probationers should have already passed or should pass during the period of probation an examination in Hindi in the Devanagari script of an approved standard. This examination may be the 'Praveen' Hindi Examination conducted by the Directorate of Education, Delhi on behalf of the Ministry of Home Affairs or one of the equivalent examination recognised by the Central Government.

No Probationary Officer can be confirmed or his pay in the time scale raised to Rs. 780 p.m. unless he fulfils the requirements; and failure to do so will involve liability to termination of service. No exemption can be granted.

- (e) Officers (including probationers) of the Indian Railway Traffic Service recruited under these rules :—

(a) will be governed by the Railway Pension Rules and

(b) shall subscribe to the State Railway Provident Fund (non-contributory) under the rules of that Fund;

as amended from time to time.

- (f) Pay will commence from the date of joining service. Service for increments will also count from that date.

- (g) Officers recruited under these rules shall be eligible for leave in accordance with the liberalised leave rules as in force from time to time.

- (h) Officer will ordinary be employed throughout their service on the railway to which they may be posted on first appointment and will have no claim as a matter of right to transfer to some other Railway. But the Government of India reserve the right to transfer such officers in the exigencies of service to any other railway or project in or out of India.

- (i) Scales of pay :—

Junior Scale : Rs. 700—40—900—EB—40—1100—50—1300.

Senior Scale : Rs. 1100 (6th year or under)—50—1600.

Junior Administrative Grade : Rs. 1500—60—1800—100—2000.

Senior Administrative Grade :

(i) Rs. 2250—125/2—2500.

(ii) Rs. 2500—125/2—2750.

NOTE 1.—Probationary officers will start on the minimum on the Junior Scale and will count their service for increments from the date of joining. They will, however, be required to pass any departmental examination or examination that may be prescribed before their pay can be raised from Rs. 740 p.m. to Rs. 780 p.m. in the time scale.

Increment from Rs. 740 to Rs. 780 will be stopped if they fail to pass the Departmental Examination within the first two years of the training and probationary period. The probationary period will be extended and on their passing the prescribed Departmental tests and being subsequently confirmed, their pay will from the date following that on which the last departmental examination ends be fixed at the stage in the time scale which they would have otherwise attained but no arrears of pay would be allowed to them. In such cases the date of future increments will not be affected.

In case any of the probationers does not pass the 'end-of-the-course-test' at Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration Mussoorie, his first increment will be postponed

by one year from the date on which he would have drawn it or up to the date on which under the departmental regulations, the second increment accrues, whichever is earlier.

NOTE 2.—The pay of a Government Servant who held a permanent post, other than a tenure post in a substantive capacity prior to his appointment as probationer, will, however be regulated subject to the provision of Rule 2018A (1) R.II[F.R.22-B(1)].

- (j) The increments will be given for approved service only and in accordance with rules of the Department.

- (k) Promotions to the administrative grades are dependent on the occurrence of vacancies in the sanctioned establishment and are made wholly by selection; mere seniority does not confer any claim for such promotion.

- (l) Course of training for probationers in the Indian Railway Traffic Service.

NOTE 1.—The Government of India reserve the right to reduce at their discretion the period of training in the case of candidates who have had previous training or experience either in India or elsewhere.

NOTE 2.—Probationers will also have to undergo training at the Railway Staff College, Baroda, in two phases. The test in the Staff College is compulsory and a second chance in the event of failure will not be given except in exceptional circumstances and provided the record of the Officer is such that such a relaxation may be made. Failure to pass the test may involve the termination of service and in any case the officers will not be confirmed till they pass the tests, their period of training and/or probation being extended as necessary.

NOTE 3.—The programme of training given below has been drawn up chiefly for the purpose of guidance it may be varied at the discretion of General Managers to suit particular cases provided that the total aggregate period of training is not ordinarily curtailed.

NOTE 4.—During the period of training, the probationer has to work as a Guard, Yard Master, Assistant Station Master, Station Master, Yard Foreman, Train Examiners, Assistant Loco Foreman, Assistant Controller etc. as detailed below. After completion of training when the probationer is posted against a working post, his duties involve travelling with no facilities for camping at way side stations. He has to visit sites of accidents at odd hours and inspect Control officers and stations. The work is arduous and will involve night duties.

- (m) (1) Length of course—Two years

S. No.	Item	Period (Weeks)
1	2	3
1.	Lal Bahadur Shastri National Academy of Administration Mussoorie . . . . .	17
2.	Railway Staff College, Baroda . . . . . (first Phase)	12
3.	Area School to learn Guard's duties . . . . . (Phase I)	4
4.	Working as Guard . . . . .	1
5.	Booking Parcel Office, Goods shed and Transhipment shed . . . . .	10
6.	Traffic Accounts and Travelling Inspector of Accounts . . . . .	5

1	2	3
7. क्षेत्रीय स्कूल में सहायक स्टेशन मास्टर के कर्तव्य सीखने के लिए (द्वितीय चरण)		4
8. यार्ड मास्टर सहायक स्टेशन मास्टर, स्टेशन मास्टर, यार्ड फोरमैन तथा ट्रेन परीक्षक के रूप में कार्य करते हुए		13
9. सहायक लोको फोरमैन के रूप में कार्य करते हुए		1
10. सहायक नियंत्रक		4
11. उप मुख्य नियंत्रक, विद्युत नियंत्रक		6
12. रेल स्टाफ कालिज, बड़ौदा (द्वितीय चरण)		6
13. पूर्वी रेलवे में प्रशिक्षण		
(क) आसनसोल डिवीजन		
(i) कोल पाइलट कार्य करते हुए 15 सप्ताह		2.5
(ii) अन्नाल और आसनसोल यार्ड कम्प्लेक्स का कार्य-इसमें दुर्गापुर हस्पताल कारखाना भी शामिल है		
(ख) धनबाद डिवीजन		
(i) कोयला मार्बलिंग की कार्यविधि इसमें पेह और करनपुरा जैसे यार्डों तथा पेह और दुर्गाद बाण-रीज तक के क्षेत्रों का दौरा करना होगा		2
(ii) क्षेत्रीय कोयला अधीक्षक के कार्यालय का कार्य		
(ग) मृगलसराय मार्शलिंग यार्ड—साथ ही मन्दुआदीह-देहरी और-सोन तक दौरे भी करने होंगे		1
14. दक्षिण पूर्वी रेलवे में प्रशिक्षण		
(i) चक्रधरपुर डिवीजन—बोडामुंडा यार्ड, राउरकेला हस्पताल कारखाना—इसके साथ-साथ कैपटिव माइन्स के दौरे		1.5
(ii) बिलासपुर डिवीजन—भिलाई मार्शलिंग यार्ड, भिलाई हस्पताल कारखाना तथा चोरी मीरी और महेंद्रगढ़ कोयला खानों के क्षेत्रों का दौरा		1.5
15. रेलवे जिनमें आवंटित किया गया—उसमें प्रशिक्षण		
(क) मुख्य कार्यालय (संचालन)	4.00	8.00
(ख) मुख्य कार्यालय (वाणिज्यिक)	4.00	
विभिन्न प्रकार के परीक्षण के लिये यात्रा समय तथा अत्यावश्यक छुट्टी के लिये रखी गई समयवधि		2.5
	कुल	104.0
		104 सप्ताह
		या 24 महीने

(2) यदि परीक्षाधीन अधिकारी अपने दो वर्ष के प्रशिक्षण के अन्त में परीक्षा पास कर लेगा तो उसे अगले एक वर्ष के लिये किसी कार्य-कारी पद का भार परीक्षा पर सौंप दिया जाएगा।

(3) परीक्षा आवश्यकतानुसार पाठ्यक्रम पूरा होने पर तथा प्रशिक्षण अवधि में निश्चित समय पर हो जायेगी।

नोट :—किसी परीक्षाधीन अधिकारी को, स्वतन्त्र रूप से गार्ड, सहायक स्टेशन मास्टर, स्टेशन मास्टर, यार्ड फोरमैन, सहायक लोकोमोटिव फोरमैन या सहायक नियंत्रक का काम सौंपने से पहले यह आवश्यक है कि प्रशासन के किसी जिम्मेदार अधिकारी द्वारा उक्त प्रत्येक पद के कार्य के संबंध में उसकी परीक्षा ली जाए और योग्य घोषित किया जाए।

19. केंद्रीय सचिवालय सेवा, अनुभाग अधिकारी ग्रेड ग्रुप ख

(क) केंद्रीय सचिवालय सेवा में इस समय निम्नलिखित ग्रेड है :—

ग्रेड	वेतनमान
चयन ग्रेड (उप सचिव या समकक्ष)	₹ 1500-60-1800-100-2000।
ग्रेड I (अवर सचिव)	₹ 1200-50-1600।
अनुभाग अधिकारी ग्रेड	₹ 650-30-740-35-810-₹ 100-35-880-40-1000-₹ 100-40-1200।
सहायक ग्रेड	₹ 425-15-500-₹ 100-15-560-20-700-₹ 100-25-800।

चयन ग्रेड और ग्रेड I का नियन्त्रण अखिल सचिवालय आधार पर गृह मंत्रालय (कामिक तथा प्रशासनिक गुधार विभाग) करता है और अनुभाग अधिकारी/सहायक ग्रेड, मंत्रालयों द्वारा नियंत्रित किए जाते हैं। केवल अनुभाग अधिकारी ग्रेड और सहायक ग्रेड में ही सीधी भर्ती की जाती है।

(ख) अनुभाग अधिकारी ग्रेड में सीधे भर्ती किए गए अधिकारियों को दो वर्ष तक परीक्षा पर रखा जाएगा। इस परीक्षा अवधि में उनको सरकार के द्वारा निर्धारित प्रशिक्षण लेना होगा और विभागीय परीक्षाएं पास करनी होंगी, यदि परीक्षाधीन अधिकारी प्रशिक्षण अवधि में पर्याप्त प्रगति न दिखा सके या परीक्षाएं पास न कर सके तो उन्हें सेवा मुक्त कर दिया जाएगा।

(ग) परीक्षा अवधि समाप्त होने पर सरकार अधिकारी को उसकी नियुक्ति पर स्थायी कर सकती है या यदि सरकार की राय में उसका कार्य या आवरण संतोषजनक न रहा हो तो सरकार उसे या तो सेवा मुक्त कर सकती है या उसकी परीक्षा अवधि को, जितना उचित समझे बढ़ा सकती है।

(घ) यदि सरकार ने सेवा में नियुक्त करने की अपनी शक्ति किसी अधिकारी को सौंप रखी हो तो वह अधिकारी उपर्युक्त खण्डों में वर्णित सरकार की किसी भी शक्ति का प्रयोग कर सकता है।

(ङ) अनुभाग अधिकारियों को सामान्यतया "अनुभागों" का अध्यक्ष बनाया जाएगा और ग्रेड I के अधिकारियों को, सामान्यतया शाखाओं का कार्यभार सौंपा जाएगा, जिनमें एक या अधिक अनुभाग होंगे।

(च) अनुभाग अधिकारी इस संबंध में समय-समय पर लागू होने वाले नियमों के अनुसार ग्रेड में पदोन्नति पाने के पात्र होंगे।

(छ) केंद्रीय सचिवालय सेवा के ग्रेड-I के अधिकारी, केंद्रीय सचिवालय में चयन ग्रेड की सेवा में और अन्य ऊंचे प्रशासनिक पदों पर नियुक्ति पाने के पात्र होंगे।

(ज) जहां तक केंद्रीय सचिवालय सेवा के अधिकारियों की छुट्टी, पेंशन और सेवा की अन्य शर्तों का संबंध है, वे अन्य ग्रुप 'क' और ग्रुप 'ख' के अधिकारियों के समान ही समझे जायेंगे।

20. भारतीय विदेश सेवा शाखा 'ख' सामान्य स्वरंग के समेकित ग्रेड II तथा III (अनुभाग अधिकारी ग्रेड)।

(क) भारतीय विदेश सेवा शाखा 'ख' (ग्रुप ख) के समेकित ग्रेड-II तथा III की स्थायी रिक्तियों की 16<sup>३</sup>/<sub>४</sub> प्रतिशत रिक्तियां संघ लोक सेवा आयोग के माध्यम से सीधी भर्ती द्वारा भरी जाती हैं। इस ग्रेड का वेतनमान ₹ 650-30-740-35-810-₹ 100-35-880-40-1000-₹ 100-40-1200 है।

(ख) अनुभाग अधिकारी ग्रेड में सीधे भर्ती किए गए अधिकारी 2 वर्ष के लिये परीक्षा पर होंगे और इस अवधि के दौरान उन्हें सरकार द्वारा निर्धारित प्रशिक्षण तथा विभागीय परीक्षाएं पास करनी होंगी। प्रशिक्षण के दौरान उन्हें पर्याप्त प्रगति न दिखाने अथवा निर्धारित परीक्षाएं पास न कर सकने पर परीक्षाधीन अधिकारी को सेवा-मुक्त कर दिया जाएगा।

1	2	3
7.	Area School to learn duties of Assistant Station Master (Phase II)	4
8.	Working as Yard Master, Assistant Station Master, Station Master, Yard Foreman and Train Examiner	13
9.	Working as Assistant and Loco Foreman	1
10.	Assistant Controller	4
11.	Deputy Chief Controller, Power Controller	6
12.	Railways Staff College, Baroda, Phase II	6
13.	<i>Training on the Eastern Railway</i>	
	(a) <i>Asansol Division</i>	
	(i) Coal Pilot Working 1.5 weeks	}
	(ii) Working of Andal & Asansol Yards Complex including Durgapur Steel Plant	
	(b) <i>Dhanbad Division</i>	}
	(i) Coal allotment procedure including field trip to yards such as PEH and Karanpura including washeries such as PEH & Dugda	
	(ii) Working of coal area Supdt's organisation	2
	(c) Mughalsarai Marshalling Yard including visit to Manduadih-Dehri-on-sona	1
14.	<i>Training on South Eastern Railway</i>	
	(i) Chakradharpur Division Bondamunda Yard, Rourkela Steel Plant, including visit to Captive Mines	1.5
	(ii) <i>Bilaspur Division</i>	}
	Bhillai Marshalling Yard, Bhillai Steel Plant and visit to Chirimiri and Mahendragarh colliery areas	
		1.5
15.	<i>Training in allotted Railways</i>	
	(a) Headquarters office (Opt.) 4.00	}
	(b) Headquarters office (Commercial) 4.00	
	Period set apart for journey time for taking up various items of training and inescapable leave	2.5
	Total	104 weeks or 24 months

(2) Provided he passes the examination at the end of his two years' training, a probationer will be given charge of a working post on probation for a further year.

(3) Examination will be held as may be required at the close of courses as well as at intervals during the period of training.

NOTE.—Before a probationer is put to work independently as a Guard, Assistant Station Master, Station Master, Yard Foreman Assistant Locomotive Forman or Assistant Controller he must be examined by a responsible officer of the administration in the respective duties for each of these posts and declared qualified.

#### 19. The Central Secretariat Service, Section Officers' Grade Group B

(a) The Central Secretariat Service has at present, the following grades :—

Grade	Scale of Pay
Selection Grade (Deputy Secretary or equivalent)	Rs. 1500—60—1800—100—2000.
Grade I (Under Secretary)	Rs. 1200—50—1600
Grade of Section Officer	Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1,000—EB—40—1,200
Grades of Assistant	Rs. 425—15—500—EB—15—560—20—700—EB—25—800.

Selection Grade and Grade I are controlled by the Ministry of Home Affairs (Department of Personnel and Administrative Reforms), on an all-Secretariat basis. Section Officer/ Assistants' Grade, however, are controlled by the Ministries.

Direct requirement is made to the Section Officers' Grade and to the Assistants' Grade only.

(b) Direct recruits to the Section Officers' Grade will be on probation for two years during which they will undergo such training and pass such departmental tests as may be prescribed by Government. Failure to show sufficient progress in the course of training or to pass the tests will result in the discharge of the probationers from service.

(c) On the conclusion of his period of probation Government may confirm the officer in his appointment or if his work or conduct has in the opinion of Government been unsatisfactory. Government may either discharge him from the Service or may extend his period of probation for such further period as Government may think fit.

(d) If the power to make appointments in the Service is delegated by Government to any officer, that officer may exercise any of the powers of Government described in the above clauses.

(e) Section Officers will normally be heads of Sections while officers of Grade I will normally be incharge of Branches consisting of one or more sections.

(f) Section Officers will be eligible for promotion to Grade I in accordance with the rules in force from time to time in this behalf.

(g) Officers of Grade I of the Central Secretariat Service will be eligible for appointment to the Selection Grade of the Service and to other higher administrative posts in the Central Secretariat.

(b) As regards leave, pension and other conditions of Service Officers of the Central Secretariat Service will be treated similarly to other Group A and Group B Officers.

#### 20. The Indian Foreign Service Branch 'B', Integrated Grade II and III of the General Cadre (Section Officers' Grades)

(a) 16-2/3% of the substantive vacancies in the Integrated Grade II & III of the Indian Foreign Service, Branch 'B' (Group B) are filled by direct recruitment through the U.P. S.C. The scale of pay attached to this grade is Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200.

(b) Direct recruits to the Section Officers' Grade will be on probation for two years during which period they will be required to undergo such training and pass such departmental tests as may be prescribed by Government. Failure to show sufficient progress in the course of training or to pass the prescribed tests may result in the discharge of probationers from service.

(ग) परीक्षा की अवधि समाप्त होने पर सरकार स्थायी पद उपलब्ध होने पर अधिकारी को उसके पद पर स्थायी कर सकती है अथवा उसका कार्य अथवा आचरण, सरकार की राय में, असंतोषप्रद होने पर उसे सेवा-मुक्त किया जा सकता है या उसकी अवधि को उतना और बढ़ाया जा सकता है जितना सरकार उचित समझेगी। परीक्षा की कुल अवधि 3 वर्ष से अधिक नहीं होगी।

(घ) उक्त सेवा में नियुक्तियों करने की शक्तियाँ सरकार द्वारा किसी अधिकारी को प्रत्यायोजित किए जाने पर वह अधिकारी उपरोक्त खण्ड में विहित सरकार की किसी भी शक्ति का प्रयोग कर सकता है।

(ङ) इस सेवा में नियुक्त किए गए अधिकारी सामान्यतः अनुभाग-ध्यक्ष होंगे। विदेश मंत्रालय/विदेश व्यापार मंत्रालय के मुख्यालय में नियुक्त होने पर उनका पदनाम अनुभाग अधिकारी तथा कहीं प्रशासनिक अधिकारी होगा। विदेश स्थित भारतीय मिशनों में सेवारत होने पर उनका पदनाम रजिस्ट्रार होगा। हालांकि स्थानीय प्रयोजनों के लिए उन्हें राजनयिक हैसियत का अटेची कहा जा सकता है।

(च) अनुभाग अधिकारी भारतीय विदेश सेवा 'ख' के सामान्य संवर्ग के ग्रेड-I में इस सम्बन्ध में समय-समय पर लागू नियमों के अनुसार रु० 1200-50-1600 के वेतनमान में पदोन्नति के पात्र होंगे।

(छ) इसी तरह भारतीय विदेश सेवा 'ख' के सामान्य संवर्ग के ग्रेड-II के अधिकारी, इस संबंध में समय-समय पर लागू नियमों के अनुसार भारतीय विदेश सेवा 'क' के वरिष्ठ वेतनमान में, रु० 1200 (छठवाँ वर्ष या कम)-50-1300-60-1600-२० रु०-60-1900-100-2000 के वेतनमान में नियुक्ति के पात्र होंगे।

(ज) भारतीय विदेश सेवा, शाखा-ख विदेश मंत्रालय तथा विदेश स्थित भारतीय मिशनों तक सीमित है और इस सेवा में नियुक्त अधिकारी विदेश व्यापार मंत्रालय के अलावा किसी अन्य मंत्रालय में सामान्यतः स्थानांतरित नहीं किए जाते। किन्तु उन्हें भारत में तथा बाहर कहीं भी सेवा में जाना पड़ सकता है।

(झ) विदेश में सेवा के दौरान, भारतीय विदेश सेवा-ख के अधिकारियों को उनके मूल वेतन के अतिरिक्त, समय-समय पर मंजूर की गई दरों पर विदेश भत्ता प्रदान किया जाता है जो संबंधित देश में निर्वाह खर्च पर निर्भर करता है। इसके अतिरिक्त, विदेश में सेवा के दौरान भारतीय विदेश सेवा (पी० एल० सी० ए०) नियमावली 1961, जिस रूप में वे भारतीय विदेश सेवा-ख के अधिकारियों पर लागू किए गए हैं, के अनुसार निम्नलिखित रियायतें भी दी जाती हैं:—

- (i) सरकार द्वारा निर्धारित वेतनमान के अनुसार निःशुल्क सज्जित आवास।
- (ii) सहायता प्रदत्त चिकित्सा परिचर्या योजना के अन्तर्गत चिकित्सा परिचर्या की सुविधाएँ।
- (iii) विशेष संकट काल में जैसे किसी निकटतम संबंधी की भारत में मृत्यु या गंभीर बीमारी की स्थिति में, जैसा कि सरकार द्वारा परिभाषित किया गया हो, अधिकारी के सेवा काल के दौरान अधिकतम दो बार विदेश में इपूटी स्थल से भारत और वहाँ से वापस इपूटी स्थल तक का वापसी हवाई भाड़ा।
- (iv) भारत में पढ़ रहे 8 और 21 वर्ष के बीच की आयु के बच्चों को छुट्टियों के दौरान अपने माता-पिता से मिलने के लिये कतिपय शर्तों के अधीन वार्षिक वापसी हवाई भाड़ा।
- (v) 5 और 18 वर्ष के बीच की आयु के अधिकतम दो बच्चों के लिये, सरकार द्वारा समय-समय पर विहित की गई दरों पर शिक्षा भत्ता।
- (vi) सरकार द्वारा समय-समय पर नियत की गई दरों तथा विहित नियमों के अनुसार विदेश सेवा के संबंध में आउटफिट भत्ता।

साधारण आउटफिट भत्ते के अतिरिक्त ऐसे देशों में पदस्थ अधिकारियों को विशेष आउटफिट भत्ता भी मिलता है जहाँ की जलवायु असामान्य रूप से शीतल होती है।

(vii) निर्धारित नियमों के अनुसार अधिकारियों और उनके परिवारों को घर जाने का छुट्टी भाड़ा।

(अ) इस सेवा के सदस्यों पर संशोधित छुट्टी नियम, 1933 समय-समय पर संशोधित रूप में लागू होते हैं। जिनमें कुछ संशोधन किया जा सकता है। विदेश सेवा के संबंध में पड़ोसी देशों को छोड़कर, अधिकारी परिशोधित छुट्टी नियम, के अन्तर्गत मिलने वाली छुट्टी के 50 प्रतिशत तक छुट्टी का एकीकरणल क्रेडिट पाने के हकदार हैं।

(ट) भारत में होने पर ये अधिकारी ऐसी रियायतें पाने के हकदार होंगे जो समकक्ष तथा समान स्तर के अन्य केंद्रीय सरकारी अधिकारियों को प्राप्त हैं।

(ठ) भारतीय विदेश सेवा (ख) के अधिकारी समय-समय पर यथा संशोधित सामान्य ऋषिध निधि (केन्द्रीय सेवाएं) नियमावली 1960 और उसके अधीन जारी किए गए आदेशों द्वारा शासित होंगे।

(ड) इस सेवा में नियुक्त अधिकारी उदासीकृत पेंशन नियमावली, 1950 समय-समय पर यथा संशोधित तथा उनके अधीन जारी किए गए आदेशों द्वारा शासित होंगे।

21. सशस्त्र सेना मुख्यालय सिविल सेवा, सहायक सिविलियन स्टाफ अधिकारी ग्रेड, ग्रुप ख—

(क) सशस्त्र सेना मुख्यालय सिविल सेवा में इस समय निम्नलिखित चार ग्रेड हैं:—

ग्रेड	वेतनमान
(1) जूनियर ग्रेड (ग्रुप क) से (संयुक्त निदेशक रु० 1500-60-1800 अथवा वरिष्ठ सिविलियन स्टाफ अधिकारी)।	
(2) सिविलियन स्टाफ अधिकारी (ग्रुप क)।	रु० 1100-50-1600
(3) सहायक सिविलियन स्टाफ अधिकारी ग्रुप ख—राजपत्रित।	रु० 650-30-740-45-810- रु० 10-35-880-40-1000- रु० 10-40-1200।
(4) सहायक ग्रुप 'ख'—अराजपत्रित।	रु० 425-15-500-२० रु०- 15-560-20-700-२० रु०- 25-800।

उपर्युक्त सेवा संवर्ग सशस्त्र सेना मुख्यालय तथा रक्षा मंत्रालय के अन्तर सेवा संगठनों के लिये कर्मचारियों की आवश्यकता की पूर्ति करती है।

सीधी भर्ती केवल सहायक सिविलियन स्टाफ अधिकारी ग्रेड तथा सहायक ग्रेड में ही की जाती है।

(ख) सीधी भर्ती वाले व्यक्ति सहायक सिविलियन स्टाफ अधिकारी ग्रेड में 2 वर्ष की अवधि के लिये परीक्षा पर रहेंगे। इस अवधि में उन्हें सरकार द्वारा निर्धारित कोई भी प्रशिक्षण प्राप्त करना होगा अथवा विभागीय परीक्षाएं पास करनी होंगी। प्रशिक्षण के दौरान पर्याप्त प्रगति न दिखाने अथवा परीक्षाओं में उत्तीर्ण न हो पाने के फलस्वरूप परीक्षाधीन व्यक्ति को सेवा-मुक्त कर दिया जाएगा।

(ग) परीक्षा की अवधि समाप्त होने पर सरकार चाहे तो संबंधित अधिकारी को उसकी नियुक्ति पर स्थायी कर दे अथवा यदि उसका कार्य या आचरण सरकार की राय में संतोषजनक न रहा हो तो

(c) On the conclusion of the period of probation, Government may confirm an officer in his appointment subject to availability of permanent post or if his work and conduct have, in the opinion of Government been unsatisfactory, may either discharge him from the service or may extend the period of his probation for such further period as Government may deem fit. The total period of probation will not exceed 3 years.

(d) If the power to make appointment in the Service is delegated by Government to any officer that officer may exercise any of the powers of Government prescribed in the above clause.

(e) Officers appointed to this service will normally be Heads of Sections. While employed at the Headquarters of the Ministry designated as Section Officers and sometimes Administrative Officers. While service in Indian Missions abroad, their designation will be Registrars, although for local purposes they may be called Attaches with diplomatic status.

(f) Section Officers will be eligible for promotion to Grade I of the General Cadre of the IFS (B) in the scale of Rs. 1,200—50—1,600 in accordance with the rules in force from time to time in this behalf.

(g) Officers of the Grade I of the General Cadre of the IFS (B) will in turn be eligible for appointment to posts in the senior scale of IFS(A) in the scale of pay of Rs. 1200 (6th year or under)—50—1,300—60—1,600—EB—60—1,900—100—2,000, in accordance with the rules in force from time to time in this behalf.

(h) The Indian Foreign Service Branch (B) is confined to the Ministry of External Affairs and Indian Missions abroad and the officers appointed to this service are not normally liable to transfer to other Ministry except the Ministry of Foreign Trade. They are however, liable to serve any where inside or outside India.

(i) During service abroad, IFS (B) officers are granted foreign allowance in addition to their basic pay at rates which may be sanctioned from time to time, depending upon the cost of living etc. of the countries concerned. In addition, the following concessions are also admissible during service abroad, in accordance with the IFS (PLCA) Rules, 1961, as made applicable to IFS (B) Officers :—

(i) Free furnished accommodation according to the scale prescribed by the Government.

(ii) Medical Attendance Facilities under the Assisted Medical Attendance Scheme.

(iii) Return air passage to India and back to the place of duty abroad up to maximum of two throughout an officer's service for special emergencies such as the death or serious illness of an immediate relation in India as may be defined by the Government.

(iv) Annual return air passage for children between the ages of 8 and 21 studying in India to visit their parents during vacation subject to certain conditions.

(v) An allowance for the education of children up to a maximum of two children between the ages of 5 and 18 at rates prescribed by Government from time to time.

(vi) Outfit allowance in connection with service abroad, in accordance with the prescribed rules and at rates fixed by Government from time to time. In addition

the ordinary outfit allowance, special outfit allowance is admissible to officers posted in countries when abnormally cold climatic conditions exist.

(vii) Home leave passage for officers and their families in accordance with the prescribed rules.

(j) The Revised Leave Rules, 1933 as amended from time to time will apply to members of the service subject to certain modifications. For service abroad, except in some neighbouring countries, officers are entitled to an additional credit of leave to the extent of 50 per cent of leave admissible under the Revised Leaves Rules.

(k) While in India officers are entitled to such concessions as are admissible to other Central Government servants of equal and similar status.

(l) Officers of the IFS (B) are governed by the General Provident Fund (Central Services) Rules, 1960 as amended from time to time and by orders issued thereunder.

(m) Officers appointed to this service are governed by the Liberalised Pension Rules, 1950, as amended from time to time and by orders issued thereunder.

#### 21. The Armed Forces Headquarters Civil Service, Assistant Civilian Staff Officers Grade Group B—

(a) Armed Forces Headquarters Civil Service has at present four grades as follows :—

Grade	Scale of Pay
(1) Selection Grade (Group A) (Joint Director or Senior Civilian Staff Officer)	Rs. 1500—60—1800.
(2) Civilian Staff Officer (Group A)	Rs. 1100—50—1600.
(3) Assistant Civilian Staff Officer (Group B Gazetted)	Rs. 650—30—740— 35—810—EB—35 880—40—1000— EB—40—1200.
(4) Assistants (Group B Non-Gazetted)	Rs. 425—15—500— EB—15—560—20— 700—EB—25—800.

The above Service caters for the Armed Forces Headquarters and Inter-Services Organisations of the Ministry of Defence.

Direct recruitment is made to the Assistant Civilian Staff Officers' Grade and to the Assistant Grade only.

(b) Direct recruits to the Assistant Civilian Staff officers Grade will be on probation for 2 years during which they will undergo such training and pass such departmental tests as may be prescribed by Government. Failure to show sufficient progress in the course of training or to pass the tests will result in the discharge of the probationers from service.

(c) On the conclusion of his period of probation, Government may confirm the officer in his appointment or if his work or conduct has in the opinion of Government been unsatisfactory, Government may either discharge him from

उसे सेवा मुक्त कर दे या परीक्षा की अवधि उतने काल तक के लिये बढ़ा दे जितना सरकार उचित समझे।

(घ) यदि सेवा में नियुक्तियां करने की शक्तियां सरकार द्वारा किसी अधिकारी की प्रत्यक्षीकृत की जाएं तो वह अधिकारी उपर्युक्त खंडों में वर्णित सरकार की शक्तियों में से किसी का भी प्रयोग कर सकता है।

(ङ) सशस्त्र सेना मुख्यालय तथा रक्षा मंत्रालय अन्तःसेवा संगठनों में सहायक सिविलियन स्टाफ अधिकारी सामान्यतः अनुभागों के प्रमुख होंगे जबकि सिविलियन स्टाफ अधिकारी एक या अधिक अनुभागों के कार्यप्रभारी होंगे।

(च) सहायक सिविलियन स्टाफ अधिकारी समय-समय पर तत्संबंधी लागू नियमों के अनुसार सिविलियन स्टाफ अधिकारी ग्रेड में पदोन्नति के पात्र होंगे।

(छ) सशस्त्र सेना मुख्यालय सिविल सेवा के सिविलियन स्टाफ अधिकारी समय-समय पर तत्सम्बन्धी लागू नियमों के अनुसार उक्त सेवा के चयन ग्रेड में तथा अन्य प्रशासनिक पदों पर नियुक्ति के पात्र होंगे।

(ज) जहां तक सशस्त्र सेना मुख्यालय सिविल सेवा के अधिकारियों की छुट्टी, पेंशन तथा सेवा की अन्य शर्तों का सम्बन्ध है, वे समय-समय पर रक्षा सेवाओं, के अन्तर्गत से वेतन पाने वाले अधिकारियों के लिये लागू नियमों, विनियमों तथा आदेशों द्वारा शासित होंगे।

## 22. सीमा-शुल्क मूल्य निरूपक सेवा—ग्रुप ख

(क) मूल्य निरूपक ग्रेड में रु० 650-30-740-35-810-६० रु०-35-880-40-1000-६० रु०-40-1200 के वेतनमान में भत्ते की जाती है। नियुक्तियां दो वर्ष के लिये परीक्षा के आधार पर की जाती है तथा परीक्षा की अवधि सक्षम प्राधिकारी, यदि चाहे तो बढ़ा भी सकता है। परीक्षा अवधि में उम्मीदवारों को केंद्रीय उत्पादन-शुल्क तथा सीमा-शुल्क बोर्ड द्वारा निर्धारित प्रशिक्षण लेना होगा तथा विभागीय परीक्षाएं पास करनी होंगी उन्हें रु० 680 के ऊपर का वेतन सब तक नहीं लेने दिया जायगा। जब तक वे निर्धारित विभागीय परीक्षा पूर्ण रूप से पास नहीं कर लेते।

(ख) यदि परीक्षा की मूल अवधि परीक्षा अवधि की समाप्ति पर नियुक्ता प्राधिकारी यह समझता है कि चयन किया गया उम्मीदवार स्थायी नियुक्ति के योग्य नहीं है अथवा परीक्षा की उक्त मूल अवधि परीक्षा अवधि के दौरान, प्राधिकारी, इस बात से संतुष्ट हो जाता है कि उम्मीदवार परीक्षा की अवधि की समाप्ति पर स्थायी नियुक्ति के योग्य नहीं होगा तो वह उसे सेवा-मुक्त कर सकता है, अथवा जो उचित समझे, यह आदेश दे सकता है।

(ग) परीक्षा की अवधि को सफलतापूर्वक पूरा करने पर तथा विभागीय परीक्षाएं पास करने के बाद अधिकारियों को संबद्ध ग्रेड में स्थायी करने पर विचार किया जायेगा।

(घ) लागू नियमों के अनुसार, मूल्य निरूपक, भारतीय सीमा शुल्क और केंद्रीय उत्पादन सेवा ग्रुप 'क' (रु० 700-1300) में सहायक क्लर्क के अगले उच्च ग्रेड में पदोन्नति के लिये पात्र होंगे।

(ङ) अवकाश, पेंशन आदि के मामले में इन अधिकारियों पर केंद्रीय सरकार के अन्य ग्रुप 'ख' अधिकारियों पर लागू होने वाले नियम ही लागू होंगे। जहां तक उनकी सेवा की अन्य शर्तों का प्रश्न है, उन पर सीमा-शुल्क मूल्य निरूपक सेवा ग्रुप 'ख' की भर्ती नियमावली की व्यवस्थाएं लागू होंगी। इन नियमों में यह विशेष रूप से निश्चित है कि इस सेवा के अधिकारियों को "केंद्रीय उत्पादन शुल्क तथा सीमा-शुल्क बोर्ड" के अधीन किसी भी समकक्ष या उच्च पद पर भारत में कहीं भी तैनात किया जा सकता है।

## 23. दिल्ली और अंशमान तथा निकोबार द्वीपसमूह सिविल सेवा ग्रुप 'ब'

(क) नियुक्ति परीक्षा पर की जायेगी, जिसकी अवधि दो वर्ष की होगी और उसे सक्षम प्राधिकारी की विवेका से बढ़ाया जा सकेगा। परीक्षा पर नियुक्त उम्मीदवार को केंद्रीय सरकार द्वारा निर्धारित प्रशिक्षण लेना होगा और विभागीय परीक्षाएं पास करनी होंगी।

(ख) यदि सरकार की राय में किसी परीक्षाधीन अधिकारी का कार्य या आचरण संतोषजनक न हो या उसको देखते हुए उसके कार्य कुशल होने की संभावना न हो, तो सरकार उसे तत्काल सेवा-मुक्त कर सकती है।

(ग) जब यह घोषित कर दिया जायगा कि भ्रूक अधिकारी ने संतोषजनक रूप से अपनी परीक्षा अवधि पूरी कर ली है तो उसे सेवा में स्थायी किया जा सकता है। यदि सरकार की राय में उसका कार्य या आचरण संतोषजनक न रहा तो सरकार उसे या तो सेवा मुक्त कर सकती है या उसकी परीक्षा अवधि को, जितना उचित समझे, बढ़ा सकती है।

## (घ) वेतनमान :-

ग्रेड-I (चयन ग्रेड) रु० 1200-50-1600।

ग्रेड II (समय वेतनमान) रु० 650-30-740-35-810-६० रु०-35-880-40-1000-६० रु०-40-1200।

किसी प्रतियोगिता परीक्षा के परिणामों के आधार पर भर्ती किए जाने वाले व्यक्ति को सेवा में नियुक्ति पर समय वेतनमान का न्यूनतम वेतन प्राप्त होगा बशर्ते कि यदि वह सेवा में नियुक्ति से पहले मूल रूप से आधिकारिक पद के अतिरिक्त स्थायी पद पर कार्य करता था, सेवा में परीक्षा की अवधि में उसका वेतन मूल नियम 22-ख(1) के उपबन्धों के अधीन विनियमित किया जाएगा। सेवा में नियुक्ति किए गए अन्य व्यक्तियों के लिये वेतन और वेतन वृद्धियां मूल नियमों के अनुसार विनियमित होंगी।

(ङ) सेवा के अधिकारियों को परिशोधित केंद्रीय वेतनमान प्राप्त करने वाले कर्मचारियों पर लागू केंद्रीय सरकार की दरों पर मंहगाई भत्ता प्राप्त करने का हक होगा।

(च) मंहगाई भत्ते के अतिरिक्त इस सेवा के अधिकारियों को, प्रति-कर (नगर) भत्ता, मकान किराया भत्ता और पहाड़ी स्थानों तथा सुदूर स्थानों में रहने-सहन के बड़े हुए खर्च को पूरा करने के लिये अन्य भत्ते दिए जायेंगे, यदि उन्हें इयुटी पर या प्रशिक्षण के लिए ऐसे स्थानों पर भेजा जाएगा और जिन स्थानों के लिये वे भत्ते देय होंगे।

(छ) इस सेवा के अधिकारियों पर दिल्ली और अंशमान तथा निकोबार द्वीप समूह सिविल सेवा नियमावली, 1971 और इस नियमावली को लागू करने के प्रयोजन से केंद्रीय सरकार द्वारा दिए जाने वाले अनुदेश अथवा बनाए जाने वाले अन्य विनियम लागू होंगे। जो मामले विशिष्ट रूप से पूर्वोक्त नियमों या विनियमों अथवा उनके अन्तर्गत जारी किए गए आदेशों या विशेष आदेशों के अन्तर्गत नहीं आते उनमें ये अधिकारी उन नियमों, विनियमों और आदेशों द्वारा शासित होंगे जो संघ के कार्यों से संबंधित सेवा करने वाले तत्काल अधिकारियों पर लागू होते हैं।

## 24. गोआ, दमन तथा दियू सिविल सेवा—ग्रुप 'ख'

(क) नियुक्तियां दो वर्ष की परीक्षा अवधि के आधार पर की जायेंगी तथा परीक्षा की अवधि सक्षम प्राधिकारी चाहे तो बढ़ा भी सकेगा। परीक्षा के आधार पर नियुक्त उम्मीदवारों को गोआ, दमन और दियू संघ राज्य प्रशासक द्वारा निर्धारित प्रशिक्षण प्राप्त करना होगा तथा विभागीय परीक्षाएं पास करनी होंगी।

(ख) यदि प्रशासक की राय में किसी परीक्षाधीन अधिकारी का काम या आचरण संतोषजनक नहीं है अथवा यह प्रकट होता है कि अधिकारी के सुयोग्य सिद्ध होने की संभावना नहीं है, तो प्रशासक उसे तत्काल सेवा-मुक्त कर सकता है।

(ग) जिस अधिकारी के लिये यह घोषित हो जाएगा कि उसने परीक्षा की अवधि संतोषजनक रूप से पूर्ण कर ली है उसे सेवा में

the service or may extend his period of probation for such further periods as Government may think fit.

(d) If the power to make appointment in the Service is delegated by Government to any officer, that officer may exercise any of the powers of Government described in the above clauses.

(e) In the Armed Forces Headquarters and Inter-Service Organisations of the Ministry of Defence, Assistant Civilian Staff Officers will normally be heads of Section while Civilian Staff Officers will normally be incharge of one or more Sections.

(f) Assistant Civilian Staff Officers will be eligible for promotion to the Grade of Civilian Staff Officer in accordance with the rules in force from time to time in this behalf.

(g) Civilian Staff Officers of the Armed Forces Headquarters Civil Service will be eligible for appointment to the Selection Grade of the Service and to other administrative posts in accordance with the rules in force from time to time in this behalf.

(h) As regards leave, pension and other conditions of service officers of the Armed Forces Headquarters Civil Service will be governed by the rules, regulations and orders in force from time to time, in respect of civilians paid from the Defence Services Estimates.

## 22. Customs Appraisers Service, Group B

(a) Recruitment is made in the grade of Appraiser in the scale of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1,000—EB—40—1,200. Appointments are made on probation for a period of two years which may be extended at the discretion of the Competent Authority. During the period of probation, the candidates will be required to undergo such training and pass such departmental tests as the Central Board of Excise and Customs may prescribe. They will not be allowed to draw pay above the stage of Rs. 680 unless they pass the prescribed departmental Examination in full.

(b) If on the expiration of the period of probation or any extension thereof the appointing authority is of the opinion that the selected candidate is not fit for permanent employment or if at any time during such period of probation or extension thereof he is satisfied that the candidate will not be fit for permanent appointment on the expiration of such period of probation he may discharge him from the service or pass such orders as he thinks fit.

(c) On the successful completion of the period of probation and after passing of the departmental examination the officers will be considered for confirmation in the grade.

(d) Appraisers will be eligible for promotion to the next higher grade of Assistant Collector in the Indian Customs and Central Excise Service Group A (Rs. 700—1,300) in accordance with the rules in force.

(e) Regarding leave and pension the officers will be treated like other Group B officers in Central Government departments. As regards other terms and conditions of their service they will be governed by the provisions in the Recruitment Rules for the Customs Appraisers' Service Group B. These rules particularly provide that the members of the Service will be liable to posting in any equivalent or higher posts under the Central Board of Excise and Customs anywhere in India.

## 23. Delhi and Andaman & Nicobar Island Civil Service Group B—

(a) Appointments will be made on probation for a period of two years which may be extended at the discretion of the competent authority. Candidates appointed on probation will be required to undergo such training and pass such departmental tests as the Central Government may prescribe.

(b) If in the opinion of the Government the work or conduct of an officer on probation is unsatisfactory or shows that he is unlikely to become efficient the Government may discharge him forthwith.

(c) The officer who has been declared to have satisfactorily completed his period of probation may be confirmed in the Service. If his work or conduct has in the opinion of the Government been unsatisfactory, Government may either discharge him from the Service or may extend his period of probation for such further period as the Government may think fit.

### (d) Scales of Pay—

Grade I (Selection Grade)—Rs. 1200—50—1600.

Grade II—Time Scale Rs.—650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200.

A person recruited on the results of competitive examination shall on appointment to the Service, draw pay at the minimum of the time-scale, provided that if he held a permanent post other than a tenure post in a substantive capacity prior to his appointment to the Service, his pay during the period of his probation in the Service shall be regulated under the provisions of Fundamental Rule 22-B(I). The pay and increment in the case of other persons appointed to the Service shall be regulated in accordance with the Fundamental Rules.

(e) Officers of the Service are entitled to get dearness allowance at the Central Government rates applicable to employees drawing pay in the revised Central scales of pay.

(f) In addition to dearness allowance officers of the Service are entitled to draw compensatory (city) allowance house rent allowance and allowances to compensate for higher cost of living in hill station expensiveness incidental in remote localities etc. if they are posted at places either for training or on duty where such allowances are admissible.

(g) Officers of the Service are governed by the Delhi and Andaman & Nicobar Islands Civil Service Rules, 1971 and such other regulations as may be made or instructions issued by the Central Government for the purpose of giving effect to those Rules. In regard to matters not specifically covered by the aforesaid Rules or by regulations or orders issued thereunder or by special orders they are governed by the rules, regulations and orders applicable to corresponding officers serving in connection with the affairs of the Union.

## 24. Goa, Daman and Diu Civil Service Group B—

(a) Appointments will be made on probation for a period of two years which may be extended at the discretion of the competent authority. Candidates appointed on probation will be required to undergo such training and pass such departmental tests as the administrator of the Union Territory of Goa, Daman and Diu may prescribe.

(b) If in the opinion of the administrator the work or conduct of an officer on probation is unsatisfactory or shows that he is unlikely to become efficient, the administrator may discharge him forthwith.

(c) The officer who has been declared to have satisfactorily completed his period of probation may be confirmed in the Service. If his work or conduct has in the opinion of the administrator been unsatisfactory, he may either discharge him from the Service or may extend his period of probation for such further period as the administrator may think fit.

स्थायी किया जा सकता है। यदि प्रशासक की राय में उसका कार्य या आभरण संतोषजनक नहीं रहा है तो वह उसे सेवा मुक्त कर सकता है अथवा परीक्षा की अवधि, जितनी ठीक समझे, बढ़ा सकता है।

(घ) इस सेवा के अधिकारी को गोष्ठा, दमन तथा वियु संघ राज्य क्षेत्र में किसी भी स्थान पर कार्य करना होगा।

(ङ) वेतनमान :

ग्रेड-I (चयन ग्रेड)—र० 1100-50-1600।

ग्रेड-II (समय वेतनमान)—र० 650-30-740-35-810-र० 35-880-40-1000-र० 40-1200।

किसी प्रतियोगिता परीक्षा के परिणामों के आधार पर भर्ती किए गए व्यक्ति को सेवा में नियुक्ति पर समय वेतन मान का न्यूनतम वेतन प्राप्त होगा।

किन्तु यदि वह सेवा में नियुक्ति से पहले मूल रूप से आधिकारिक पद के अतिरिक्त स्थायी पद पर कार्य करता था, सेवा में परीक्षा की अवधि में उसका वेतन मूल नियम 22-ख (1) के उपबन्ध के अधीन विनियमित किया जाएगा। सेवा में नियुक्त किए गए अन्य व्यक्तियों के लिए वेतन और वेतन-बुद्धि मूल नियमों के अनुसार विनियमित होंगे।

इस सेवा के अधिकारी भारतीय प्रशासनिक सेवा (पदोन्नति द्वारा नियुक्ति) विनियमावली 1955 के अनुसार भारतीय प्रशासन सेवा के वरिष्ठ वेतनमान के पदों पर पदोन्नति के पात्र होंगे।

(च) इस सेवा के अधिकारी गोष्ठा, दमन तथा वियु सिविल सेवा नियमावली, 1967, तथा इन नियमों को कार्यान्वित करने के लिये प्रशासक द्वारा बनाए गए अन्य विनियमों द्वारा शासित होंगे।

#### 25. पांडिचेरी सिविल सेवा—ग्रुप 'ख'

(क) नियुक्तियाँ दो वर्ष की परीक्षा अवधि के आधार पर की जाएंगी तथा परीक्षा की अवधि सत्रम प्राधिकारी चाहे तो बढ़ा भी सकेगा। परीक्षा के आधार पर नियुक्त उम्मीदवारों को पांडिचेरी संघ राज्य क्षेत्र के प्रशासक द्वारा निर्धारित प्रशिक्षण प्राप्त करना होगा तथा विभागीय परीक्षाएं पास करनी होंगी।

(ख) यदि प्रशासक की राय में किसी परीक्षाधीन अधिकारी का काम या आभरण संतोषजनक नहीं है अथवा यह प्रकट होता है कि अधिकारी के सुयोग्य सिद्ध होने की सम्भावना नहीं है, तो प्रशासक उसे तत्काल सेवा-मुक्त कर सकता है।

(ग) जिस अधिकारी के लिये यह घोषित हो जाएगा कि उसने परीक्षा की अवधि संतोषजनक ढंग से पूर्ण कर ली है उसे सेवा में स्थायी किया जा सकता है। यदि प्रशासक की राय में उसका कार्य या आभरण संतोषजनक नहीं रहा है तो वह उसे सेवा मुक्त कर सकता है अथवा परीक्षा की अवधि जितनी ठीक समझे बढ़ा सकता है।

(घ) इस सेवा के अधिकारी को पांडिचेरी संघ राज्य क्षेत्र में किसी भी स्थान पर कार्य करना होगा।

(ङ) वेतनमान :

ग्रेड-I (चयन ग्रेड)—र० 1100-50-1600।

ग्रेड-II (समय वेतनमान)—र० 650-30-740-35-810-र० 35-880-40-1000-र० 40-1200।

किसी प्रतियोगिता परीक्षा के परिणामों के आधार पर भर्ती किए गए व्यक्ति को सेवा में नियुक्ति पर केवल वेतन का एन्ट्री ग्रेड वेतनमान प्राप्त होगा किन्तु यदि वह सेवा नियुक्ति से पहले मूल रूप से आधिकारिक पद के अतिरिक्त स्थायी पद पर कार्य करता था, सेवा में परीक्षा की अवधि में उसका वेतन मूल नियम 22-ख (1) के उपबन्धों के अधीन विनियमित किया जाएगा। सेवा में नियुक्त किए गए अन्य व्यक्तियों के लिए वेतन और वेतन-बुद्धि मूल नियमों के अनुसार विनियमित होंगे।

इस सेवा के अधिकारी भारतीय प्रशासन सेवा (पदोन्नति द्वारा नियुक्ति) विनियमावली, 1955 के अनुसार भारतीय प्रशासनिक सेवा के वरिष्ठ वेतनमान के पदों पर पदोन्नति के पात्र होंगे।

(च) इस सेवा के अधिकारी पांडिचेरी सिविल सेवा नियमावली, 1967, तथा इन नियमों को कार्यान्वित करने के लिए प्रशासन द्वारा जारी किए गए अनुदेशों द्वारा शासित होंगे।

#### परिशिष्ट III

##### उम्मीदवारों की शारीरिक परीक्षा के बारे में विनियम

ये विनियम उम्मीदवारों की सुविधा के लिये प्रकाशित किए जाते हैं ताकि वे यह अनुमान लगा सकें कि वे अपेक्षित शारीरिक स्तर के हैं या नहीं। ये विनियम स्वास्थ्य परीक्षकों (मेडिकल एग्जामिनर्स) के मार्ग निर्देशन के लिये भी हैं।

2. भारत सरकार को स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड की रिपोर्टें पर विचार करके उसे स्वीकार या अस्वीकार करने का पूर्ण अधिकार होगा।

विभिन्न सेवाओं का वर्गीकरण दो श्रेणियों "तकनीकी तथा गैर तकनीकी" के अधीन इस प्रकार होगा :—

(क) तकनीकी

(1) भारतीय रेलवे यातायात सेवा,

(2) भारतीय पुलिस सेवा तथा अन्य केन्द्रीय पुलिस सेवा, ग्रुप 'ख'

(ख) गैर तकनीकी

भा०, प्र० से०, भा० वि० से०, भारतीय प्रशासनिक और मेधा सेवा, भारतीय सीमा-शुल्क सेवा, भारतीय सिविल मेधा सेवा, भारतीय रेल मेधा सेवा, भारतीय रक्षा मेधा सेवा, आयकर अधिकारी (ग्रुप-क) सेवा, भारतीय डाक सेवा, सैन्य भूमि तथा छावनी सेवा ग्रुप क रेलवे सुरक्षा बल में ग्रुप 'ख', पद और अन्य केन्द्रीय सिविल सेवाओं के ग्रुप क तथा ख के पद।

1. नियुक्ति के योग्य ठहराये जाने के लिये यह जरूरी है कि उम्मीदवार का मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य ठीक हो और उम्मीदवार में कोई ऐसा शारीरिक दोष न हो जिससे नियुक्ति के बाद वसतापूर्वक काम करने में बाधा पड़ने की संभावना हो।

2. (क) भारतीय (एंग्लो-इंडियन समेत) जाति के उम्मीदवारों की आयु, कब और छाती के घेर के परस्पर सम्बन्ध के बारे में मेडिकल बोर्ड के ऊपर ही यह बात छोड़ दी गई है कि वह उम्मीदवारों की परीक्षा में मार्गदर्शन के रूप में जो भी परस्पर सम्बन्ध के आंकड़े सबसे अधिक उपयुक्त समझे, व्यवहार में लाए। यदि वजन, कब और छाती के घेर में विषमता हो तो जांच के लिये उम्मीदवार को अस्पताल में रखना चाहिए और छाती का एक्स-रे लेना चाहिए। ऐसा करने के बाद ही बोर्ड उम्मीदवार को स्वस्थ अथवा अस्वस्थ घोषित करेगा।

(ख) निश्चित सेवाओं के लिए कब और छाती के घेर का कम-से-कम मान नीचे दिया जाता है जिस पर पूरा न उतरने पर उम्मीदवार को स्वीकार नहीं किया जा सकता।

सेवा का नाम	कब	छाती का घेर पूरा (कैला कर)	कैलाब
(1) भारतीय रेल यातायात सेवा और रेलवे सुरक्षा बल में ग्रुप 'ख' के पद	152 से० मी० 150 से० मी०	84 से० मी० 79 से० मी०	5 से० मी० (पुरुषों के लिए) 5 से० मी० (महिलाओं के लिए)

(d) An officer belonging to the Service will be required to serve at any place in the Union Territory of Goa, Daman and Diu.

(e) Scales of pay—

Grade I (Selection Grade)—Rs. 1100—50—1600.

Grade II (Time Scale)—Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200.

A person recruited on the results of competitive examination shall on appointment to the Service, draw pay at the minimum of the time-scale.

Provided that if he held a permanent post, other than a tenure post in a substantive capacity prior to his appointment, to the Service his pay during the period of his probation shall on appointment of the Service, draw pay at the rule(1) of rule 22-B of the Fundamental Rules. The pay and increments in the case of other persons appointed to the service shall be regulated in accordance with the Fundamental Rules.

Officers of the Service will be eligible for promotion to posts in the senior scale of the Indian Administrative Service in accordance with the Indian Administrative Service (Appointment by Promotion) Regulations, 1955.

(f) Officers of the Services are governed by Goa, Daman and Diu Civil Service Rules, 1967 and such other regulations as may be made or instructions issued by the administrator for the purpose of giving effect to those rules.

#### 25. Pondicherry Civil Service, Group B—

(a) Appointments will be made on probation for a period of two years which may be extended at the discretion of the competent authority. Candidates appointed on probation will be required to undergo such training and pass such departmental tests as the administrator of the Union Territory of Pondicherry may prescribe.

(b) If in the opinion of administrator the work or conduct of an officer on probation is unsatisfactory or shows that he is unlikely to become efficient the administrator may discharge him forthwith.

(c) The officer who has been declared to have satisfactory completed his period of probation may be confirmed in the Service. If his work or conduct has in the opinion of the administrator been unsatisfactory, he may either discharge him from the Service or may extend his period of probation for such further period as administrator may think fit.

(d) An officer belonging to the Service will be required to serve at any place in the Union Territory of Pondicherry.

(e) Scales of Pay—

(i) Grade I (Selection Grade)—Rs. 1100—50—1600.

(ii) Grade II (Time Scale)—Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200.

A person recruited on the results of competitive examination shall on appointment to the Service draw pay in the entry grade scale of pay only :

Provided that if he held a permanent post other than a tenure post in a substantive capacity prior to his appointment to the Service, his pay during the period of his probation in Service shall be regulated under the provisions of sub-rule (1) of rule 22-B of the Fundamental Rules. The pay and increments in the case of other persons appointed to the Service shall be regulated in accordance with the Fundamental Rules.

Officers of the Service will be eligible for promotion to posts in the senior scale of the Indian Administrative Service in accordance with the Indian Administrative Service (Appointment by Promotion) Regulations 1955.

(f) Officers of the Service are governed by Pondicherry Civil Service Rules, 1967 and such other regulations as may be made or instructions issued by the administrator for the purpose of giving effect to those rules.

### APPENDIX III

#### REGULATIONS RELATING TO THE PHYSICAL EXAMINATION OF CANDIDATES

[These regulations are published for the convenience of candidates and enable them to ascertain the probability of their the required physical standard. The regulations are also intended to provide guide lines to the medical examiners.

2. The Government of India reserve to themselves absolute discretion to reject or accept any candidate after considering the report of the Medical Board].

The classification of various Services under the two categories, namely "Technical" and "Non-technical" will be as under :—

#### A. TECHNICAL

(1) Indian Railway Traffic Service.

(2) Indian Police Service and other Central Police Services, Group B.

#### B. Non-TECHNICAL

IAS, IFS, IA & AS, Indian Customs Service, Indian Civil Accounts Service, Indian Railway Accounts Service, Indian Defence Accounts Service. Income Tax Officer Group A, Indian Postal Service, Military Lands and Cantonment Service Group A, Group B posts in the Railway Protection Force and other Central Civil Services Groups A & B.

1. To be passed as fit for appointment a candidate must be in good mental and bodily health and free from any physical defect likely to interfere with the efficient performance of the duties of his appointment.

(2)(a) In the matter of the correlation of age, height and chest girth of candidates of Indian (including Anglo-Indian) race it is left to the Medical Board to use whatever correlation figures are considered most suitable as a guide in the examination of the candidates. If there be any disproportion with regard to height, weight and chest girth the candidate should be hospitalised for investigation and X-ray of the chest taken before the candidate is declared fit or not fit by the Board.

(b) However for certain services the minimum standard for height and chest girth without which candidates cannot be accepted, are as follows :—

	Height	Chest girth fully expanded	Expansion
(1)	(2)	(3)	(4)
(1) Indian Railway Traffic Service and Group B posts in the Railway Protection Force	152 cm 150 cm	84 cm 79 cm	5 cm (for men) 5 cm (for women)

1	2	3	4
(2) भारतीय पुलिस सेवा तथा दिल्ली, भंडमान, निकोबार द्वीप समूह पुलिस सेवा ग्रुप 'ब'	165 सैं० मी० 150 सैं० मी०	84 सैं० मी० 79 सैं० मी०	5 सैं० मी० (पुरुषों के लिए) 5 सैं० मी० (महिलाओं के लिए)

अनुसूचित जन जातियों और ऐसी जातियों जैसे गोरखा, गढ़वाली, असमिया, नागा जन जातियों प्राप्ति से सम्बन्धित उम्मीदवारों जिनकी प्राप्ति सम्बन्धी सूचियों से प्रकटतः कम होती है, के मामले में न्यूनतम निर्धारित कद की सम्बन्धी में छूट दी जा सकेगी।

भारतीय पुलिस सेवा और रेल सुरक्षा बल को छोड़कर ग्रुप 'ब' की पुलिस सेवा हेतु अनुसूचित जन जातियों और गोरखा, गढ़वाली, असमिया, नागा जैसी जातियों से सम्बन्धित उम्मीदवारों के मामले में छूट देकर निम्नलिखित न्यूनतम ऊंचाई मानक लागू हैं :—

पुरुष	160 सैं० मी०
महिला	145 सैं० मी०

### 3. उम्मीदवार का कद निम्नलिखित विधि में नापा जाएगा :—

वह अपने जूते उतार देगा और उसे माप-दण्ड (स्टैन्ड) से इस प्रकार सटा कर खड़ा किया जाएगा कि उसके पांव आपस में जुड़े रहें और उसका वजन, सिवाए एड़ियों के पांवों की उंगलियों या किसी और हिस्से पर न पड़े। वह बिना झुकते सीधा खड़ा होगा और उसकी एड़ियां, पिच्छलियां, नितम्ब और कन्धे माप-दण्ड के साथ सगे रहेंगे। उनकी ठोड़ी नीची रखी जाएगी ताकि सिर का स्तर (बटवस प्राफ दि हैड नेबल) हारिजेन्टल बार (प्राइरी छड़) के नीचे आ जाए। कब सेंटीमीटरों और आधे-सेंटीमीटरों में नापा जाएगा।

### 4. उम्मीदवार की छाती नापने का तरीका इस प्रकार है :—

उसे इस भांति सीधा खड़ा किया जाएगा कि उसके पांव जुड़े हों और उसकी भुजाएं सिर से ऊपर उठी हों। फीते को छाती के गिर्द इस तरह से लगाया जाएगा कि पीछे की ओर इसका ऊपरी किनारा असफलक (शोल्डर ब्लेड) के निम्न कोणों (इन्फोरियर एंगलस) से सगा रहे और यह फीते को छाती के गिर्द से जाने पर उसी आड़े समतल (हारिजेन्टल प्लेन) में रहे। फिर भुजाओं की नीचे किया जाएगा और उन्हें शरीर के साथ जटका रहने दिया जाएगा किन्तु इस बात का ध्यान रखा जाएगा कि कन्धे ऊपर या नीचे की ओर न किए जाएं जिससे कि फीता न हिले। तब उम्मीदवार को कई बार गहरा सांस लेने के लिये कहा जाएगा और छाती का अधिक से अधिक फैलाव गौर से नोट किया जाएगा और कम से कम और अधिक से अधिक फैलाव सेंटीमीटरों में रिकार्ड किया जाएगा, 84-89, 86-93-5 आदि। नाप के रिकार्ड करते समय आधे सेंटीमीटर से कम के भिन्न (फ्रैक्शन), को नोट नहीं करना चाहिये।

नोट:—अन्तिम निर्णय लेने से पहले उम्मीदवारों की ऊंचाई और छाती दो बार नापनी चाहिये।

5. उम्मीदवार का वजन भी लिया जाएगा और उसका वजन किलो-ग्रामों में रिकार्ड किया जाएगा। आधे किलोग्राम के फ्रैक्शन को नोट नहीं करना चाहिये।

6. (क) उम्मीदवार की नजर की जांच निम्नलिखित नियमों के अनुसार की जायेगी। प्रत्येक जांच का परिणाम रिकार्ड किया जाएगा :—

(ख) चक्षु के बिना नजर (नेकेड द्राई विजन) की कोई न्यूनतम सीमा (मिनिमम लिमिट) नहीं होगी, किन्तु प्रत्येक केस में अधिकल बोर्ड या अन्य मेडिकल प्राधिकारी द्वारा इसे रिकार्ड किया जाएगा क्योंकि इससे आंख की हालत के बारे में मूल सूचना (बेसिक इन्फार्मेशन) मिल जाएगी।

(ग) विभिन्न प्रकार की सेवाओं के लिए चक्षु के साथ और चक्षु के बिना दूर और नजदीक की नजर का मानक निम्नलिखित होगा :—

सेवा की श्रेणी	दूर की नजर		नजदीक की नजर	
	ग्रन्डी आंख (ठीक की हुई दृष्टि)	खराब आंख (ठीक की हुई दृष्टि)	ग्रन्डी आंख (ठीक की हुई दृष्टि)	खराब आंख (ठीक की हुई दृष्टि)

भा० प्र० से०, भा० पु० से० तथा केन्द्रीय सेवाएं:

ग्रुप 'क' और 'ख'

(i) तकनीकी	6/8 या	6/12	जे०/I	जे०/II
(ii) गैर-तकनीकी	6/9 6/9	6/9 6/12	जे०/I	जे०/II
(ii) भारतीय प्रायुध कारखाना सेवा	6/8 अथवा	6/18 6/9	जे०/I	जे०/II

(घ) (i) उपर्युक्त तकनीकी सेवाओं और लोक सुरक्षा से सम्बन्धित अन्य सेवाओं के संबंध में मायोपिया (सिलिन्डर मिलाकर) कुल—4.00 डी० से अधिक नहीं हो। हाई-परमेट्रोपिया (सिलिन्डर मिलाकर) कुल +4.00 डी० से अधिक नहीं होना चाहिये।

किन्तु शर्त यह है कि यदि "तकनीकी" के रूप में वर्गीकृत सेवाओं (रेल मंत्रालय के अधीन सेवाओं को छोड़कर) से सम्बन्धित उम्मीदवार हाई मायोपिया के आधार पर प्रायोग्य पाया जाए तो वह मामला तीन दृष्टि विशेषज्ञों के विशेष बोर्ड को भेजा जायेगा, जो यह घोषणा करेंगे कि क्या निकट दृष्टि रोगात्मक है अथवा नहीं। यदि यह मामला रोगात्मक नहीं है तो उम्मीदवार को योग्य घोषित कर दिया जायेगा, बशर्ते कि वह दृष्टि संबंधी अन्य अपेक्षाओं की पूर्ति करता हो।

(ii) मायोपिया फंडस के प्रत्येक मामले में परीक्षा की जानी चाहिये, और उसके परिणाम रिकार्ड किया जाना चाहिये। यदि उम्मीदवार की ऐसी रोगात्मक वशा हो जोकि बढ़ सकती है और उम्मीदवार की कार्य-कुशलता पर प्रभाव डाल सकती है, तो उसे अयोग्य घोषित किया जाए।

(ङ) दृष्टि क्षेत्र :—सभी सेवाओं के लिये सम्मुख विधि (कन्फेडेशन मथड) द्वारा दृष्टि क्षेत्र की जांच की जायेगी। जब ऐसी जांच का नतीजा असन्तोषजनक या संदिग्ध हो तो तब दृष्टि क्षेत्र की पैरामीटर पर निर्धारित किया जाना चाहिये।

(च) रतौंधी (नाइट ब्लाइन्डनेस) साधारणतया रतौंधी दो प्रकार की होती है। (1) विटामिन 'ए' की कमी होने के कारण और (2) रेटिना के शारीरिक रोग के कारण जिसकी आम वजह रेटिनोइटिस पिंग्मेंटोसा होती है। उपर्युक्त (1) में फंडस की स्थिति प्रसामान्य होती है, साधारणतया छोटी आयु वाले व्यक्तियों में और कम खुराक पाने वाले व्यक्तियों में दिखाई देती है और अधिक मात्रा में विटामिन 'ए' के खाने से ठीक हो जाती है। ऊपर बताई गई (2) की स्थिति में फंडस प्रायः होती है अधिकांश मामलों में केवल फंडस की परीक्षा से ही स्थिति का पता चल जाता है। इस श्रेणी का रोगी प्रोढ़ होता है और खुराक की कमी से पीड़ित नहीं होता है। सरकार में ऊंची नौकरियों के लिये प्रयत्न करने वाले व्यक्ति इस वर्ग में आते हैं। उपर्युक्त (1) और (2) दोनों के लिए अन्धेरा अनुकूलन परीक्षण से स्थिति का पता चल जायेगा। उपर्युक्त (2) के लिये, विशेषतया जब फंडस न हो तो इलक्ट्रो-रेटिनोग्राफी किये जाने की आवश्यकता होती है। इन दोनों जांचों (अन्धेरा अनुकूलन और रेटिनोग्राफी) में समय अधिक लगता है और विशेष प्रबन्ध और सामान की आवश्यकता होती है और इसलिये साधारण चैकिंग जांच से इसका पता

(1)	(2)	(3)	(4)
(2) Indian Police Service, and Delhi and Andaman & Nicobar Islands Police Service Group B	165 cm	84 cm	5 cm (for men) 5 cm (for women)
	150 cm	79 cm	

The minimum height prescribed is relaxable in the case of candidates belonging to the Scheduled Tribes and to races such as Gorkhas, Garhwalis, Assamese, Nagaland Tribals etc., whose average height is distinctly lower.

The following relaxed minimum height standards in case of candidates belonging to the Scheduled Tribes and to the races such as Gorkhas, Garhwalis, Assamese, Nagaland are applicable to *Indian Police Service* and Group B Police Service except Railway Protection Force.

Men	160 cms.
Women	145 cms.

### 3. The candidate's height will be measured as follows :—

He will remove his shoes and be placed against the standard with his feet together and the weight thrown on the heels and not on the toes or other sides of the feet. He will stand erect without rigidity and with the heels calves, buttocks and shoulders touching the standard; the chin will be depressed to bring the vertex of the head level under the horizontal bar and the height will be recorded in centimetres and parts of a centimetre to halves.

### 4. The candidates' chest will be measured as follows :—

He will be made to stand erect with his feet together and to raise his arms over his head. The tape will be so adjusted round the chest that its upper edge touches the inferior angles of the shoulder blades behind and lies in the same horizontal plane when the tape is taken round the chest. The arms will then be lowered to hang loosely by the side and care will be taken that the shoulders are not thrown upwards or backwards so as to displace the tape. The candidate will then be directed to take a deep inspiration several times and the maximum expansion of the chest will be carefully noted and the minimum and maximum will then be recorded in centimetres, 84—89, 86—93.5 etc. In recording the measurements fractions of less than half a centimetre should not be noted.

*N.B.*—The height and chest of the candidates should be measured twice before coming to a final decision.

5. The candidate will also be weighed and his weight recorded in Kilograms; fractions of half a kilogramme should not be noted.

6. (a) The candidate's eye-sight will be tested in accordance with the following rules. The result of each test will be recorded.

(b) There shall be no limit for minimum naked eye vision but the naked eye vision of the candidates shall however, be recorded by the Medical Board or other medical authority in every case, as it will furnish the basic information in regard to the condition of the eye.

(c) The following standards are prescribed for distant and near vision with or without glasses for different types of Services.

Class of Service	Distant vision		Near vision	
	Better eye (Corrected vision)	Worse eye	Better eye (Corrected vision)	Worse eye
I.A.S., I.P.S. and Central Services Group A & B				
(i) Technical	6/6 6/9	or 6/12 6/9	J/I	J/II
(ii) Non-Technical	6/9	6/12	J/I	J/II
(iii) I.O.F.S.	6/6 6/9	or 6/18 6/9	J/I	J/II

(d) (i) In respect of the Technical Services mentioned above and any other Services concerned with the safety of public, the total amount of Myopia (including the cylinder) shall not exceed —4.00 D. Total amount of Hypermetropia (including the cylinder) shall not exceed —4.00 D.

Provided that in case a candidate in respect of the Services classified as "Technical" (other than the Services under the Ministry of Railways) is found unfit on grounds of high myopia the matter shall be referred to a special board of three ophthalmologists to declare whether this myopia is pathological or not. In case it is not pathological, the candidate shall be declared fit, provided he fulfils the visual requirements otherwise.

(ii) In every case of myopia fundus examination should be carried out and the results recorded. In the event of pathological condition being present which is likely to be progressive and affect the efficiency of the candidate, he/she should be declared unfit.

(e) *Field of Vision* : The field of vision shall be tested in respect of all services by the confrontation method. When such test gives unsatisfactory or doubtful results, the field of vision should be determined on the perimeter.

(f) *Night Blindness* : Broadly there are two types of night blindness; (1) as a result of vit. A deficiency and (2) as a result of Organic disease of Retina a common cause being Retinitis pigmentosa. In (1) the fundus is normal, generally seen in younger age group and ill nourished persons and improves by large doses of Vit. A in (2) the fundus is often involved and mere fundus examination will reveal the condition in majority of cases. The patient in this category is an adult and may not suffer from malnutrition. Persons seeking employment for higher posts in the Government will fall in this category for both (1) and (2) dark adaptation test will reveal the condition. For

लगना संभव नहीं है। इन तकनीकी बातों को ध्यान में रखते हुए मंत्रालय/विभाग को चाहिये कि वे बतायें कि रेलवे के लिये इन जांचों का करना अनिवार्य है या नहीं। यह इस बात पर निर्भर होगा कि जिन व्यक्तियों को सरकारी नौकरी दी जाने वाली है उनके कार्य की अपेक्षाएं क्या हैं और उनकी ख़ुशी किस तरह की होगी।

(छ) कलर बिजन—उपर्युक्त तकनीकी सेवाओं के सम्बन्ध में कलर बिजन की जांच जरूरी है। जहां तक गैर तकनीकी सेवाओं/पदों का संबंध है सम्बन्ध मंत्रालय/विभाग को मेडिकल बोर्ड को सूचना देनी होगी कि उम्मीदवार जो सेवा चाहता है उसके लिये कलर बिजन परीक्षा होनी चाहिए या नहीं।

नीचे दी गई तालिका के अनुसार रंग का प्रत्यक्ष ज्ञान उच्चतर (हायर) और निम्नतर (लोअर) ग्रेडों में होना चाहिये जो लैटन में एपेंडर के आकार पर निर्भर होगा।

ग्रेड	रंग के प्रत्यक्ष ज्ञान का उच्चतर ग्रेड	रंग के प्रत्यक्ष ज्ञान का निम्नतर ग्रेड
1. लैम्प और उम्मीदवार के बीच की दूरी	16 फीट	16 फीट
2. ड्राइंग (एपेंडर) का आकार	1.3 मि० मीटर	1.3 मि० मीटर
3. उद्भासन काल	5 सेकेंड	5 सेकेंड

भारतीय रेल यातायात सेवा रेलवे, सुरक्षा बल के ग्रुप 'ख' पद और लोक बचाव से संबंधित अन्य सेवाओं के लिये कलर बिजन के उच्चतर ग्रेड आवश्यक है किन्तु दूसरों के लिये कलर बिजन के लोअर ग्रेड को पर्याप्त माल लिया जाए।

लाल संकेत, हरे संकेत, और संकेत रंग की प्रसानी से और हिच-किचाहट के बिना पहचान लेना संतोषजनक कलर बिजन है। इतिहास की जेटों के हस्तमाल को जिनमें अच्छी रोशनी में और एड्रिज घीन जैसी उपर्युक्त लैटन की रोशनी में दिखाया जाता कलर बिजन की जांच करने के लिये विश्वनीय समझा जायेगा। बेसे तो दोनों में से किसी भी एक जांच को साधारणतया पर्याप्त समझा जा सकता है, लेकिन सड़क, रेल और हवाई यातायात से सम्बन्धित सेवाओं के लिये लैटन जांच करना लाजमी है। शक बाने मामलों में जब उम्मीदवार को किसी एक जांच करने पर अग्रणीय पाया जाय तो दोनों ही तरीकों से जांच करनी चाहिये। यदि भारतीय रेल यातायात सेवा में नियुक्ति हेतु उम्मीदवारों के कलर बिजन के परीक्षण के लिये इतिहास जेट और एड्रिज की हरी लालटन दोनों का प्रयोग किया जाएगा।

(ज) दृष्टि की तीक्ष्णता से निम्न ग्रांथ की व्यवस्थाएं (आक्यूलर फंक्शनिंग)।

(i) ग्रांथ की उस बीमारी को या बढ़ती हुई अपवर्तन दृष्टि (प्रोप्रेसि रिफ्रेक्टिव एरर) को, जिसके परिणामस्वरूप दृष्टि की तीक्ष्णता के कम होने की संभावना हो, आयोज्य का कारण समझना चाहिए।

(ii) भौगपन (स्किबंट)—तकनीकी सेवाओं में, जहाँ डिप्लोमी (बाइना-कुलर) दृष्टि का होना अनिवार्य हो, दृष्टि की तीक्ष्णता निर्धारित स्तर की होने पर भी भौगपन की प्रयोग्यता का कारण समझना चाहिये। दृष्टि की तीक्ष्णता निर्धारित स्तर की होने पर भौगपन की अन्य सेवाओं के लिये प्रयोग्यता कारण नहीं समझना चाहिये।

(iii) यदि किसी व्यक्ति की एक ही ग्रांथ हो अथवा यदि उसकी एक ग्रांथ की दृष्टि ही सामान्य हो और दूसरी ग्रांथ की मन्द दृष्टि हो अथवा अप सामान्य दृष्टि हो, तो उसका प्रभाव प्रायः यह होता है कि व्यक्ति में गहराई बोध हेतु भिन्न दृष्टि का

प्रभाव होता है। इस प्रकार की दृष्टि कई सिविल पदों के लिये आवश्यक नहीं है। इस प्रकार के व्यक्तियों को चिकित्सा बोर्ड योग्य मानकर अनुशसित कर सकता है। बशर्ते कि सामान्य ग्रांथ :—

(i) की दूर की दृष्टि 6/6 और निकट की दृष्टि जे०/1 अथवा लगाकर अथवा उसके बिना, हो, बशर्ते कि दूर की दृष्टि के लिये किसी मरिडियन में दृष्टि 4 डायोप्टेरिज से अधिक न हो।

(ii) का दृष्टि का पूरा क्षेत्र हो,

(iii) की सामान्य रंग दृष्टि, जहाँ अपेक्षित हो।

बशर्ते की बोर्ड को यह समाधान हो जाये कि उम्मीदवार प्रसिद्धीन कार्य विशेष से संबंधित सभी कार्यकलापों का निष्पादन कर सकता है।

दृष्टि तीक्ष्णता संबंधी उपरोक्त छूट प्राप्त मानक "तकनीकी" रूप में वर्गीकृत पदों/सेवाओं के लिये उम्मीदवारों पर लागू नहीं होंगे। सम्बन्ध मंत्रालय/विभाग को चिकित्सा बोर्ड को यह सूचित करना होगा कि उम्मीदवार "तकनीकी" पद के लिये अयोग्य नहीं।

(iv) कोन्टेक्ट लेंस—उम्मीदवार की स्वास्थ्य के समय कोन्टेक्ट लेंस के प्रयोग की आज्ञा नहीं होगी। यह आवश्यक है कि ग्रांथ की जांच करते समय दूर की नजर के लिए टाइट किए हुए अक्षरों को उद्भासन 15 फुट की ऊंचाई के प्रकाश से हो।

ध्यान दें :—आर० पी० एफ० के ग्रुप बी० के० पदों के लिये वही चिकित्सा मानक लागू होगा जो कि गैर तकनीकी सेवाओं के लिये है। किन्तु चूंकि इस सेवा का संबंध जनता की सुरक्षा से है इसलिए इन पद के लिये निम्नलिखित प्रतिरिक्त शर्तें भी लागू होंगी :—

(i) कलर बिजन की परीक्षा अनिवार्य होगी और उच्चतर ग्रेड का कलर बिजन आवश्यक है।

(ii) प्रत्येक ग्रांथ में दृष्टि तीक्ष्णता निर्धारित मानक की होती हुए भी भगापन (स्किबंट) को प्रयोग्यता समझा जाएगा।

(iii) रेलवे सुरक्षा बल में नियुक्ति के लिये केवल "एक ग्रांथ" प्रयोग्यता समझी जाएगी।

7. ब्लड प्रेशर :

ब्लड प्रेशर के सम्बन्ध में बोर्ड अपने निर्णय से काम लेगा। नामस उच्चतम सिस्टोलिक प्रेशर के आकलन की काम बलाई विधि नीचे दी जाती है :

(i) 15 से 25 वर्ष के व्यक्तियों में औसत ब्लड प्रेशर लगभग  $100 \times$  आयु होता है।

(ii) 25 वर्ष से ऊपर आयु वाले व्यक्तियों में ब्लड प्रेशर के आकलन करने में 110 म मायो आयु जोड़ देने का तरीका बिल्कुल संतोषजनक विचार है।

ध्यान दें :—सामान्य नियम के रूप में 140 एम० एम० से ऊपर के सिस्टोलिक प्रेशर की और 90 एम० एम० से ऊपर डायस्टोलिक प्रेशर को संदिग्ध मान लेना चाहिए, और उम्मीदवार को योग्य या प्रायोग्य ठहराने के सम्बन्ध में अपनी अन्तिम राय देने से पहले बोर्ड को चाहिए कि उम्मीदवार को अस्पताल में रखें। अस्पताल की रिपोर्ट से यह पता लगना चाहिये कि बहराहट (एक्साइटमेंट) भाव के कारण ब्लड प्रेशर में बुद्धि बोधे समय रहती है या उसका कारण कोई कार्यात्मक (फार्मिक) बीमारी है। ऐसे सभी केंसों में हृदय की एक्स-रे और विद्युत् हृदयबी (इलेक्ट्रोकार्डियोग्राफिक) परीक्षाएं और रक्त-मूत्रिया निकास (किनिजरेस) की जांच भी मेरी रूप से की जानी चाहिए फिर भी उम्मीदवार के योग्य होने या न होने के बारे में अन्तिम फैसला केवल मेडिकल बोर्ड ही करेगा।

ब्लड प्रेशर (रक्त दाब) लेने का तरीका

नियमत : पारेबाणे दाबांतरमापी (मर्करी मेनोमीटर) किस्म का उपकरण (इन्स्ट्रुमेंट) हस्तमाल कराना चाहिये। किसी किस्म के ध्यायाम या बहराहट के बाव पन्ध्र मिनट तक रक्त दाब नहीं लेना चाहिये।

(2) specially when fundus is not involved electro-Retino-graphy is required to be done. Both these tests (dark adaptation and retinography) are time-consuming and require specialized set up, and equipment; and thus are not possible as a routine test in a medical check up. Because of these technical considerations, it is for the Ministry/Department to indicate if these tests for night blindness are required to be done. This will depend upon the job requirement and nature of duties to be performed by the prospective Government employees.

(g) *Colour Vision* : The testing of colour vision shall be essential in respect of the Technical Services mentioned Above. As regards the non-Technical Services/posts, the Ministry/Department concerned will have to inform the Medical Board that the candidate is for a service requiring colour vision examination or not.

Colour perception should be graded into a higher and lower grade depending upon the size of aperture in the lantern as described in the table below :—

Grade	Higher Grade of Colour Perception	Lower Grade of Colour Perception
(1)	(2)	(3)
1. Distance between the lamp and candidate . . . . .	16'	16'
2. Size of aperture . . . . .	1.3 mm <sup>2</sup>	13 mm <sup>2</sup>
3. Time of exposure . . . . .	5 seconds	5 seconds

For the Indian Railway Traffic Service, Group B posts in the Railway Protection Force and for other Services concerned with the safety of the public, higher grade of colour vision is essential but for others lower grade of colour vision should be considered sufficient.

Satisfactory colour vision constitutes, recognition with ease and without hesitation of signal red, signal green and white colours. The use of Ishihara's plates, shown in good light and a suitable lantern like Edridge Green's shall be considered quite dependable for testing colour vision. While either of the two tests may ordinarily be considered sufficient in respect of the Services concerned with road, rail and air traffic, it is essential to carry out the lantern test. In doubtful cases where a candidate fails to qualify when tested by only one of the two tests both the tests should be employed. However, both the Ishihara's plates and Edridge Green's lantern shall be used for testing colour vision of candidates for appointment to the Indian Railway Traffic Service.

#### (h) *Ocular conditions other than visual acuity—*

(i) Any organic disease or a progressive refractive error, which is likely to result in lowering the visual acuity, should be considered a disqualification.

(ii) *Squint* : For technical services where the presence of binocular vision is essential, squint, even if the visual acuity in each eye is of the prescribed standard should be considered a disqualification. For other services the presence of squint should not be considered as a disqualification if the visual acuity is of the prescribed standards.

(iii) If a person has one eye or if he has one eye which has normal vision and the other eye is amblyopic or has subnormal vision the usual effect is that the person lacks stereoscopic vision for perception of depth. Such vision is

not necessary for many civil posts. The medical board may recommend as fit, such persons provided the normal eye has

(i) 6/6 distant vision and J/i near vision with or without glasses provided the error in any meridian is not more than 4 dioptres for distant vision.

(ii) has full field of vision.

(iii) normal colour vision wherever required;

Provided the board is satisfied that the candidate can perform all the functions for the particular job in question.

The above relaxed standards of visual acuity will NOT apply to candidates for posts/services classified as 'TECHNICAL'. The Ministry/Department concerned will have to inform the medical board that the candidate is for a "TECHNICAL" post or not.

(iv) *Contact Lenses* : During the medical examination of a candidate, the use of contact lenses is not to be allowed. It is necessary that when conducting eye test the illumination of the type letters for distant vision should have an illumination of 15 foot-candles.

*N.B.*—The medical standards applicable to Group B posts in Railway Protection Force are those for the non-technical services. Since however, this service is concerned with the safety of the Public, the following additional conditions shall also apply to these posts :—

(i) Testing of colour vision shall be essential and higher grade of colour vision is necessary.

(ii) Squint shall be considered as a disqualification even if the visual acuity in each eye is of the prescribed standard.

(iii) 'One eye' shall constitute a disqualification for appointment in Railway Protection Force.

#### 7. *Blood Pressure*

The Board will use its discretion regarding Blood Pressure. A rough method of calculating normal maximum systolic pressure is as follows :—

(i) With young subjects 15—25 years of age the average is about 100 plus the age.

(ii) With subjects over 25 years of age the general rule of 110 plus half the age seems quite satisfactory.

*N.B.*—As a general rule any systolic pressure over 140 mm. and diastolic over 90 mm. should be regarded as suspicious and the candidate should be hospitalised by the Board before giving their final opinion regarding the candidate's fitness or otherwise. The hospitalization report should indicate whether the rise in blood pressure is of a transient nature due to excitement etc, or whether it is due to any organic disease. In all such case X-ray and electrocardiographic examinations of heart and blood urea clearance test should also be done as a routine. The final decision as to the fitness or otherwise of a candidate will, however, rest with the medical board only.

#### *Method of taking Blood Pressure*

The mercury manometer type of instrument should be used as a rule. The measurement should not be taken within fifteen minutes of any exercise or excitement. Provided the patient, and particularly his arm is relaxed, he may be either

रोगी बैठा या लेटा हो बसते कि वह और विशेषकर उसकी भुजा स्थिति और आराम से हो। कुछ हार्जिटल स्थिति में रोगी के पार्श्व पर भुजा को आराम से सहारा दिया जाए। भुजा पर से कंध तक कपड़े उतार देने चाहिये। कफ में से पूरी तरह हवा निकाल कर बीच की रखड़ को भुजा के अन्दर की ओर रख कर और इसके नीचे किनारे की कोहनी के मोड़ से एक या दो इंच ऊपर करके लगाना चाहिये। इसके बाद कपड़े की पट्टी को फैला कर समान रूप से लपेटना चाहिये ताकि हवा भरने पर कोई हिस्सा फूल कर बाहर को न निकले।

कोहनी के मोड़ पर प्रगंड धमनी (ब्रेकिंगल घाटी) को दबा दबा कर ढूँढा जाता है और तब इसके ऊपर बीचों-बीच स्टैपस्कोप को हल्के से लगाया जाता है जो कफ के साथ न लगे। कफ में लगभग 200 एम० एम० एल० जी० हवा भरी जाती है और इसके बाद इसमें से धीरे-धीरे हवा निकाली जाती है, हल्की क्रमिक ध्वनि सुनाई पड़ने पर जिस स्तर पर पारे का कालम टिका होता है वह सिस्टोलिक प्रेशर बताता है। जब और हवा निकाली जायेगी तो ध्वनियाँ तेज सुनाई पड़ेगी। जिस स्तर पर ये साफ और अच्छी सुनाई पड़ने वाली ध्वनियाँ हल्की दबी-धुई-सी लुप्त प्राय हो जायं, वह डायस्टोलिक प्रेशर है। ब्लड प्रेशर काफी थोड़ी अवधि में ही ले लेना चाहिये क्योंकि कफ के लम्बे समय का दबाव रोगी के लिये क्षीम कर होता है और इससे रीकिंग गलत हो जाती है। यदि दोबारा पड़ताल करनी जरूरी हो तो कफ में से पूरी हवा निकाल कर कुछ मिनट के बाद में ही ऐसा किया जाय। (कभी-कभी कफ में से हवा निकालने पर एक निश्चित स्तर पर ध्वनियाँ सुनाई पड़ती हैं, बाव गिरने पर ये गायब हो जाती है और निम्न स्तर पर पुनः प्रकट हो जाती है। इस "साइलेंट गैप" से रीकिंग में गलती हो सकती है।)

8. परीक्षा की उपस्थिति में ही किये गये मूत्र की परीक्षा की जानी चाहिये और परिणाम रिकार्ड किया जाना चाहिये। जब मजिकल बोर्ड को किसी उम्मीदवार के मूत्र में रासायनिक जांच द्वारा शक्कर का पता चले तो बोर्ड इसके अन्य सभी पहलुओं की परीक्षा करेगा और मधुमेह (डायबिटीज) के शोचक चिन्हों और लक्षणों को भी विशेष रूप से नोट करेगा। यदि बोर्ड उम्मीदवार को ग्लूकोज मेह (ग्लाइकोसूरिया) के सिवाय, अपेक्षित मेडिकल पिटनेस के स्टैंडर्ड के अनुरूप पाये तो वह उम्मीदवार को इस शर्त के साथ फिट घोषित कर सकता है कि ग्लूकोजमेह अमधु मेही (नान डायबिटिक) हो और बोर्ड केस को मेडिसिन के किसी ऐसे निदिष्ट विशेषज्ञों के पास भेजेगा जिसके पास अस्पताल और प्रयोगशाला की सुविधाएं हों। मेडिकल विशेषज्ञ स्टैंडर्ड ब्लड शुगर टालरेंस टेस्ट संकेत जो भी क्लिनिकल या लेबोरेटरी परीक्षा जरूरी समझेगा, करेगा और अपनी रिपोर्ट मेडिकल बोर्ड को भेज देगा जिस पर मेडिकल बोर्ड की "फिट" या "अनफिट" की अन्तिम राय आधारित होगी। दूसरे अंश पर उम्मीदवार के लिये बोर्ड के सामने स्वयं उपस्थित होना जरूरी नहीं होगा। अधि के प्रभाव को समाप्त करने के लिये यह जरूरी हो सकता है कि उम्मीदवार को कई दिन तक अस्पताल में पूरी देख-रेख में रखा जाये।

9. यदि जांच के परिणामस्वरूप कोई महिला उम्मीदवार 12 हफ्ते या उससे अधिक समय की गर्भवती पायी जाती है तो उसको अस्थायी रूप से तब तक अस्वस्थ घोषित किया जाना चाहिए जब तक कि उसका प्रसव न हो जाए। किसी रजिस्टर्ड मेडिकल प्रैक्टीशनर से आरोग्यता का प्रमाण-पत्र प्रस्तुत करने पर, प्रसूति की तारीख के 6 हफ्ते बाद आरोग्य प्रमाण पत्र के लिए उसकी फिर से स्वास्थ्य परीक्षा की जानी चाहिए।

10. निम्नलिखित अतिरिक्त बातों का प्रेषण करना चाहिए।

(क) उम्मीदवार को दोनों कानों से अच्छा सुनाई पड़ता है या नहीं और कान की बीमारी का कोई चिह्न है या नहीं। यदि कोई कान की खराबी हो तो उसकी परीक्षा कान-विशेषज्ञ द्वारा की जानी चाहिए। यदि सुनने की खराबी का इलाज शल्य क्रिया (अपरेशन) या हियरिंग एड के इस्तेमाल से हो सके तो उम्मीदवार को इस आधार पर अयोग्य घोषित नहीं किया जा सकता बसते कि कान की बीमारी बड़ने वाली न हो।

चिकित्सा परीक्षा प्राधिकारी के मार्ग दर्शन के लिए इस सम्बन्ध में निम्नलिखित मार्ग बशक जानकारी दी जाती है:—

- (1) एक कान में प्रकट अवस्था पूर्ण बहुरापन, दूसरा कान सामान्य होगा। यदि उच्च फ्रीक्वेंसी में बहुरापन 30 डेसीबेल तक हो तो गैर-तकनीकी काम के लिये योग्य।
- (2) दोनों कानों में बहुरापन का प्रत्यक्ष बोध, जिसमें अवयव यंत्र (हियरिंग एड) द्वारा कुछ सुधार संभव हो। यदि 1000 से 4000 तक की स्पीकफ्रीक्वेंसी में बहुरापन 30 डेसीबेल तक हो तो तकनीकी तथा गैर तकनीकी दोनों प्रकार के काम के लिये योग्य।

- (3) सेन्ट्रल अवस्था मार्जिनल टाइप के टिमपेनिक मेम्बरेन में छिद्र।

(i) एक कान सामान्य हो दूसरे कान में टिमपेनिक मेम्बरेन में छिद्र हो तो अस्थायी आधार पर अयोग्य।

कान की शल्य चिकित्सा की स्थिति सुधारने से दोनों कानों में मार्जिनल या अव्य छिद्र वाले उम्मीदवारों को अस्थायी रूप से अयोग्य घोषित करके उस पर नोचे दिये गये नियम 4 (ii) के अन्वीन विचार किया जा सकता है।

(ii) दोनों कानों में मार्जिनल या एटिक छिद्र होने पर अयोग्य।

(iii) दोनों कानों में सेन्ट्रल छिद्र होने पर अस्थायी रूप में अयोग्य।

- (4) कान के एक ओर से/दोनों ओर से मस्टायड कैविटी से सब नार्मल अवयव।

(i) किसी एक कान के सामान्य रूप से एक ओर से मस्टायड कैविटी से सुनाई देता हो, दूसरे कान में सब-नार्मल अवयव वाले कान/मस्टायड कैविटी होने पर तकनीकी तथा गैर तकनीकी दोनों प्रकार के कामों के लिए योग्य।

(ii) दोनों ओर से मस्टायड कैविटी तकनीकी काम के लिए अयोग्य, यदि किसी भी कान की अवयवता अवयव यंत्र लगा कर अवयव बिना लगाए सुधार कर 30 डेसीबेल हो जाने पर गैर तकनीकी कामों के लिए योग्य।

- (5) बहते रहने वाला कान—आपरेशन किया गया/बिना आपरेशन वाला तकनीकी तथा गैर तकनीकी दोनों प्रकार के कामों के लिए अस्थायी रूप में अयोग्य।

- (6) नासापट को हट्टी सम्बन्धी विस्फिप्ताओं (बोनी डिफार्मिटी) सहित अवयव उससे रहित नाक की जीर्ण प्रवाहका एलजिक दशा

(i) प्रत्येक मामले की परिस्थितियों के अनुसार निर्णय लिया जायेगा।

(ii) यदि लक्षणों सहित नासापट अफसरण विद्यमान होने पर अस्थायी रूप में अयोग्य।

lying or sitting. The arm is supported comfortably at the patient's side in a more or less horizontal position. The arm should be freed from the clothes to the shoulder. The cuff completely deflated should be applied with the middle of the rubber over the inner side of the arm and its lower edge an inch or two above the bend of the elbow. The following turns of cloth bandage should spread evenly over the bag to avoid bulging during inflation.

The brachial artery is located by palpitation at the bend of the elbow and the stethoscope is then applied lightly and centrally over it below, but not in contact with the cuff. The cuff is inflated to about 200 mm. Hg. and then slowly deflated. The level at which the column stands when soft successive sounds are heard represents the Systolic Pressure. When more air is allowed to escape the sound will be heard to increase in intensity. The level at which the well heard clear sounds change to soft muffled fading sounds represents the diastolic pressure. The measurements should be taken in a fairly brief period of time as prolonged pressure of the cuff is irritating to the patient and will vitiate the readings. Rechecking, if necessary, should be done only a few minutes after complete deflation of the cuff. (Sometimes, as the cuff is deflated sounds are heard at a certain level they may disappear as pressure falls and reappear at a still lower level. This 'Silent Gap' may cause error in reading).

8. The urine (passed in the presence of the examiner) should be examined and the results recorded. Where a Medical Board finds sugar present in candidate's urine by the usual chemical tests the Board will proceed with the examination with all its other aspects and will also specially note any signs or symptoms suggestive of diabetes. If except for the glycosuria the Board finds the candidate conforms to the standard of medical fitness required they may pass the candidate fit subject to the glycosuria being non-diabetic and the Board will refer the case to a specified specialist in Medicine who has hospital and laboratory facilities at his disposal. The Medical Specialist will carry out whatever examinations clinical and laboratory, he considers necessary including a standard blood sugar tolerance test, and will submit his opinion to the Medical Board upon which the Medical Board will base its final opinion "fit" or "unfit." The candidate will not be required to appear in person before the Board on the second occasion. To exclude the effects of medication it may be necessary to retain a candidate for several days in hospital under strict supervision.

9. A woman candidate who as a result of tests is found to be pregnant of 12 weeks standing or over, should be declared temporarily unfit until the confinement is over. She should be re-examined for fitness certificate six weeks after the date of confinement, subject to the production of a medical certificate of fitness from a registered medical practitioner.

10. The following additional points should be observed :—

- (a) that the candidate's hearing in each ear is good and that there is no sign of disease of the ear. In case it is defective the candidate should be not examined by the ear specialist : provided that if the defect in hearing is remediable by operation or by use of a hearing aid a candidate cannot be declared unfit on that account provided he/she has no progressive disease in the ear. This provision is not applicable in the case of Railway Services. The following are

the guidelines for the medical examining authority in this regard :—

- (1) Marked or total deafness in one ear, other ear being normal. Fit for non-technical jobs if the deafness is upto 30 decibel in higher frequency
- (2) Perceptive deafness in both ears in which some improvement is possible by a hearing aid. Fit in respect of both technical and non-technical jobs if the deafness is upto 30 Decibel in speech frequencies of 1000—4000.
- (3) Perforation of tympanic membrane of central or marginal type.
  - (i) One ear normal other ear perforation of tympanic membrane present—  
Temporarily unfit. Under improved conditions of Ear Surgery a candidate with marginal or other perforation in both ears should be given a chance by declaring him temporarily unfit and then he may be considered under 4(ii) below.
  - (ii) Marginal or attic perforation in both ears—Unfit.
  - (iii) Central perforation both ears—Temporarily unfit.
- (4) Ears with mastoid cavity subnormal hearing on one side/on both side
  - (i) Either ear normal hearing other ear Mastoid cavity—  
Fit for both technical and non-technical jobs.
  - (ii) Mastoid cavity of both sides. Unfit for technical jobs. Fit for non-technical jobs if hearing improves to 30 Decibel in either ear with or without hearing aid.
- (5) Persistently discharging ear operated/unoperated Temporarily Unfit for both technical and non-technical jobs.
- (6) Chronic inflammatory/allergic condition of nose with or without bony deformities of nasal septum.
  - (i) A decision will be taken as per circumstances of individual cases.
  - (ii) If deviated nasal Septum is present with Symptoms—  
Temporarily unfit,

- (7) टॉसिल और/अथवा स्वर यंत्र (लेरिक्स) की जीर्ण प्रदाहक दशा। (i) टॉसिल और/अथवा स्वर यंत्र की जीर्ण प्रदाहक दशा-योग्य। (ii) यदि आवाज में अत्यधिक कर्कषता विद्यमान हो तो अस्थायी रूप से अयोग्य।
- (8) कान, नाक, गले (ई० टी०) के हल्के (i) हल्का ट्यूमर—अस्थायी रूप से अयोग्य। (ii) बुरा ट्यूमर—अयोग्य।
- (9) आस्टोफिलरोसिस श्रवण यंत्र की सहायता से या आपरेशन के बाद श्रवणता 30 डेसीबेल के अन्दर होने पर योग्य।
- (10) कान, नाक अथवा गले के जन्मजात दोष। (i) यदि काम काज में बाधक न हो तो योग्य। (ii) भारी मात्रा में हकलाहट हो तो अयोग्य।
- (11) नेजल पोलि अस्थायी रूप में अयोग्य।

- (ख) उम्मीदवार बोलने में हकलाता/हकलाती नहीं हो।
- (ग) उसके दांत अच्छी हालत में हैं या नहीं, और अच्छी तरह चबाने के लिये जल्दी होने पर नकली दांत लगे हैं या नहीं। (अच्छी तरह भरे हुए दांतों को ठीक समझा जायेगा)।
- (घ) उसकी छाती की बनावट अच्छी है या नहीं और छाती काफी फैली है या नहीं तथा उसका दिल या फेफड़े ठीक हैं या नहीं।
- (ङ) उसे पेट की कोई बीमारी है या नहीं।
- (च) उसे स्पचर है या नहीं।
- (छ) उसे हार्डिजोसिल, बड़ी हुई बेरिकोसिल, बेरिकाजशिरा (वेन) या अवासीर है या नहीं।
- (ज) उसके अंगों, हाथों और पैरों की बनावट और विकास अच्छा है या नहीं और उसकी ग्रंथियां भली भांति स्वतन्त्र रूप से हिलती हैं या नहीं।
- (झ) उसे कोई चिरस्थायी त्वचा की बीमारी है या नहीं।
- (ञ) कोई जन्मजात कुरचना या दोष है या नहीं।
- (ट) उसमें किसी उम्र या जीर्ण बीमारी के निशान हैं या नहीं जिनसे कमजोर गठन का पता लगे।
- (ठ) कारगर टीके के निशान हैं या नहीं।
- (ड) उसे कोई संचारी (कम्यूनिकेबल) रोग है या नहीं।

11. दिल और फेफड़ों को किसी ऐसी विलक्षणता का पता लगाने के लिये साधारण शारीरिक परीक्षा से ज्ञात न हो, उसी मामलों में नेमी रूप से छाती की एक्स-रे परीक्षा की जानी चाहिये।

सरकारी सेवा के लिये उम्मीदवार के स्वास्थ्य के सम्बन्ध में जहां कहीं सन्देह हो चिकित्सा बोर्ड का अध्यक्ष उम्मीदवार की योग्यता अथवा अयोग्यता का निर्णय किये जाने के प्रश्न पर किसी उपयुक्त अस्पताल के विशेषज्ञ से परामर्श कर सकता है, जैसे यदि किसी उम्मीदवार पर मानसिक लुटि अथवा विषयन (ऐबरेनन) से पीड़ित होने का सन्देह होने में बोर्ड का अध्यक्ष अस्पताल के किसी मनोविकार विज्ञानी/मनोविज्ञानी से परामर्श कर सकता है।

जब कोई रोग मिले तो उसे प्रमाणपत्र में अवश्य ही नोट किया जाये। मेडिकल परीक्षक को अपनी राय लिख देनी चाहिये कि उम्मीदवार से अपेक्षित दक्षतापूर्ण इयूटी में इससे बाधा पड़ने की संभावना है या नहीं।

12. मेडिकल बोर्ड के निर्णय के विरुद्ध अपील करने वाले उम्मीदवार को भारत सरकार द्वारा निर्धारित विधि के अनुसार ₹० 50/- का अपील शुल्क जमा करना होता है। यह शुल्क केवल उन उम्मीदवारों को वापस मिलेगा जो अपीलीय स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड द्वारा योग्य घोषित किये जायेंगे। शेष दूसरों के मामलों में यह जब्त कर लिया जाएगा। यदि उम्मीदवार चाहें तो अपने आरोग्य होने के दावे के समर्थन में स्वस्थता प्रमाण पत्र संलग्न कर सकते हैं। उम्मीदवारों को प्रथम स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड द्वारा भेजे गये निर्णय के 21 दिन के अन्दर अपील पेश करनी चाहिये अन्यथा दूसरी स्वास्थ्य परीक्षा के लिये अपीलीय स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड द्वारा दूसरी स्वास्थ्य परीक्षा केवल नई दिल्ली में ही होगी और इसका खर्च उम्मीदवारों को ही देना पड़ेगा। दूसरी स्वास्थ्य परीक्षा के सम्बन्ध में की जाने वाली यात्राओं के लिये कोई यात्रा भत्ता या दैनिक भत्ता नहीं दिया जायेगा। अपीलों के निर्धारित शुल्क के साथ प्राप्त होने पर अपीलीय स्वास्थ्य परीक्षा बोर्ड द्वारा की जाने वाली स्वास्थ्य परीक्षा के प्रवन्ध के लिये मंत्रिमंडल (कार्मिक तथा प्रशासनिक सुधार विभाग) द्वारा आवश्यक कार्रवाई की जायेगी।

#### मेडिकल बोर्ड की रिपोर्टें

मेडिकल परीक्षक के मार्गदर्शन के लिये निम्नलिखित सूचना दी जाती है :—

1. शारीरिक योग्यता (फिटनेस) के लिये अपनाये जाने वाले स्टैंडर्ड में संबंधित उम्मीदवार की आयु और सेवा काल (यदि हो) के लिये उचित गुंजाइश रखनी चाहिये।

किसी ऐसे व्यक्ति को पब्लिक सर्विस में भर्ती के लिये योग्य नहीं समझा जायेगा जिसके बारे में यथास्थिति सरकार या नियुक्ति प्राधिकारी (अपाइंटिंग अथॉरिटी) की यह तसल्ली नहीं होगी कि उसे ऐसी कोई भीमारी या शारीरिक दुर्बलता (बाडिली इन्फर्मिटी) नहीं है जिससे वह उस सेवा के लिये अयोग्य हो या उसके अयोग्य होने की संभावना हो।

यह बात समझ लेनी चाहिये कि योग्यता का प्रश्न भविष्य से भी उतना ही सम्बन्ध है जितना वर्तमान से है और मेडिकल परीक्षा का एक मुख्य उद्देश्य निरन्तर कारगर सेवा प्राप्त करना और स्थाई नियुक्ति के उम्मीदवार के मामले में अकाल मृत्यु होने पर समय पूर्व पेंशन या अशायगियों को रोकना है। साथ ही यह भी नोट कर लिया जाये कि जहां प्रश्न केवल निरन्तर कारगर सेवा की संभावना का है और उम्मीदवार को अस्वीकृत करने की सलाह उस हालत में नहीं दी जानी चाहिये जब कि उसमें कोई ऐसा दोष हो जो केवल बहुत कम स्थितियों में निरन्तर कारगर सेवा में बाधक पाया गया हो।

महिला उम्मीदवार की परीक्षा के लिये किसी लेडी डाक्टर को मेडिकल बोर्ड के सदस्य के रूप में सहयोजित किया जायेगा।

भारतीय रक्षा सेवा (इंस्ट्रियन डिफेंस अकाउन्ट्स सर्विस) के उम्मीदवारों को भारत में और भारत से बाहर क्षेत्र सेवा (फील्ड सर्विस) करनी होगी। ऐसे उम्मीदवार के मामले में मेडिकल बोर्ड को इस बारे में अपनी राय विशेष रूप से रिकार्ड करनी चाहिये कि उम्मीदवार क्षेत्र सेवा (फील्ड सर्विस) के योग्य है या नहीं।

डाक्टरी बोर्ड की रिपोर्टें को गोपनीय रखना चाहिये।

ऐसे मामलों में जब कि कोई उम्मीदवार सरकारी सेवा में नियुक्ति के लिये अयोग्य करार दिया जाता है तो मोटे तौर पर उसके अस्वीकार किये जाने के आधार उम्मीदवार को बताये जा सकते हैं किन्तु डाक्टरी बोर्ड ने जो खराबी बताई हो उनका विस्तृत व्यौरा नहीं दिया जा सकता।

ऐसे मामलों में जहां डाक्टरी बोर्ड का यह विचार हो कि सरकारी सेवा के लिये उम्मीदवार को अयोग्य बनाने वाली छोटी मोटी खराबी चिकित्सा (औषध या शल्य) द्वारा दूर हो सकती है वहां डाक्टरी बोर्ड द्वारा इस आशय का कथन रिकार्ड किया जाना चाहिये। नियुक्ति प्राधिकारी द्वारा इस बारे में उम्मीदवार को बोर्ड की राय सूचित किये जाने

- (7) Chronic inflammatory conditions of tonsils and/or Larynx (i) Chronic inflammatory conditions of tonsils and/or Larynx—Fit.  
(ii) Hoarseness of voice of severe degree if present then—Temporarily unfit.
- (8) Benign or locally malignant tumours of the E. N. T. (i) Benign tumours —Temporarily unfit.  
(ii) Malignant Tumours Unfit.
- (9) Otosclerosis . . . If the hearing is within 30 Decibels after operation or with the help of hearing aid Fit.
- (10) Congenital defects of ear, nose or throat. (i) If not interfering with functions.—Fit.  
(ii) Stuttering of severe degree —Unfit.
- (11) Nasal Poly . . . Temporarily Unfit.

- (b) that this speech is without impediment.
- (c) that this teeth are in good order and that he is provided with dentures where necessary for effective mastication (well filled teeth will be considered as sound);
- (d) that the chest is well formed and his chest expansion sufficient, and that his heart and lungs are sound.
- (e) that there is no evidence of any abdominal disease;
- (f) that he is not ruptured;
- (g) that he does not suffer from hydrocele, varicose veins or piles;
- (h) that his limbs, hands and feet are well formed and developed and that there is free and perfect motion of all his joints;
- (i) that he does not suffer from any inveterate skin disease;
- (j) that there is no genital malformation or defect;
- (k) that he does not bear traces of acute or chronic disease pointing to an impaired constitution.
- (l) that he bears marks of efficient vaccination; and
- (m) that he is free from communicable disease.

11. Radiographic examination of the chest should be done as a routine in all cases for detecting any abnormality of the heart and lungs, which may not be apparent by ordinary physical examination.

In case of doubt regarding health of a candidate the Chairman of the Medical Board may consult a suitable Hospital Specialist to decide the issue of fitness or unfitness of the candidate for Government Service, e.g. if a candidate is suspected to be suffering from any mental defect or aberration, the Chairman of the Board may consult a Hospital Psychiatrist/Psychologist, etc.

When any defect is found it must be noted in the certificate and the medical examiner should state his opinion whether or not it is likely to interfere with the efficient performance of the duties which will be required of the candidate.

12. The candidate filing an appeal against the decision of the Medical Board have to deposit an appeal fee of Rs. 50.00 in such manner as may be prescribed by the Government of India in this behalf. This fee would be refunded if the candidate is declared fit by the Appellate Medical Board. The candidates may, if they like enclose medical certificate in support of their claim of being fit. Appeals should be submitted within 21 days of the date of the communication in which the decision of the Medical Board is communicated to the candidates; otherwise requests for second medical examination by an Appellate Medical Board, will not be entertained. The Medical examination by the Appellate Medical Board would be arranged at New Delhi only and no travelling allowance or daily allowance will be admissible for the journeys performed in connection with the medical examination. Necessary action to arrange medical examination by Appellate Medical Boards would be taken by the Cabinet Secretariat Department of Personnel and Administrative Reforms on receipt of appeal accompanied by the prescribed fee.

#### MEDICAL BOARD'S REPORT

The following intimation is made for the guidance of the Medical Examiner :—

1. The standard of physical fitness to be adopted should make due allowance for the age and length of service, if any of the candidate concerned.

No person will be deemed qualified for admission to the Public Service who shall not satisfy Government, or the appointing authority as the case may be, that he has no disease constitutional affection, or bodily infirmity, unfitting him or likely to unfit him for that Service.

It should be understood that the question of fitness involves the future as well as the present and that one of the main objects of medical examination is to secure continuation effective service, and in the case of candidates for permanent appointment to prevent early pension or payments in case of premature death. It is at the same time to be noted that the question is one of the likelihood of continuous effective service and that rejection of a candidate need not be advised on account of the presence of a defect which is only a small proportion of cases is found to interfere with continuous effective.

A lady doctor will be co-opted as a member of the Medical Board whenever a woman candidate is to be examined.

Candidates appointed to the Indian Defence Accounts Service are liable for field service in or out of India. In the case of such a candidate the Medical Board should specially record their opinion as to his fitness or otherwise of field service.

The report of the Medical Board should be treated as confidential.

In case where a candidate is declared unfit for appointment in the Government Service the grounds for rejection may be communicated to the candidate in broad terms without giving minute details regarding the defects pointed out by the Medical Board.

In cases where a Medical Board considers that a minor disability disqualifying a candidate for Government service can be cured by treatment (medical or surgical) a statement to that effect should be recorded by the Medical Board. There is no objection to a

में कोई आपत्ति नहीं है और जब वह खराबी दूर हो जाय तो दूसरे हाफ्टरी बोर्ड के सामने उस व्यक्ति को उपस्थित होने के लिये कहने में संबंधित प्राधिकारी स्वतन्त्र है।

यदि कोई उम्मीदवार अस्थाई तौर पर अयोग्य करार दिया जाये तो दुबारा परीक्षा की अवधि साधारणतया कम से कम छह महीने से कम नहीं होनी चाहिये। निश्चित अवधि के बाद जब दुबारा परीक्षा हो तो ऐसे उम्मीदवार को और आगे की अवधि के लिये अस्थाई तौर पर अयोग्य घोषित न कर नियुक्ति के लिये उनकी योग्यता के सम्बन्ध में अथवा वे इस नियुक्ति के लिये अयोग्य है ऐसा निर्णय अन्तिम रूप से दिया जाना चाहिये।

#### (क) उम्मीदवार का कथन और घोषणा

अपनी मेडिकल परीक्षा से पूर्व उम्मीदवार को निम्नलिखित अपेक्षित स्टैटमेंट देना चाहिये और उनके साथ लगी हुई घोषणा (डिक्लेरेशन) पर हस्ताक्षर करने चाहिये। नीचे दिये गये नोट में उल्लिखित चेतावनी की ओर उम्मीदवार को विशेष रूप से ध्यान देना चाहिये।

##### 1. अपना पूरा नाम लिखें—

(साफ अक्षरों में)

##### 2. अपनी आयु और जन्म स्थान बतायें—

2. (क) क्या आप अनुसूचित जन जाति या गोरखा, गढ़वाली, असमिया, नागालैंड, जन जाति आदि में से किसी जाति से सम्बन्धित हैं जिसका ओसत कब दूसरों से कम होता है "हां" या "नहीं" में उत्तर दीजिये। उत्तर "हां" में हो तो उस जाति का नाम बताइये।

3. (क) क्या आपको कभी चेचक, रुक-रुक कर होने वाला या कोई दूसरा बुखार, ग्रियां (रलेट्स) का बढ़ना या इनमें पीप पड़ना शुरू में खून आना, दमा, दिल की बीमारी, फेफड़े की बीमारी, मूर्छा के दौर, रुमेटिज्म, एपेंडिसाइटिस हुआ है?

(ख) दूसरी कोई ऐसी बीमारी या दुर्घटना, जिसके कारण शय्या पर लेटे रहना पड़ा हो और जिसका मेडिकल या सर्जिकल इलाज किया गया हो, हुई है?

4. आपको चेचक का ठीका आखिरी बार कब लगा था?

5. क्या आपको अधिक काम या किसी दूसरे कारण से किसी किस्म की अमीरता (नर्वेसनेस) हुई?

6. अपने परिवार के सम्बन्ध में निम्नलिखित व्योरे दें :—

यदि पिता जीवित हो तो उसकी आयु और स्वास्थ्य की अवस्था	मृत्यु के समय पिता की आयु और मृत्यु का कारण	आपके कितने भाई जीवित हैं, उनकी आयु और स्वास्थ्य की अवस्था	आपके कितने भाइयों की मृत्यु हो चुकी है, उनकी आयु और मृत्यु का कारण
--	---	---	--

यदि माता जीवित हो तो उसकी आयु और स्वास्थ्य की अवस्था	मृत्यु के समय माता की आयु और मृत्यु का कारण	आपकी कितनी बहनें जीवित हैं, उनकी आयु और स्वास्थ्य की अवस्था	आपकी कितनी बहनों की मृत्यु हो चुकी है, उनकी आयु और मृत्यु का कारण
--	---	---	---

7. क्या इसके पहले किसी मेडिकल बोर्ड ने आपकी परीक्षा की है?

8. यदि ऊपर के प्रश्न का उत्तर हाँ में हो तो बताइये किस सेवा/किन सेवाओं के लिये आपकी परीक्षा की गई थी?

9. परीक्षा देने वाला प्राधिकारी कौन था?

10. कब और कहाँ मेडिकल हुआ?

11. मेडिकल बोर्ड की परीक्षा का परिणाम यदि आपको बताया गया हो अथवा आपको मालूम हो—

मैं घोषित करता हूँ कि जहाँ तक मेरा विश्वास है, ऊपर दिये गये सभी जवाब सही और ठीक हैं।

उम्मीदवार के हस्ताक्षर—

मेरे सामने हस्ताक्षर किये—

बोर्ड के अध्यक्ष के हस्ताक्षर—

नोट:—उपयुक्त कथन की यथार्थता के लिये उम्मीदवार जिम्मेदार होगा। जानबूझ कर किसी सूचना को छिपाने से वह नियुक्ति खो बैठने की जोखिम लेगा और यदि वह नियुक्त हो भी आये तो वार्धक्य निवृत्ति भत्ता (सुपरएनुएशन अलाउंस) या उपवास (ग्रैजुटी) के सभी दावों से हाथ धो बैठेगा।

(ख) ————— (उम्मीदवार का नाम) की शारीरिक परीक्षा की मेडिकल बोर्ड की रिपोर्ट

1 सामान्य विकास:—ग्रन्था—बीच का—

कम—कम पोषण: पतला—प्रीसत—

मोटा—कम (जैसे उतारकर)—वजन—

अत्युत्तम वजन—कब था?—वजन में कोई

हाल ही में हुआ परिवर्तन—

सापमान—

छाती का घेर —

(1) पूरा सांस खींचने पर—

(2) पूरा सांस निकालने पर—

2. त्वचा—कोई जाहिरा बीमारी

3. नेत्र:—

(1) कोई बीमारी—

(7) रतौंधी—

(3) कलर विजन का दोष—

(4) दृष्टि क्षेत्र (फील्ड ऑफ विजन) —

(5) दृष्टि तीक्ष्णता (विजुअल एक्जिटिवी)—

candidate being informed of the Boards' opinion to the effect by the appointing authority and when a cure has been effected it will be open to the authority concerned to ask for another Medical Board.

In the case of candidates who are to be declared "Temporarily Unfit" the period specified for re-examination *should not ordinarily exceed six months at the maximum*. On re-examination after the specified period these candidates should not be declared temporarily unfit for a further period but a final decision in regard to their fitness for appointment or otherwise should be given.

(a) Candidate's statement and declaration.

The candidate must make the statment required below prior to his Medical Examination and must sign the Declaration appended thereto. His attention is specially directed to the warning contained in the Note below :—

1. State your name in full (in block letters).
2. State your age and birth place.
2. (a) Do you belong to races such as Gorkhas, Garhwalis, Assamese, Nagaland Tribes etc. whose average height is distinctly lower ? Answer 'Yes' or 'No' and if the answer is, 'Yes' state the name of the race.
3. (a) Have you ever had small-pox intermittent or any other fever enlargement or suppuration of glands, spitting of blood, asthma heart disease lung disease, fainting attack rheumatism, appendicitis ?
- (b) any other disease or accident requiring confinement to bed and medical or surgical treatment ?
4. When were you last vaccinated.....
5. Have you suffered from any form of nervousness due to over work or any other causes ?
6. Furnish the following particulars concerning your family

Father's age, if living and state of health	Father's age at death and cause of death	No. of brothers living, their ages and state of health	No. of brothers dead, their ages at and cause of death

Mother's age if living and state of health	Mother's age at death and cause of death	No. of sisters living, their ages and state of health	No. of sisters dead, their ages at, and cause of death

7. Have you been examined by a medical Board before ? .....
8. If answer to the above is "Yes" please state what Service/Services you were examined for ? .....
9. Who was the examining authority ? .....
10. When and where was the Medical Board held ? .....
11. Result of the Medical Board's examination if communicated to you or if known ? .....

I declare all the above answers to be, to the best of my belief true and correct.

Candidate's Signature.....

Signed in my presence.

Signature of the Chairman of the Board.

Note :— The candidate will be held responsible for the accuracy of the above statement. By wilfully suppressing any information he will incur the risk of losing the appointment and, if appointed, of forfeiting all claims to superannuation allowance or Gratuity.

(b) Report of the Medical Board on (name of candidate)  
Physical Examination .

1. General development : Good.....Fair.....  
Poor.....

Nutrition : Thin.....Average.....Obese....

Height (Without shoes).....Weight.....

Best Weight.....When ?.....any recent changes  
in weight.....Temperature.....  
Girth of Chest.

(1) After full inspiration

(2) After full expiration

2. Skin : any obvious disease .....

3. Eyes : .....

(1) Any disease.....

(2) Night blindness.....

(3) Defect in colour vision.....

(4) Field of vision .....

(5) Visual acuity.....

(6) फेंस की जाँच—	
दृष्टि की तीक्ष्णता	चश्मे के बिना
	चश्मे से
	चश्मे की पावर
	गोल सिलिन्ड्रिकल
दूर की नजर	वा० ने०
	बा० ने०
पास की नजर	दा० ने०
	बा० ने०
हाईपरमेट्रोपिया	वा० ने०
(भ्रूण)	बा० ने०
4 कान: निरीक्षण—	सुनना—
दायाँ कान—	बायाँ कान—
5 श्रवण—	वाइराइस—
6 दाँतों की हालत—	
7 श्वसन तंत्र (रास्परेटरी सिस्टम):—	क्या शारीरिक परीक्षा करने पर साँस के अंगों में किसी असमानता का पता लगा है? यदि पता लगा है तो असमानता का पूरा ब्योरा दें।
8 परिवर्तन तंत्र (न्यूरोलॉजिकल सिस्टम)	
(क) हृदय: कोई प्रांशिक गति (मानविक लीजन)—	
गति (रेट):	
खड़े होने पर	
25 बार कुवाये जाने के बाद	
कुवाये जाने के 2 मिनट बाद—	
(ख) ब्लड प्रेशर—	सिस्टोलिक—
डायस्टोलिक—	
9 उबर (पेट) घेर—	स्पर्श सिद्ध्यता
हानिया—	
(क) बजाकर माथूम पड़ना/जिगर—	
तिल्ली—	गुद—
टयूमर—	
(ख) रक्तार्श	
भंगवर	
10 तांत्रिक तंत्र (नर्व सिस्टम) तांत्रिक या मानसिक प्रशक्तता का संकेत—	
11 श्वास तंत्र (लोकोमोटर सिस्टम)	
की असमानता—	
12 जनन सूत्र तंत्र (जेनिटो यूरिनरी सिस्टम)—	हाइड्रोसोल बैरिका-सीस आदि का कोई संकेत।
सूत्र परीक्षा—	

(क) बीसा दिखाई पड़ता है?

(ख) अपेक्षित गुरुत्व (स्पेसफिक ग्रेविटी)

(ग) एल्युमेन

(घ) शक्कर

(ङ) कास्ट

(च) कोशिकायें (सेल्स)

13 छाती की एक्स-रे परीक्षा की रिपोर्टें

14 क्या उम्मीदवार के स्वास्थ्य में कोई ऐसी बात है जिससे वह इस सेवा की ड्यूटी को दक्षता पूर्वक निभाने के लिये अयोग्य हो सकता है।

नोट:—महिला उम्मीदवार के मामले में, यदि यह पाया जाता है कि वह 12 सप्ताह की भ्रूणस्थिति अथवा उससे अधिक समय से गर्भिणी है तो उसे अस्थाई रूप से अयोग्य घोषित किया जाना चाहिये, देखें विनियम 9।

15 (i) उन सेवाओं का उल्लेख करें जिनके लिये उम्मीदवार की परीक्षा की गई:—

(क) भारतीय प्रशासनिक सेवा और भारतीय विदेश सेवा;

(ख) भारतीय पुलिस सेवा और दिल्ली और अजमेर तथा निकोबार द्वीपसमूह पुलिस सेवा।

(ग) केन्द्रीय सेवायें, ग्रुप क तथा ख

(ii) क्या वह निम्नलिखित सेवाओं में दक्षतापूर्वक और निरन्तर काम करने के लिये सब तरह से योग्य पाया गया है:—

(क) भारतीय प्रशासनिक सेवा और भारतीय विदेश सेवा।

(ख) भारतीय पुलिस सेवा और दिल्ली और अजमेर तथा निकोबार द्वीपसमूह पुलिस सेवा, (कद, छाती का घेर, नजर, रंग दिखाई न देना और चाल, खास तौर से देखें)।

(ग) भारतीय रेलवे यातायात सेवा (कद, छाती, नजर, रंग दिखाई न देना, खास तौर से देखें)।

(घ) दूसरी केन्द्रीय सेवायें ग्रुप क/ख।

(iii) क्या उम्मीदवार क्षेत्र सेवा (फील्ड सर्विस) के लिये योग्य है।

नोट:—बोर्ड की अपना जाँच परिणाम निम्नलिखित वर्गों में से किसी एक वर्ग में रिकार्ड करना चाहिये।

(i) योग्य (फिट)।

(ii) अयोग्य (अनफिट) जिसका कारण—

स्थान—

तारीख—

सदस्य—

## (6) Fundus examination.....

Acuity of vision	Nacked with glasses	Strength of glass sph. Cyl. Axis
Distant vision . . . . .	R.E. L.E.	
Near vision . . . . .	R.E. L.E.	
Hypermetropia . . . . . (Manifest)	R.E. L.E.	

4. Ears : Inspection.....Hearing Right Ear.....  
Left Ear.....

5. Glands.....Thyroid.....

6. Condition of teeth.....

7. Respiratory System : Does physical examination reveal  
anything abnormal in the respiratory organs.....  
If yes, explain fully.....

## 8. Circulatory System :

(a) Heart : Any organic Lesions ? .....Rate

Standing .....

After hopping 25 times .....

2 minutes after hopping .....

(b) Blood Pressure : Systolic .....Diastolic .....

9. Abdomen : Girth .....Tenderness .....

Hernia .....

(a) Palpable : Liver .....Spleen .....

Kidneys .....Tumours .....

(b) Haemorrhoids .....Fistula.....

10. Nervous System : Indication of nervous or mental dis-  
abilities .....

11. Loco-Motor System : Any abnormality .....

12. Genito Urinary System : Any evidence of Hydrocele,  
varicocele, etc.

## Urine Analysis :

(a) Physical appearance .....

(b) Sp. Gr. ....

(c) Albumen.....

(d) Sugar .....

(e) Casts .....

(f) Cells .....

13. Report of X-ray Examination of Chest .....

14. Is there anything in the health of the candidate likely  
to render him unfit for the efficient discharge of his  
duties in the service for which he is a candidate? ..NOTE:— In the case of a female candidate, if it is found that  
she is pregnant of 12 weeks standing or over, she should  
be declared temporarily unfit, *vide* Regulation 9.15. (i) State the Service for which the candidate has been  
examined:

(a) I. A. S. and I. F. S.

(b) I. P. S. and Delhi & Andaman & Nicobar Is-  
lands Police, Service,.....

(c) Central Services, Group A &amp; B.

(ii) has he been found qualified in all respects for the effi-  
cient and continuous discharge of his duties in:

(a) I. A. S. &amp; I. F. S.....

(b) I. P. S. and Delhi and Andaman & Nicobar Islands  
Police Service.....(See especially height, chest girth, eye sight, colour  
blindness and locomotive system).(c) Indian Railway Traffic Service (*see* especially height,  
chest, eye sight, colour blindness).

(d) Other Central Services Group A/B.

(iii) Is the Candidate fit for FIELD SERVICE.

NOTE:—The Board should record their findings under one  
of the following three categories:—

(i) Fit .....

(ii) Unfit on account of.....

(iii) Is the candidate fit for

FIELD SERVICE .....

Note :— The Board should record their findings under one  
of the following three categories :—

(i) Fit .....

(ii) Unfit on account of .....

(iii) Temporarily unfit on account of.....

Place .....

Date .....

Chairman.....

Member.....

Member.....

## परिशिष्ट IV

## उम्मीदवारों को सूचनायें विवरणिका

## वस्तुपरक परीक्षण

आप जिस परीक्षा में बैठने वाले हैं, उसको "वस्तुपरक परीक्षण" कहा जाता है। इस प्रकार की परीक्षा में आपको उत्तर फैलाकर लिखने नहीं होंगे। प्रत्येक प्रश्न (जिसको प्रागे प्रश्नांश कहा जाएगा) के लिए कई संभाव्य उत्तर दिए जाते हैं। उनमें से प्रत्येक के लिए एक उत्तर (जिसको प्रागे प्रत्युत्तर कहा जाएगा) आपको चुन लेना है।

इस विवरणिका का उद्देश्य आपको इस परीक्षा के बारे में कुछ जानकारी देना है जिससे कि परीक्षा के स्वरूप से परिचित न होने के कारण आपको कोई हानि न हो।

## परीक्षा का स्वरूप

प्रश्न पत्र "परीक्षण पुस्तिका" के रूप में होंगे। इस पुस्तिका में क्रम संख्या 1, 2, 3, ..... के क्रम से प्रश्न होंगे। हर एक प्रश्न के नीचे ए०, बी०, सी०, ..... क्रम में संभावित उत्तर लिखे होंगे। आपका काम प्रत्येक प्रश्न के लिए एक सही या यदि एक से अधिक उत्तर सही है तो उनमें से सर्वोत्तम उत्तर का चुनाव करना होगा। अन्त में दिए गए नमूने के प्रश्न देख लें। किसी भी स्थिति में, प्रत्येक प्रश्न के लिए आपको एक ही उत्तर का चुनाव करना होगा। यदि आप एक से अधिक उत्तर चुन लेते हैं तो आपका उत्तर गलत माना जाएगा।

## उत्तर देने की विधि

उत्तर देने के लिए आपको अलग से एक उत्तर पत्रक परीक्षा भवन में दिया जाएगा। आपको अपने उत्तर इस उत्तर पत्रक में लिखने होंगे। परीक्षण पुस्तिका में या उत्तर पुस्तिका को छोड़कर अन्य किसी कागज पर लिखे गए उत्तर जांचे नहीं जाएंगे।

उत्तर पत्रक में प्रश्नों की संख्याएं 1 से 200 तक चार खंडों में छापी गई हैं। प्रत्येक प्रश्नांश के सामने ए०, बी०, सी०, डी०, ई० के क्रम से प्रत्युत्तर छपे होंगे। परीक्षण पुस्तिका के प्रत्येक प्रश्नांश को पढ़ लें और यह निर्णय करने के बाद कि कौन सा प्रत्युत्तर सही या सर्वोत्तम है, आपको उस प्रत्युत्तर के अक्षर को बरानि वाले आयत को पेंसिल से काला बनाकर उसे अंकित कर देना है, जैसा कि संलग्न उत्तर पत्रक के नमूने पर दिखाया गया है।

आपके उत्तर पत्रक में दिए गए उत्तरों का मूल्यांकन एक मूल्यांकन मशीन से किया जाएगा। इसलिए यह जरूरी है कि :

1. आप उसी पेंसिल का प्रयोग करें जो आपको पर्यवेक्षक दें। दूसरी पेंसिलों या पेन के द्वारा बनाए गए निशान, संभव है, मशीन से ठीक-ठीक न पड़ जाएं।
2. अगर आपने गलत निशान लगाया है, तो उसे पूरा मिटाकर फिर से सही उत्तर का निशान लगा दें।
3. उत्तर पत्रक का उपयोग करते समय कोई ऐसी असावधानी न हो जिससे वह खराब हो जाए।

## कुछ महत्वपूर्ण नियम

1. आपको परीक्षा आरम्भ करने के लिए निर्धारित समय से 30 मिनट पहले परीक्षा भवन में पहुंचना होगा और पहुंचते ही अपना स्थान ग्रहण करना होगा।
2. परीक्षा शुरू होने के 30 मिनट बाद किसी को परीक्षा में प्रवेश नहीं दिया जाएगा।
3. परीक्षा शुरू होने के बाद 45 मिनट तक किसी को परीक्षा भवन छोड़ने की अनुमति नहीं मिलेगी।
4. परीक्षा समाप्त होने के बाद, परीक्षण पुस्तिका और उत्तर पत्रक पर्यवेक्षक को सौंप दें। आपको परीक्षण पुस्तिका परीक्षा-भवन से बाहर ले

जाने की अनुमति नहीं है।

5. उत्तर पत्रक पर नियत स्थान पर परीक्षा का नाम, अपना रोल नंबर, केन्द्र, विषय, परीक्षण की तारीख और परीक्षण पुस्तिका की क्रम संख्या साफ-साफ लिखें। उत्तर पत्रक पर कहीं भी आपको अपना नाम नहीं लिखना है।

6. परीक्षण-पुस्तिका में दिए गए सभी अनुदेश आपको सावधानी से पढ़ने हैं। चूंकि मूल्यांकन मशीन के द्वारा होता है, इसलिए संभव है कि इन अनुदेशों का सावधानी से पालन न करने से आपके नंबर कम हों जाएं। अगर उत्तर पत्रक पर कोई प्रविष्टि संदिग्ध है, तो उस प्रश्नांश के लिए आपको कोई नंबर नहीं मिलेगा। पर्यवेक्षक के दिए गए अनुदेशों का पालन करें। जब पर्यवेक्षक किसी परीक्षण या उसके किसी भाग की आरम्भ या समाप्त करने को कह दें तो उनके अनुदेशों का तत्काल पालन करें।

7. आप अपना प्रवेश प्रमाण पत्र साथ लाएं। आपको अपने साथ एक रबड़ और नीली या काली स्याही वाली कलम भी लानी होगी। आपको परीक्षा भवन में कोई कच्चा कागज, या कागज का टुकड़ा, पैमाना या नेखन सामग्री नहीं लानी है क्योंकि उनकी जरूरत नहीं होगी। कच्चे काम के लिए आपको एक अलग कागज दिया जाएगा। आप कच्चा काम शुरू करने के पहले उस पर परीक्षा/परीक्षण का नाम, अपना रोल नंबर, परीक्षण का विषय और तारीख लिखें और परीक्षण समाप्त होने के बाद उसे अपने उत्तर पत्रक के साथ पर्यवेक्षक को वापस कर दें। जैसा कि ऊपर कहा जा चुका है, पेंसिल से काला निशान लगाकर उत्तर अंकित करने चाहिए। उत्तर पत्रक पर लाल स्याही का प्रयोग नहीं करना चाहिए।

## कुछ उपयोगी सुझाव

यद्यपि इस परीक्षण का उद्देश्य आपको गति की अपेक्षा शुद्धता को जांचना है, फिर भी यह जरूरी है कि आप अपने समय का, बहुत किरा-यत के साथ, उपयोग करें। संतुलन के साथ आप जितनी जल्दी प्रागे बढ़ सकते हैं, बड़ें, पर लापरवाही न हो। अगर आप सभी प्रश्नों का उत्तर नहीं दे पाते हैं तो चिंता न करें। आप को जो प्रश्न अत्यंत कठिन मालूम पड़ें, उन पर समय व्यर्थ न करें। दूसरे प्रश्नों की ओर बढ़ें, और उन कठिन प्रश्नों पर बाद में विचार करें।

चूंकि प्रत्येक प्रश्न के संभाव्य उत्तर दिए होते हैं, इसलिए, हो सकता है कि आप जिन प्रश्नों के उत्तर ठीक-ठीक नहीं जानते हों उनके बारे में ऊहापोह के चक्कर में पड़ जाएं। अगर आप किसी प्रश्न के बारे में कुछ भी नहीं जानते हैं तो उसे छोड़ देना अच्छा होगा। ऐसे प्रश्नों पर अंधा अनुमान लगाने की अपेक्षा उनको छोड़ देने से संभवतः आप को अधिक नंबर मिल सकते हैं।

प्रश्न इस तरह बनाए जाते हैं कि उनसे आपकी स्मरण शक्ति की अपेक्षा, जानकारी, सूक्ष्म-बुद्ध और विश्लेषण-क्षमता की परीक्षा हो। आपके लिए यह लाभदायक होगा कि आप संगत विषयों को एक बार सर-सरी निगाह से देख लें और इस बात से आश्वस्त हो जाएं कि आप अपने विषय को अच्छी तरह समझते हैं।

## विशेष अनुदेश

जब आप परीक्षा भवन में अपने स्थान पर बैठ जाते हैं तब निरीक्षक से आपको उत्तर पत्रक मिलेगा। उत्तर पत्रक पर अपेक्षित सूचना अपनी कलम से भर दें। यह काम पूरा होने के बाद निरीक्षक आपको परीक्षण पुस्तिका देंगे। प्रत्येक परीक्षण-पुस्तिका पर हाथिय में सील लगी होगी जिससे कि परीक्षण शुरू हो जाने के पहले उसे कोई खोल नहीं पाए। जैसे ही आपको परीक्षण-पुस्तिका मिल जाए, तुरन्त आप देख

## APPENDIX IV

## CANDIDATES' INFORMATION MANUAL

*Objective Test*

Your examination will be what is called an 'OBJECTIVE TEST'. In this kind of examination you do not write detailed answers. For each question (hereinafter referred to as item) several possible answers are given. You have to choose one answer (hereinafter referred to as response) to each item.

This manual is intended to give you some information about the examination so that you do not suffer due to unfamiliarity with the type of examination.

*Nature of the Test*

The question paper will be in the form of test booklet. The booklet will contain items bearing number 1, 2, 3, ... etc. Under each item will be given suggested responses marked a, b, c, etc. Your task will be to choose the correct or if you think there are more than one correct, the best response. See sample question at the end. In any case in each item you have to select only one response; if you select more than one, your answer will be considered wrong.

*Method of Answering*

A separate answer sheet will be provided to you in the Examination Hall. You have to mark your answer on the answer sheet. Answers marked on the test booklet or in any paper other than the answer sheet will not be examined.

In the answer sheet, numbers of the items from 1 to 200 have been printed in four sections. Against each item responses a, b, c, d, e are printed. After you have read each item in the test booklet and decided which of the given responses is correct or the best, you have to mark the rectangle containing the letter of the response by blackening it completely with the pencil as shown in the enclosed specimen answer sheet. Your answer sheet will be scored by an optical scoring machine. It is, therefore, important that—

1. You use only the pencil provided by the Supervisor; the machine may not read the marks with other pencils or pens correctly.
2. If you have made a wrong mark erase it completely and remark the correct response.
3. Do not handle your answer sheet in such a manner as to mutilate it.

*Some Important Rules*

1. You are required to enter the examination hall 20 minutes before the prescribed time for starting of the examination and get seated immediately.
2. Nobody will be admitted to the test 30 minutes after the commencement of the test.
3. No candidate will be allowed to leave the examination hall until 45 minutes have passed after the commencement of the examination.
4. After finishing the examination, submit the test booklet and the answer sheet to the Supervisor. **YOU ARE NOT PERMITTED TO TAKE THE TEST BOOKLET OUT OF THE EXAMINATION HALL.**
5. Write clearly the name of the examination, your Roll No., centre, subject and date of the test and serial number of the test booklet at the appropriate space provided in the answer sheet. You are not allowed to write your name anywhere in the answer sheet.

6. You are required to read carefully all instructions given in the test booklet. Since the evaluation is done mechanically, you may lose marks if you do not follow the instructions meticulously. If any entry in the answer sheet is ambiguous then you will get no credit for that item. Follow the instructions given by the Supervisor. When the Supervisor asks you to start or stop a test or a section of a test, you must follow his instructions immediately.

7. Bring your Admission Certificate with you. You should also bring an eraser and a pen containing blue or black ink. You are not allowed to bring any scrap or rough paper, scales or drawing instruments into the examination hall, as they are not needed. A separate sheet will be provided to you for rough work. You should write the name of examination/test, your Roll number and subject of the test and date on it before doing your rough work and return it to the Supervisor along with your answer sheet at the end of the test. Answers should be marked by blackening with pencil as indicated above. Red ink should not be used on the answer sheet.

*Some useful Hints*

Although the test stresses accuracy more than speed it is important for you to use your time as economically as possible. Work steadily and as rapidly as you can, without becoming careless. Do not worry if you cannot answer all questions. Do not waste time on questions which are too difficult for you. Go on to the other questions and come back to the difficult ones later.

As the possible answers for each question are given, you may wonder whether or not to guess the answers to questions about which you are not certain. If you know nothing about a question, better leave it blank. You will get better marks by omitting to answer such questions than by blind guessing.

The questions are designed to measure your knowledge, understanding and analytical ability, not just memory. It will help you if you review the relevant topics, to be sure that you UNDERSTAND the subject thoroughly.

*Special Instructions*

After you have taken your seat in the hall the invigilator will give you the answer sheet. Fill up the required information on the answer sheet with your pen. After you have done this the invigilator will give you the test booklet. Each test booklet will be sealed in the margin so that no one opens it before the test starts. As soon as you have got your test booklet, ensure that it contains the booklet number and it is sealed; otherwise get it changed. After you have done this, you should write the serial number of your test booklet on the relevant column of the answer sheet. You are not allowed to break the seal of the test booklet until you are asked by the Supervisor to break it.

*Conclusion of Test*

Stop writing as soon as the Supervisor asks you to stop. Candidates who do not stop will be penalised.

After you have finished answering remain in your seat and wait till the invigilator collects the test booklet and answer sheet from you and permits you to leave the Hall. You are NOT allowed to take the test booklet and the answer sheet out of the examination hall. Those who violate this direction are liable to be penalised.

लें कि उस पर पुस्तिका की संख्या लिखी हुई है और सील लगी हुई है। धन्यथा, उसे बदलवा लें। जब यह हो जाए तब आपको उत्तर पत्रक के संबंध जाने में अपनी परीक्षण-पुस्तिका की क्रम संख्या लिखनी होगी। जब तक पर्यवेक्षक परीक्षण पुस्तिका की सील तोड़ने को न कहें तब तक आप उसे न तोड़ें।

#### परीक्षण का समापन

जैसे ही पर्यवेक्षक आपको लिखना बन्द करने को कहें, आप लिखना बन्द कर दें। जो उम्मीदवार इस तरह बन्द नहीं करते हैं, वे रैंक के भागी होंगे।

जब आपका उत्तर लिखना समाप्त हो जाए तब आप अपने स्थान पर तब तक बैठे रहें जब तक निरीक्षक आपके यहां आकर आपकी परीक्षण पुस्तिका और उत्तर पत्रक, न ले जाएं और आपको 'हाल' छोड़ने की अनुमति न दें। आपकी परीक्षण-पुस्तिका और उत्तर पत्रक परीक्षा भवन से बाहर ले जाने की अनुमति नहीं है। इस निर्देश का उल्लंघन करके वाले रैंक के भागी होंगे।

#### नमूने के प्रश्न

1. मौर्य बंश के पतन के लिए निम्नलिखित कारणों में से कौनसा उत्तरदायी नहीं है ?

- (a) अशोक के उत्तराधिकारी सबके सब कमजोर थे।
- (b) अशोक के बाद साम्राज्य का विभाजन हुआ।
- (c) उत्तरी सीमा पर प्रभावशाली सुरक्षा की व्यवस्था नहीं हुई।
- (d) अशोकोत्तर युग में आर्थिक रिक्तता थी।

उत्तर (d)

2. संसदीय स्वरूप की सरकार में:—

- (a) विधायिका न्यायपालिका के प्रति उत्तरदायी है।

(b) विधायिका कार्यपालिका के प्रति उत्तरदायी है।

(c) कार्यपालिका विधायिका के प्रति उत्तरदायी है।

(d) न्यायपालिका विधायिका के प्रति उत्तरदायी है।

(e) कार्यपालिका न्याय पालिका के प्रति उत्तरदायी है।

उत्तर (c)

3. पाठशाला के छात्र के लिए पाठ्येतर कार्य कलाप का मुख्य प्रयोजन:—

(a) विकास की सुविधा प्रदान करना है।

(b) अनुशासन की समस्याओं की रोकथाम है।

(c) नियत कला-कार्य से राहत देना है।

(d) शिक्षा के कार्यक्रम में विकल्प देना है।

उत्तर (a)

4. धूम्र के सबसे निकट ग्रह है:—

(a) शुक्र

(c) बृहस्पति

(b) मंगल

(d) बुध

उत्तर (d)

5. वन और बाढ़ के पारस्परिक संबंध को निम्नलिखित में से कौन-सा विवरण स्पष्ट करता है ?

(a) पेड़ पौधे जितने अधिक होते हैं, मिट्टी का क्षरण उतना अधिक होता है जिससे बाढ़ होती है।

(b) पेड़ पौधे जितने कम होते हैं, नदियां उतनी ही गाढ़ से भरी होती हैं जिससे बाढ़ होती है।

(c) पेड़ पौधे जितने अधिक होते हैं, नदियां उतनी ही कम गाढ़ से भरी होती हैं जिससे बाढ़ रोकी जाती है।

(d) पेड़ पौधे जितने कम होते हैं उतनी ही घीमी गति से बर्फ पिघल जाती है जिससे बाढ़ रोकी जाती है।

उत्तर (c)

## SAMPLE QUESTIONS

1. Which one of the following causes is NOT responsible for the down fall of the Mauryan dynasty ?

- (a) the successors of Asoka were all weak.
- (b) there was partition of the Empire after Asoka.
- (c) the northern frontier was not guarded effectively.
- (d) there was economic bankruptcy during post-Asokan era.

(Answer—d)

2. In a parliamentary form of Government,

- (a) the Legislature is responsible to the Judiciary
- (b) the Legislature is responsible to the Executive
- (c) the Executive is responsible to the Legislature
- (d) the Judiciary is responsible to the Legislature
- (e) the Executive is responsible to the Judiciary.

(Answer—c)

3. The main purpose of extra-curricular activities for pupils in a school is to

- (a) facilitate development
- (b) prevent disciplinary problems

- (c) provide relief from the usual class room work
- (d) allow choice in the educational programme.

(Answer—a)

4. The nearest planet to the Sun is.

- (a) Venus
- (b) Mars
- (c) Jupiter
- (d) Mercury.

(Answer—d)

5. Which of the following statements explains the relationship between forests and floods ?

- (a) the more the vegetation, the more is the soil erosion that causes floods.
- (b) the less the vegetation, the less is the silting of rivers that causes floods.
- (c) the more the vegetation, the less is the silting of rivers that prevents floods.
- (d) the less the vegetation, the less quickly does the snow melt that prevents floods.

(Answer—c)

## स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय

नई दिल्ली, दिनांक 12 अप्रैल 1978

## संकल्प

सं० ई-11018/1/77-रा० भा० कार्यान्वयन—स्वास्थ्य और परिवार नियोजन मंत्रालय के 2 अप्रैल, 1976 के संकल्प सं ई-11017/12/75-रा० भा० कार्यान्वयन तथा 29 अप्रैल, 1976 और 21 जुलाई, 1976 के इसी संख्या के संकल्पों के अधिग्रहण करते हुए भारत सरकार ने स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय की हिन्दी सलाहकार समिति का पुनर्गठन करने का निश्चय किया है। इस समिति का गठन, कार्य, आदि इस प्रकार होंगे :-

## 1. गठन

- |   |           |
|---|-----------|
| 1. स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्री  | अध्यक्ष   |
| 2. स्वास्थ्य और परिवार कल्याण राज्य मंत्री                                    | उपाध्यक्ष |
| 3. स्वास्थ्य और परिवार कल्याण सचिव  | सदस्य     |
| 4. अपर सचिव (स्वास्थ्य)   | सदस्य     |
| 5. अपर सचिव (परिवार कल्याण)   | सदस्य     |
| 6. संयुक्त सचिव (वित्त सलाहकार)   | सदस्य     |
| 7. स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक   | सदस्य     |
| 8. निदेशक, राष्ट्रीय मलेरिया सन्मूलन कार्यक्रम दिल्ली                         | सदस्य     |
| 9. निदेशक, राष्ट्रीय संचारी रोग संस्थान, दिल्ली                               | सदस्य     |
| 10. निदेशक, केन्द्रीय सरकार स्वास्थ्य योजना, नई दिल्ली                        | सदस्य     |
| 11. चिकित्सा अधीक्षक, विलिन्डन अस्पताल, नई दिल्ली                             | सदस्य     |
| 12. चिकित्सा अधीक्षक, सफदरजंग अस्पताल, नई दिल्ली                              | सदस्य     |
| 13. निदेशक, राष्ट्रीय स्वास्थ्य और परिवार कल्याण संस्थान, नई दिल्ली           | सदस्य     |
| 14. सचिव, राजभाषा विभाग और हिन्दी सलाहकार भारत सरकार                          | सदस्य     |
| 15. राजभाषा विभाग का प्रतिनिधि  | सदस्य     |
| संसद सदस्य  |           |
| 16. डा० भगवान दास राठौर, सदस्य, लोक सभा                                       | सदस्य     |
| 17. श्री गोविन्द मुंडा, सदस्य, लोक सभा  | सदस्य     |
| 18. डा० लोकेश चन्द्र, सदस्य, राज्य सभा  | सदस्य     |
| 19. डा० एम० एम० सिद्धू, सदस्य, राज्य सभा                                      | सदस्य     |
| संस्थाओं आदि के प्रतिनिधि   |           |
| 20. डा० जगेश्वर काशी विद्यापीठ, वाराणसी                                       | सदस्य     |
| 21. डा० मलिक मोहम्मद, प्राध्यापक, हिन्दी विभाग, कालीकट, विश्वविद्यालय, कालीकट | सदस्य     |
| 22. डा० रघुवंश, प्रयाग विश्वविद्यालय, इलाहाबाद                                | सदस्य     |
| 23. श्री राजेन्द्र अवस्थी, सम्पादक कादंब्रिनी, दिल्ली                         | सदस्य     |

- |   |            |
|---|------------|
| 24. श्री नरसिंह पंडित, हिन्दी विद्यापीठ, वैद्यनाथ, देवघर                  | सदस्य      |
| 25. डा० कुमार विमल, पटना  | सदस्य      |
| 26. डा० आत्म प्रकाश, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली          | सदस्य      |
| 27. डा० आर० के० मिश्र, अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान, नई दिल्ली        | सदस्य      |
| 28. श्री संल्लन प्रसाद व्यास, नई दिल्ली                                   | सदस्य      |
| 29. डा० विश्वनाथ अय्यर, अध्यक्ष, हिन्दी विभाग कोचीन विश्वविद्यालय, कोचीन  | सदस्य      |
| 30. पंडित शिव शर्मा, बहारिस्तान, 9-ए, बोमन पेटिट रोड़, कम्बाला हिल, बम्बई | सदस्य      |
| 31. संयुक्त सचिव (प्रशासन)  | सदस्य-सचिव |

## 2. कार्य

इस समिति का कार्य स्वास्थ्य और परिवार कल्याण मंत्रालय और उसके संलग्न तथा अधीनस्थ कार्यालयों में सरकारी काम काज के लिए हिन्दी के उत्तरोत्तर प्रयोग एवं केन्द्रीय हिन्दी समिति और राजभाषा विभाग द्वारा निर्धारित नीतियों से संबंधित मामलों में सलाह देना होगा।

## 3. कार्यकाल

समिति का कार्यकाल निम्नलिखित व्यवस्था के साथ उसके गठन की तारीख से तीन वर्ष का होगा :

1. समिति में नामजद कोई सदस्य जैसे ही संसद सदस्य नहीं रहेगा उसी समय से वह इस समिति का सदस्य भी नहीं रहेगा।
2. कार्यकाल के बीच में रिक्त हुआ स्थान उसके पद पर आने वाले अधिकारी से भरा जाएगा और वह अधिकारी 3 वर्ष की अवधि के बाकी समय के लिए सदस्य रहेगा।

## 4. सामान्य

1. समिति आवश्यकता समझने पर अतिरिक्त सदस्यों को सहयोजित कर सकेगी और अपनी बैठकों में भाग लेने के लिए विशेषज्ञों को आमंत्रित कर सकेगी अथवा उप-समितियां नियुक्त कर सकेगी।
2. समिति का प्रधान कार्यालय नई दिल्ली में होगा लेकिन समिति अपनी बैठकें किसी अन्य नगर में भी कर सकती है।

## 5. यात्रा व अन्य भत्ते

समिति और इस समिति की उप-समितियों की बैठकों में उपस्थित होने के लिए गैर-सरकारी सदस्यों को भारत सरकार द्वारा समय-समय पर निर्धारित दरों पर यात्रा और दैनिक भत्ते दिए जाएंगे।

## आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक-एक प्रति सभी राज्य सरकारों और संघ राज्य क्षेत्र प्रशासनों, प्रधानमंत्री का कार्यालय, मंत्रिमण्डल सचिवालय, संसदीय कार्य विभाग, लोक

सभा सचिवालय, राज्य सभा सचिवालय, योजना आयोग, राष्ट्रपति सचिवालय, भारत के नियंत्रक और महालेखा परीक्षक, महालेखाकार, केन्द्रीय राजस्व और भारत सरकार के सभी मंत्रालयों तथा विभागों को भेजी जाए।

यह भी आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प को आम जानकारी के लिए भारत के राजपत्र में प्रकाशित किया जाए।

नरेंद्र नाथ वोहरा,  
संयुक्त सचिव

**कृषि और सिंचाई मंत्रालय**  
(कृषि विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक 12 अप्रैल 1978

संकल्प

विषय:—वन अनुसंधान संस्थान तथा महाविद्यालय, देहरादून के कोर्ट का गठन।

सं० 12-2/78-एफ० आर० वाई-1—वन अनुसंधान संस्थान तथा महाविद्यालय के कोर्ट तथा इसकी कार्यकारी परिषद के गठन के संबंध में भूतपूर्व कृषि मंत्रालय के सं० 12-4/59-एफ, दिनांक 4-11-61 द्वारा, जिसका समय-समय पर संशोधन होता रहा है जारी किए गए संकल्प के पैरा 2 में “वन अनुसंधान संस्थान तथा महाविद्यालय के कोर्ट का गठन” तथा कार्यकारी परिषद का गठन” के अन्तर्गत वन महानिरीक्षक से नीचे तथा अध्यक्ष, वन अनुसंधान संस्थान एवं महाविद्यालय से ऊपर के निम्नलिखित नाम निकाल दिए जायें :—

संयुक्त सचिव (एफ० तथा ए),

व्यय विभाग,

वित्त मंत्रालय

सदस्य

निदेशक (आंतरिक वित्त)

कृषि विभाग

सदस्य

और निम्नलिखित नाम प्रविष्ट कर दिए जायें :—

वित्तीय सलाहकार,

कृषि विभाग,

कृषि तथा सिंचाई मंत्रालय

सदस्य

अध्यक्ष (कृषि) योजना आयोग

सदस्य

आदेश

आदेश दिया जाता है कि इस संकल्प की एक-एक प्रति भारत सरकार के सभी मंत्रालयों और विभागों तथा सभी राज्य सरकारों व संघ राज्य क्षेत्रों, योजना आयोग, मंत्रिमण्डल सचिवालय, लोक सभा सचिवालय, राज्य सभा सचिवालय, राष्ट्रपति सचिवालय, प्रधान मंत्री का कार्यालय, भारत के नियंत्रक तथा महालेखा-परीक्षक और वन अनुसंधान संस्थान तथा महाविद्यालय, देहरादून के कोर्ट व इसकी कार्यकारी परिषद के सभी सदस्यों को भेज दी जाए।

यह भी आदेश दिया जाता है कि यह संकल्प, सामान्य सूचना के लिए भारत के राजपत्र में प्रकाशित कर दिया जाए।

एन० डी० ज्याल, संयुक्त सचिव

वाणिज्य, नागरिक पूर्ति और सहकारिता मंत्रालय

(नागरिक पूर्ति और सहकारिता विभाग)

नई दिल्ली, दिनांक

1978

सं० ओ० 17011/3/77-जी० ओ० पी०—कृषि मंत्रालय (सहकारिता विभाग), उद्योग और नागरिक पूर्ति मंत्रालय (नागरिक पूर्ति और सहकारिता विभाग) तथा नागरिक पूर्ति और सहकारिता मंत्रालय की ओर से भारत के राजपत्र भाग-I, खण्ड 1, तारीख 27 मार्च, 1974, 5 दिसम्बर, 1974, 10 जुलाई, 1976, 5 फरवरी, 1977 और 3 मार्च, 1978 में प्रकाशित, अधिसूचना सं० ओ० 17011/2/73-जी० ओ० पी०, तारीख 28 नवम्बर, 1974, अधिसूचना सं० ओ० 17011/1/75-जी० ओ० पी०, तारीख 25 मई, 1976, अधिसूचना सं० ओ० 17011/1/75-जी० ओ० पी०, तारीख 10 जनवरी, 1977 और अधिसूचना सं० ओ० 17011/3-77-जी० ओ० पी०, तारीख 7 फरवरी, 1978 के साथ पठित अधिसूचना सं० ओ० 17011/2/73-जी० ओ० पी०, तारीख 16 मार्च, 1974 में निम्नलिखित संशोधन और उपान्तरण 9-2-1978 से प्रभावी होंगे।

2. स्कीम और उसके उपबंधों में, जहां कहीं भी, नागरिक पूर्ति और सहकारिता मंत्रालय का नाम आया हो, उसके स्थान पर निम्नलिखित रखा जाएगा :—

“वाणिज्य नागरिक पूर्ति और सहकारिता मंत्रालय (नागरिक पूर्ति और सहकारिता विभाग)”

3. ऊपर पैरा I में निर्दिष्ट, तारीख 16 मार्च, 1974, 28 नवम्बर, 1974, 25 मई, 1976, 10 जनवरी, 1977 और 7 फरवरी, 1978 की अधिसूचना के अन्य सभी निबन्धन और शर्तें, इसमें यथा उपान्तरित के सिवाए, पूर्णतया प्रवृत्त और प्रभावी रहेंगे।

के० नारायणन, संयुक्त सचिव

संचार मंत्रालय

(डाक-तार बोर्ड)

नई दिल्ली-110001, दिनांक 17 अप्रैल 1978

सं० 23-3/77-एल० आई०—महामहिम राष्ट्रपति ने एतद्वारा यह निदेश दिया है कि 1 फरवरी, 1978 से डाक जीवन बीमा और बन्दोबस्ती बीमा से संबंधित नियमों में आगे निम्नलिखित संशोधन किया जाएगा, अर्थात् :—

उक्त नियमों के नियम 3 में संक्षिप्त शब्द और अंक “40,000 रु०” के स्थान पर “50,000 रु०” ये संक्षिप्त शब्द और अंक प्रतिस्थापित किये जाएंगे।

एस० श्रीनिवासन, निदेशक  
(डाक जीवन बीमा)

## MINISTRY OF HEALTH AND FAMILY WELFARE

New Delhi, the 12th April 1978

## RESOLUTION

No. E.11018/1/77-O.L. Implementation.—In supersession of the Ministry of Health and Family Planning Resolution No. E.11017/12/75-O.L. Implementation, dated the 2nd April, 1976 and subsequent Resolutions of even number, dated the 29th April, 1976 and 21st July, 1976, the Government of India have decided to reconstitute the Hindi Advisory Committee for the Ministry of Health and Family Welfare. The composition and functions etc. of the Committee will be as follows :—

1. *Composition**Chairman*

1. Minister for Health and Family Welfare.

*Vice-chairman*

2. Minister of State for Health and Family Welfare.

*Members*

3. Secretary, Health and Family Welfare.
4. Additional Secretary (Health).
5. Additional Secretary (Family Welfare).
6. Joint Secretary (F.A.).
7. Director General of Health Services.
8. Director, National Malaria Eradication Programme, Delhi.
9. Director, National Institute of Communicable Diseases, Delhi.
10. Director, Central Government Health Scheme, New Delhi.
11. Medical Superintendent, Willingdon Hospital, New Delhi.
12. Medical Superintendent, Safdarjang Hospital, New Delhi.
13. Director, National Institute of Health and Family Welfare, New Delhi.
14. Secretary, Department of Official Language and Hindi Advisor to the Government of India.
15. Representative of Department of Official Language.

*Members of Parliament*

16. Dr. Bhagwan Dass Rathor, Member, Lok Sabha.
17. Shri Govind Munda, Member, Lok Sabha.
18. Dr. Lokesh Chandra, Member, Rajya Sabha.
19. Dr. M. M. Siddhu, Member, Rajya Sabha.

*Representatives of Institutions etc.*

20. Dr. Jogeshwar, Kashi Vidyapeeth, Varanasi.
21. Dr. Malik Mohd., Professor, Hindi Department, Calicut University.
22. Dr. Raghuvansh, Prayag Vishwavidyalaya, Allahabad.
23. Shri Rajendra Awasthi, Editor, Kadambani, Delhi.
24. Shri Narsingh Pandit, Hindi Vidyapeeth, Vaidyanath, Deoghar.
25. Dr. Kumar Vimal, Patna.
26. Dr. Atam Prakash, All India Institute of Medical Sciences, New Delhi.
27. Dr. R. K. Mishra, All India Institute of Medical Sciences, New Delhi.
28. Shri Lallan Prasad Vyas, Editor, Alok Bharti, K-37-A, Green Park, New Delhi.
29. Dr. Vishwanath Ayyar, Head of the Hindi Department, Cochin University, Cochin.
30. Pandit Shiv Sharma Baharistan, 9-A, Boman Petit Road, Kambala Hill, Bombay.
31. Joint Secretary (Administration)

2. *Functions*

The functions of the Committee will be to advise this Ministry on matters relating to the progressive use of Hindi for official purposes in the Ministry proper and its attached and Subordinate offices in accordance with the policy laid down by the Central Hindi Committee and the Department of Official Language.

3. *Tenure and Terms & Conditions.*

The term of the Committee will be 3 years from the date of its formation provided that :—

1. A member of Parliament nominated to this Committee shall cease to be a member of the Committee as soon as he ceases to be a Member of Parliament.
2. Any mid-term vacancy shall be filled up by the concerned Member's successor in office. He shall be a member for the residue of the term of three years.

4. *General*

1. The Committee may co-opt additional members and invite experts to attend its meetings or appoint sub-committees as may be deemed necessary.

2. Headquarters of the Committee will be at New Delhi but it may hold its meetings at any other station also.

5. *Travelling and other allowances.*

The non-official members will be paid travelling and daily allowances for attending the meetings of the Committee and the sub-committee of the Committee at the rates fixed by the Government of India from time to time.

## ORDER

Ordered that a copy of this Resolution be communicated to all State Governments and Union Territory Administrations, Prime Minister's Office, Cabinet Secretariat, Department of Parliamentary Affairs, Lok Sabha Secretariat, Rajya Sabha Secretariat, Planning Commission, President's Secretariat, Comptroller and Auditor General of India, Accountant General Central Revenues and all the Ministries and Departments of the Government of India.

Ordered also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

N. N. VOHRA, Jt. Secy.

MINISTRY OF AGRICULTURE AND IRRIGATION  
(DEPARTMENT OF AGRICULTURE)

New Delhi, the 12th April 1978

## RESOLUTION

Subject :—Forest Research Institute and Colleges, Dehra Dun Constitution of a Court for the.

No. 12-2/78-FRY-I.—In paragraph 2 of the Resolution constituting the Court of the Forest Research Institute and Colleges, and its Executive Council issued vide the erstwhile Ministry of Agriculture vide No. 12-4/59-F dated 4-11-1961 amended from time to time under "Composition of the Court of the Forest Research Institute and Colleges" as well as "Composition of its Executive Council" below Inspector General of Forests and above President, Forest Research Institute and Colleges delete the following :—

*Members*

Joint Secretary (F&A) Department of Expenditure Ministry of Finance.

Director (Internal Finance) Department of Agriculture. and insert the following :—

Financial Adviser,  
Department of Agriculture.  
Ministry of Agriculture & Irrigation.  
Chief (Agriculture).  
Planning Commission

## ORDERED

Ordered that a copy of the Resolution be communicated to all Ministries and Departments of the Govt. of India and all the State Governments and Union Territories, Planning Commission, Cabinet Secretariat, Lok Sabha Secretariat,

Rajya Sabha Secretariat President's Secretariat, Prime Minister's Secretariat, Comptroller and Auditor General of India and all members of the Court of the Forest Research Instt. & Colleges, Dehra Dun and its Executive Council.

Ordered also that the Resolution be published in the Gazette of India for general information.

N. D. JAYAL, Jt. Secy.

MINISTRY OF COMMERCE, CIVIL SUPPLIES & CO-OPERATION

(DEPARTMENT OF CIVIL SUPPLIES & COOPERATION)

New Delhi, the 5th April 1978

No. O 17011/3/77-GOP.—Notification No. O 17011/2/73-GOP dated 16th March, 1974, read with notification No. O 17011/2/73-GOP dated 28th November, 1974, notification No. O 17011/1/75-GOP dated 25th May, 1976 notification No. O 17011/3/77-GOP dated 10th January, 1977 and notification No. O 17011/3/77-GOP dated 7th February, 1978 published in part I Section 1 of the Government of India's Gazette dated 27th March, 1974, 5th December, 1974, 10th July, 1976, 5th February, 1977 and 3rd March, 1978 on behalf of the Ministry of Agriculture (Department of Co-operation); Ministry of Industry and Civil Supplies (Department of Civil Supplies & Cooperation) and Ministry of Civil Supplies and Cooperation, the following amendments and modification will take effect from 9-2-78.

2. Wherever the name of the Ministry of Civil Supplies and Cooperation appears in the Scheme and its annexures, it will be substituted by :

"Ministry of Commerce, Civil Supplies & Cooperation (Department of Civil Supplies & Cooperation)"

3. All other terms and conditions, in the notification dated 16th March 1974, 28th November, 1974, 25th May, 1976, 10th January, 1977 and 7th February, 1978 referred to in the 1st paragraph above shall except as modified herein remain in full force and effect.

K. NARAYAN, Jt. Secy.

MINISTRY OF COMMUNICATIONS

(P&T BOARD)

New Delhi, the 17th April 1978

No. 23-3/77-LI.—The President hereby directs that with effect from the 1st February, 1978, the following further amendment shall be made in the rules relating to Postal Life Insurance and Endowment Assurance, namely :—

In rule 3 of the said rules for the abbreviation and figures "Rs. 40,000", the abbreviation and figures "Rs. 50,000" shall be substituted.

S. SRINIVASAN,  
Director (PLI).

